THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

देश भर के देवी मंदिरों में भीड़

महाराष्ट्र में गुड़ी पड़वा मनाई जा रही, मोदी ने हिंदू नव वर्ष पर 9 तरह से शुभकामनाएं पोस्ट कीं

नई दिल्ली, 19 मार्च (एजेंसियां)। देशभर में नवरात्रि का उत्सव मनाया जा रहा है। जम्मू-कश्मीर के कटरा में बारिश के बीच भक्त दर्शन करने पहुंचे। वहीं यूपी में भी बड़े मंदिरों में भीड़ नजर आ रही है। उधर महाराष्ट्र में गुड़ी पड़वा उत्सव मनाया जा रहा है। नागपुर में सीएम देवेंद्र फडणवीस भी हिंदू नव वर्ष के कार्यक्रम में शामिल हुए। उधर पीएम ने देशवासियों को नवरात्रि और नव वर्ष पर 9 अलग-अलग तरह से पोस्ट कर बधाई दी।

वर्ष-30 अंक : 353 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) चैत्र शु.2 2083 शुक्रवार, 20 मार्च-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ❊ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

सऊदी में ऑयल रिफाइनरी पर हमला

> यूएई-कतर के तेल-गैस प्लांट पर भी ड्रोन अटैक

> सऊदी बोला-ईरान सब्र का इम्तिहान न ले

तेल अवीव/तेहरान, 19 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग के बीच सऊदी अरब के यनबू पोर्ट पर स्थित सैमरेफ ऑयल रिफाइनरी पर हवाई हमला हुआ है। इसके अलावा यूएई और कतर के तेल-गैस प्लांट पर भी ड्रोन हमले हुए हैं। ईरान ने हाल ही में सऊदी अरब, यूएई और कतर के तेल ठिकानों को खाली करने की वॉर्निंग दी थी।

सऊदी ने आज ईरान को कड़ी चेतावनी दी है। सऊदी के विदेश मंत्री फैसल बिन फरहान अल सऊद ने कहा कि हमारे देश के पास ईरान को जवाब देने की पूरी ताकत है। ईरान के हमले पहले से प्लान किए गए लगते हैं और हमारे सब्र का इम्तिहान न लें। होर्मुज स्ट्रेट बंद होने की वजह से अब ज्यादातर तेल यनबू पोर्ट से भेजा जा रहा है। इजराइल पर लेबनान में मीडिया कर्मियों पर हमले का आरोप लगा है। रूसी मीडिया चैनल आरटी के मुताबिक, दक्षिणी लेबनान में कवरेज कर रहे उसके क्रू को इजराइली सेना ने निशाना बनाया, जिसमें रिपोर्टर अली रिदा घायल हो गए।

आरटी की ओर से जारी जानकारी में कहा गया कि क्रू ने 'प्रेस' लिखी हुई जैकेट पहन रखी थी, इसके बावजूद उन पर हमला किया गया। हमले का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें क्रू पर सीधा हमला होता दिख रहा है। भारत ने मिडिल ईस्ट में एनर्जी इन्फ्रास्क्चर पर हमले की निंदा की है। विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को कहा कि भारत ऐसे हमलों की निंदा करता है और इन्हें तुरंत रोकने की मांग करता है। प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत पहले ही कह चुका है कि नागरिक इन्फ्रास्ट्रक्चर खासकर एनर्जी से जुड़ी फैसलिटीज को निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए। जानकारी के मुताबिक ईरान ने सऊदी के यानबू में सामरेफ रिफाइनरी पर हमला किया था। इसके अलावा कुवैत और कतर के एनर्जी फैसिलिटीज पर भी हमले किए गए। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने बुधवार को कहा था कि ईरान के साउथ पार्स गैस फील्ड पर इजराइल के हमले के बारे में अमेरिका को 'कुछ भी जानकारी नहीं थी'।

यह दुनिया का सबसे बड़ा प्राकृतिक गैस भंडार माना जाता है। लेकिन इस दावे के उलट, हमले से जुड़े एक इजराइली सूत्र ने बताया कि यह हमला अमेरिका को बताकर किया गया था। >14

ईरान में युद्ध पर सियासत

यह कायरता नहीं जिम्मेदार कूटनीति है : थरूर

नई दिल्ली, 19 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में जंग को लेकर भारत सरकार की चुप्पी पर कांग्रेस के भीतर ही अलग-अलग राय सामने आई है। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने सरकार के रुख का बचाव करते हुए इसे जिम्मेदार कूटनीति बताया है, जबकि कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने इसी चुप्पी को जिम्मेदारी से पलायन करार दिया था। अपने लेख में शशि थरूर ने कहा कि भले ही यह युद्ध अंतर्राष्ट्रीय कानून के खिलाफ है और भारत के मूल सिद्धांतों संप्रभुता, अहिंसा और शांतिपूर्ण समाधान का उल्लंघन करता है, लेकिन विदेश नीति में केवल नैतिकता के आधार पर फैसले नहीं लिए जा सकते।

उन्होंने कहा कि भारत को अपने राष्ट्रीय हित, रणनीतिक साझेदारी और क्षेत्रीय स्थिरता को ध्यान में रखते हुए संतुलित रुख अपनाना होता है। थरूर के मुताबिक, सरकार की चुप्पी कायरता नहीं, बल्कि एक सोची-समझी रणनीति है, और कई बार बिना बयान दिए भी कूटनीतिक रास्ते खुले रखे जा सकते हैं। थरूर ने यह भी कहा कि भारत के पश्चिम एशिया में बड़े हित जुड़े हैं करीब 200 अरब डॉलर का व्यापार, ऊर्जा आपूर्ति और लगभग 90 लाख भारतीयों की मौजूदगी, ऐसे में किसी भी कड़े सार्वजनिक बयान से इन हितों पर असर पड़ सकता है। उन्होंने अमेरिका के साथ भारत के रक्षा और तकनीकी संबंधों का भी जिक्र करते हुए कहा कि नैतिक भाषण देकर इन संबंधों को खतरे में डालना समझदारी नहीं होगी।

वहीं, सोनिया गांधी ने अपने लेख में सरकार की चुप्पी पर कड़ा सवाल उठाया था। उन्होंने कहा था कि ईरान के शीर्ष नेता की हत्या जैसे गंभीर अंतर्राष्ट्रीय घटनाक्रम पर भारत का मौन रहना तटस्थता नहीं, बल्कि जिम्मेदारी से पीछे हटना है। >14

यूएन रिपोर्ट में भारत की बड़ी उपलब्धि : बाल मृत्यु दर में भारी गिरावट, पीएम मोदी ने जताई खुशी

नई दिल्ली, 19 मार्च (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र की तरफ से एक रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें भारत में बाल मृत्यु दर में भारी गिरावट देखने को मिली। संयुक्त राष्ट्र ने बाल मृत्यु दर में गिरावट को लेकर भारत की जमकर सराहना की। वहीं, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी प्रतिक्रिया जाहिर की है। पीएम मोदी ने लिखा कि यूएन की रिपोर्ट में बच्चों की मौत में तेज गिरावट के लिए भारत की तारीफ की गई। संयुक्त राष्ट्र बाल मृत्युदर अनुमान अंतर-एजेंसी समूह (यूएनआईजीएमई) की हालिया रिपोर्ट 2025 के मुताबिक, बच्चों की मौत की दर को कम करने में दुनियाभर में हुई तरक्की में भारत एक अहम योगदान देने वाला देश बनकर उभरा है। रिपोर्ट में बच्चों के बचने के नतीजों को बेहतर बनाने के लिए, खासकर नवजात और पांच साल से कम उम्र के बच्चों की मौत के मामले में देश की लगातार और बड़े पैमाने पर की गई कोशिशों पर जोर दिया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इन नतीजों ने एक मजबूत, केंद्र और राज्यों द्वारा संचालित तथा मानकों पर आधारित सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली की प्रभावशीलता को उजागर किया है।

जालुकबारी से हिमंता तो दिसपुर से बोरदोलोई को टिकट

> असम भाजपा की पहली सूची में 88 उम्मीदवारों के नाम

नई दिल्ली, 19 मार्च (एजेंसियां)। भाजपा ने असम विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है। इस सूची में 88 उम्मीदवारों के नाम शामिल हैं। भाजपा की सूची के अनुसार, दिसपुर सीट से प्रद्युत बोरदोलोई को टिकट दिया गया है।

बोरदोलोई नागांव लोकसभा सीट से कांग्रेस सांसद थे और मंगलवार को ही उन्होंने कांग्रेस पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। बुधवार को बोरदोलोई, भाजपा में शामिल हुए और अब भाजपा की पहली सूची में ही बोरदोलोई का नाम है। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सरमा राज्य की जालुकबारी सीट से चुनाव लड़ेंगे। भाजपा द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि भारतीय जनता पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक बुधवार को हुई, जिसमें पीएम मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय चुनाव समिति के अन्य सदस्यों ने शिरकत की।

इस बैठक की अध्यक्षता पार्टी अध्यक्ष नितिन नवीन ने की। 126 विधानसभा सीटों वाले राज्य असम में 9 अप्रैल को एक चरण में वोट डाले जाएंगे। वोटों की गिनती 4 मई को होगी। हिमंता बिस्व सरमा जालुकबारी सीट से लगातार पांच बात जीत दर्ज कर चुके हैं। भाजपा की इस सूची में छह महिला उम्मीदवारों के नाम हैं।

मोदी की 24 घंटे में 5 राष्ट्राध्यक्षों से बातचीत

मैक्रों से बोले-पश्चिम एशिया में तनाव कम करना जरूरी, ओमान सुल्तान से कहा-होर्मुज से आवाजाही जरूरी

नई दिल्ली, 19 मार्च (एजेंसिया)। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 24 घंटे के दौरान 5 देशों के राष्ट्राध्यक्षों से फोन पर बात की। पीएम ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि उन्होंने फोन पर बातचीत के दौरान क्षेत्र में तनाव कम करने, संवाद बढ़ाने और शांति बहाली की जरूरत पर जोर दिया।

पीएम ने बताया कि उन्होंने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक, मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम और जॉर्डन के राजा किंग अब्दुल्ला II से बातचीत की। इससे पहले विदेश मंत्रालय ने बताया कि पीएम ने कुवैत के क्राउन प्रिंस से भी बात की थी। पीएम के मुताबिक, मैक्रों से बातचीत में कहा कि हालात चिंताजनक हैं और तनाव कम करने के लिए बातचीत और कूटनीति जरूरी है। दोनों नेताओं ने शांति और स्थिरता के लिए मिलकर काम करने पर सहमति जताई। >14

सरकार बोली-सिलेंडर की पैनिक बुकिंग में कमी

नई दिल्ली, 19 मार्च (एजेंसियां)। केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों ने गुरुवार को जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें पश्चिम एशिया में तनाव के कारण तेल और गैस संकट पर मौजूदा हालात की जानकारी दी। विदेश मंत्रालय (एमईए) में जॉइंट सेक्रेटरी (गल्फ) असीम महाजन ने कहा कि यह सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि पूरे वैश्विक समुदाय के लिए परीक्षा की घड़ी है। पेट्रोलियम मंत्रालय में जॉइंट सेक्रेटरी (मार्केटिंग एवं ऑयल रिफाइनरी) सुजाता शर्मा ने बताया कि युद्ध के कारण एलपीजी की स्थिति चिंता का विषय बनी हुई है। हालांकि, देश में किसी भी एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर के पास सिलेंडर की कमी नहीं है। पेट्रोलियम मंत्रालय के अनुसार, देश में ऑनलाइन बुकिंग बढ़कर 94 प्रतिशत पहुंच गई है। करीब 83 प्रतिशत रीफिल डिलीवरी 'डिलीवरी ऑथेंटिकेट' कोड के जरिए हो रही है। पैनिक बुकिंग में कमी आ रही है। >14

भविष्य के युद्धों में ड्रोन अहम : राजनाथ सिंह

> भारत को इस क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनना होगा

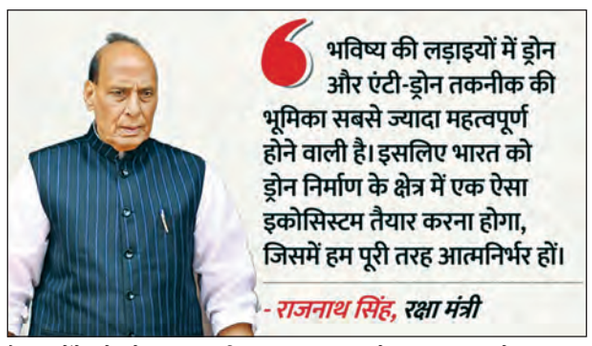

नई दिल्ली, 19 मार्च (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दिल्ली में आयोजित 'राष्ट्रीय रक्षा उद्योग सम्मेलन' में शिरकत की। इस मौके पर उन्होंने 'डिफेंस इंडिया स्टार्ट-अप चैलेंज' (जीआईएससी) के 14वें संस्करण की शुरूआत की।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, आज 100 से अधिक चुनौतियों के साथ 'डिफेंस इंडिया स्टार्ट-अप चैलेंज' (डीआईएससी) का 14वां संस्करण भी शुरू किया गया है। डीआईएससी की अब तक की सफलता को देखते हुए, हमारे रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (डीपीएसयू) द्वारा पहली बार 100 से अधिक चुनौतियां प्रस्तुत की जा रही हैं। मैं डीआईएससी के नए संस्करण के लिए सभी नवप्रवर्तकों को शुभकामनाएं देता हूं।

रक्षा मंत्री ने कहा कि इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य छोटे उद्योगों (एमएसएमई) को रक्षा निर्माण की सप्लाई चेन से जोड़ना है। उन्होंने जोर देकर कहा कि जब छोटे उद्योग बड़े रक्षा कार्यक्रमों का हिस्सा बनेंगे, तभी देश में नई खोज और तकनीक की रफ्तार तेज होगी। किसी भी देश के रक्षा तंत्र को मजबूत बनाने में बड़े उद्योगों के साथ-साथ एमएसएमई, स्टार्टअप और इनोवेटर्स की भूमिका बहुत अहम होती है। इसमें सरकार की स्पष्ट नीतियां भी बड़ा योगदान देती हैं। उन्होंने कहा दुनिया के मौजूदा हालातों पर बात करते हुए राजनाथ सिंह ने रूस-यूक्रेन और ईरान-इस्राइल के बीच चल रहे युद्ध का उदाहरण दिया।

उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया इन संघर्षों को देख रही है। इनसे यह साफ हो गया है कि भविष्य की लड़ाइयों में ड्रोन और एंटी-ड्रोन तकनीक की भूमिका सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण होने वाली है। इसलिए भारत को ड्रोन निर्माण के क्षेत्र में एक ऐसा इकोसिस्टम तैयार करना होगा, जिसमें हम पूरी तरह आत्मनिर्भर हों। उन्होंने स्पष्ट किया कि आत्मनिर्भरता सिर्फ अंतिम उत्पाद तक सीमित नहीं होनी चाहिए। हमें ड्रोन के हर पुर्जे को भारत में ही बनाना होगा।

ड्रोन का ढांचा (मोल्ड), सॉफ्टवेयर, इंजन और बैटरी सब कुछ स्वदेशी होना चाहिए। रक्षा मंत्री ने स्वीकार किया कि यह काम आसान नहीं है। आज दुनिया के कई देश ड्रोन बनाने के लिए जरूरी पुर्जे चीन से मंगवाते हैं। लेकिन भारत की सुरक्षा और रणनीतिक मजबूती के लिए हमें ड्रोन निर्माण में पूरी तरह आत्मनिर्भर होना ही पड़ेगा। राजनाथ सिंह ने आधुनिक तकनीकों जैसे ऑटोमेशन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और रोबोटिक्स के महत्व पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि ये तकनीकें पूरी दुनिया में मैन्युफैक्चरिंग का तरीका बदल रही हैं। उन्होंने कहा, सरकार का लक्ष्य है कि साल 2030 तक भारत स्वदेशी ड्रोन निर्माण का दुनिया में सबसे बड़ा केंद्र (ग्लोबल हब) बन जाए।

अयोध्या पहुंचीं राष्ट्रपति, रामलला के दर्शन किए

तमिलनाडु से लाए श्रीराम यंत्र का पूजन किया, मंदिर परिसर देखा

अयोध्या, 19 मार्च (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू नवरात्रि के पहले दिन अयोध्या के राम मंदिर पहुंची हैं। उन्होंने रामलला के दर्शन किए। दूसरे फ्लोर पर बने राम दरबार में श्रीराम यंत्र की स्थापना की। उन्होंने राम मंदिर परिसर को भी देखा। सीएम योगी ने राष्ट्रपति को मंदिर निर्माण से जुड़े कार्यों की जानकारी दी। राष्ट्रपति करीब साढ़े 10 बजे दिल्ली से अयोध्या एयरपोर्ट पहुंचीं। यहां राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और सीएम ने उनका स्वागत किया। रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा के बाद राष्ट्रपति का यह दूसरा अयोध्या दौरा है। इससे पहले वह 1 मई 2024 को अयोध्या आई थीं, तब उन्होंने हनुमानगढ़ी और राम मंदिर में दर्शन-पूजन किया था। राष्ट्रपति अयोध्या में करीब 5 घंटे रुकने के बाद दोपहर 3 बजे मथुरा के लिए रवाना होंगी। मथुरा में वह इस्कॉन और प्रेम मंदिर में दर्शन किया। शुक्रवार यानी 20 मार्च को प्रेमानंद महाराज से मुलाकात करेंगी।

ईरान के तेल से बैन हटा सकता है अमेरिका

तेल अवीव/तेहरान, 19 मार्च (एजेंसियां)। जंग के बीच अमेरिका ईरान के तेल पर लगे बैन में ढील दे सकता है। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने फॉक्स न्यूज से कहा कि ट्रम्प सरकार ईरान से जो तेल पहले से बाहर जा रहा है, उस पर लगी पाबंदियां कुछ समय के लिए हटा सकती है। ईरान पर भले ही अमेरिकी पाबंदियां लगी हों, लेकिन फिर भी ईरान कुछ देशों को चोरी-छिपे या खास तरीकों से तेल बेच रहा है। अब अमेरिका यह सोच रहा है कि जो तेल वैसे भी बाजार में आ रहा है, उस पर लगी पाबंदियों को कुछ समय के लिए ढीला कर दिया जाए, ताकि सप्लाई खुलकर बढ़ सके और कीमतें कम हो सकें। >14

राज्यसभा के 73 सांसदों पर क्रिमिनल केस

भाजपा के सबसे ज्यादा 27 सांसद, 31 एमपी अरबपति, बीआरएस सांसद के पास 5300 करोड़

नई दिल्ली, 19 मार्च (एजेंसियां)। राज्यसभा के 73 सांसदों पर क्रिमिनल केस चल रहे हैं। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) ने गुरुवार को राज्यसभा के 229 सांसदों की एक रिपोर्ट जारी की। इसमें हाल ही में चुने गए 37 सांसद भी शामिल हैं। राज्यसभा में 245 सदस्य होते हैं।

राज्यसभा के 73 सांसदों में से 36 (16 प्रतिशत) पर गंभीर आरोप हैं। एक सांसद पर मर्डर का केस है। वहीं चार सांसदों पर हत्या की कोशिश और तीन पर महिलाओं से जुड़े अपराध के केस हैं। रिपोर्ट में बताया गया कि करीब 31 सांसद (14 प्रतिशत) सांसदों ने खुद को अरबपति घोषित किया है। बड़ी पार्टियों में कई सांसदों ने 100 करोड़ से ज्यादा की संपत्ति बताई है।

आप सांसदों के पास औसतन 574.09 करोड़ :

बीजेपी के 6, कांग्रेस के 5, वाईएसआरसीपी के 4, आप के 2, बीआरएस के 2, एनसीपी के 3 और अन्य दलों के 9 सांसद इस लिस्ट में हैं। एक राज्यसभा सांसद के पास औसतन करीब 120.69 करोड़ रुपये की संपत्ति है। पार्टियों के हिसाब से औसत संपत्ति अलग-अलग है। बीजेपी के 99 सांसदों के पास औसतन 28.29 करोड़, कांग्रेस के 28 सांसदों के पास 128.61 करोड़, टीएमसी के 13 सांसदों के पास 17.70 करोड़ और आप के 10 सांसदों के पास 574.09 करोड़ रुपये हैं। डीएमके के 8 सांसदों के पास औसतन 11.90 करोड़, वाईएसआरसीपी के 7 सांसदों के पास 522.63 करोड़, समाजवादी पार्टी के 4 सांसदों के पास 399.71 करोड़, बीजेडी के 6 सांसदों के पास 105.63 करोड़ रुपये की संपत्ति है।

बीआरएस सांसद के पास 5300 करोड़ की संपत्ति

सबसे ज्यादा तेलंगाना से भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के सांसद बंडी पार्थ सराधी के पास 5300 करोड़ की संपत्ति है। उनके बाद आप के राजिंदर गुप्ता के पास 5053 करोड़ और वाईएसआरसीपी के अयोध्या रामी रेड्डी के पास 2577 करोड़ से ज्यादा की संपत्ति है। सबसे कम संपत्ति आप के संत बलबीर सिंह के पास है। उनकी कुल संपत्ति करीब 3 लाख रुपये है। वहीं मणिपुर के महाराजा सनाजाओबा लीशेम्बा के पास करीब 5 लाख और टीएमसी के प्रकाश चिक बराइक करीब 9 लाख हैं।

40 प्रतिशत मुख्यमंत्रियों पर क्रिमिनल केस :

देश के 30 मुख्यमंत्रियों में से 12 यानी 40 प्रतिशत मुख्यमंत्रियों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें से 10 यानी 33 प्रतिशत पर हत्या की कोशिश, किडनैपिंग और रिश्वतखोरी जैसे गंभीर केस हैं। तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी पर सबसे ज्यादा 89 मामले दर्ज हैं।

'काम के साथ साथ सोशल मीडिया पर भी बढ़ानी होगी पहुंच'

मुंबई, 19 मार्च (एजेंसियां)। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने नागपुर में मराठी अखबार 'तरुण भारत' के शताब्दी समारोह में शामिल होने पहुंचे। यहां उन्होंने अपने बयान में कहा कि आज कल सोशल मीडिया का इस्तेमाल बहुत अधिक बढ़ गया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को भी अच्छे काम करने के लिए यहां अपनी सक्रियता बढ़ाने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि आरएसएस के संचार विभाग के द्वारा भी कई कंटेंट डाले जा रहे हैं। हमारे स्वयंसेवक भी सोशल मीडिया का इस्तेमाल कर रहे हैं। इसे स्वीकार्यता मिलेगी। मैं इसे कोई अपेक्षा नहीं कहूंगा, लेकिन हमें वहां अपनी सक्रियता बढ़ानी होगी। उन्होंने कहा कि लोगों को एक साथ लाना और समाज में बदलाव लाना, दोनों ही ज़रूरी हैं। यह एक-दूसरे को मज़बूत करते हैं। उन्होंने कहा कि जब भी स्वयंसेवकों के पास समय होता है वे रचनात्मक काम करता है।

फारस की खाड़ी में फंसे 22 भारतीय जहाज

इंडियन नेवी ने बढ़ाई हथियारों से लैस वॉरशिप की तादाद, एस्कॉर्ट करने को मुस्तैद

नई दिल्ली, 19 मार्च (एजेंसियां)। ईरान-इजरायल-अमेरिका जंग के बीच फारस की खाड़ी में 22 भारतीय जहाज फंसे हुए हैं। इन भारतीय फ्लैग्ड टैंकरों को 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' के रास्ते आने की इजाजत है और वे आ भी रहे हैं। शिवालिक, नंदा देवी और 'जग लाडकी' भारतीय पोर्ट पर पहुंच चुकी हैं। इन तीनों जहाजों को भारतीय नौसेना ने सुरक्षित एस्कॉर्ट किया है।

ओमान की खाड़ी में नेवी की तीन वॉरशिप तैनात :

ओमान की खाड़ी के पास भारतीय नौसेना के 'मिशन बेस्ड डिप्लॉयमेंट' के तहत 2019 से एक वॉरशिप हमेशा तैनात रहता है। लेकिन मौजूदा हालात को देखते हुए नौसेना ने इसकी संख्या बढ़ा दी है। सरकारी सूत्रों के मुताबिक, पहले इसकी संख्या 1 से बढ़ाकर 3 की गई थी। अब इस इलाके में नौसेना के वॉरशिप की तादाद और बढ़ा दी गई है। हालांकि, यह संख्या कितनी बढ़ाई गई है, इसकी जानकारी साझा नहीं की गई है। इन वॉरशिप का काम भारतीय फ्लैग्ड शिप्स को एस्कॉर्ट कर सुरक्षित इलाके तक पहुंचाना है।

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में 22 भारतीय जहाज मौजूद :

भारत सरकार के मुताबिक, फिलहाल 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' के पश्चिम में 22 भारतीय जहाज मौजूद हैं। मिशन बेस्ड डिप्लॉयमेंट के तहत भारतीय नौसेना की तैनाती दुनिया के छह अलग-अलग इलाकों में है। इन सभी इलाकों में 2017 से लगातार तैनाती बनी हुई है। 'मिशन बेस्ड डिप्लॉयमेंट' के तहत ओमान और अदन की खाड़ी के पास भी दो बड़े अभियान जारी हैं, ओमान की खाड़ी में 'ऑपरेशन संकल्प' और अदन की खाड़ी में 'एंटी-पायरेसी ऑपरेशन'। वेस्ट एशिया के हालातों पर हुई इंटर-मिनिस्ट्रीयल प्रेस कॉन्फ्रेंस में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने नौसेना की मौजूदगी के सवाल पर कहा कि भारतीय नौसेना समुद्री डकैती विरोधी अभियानों के लिए इस क्षेत्र में मौजूद है और वे हमारी कई पहलों में सहयोग कर रहे हैं। वे किस प्रकार का सहयोग दे रहे हैं, इसकी बेहतर जानकारी रक्षा मंत्रालय द्वारा दी जाएगी।

मिशन बेस्ड डिप्लॉयमेंट... समुद्र में चौकसी :

2017 में शुरू किए गए 'मिशन बेस्ड डिप्लॉयमेंट' के तहत ओमान और अदन की खाड़ी के अलावा तीसरी तैनाती सेशेल्स के पास है, जो केप ऑफ गुड होप मार्ग से आने-जाने वाले जहाजों की सुरक्षा और समुद्री डकैती रोकने के लिए है। चौथी तैनाती मालदीव के पास, पांचवीं अंडमान-निकोबार के पास और छठी तैनाती म्यांमार-बांग्लादेश सीमा के पास बंगाल की खाड़ी में है। इन तैनातियों के दौरान भारतीय युद्धपोत मित्र देशों की नौसेनाओं के साथ युद्धाभ्यास भी करते हैं और किसी भी प्रकार की समुद्री डकैती या दुर्घटना की स्थिति में राहत और बचाव कार्यों को अंजाम देते हैं। फारस की खाड़ी में फंसे 22 भारतीय जहाजों पर 16.7 लाख टन कच्चा तेल, 3.2 लाख टन एलपीजी और करीब दो लाख टन एलएनजी लदा हुआ है।

ओएनजीसी प्लेटफॉर्म पर बड़ी चोरी का पर्दाफाश, मुंबई पुलिस ने 3 चोरों को दबोचा

मुंबई, 19 मार्च (एजेंसियां)। अरबी समुद्र में ओएनजीसी के ऑफशोर प्लेटफॉर्म पर लगातार हो रही चोरी की घटनाओं का मुंबई पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि अन्य की तलाश अभी भी जारी है। पुलिस के मुताबिक, मार्च महीने में ओएनजीसी के अलग-अलग प्लेटफॉर्म से बैटरी बैंक, सोलर पैनल और केबल चोरी होने के कुल चार मामले येलो गेट पुलिस स्टेशन में दर्ज किए गए थे। इन घटनाओं से सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए थे और मामला गंभीर माना जा रहा था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पोर्ट ज़ोन के पुलिस उपायुक्त विजयकांत सागर के निर्देश पर दो विशेष टीमें बनाई गईं। इन टीमों ने तकनीकी और स्थानीय जानकारी के आधार पर जांच शुरू की और जल्द ही सुराग हाथ लग गया। जांच के दौरान पुलिस ने दो मामलों को सुलझाते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया।

लैंड फॉर जॉब्स मामले में

लालू यादव और राबड़ी देवी को कोर्ट से बड़ा झटका, खारिज हुई याचिका

नई दिल्ली, 19 मार्च (एजेंसियां)।

दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट से लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी को बड़ा झटका मिला है। कोर्ट ने दोनों की ओर से दायर याचिका को खारिज कर दिया। कोर्ट ने लैंड-फॉर-जॉब्स मामले में गैर-आश्रित दस्तावेज देने से इनकार किया। कोर्ट ने कहा कि हर दस्तावेज पाने का आरोपियों का अधिकार नहीं है।

पहले अभियोजन अपने सबूत पेश करेगा, उसी आधार पर होगी सुनवाई। बिना ठोस बचाव के आरोपियों को अतिरिक्त दस्तावेज मांगने की अनुमति नहीं। कोर्ट ने कहा कि याचिका खारिज करने से आरोपियों को कोई नुकसान नहीं। अन्य आरोपियों की समान याचिकाएं भी कोर्ट ने खारिज की। 'अनरिलायड' दस्तावेज वे सामग्री होती हैं जिन्हें जांच एजेंसियां जब्त तो करती हैं लेकिन अभियोजन पक्ष की शिकायत में उन पर भरोसा नहीं करतीं।

'ऐसा लग रहा कि आवेदकों का कार्यवाही को लंबा खींचने का गुप्त इरादा है'

न्यायाधीश गोगने ने पारित 35 पृष्ठ के आदेश में कहा कि मुकदमे पर से अदालत का वैधानिक नियंत्रण "आरोपियों द्वारा जिरह की आड़ में हथियाया" नहीं जा सकता और ऐसा प्रतीत होता है कि आवेदकों का कार्यवाही को लंबा खींचने का "गुप्त इरादा" है। कोर्ट ने कहा कि निष्पक्ष सुनवाई के अधिकार और कार्यवाही का शीघ्र समापन सुनिश्चित करने के लिए वैधानिक प्रावधानों के अनुरूप साक्ष्यों को दर्ज करना आवश्यक है।

'न्यायिक कार्यवाही जारी रखने पर कोई शर्त लगाने की अनुमति नहीं दी जा सकती'

कोर्ट ने कहा कि आरोपी यह अनुरोध कर रहे हैं कि बचाव की तैयारी शुरू करने से पहले उन्हें सभी या कुछ 'अनरिलायड' दस्तावेज उपलब्ध कराए जाएं यानी जिरह शुरू करने के लिए ऐसे दस्तावेजों की उपलब्धता को एक शर्त के रूप में पेश किया जा रहा है। कोर्ट ने याचिकाओं को "अस्वीकार्य" बताते हुए कहा कि आरोपियों को "न्यायिक कार्यवाही जारी रखने पर कोई शर्त लगाने की अनुमति नहीं दी जा सकती।" कोर्ट ने कहा कि आरोपियों को पहले ही उन दस्तावेजों का निरीक्षण करने का पर्याप्त अवसर दिया गया था, जो साक्ष्यों के उस समूह का हिस्सा हैं, अभियोजन की शिकायत में जिनका इस्तेमाल नहीं किया गया।

करती हैं लेकिन अभियोजन पक्ष की शिकायत में उन पर भरोसा नहीं करतीं।

कोर्ट ने कहा कि इन याचिकाओं का उद्देश्य "मुकदमे को शुरुआत में ही पेचीदगियों की भूलभुलैया में धकेलना" है। विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने कहा कि इन दस्तावेजों को एकमुश्त उपलब्ध कराना न केवल "उलटी गंगा बहाने" जैसा होगा, बल्कि यह न्यायिक प्रक्रिया को भी "पूरी तरह अव्यवस्थित" कर देगा।

उन्होंने दो अन्य आरोपियों- लालू प्रसाद के निजी सचिव (पीएस) आर के महाजन और रेलवे के पूर्व महाप्रबंधक महीप कपूर की याचिकाएं भी खारिज की दीं। महाजन ने एक 'अनरिलायड' दस्तावेज और कपूर ने ऐसे 23 दस्तावेज उपलब्ध कराए जाने का अनुरोध किया था।

पार्षद का डिस्को डांस, विधायक ने न्योछावर किए नोट

इंदौर में भाजपा के प्रशिक्षण शिविर के बाद नगर अध्यक्ष भी थिरके

इंदौर, 19 मार्च (एजेंसियां)। इंदौर में भाजपा के प्रशिक्षण शिविर का समापन एक अलग ही अंदाज में हुआ। जहां एक तरफ कार्यक्रम में पूरे समय अनुशासन और राजनीतिक चर्चा का माहौल रहा, वहीं आखिर में माहौल अचानक बदल गया और समापन फिल्मी गानों पर डांस के साथ हुआ। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो भी सामने आया है।

वीडियो में भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा और एमआईसी सदस्य मनीष शर्मा फिल्मी गानों पर डांस करते नजर आ रहे हैं। वहीं विधायक गोलू शुक्ला भी दिखाई दे रहे हैं, जो डांस के दौरान पैसे न्योछावर कर रहे हैं। खास बात यह है कि यह वीडियो खुद मनीष शर्मा ने अपने सोशल मीडिया ग्रुप पर शेयर किया।

ओडिशा में 5.56 करोड़ के पेंशन घोटाले का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

भुवनेश्वर, 19 मार्च (एजेंसियां)। सरकारी पेंशन योजनाओं को निशाना बनाकर की जा रही वित्तीय अनियमितताओं पर कड़ी कार्रवाई करते हुए ओडिशा सतर्कता विभाग ने मुख्य आरोपी को एक होटल से गिरफ्तार किया है। इससे पहले आरोपी के बेटे को गिरफ्तार किया गया था। 5.56 करोड़ रुपये के गबन के मुख्य आरोपी प्रदीप कुमार मोहंती प्रधानाध्यापक से सेवानिवृत्त होने के बाद बीईओ कार्यालय में पुनः नियुक्त थे। मोहंती अपनी पत्नी गीता रानी मोहंती के साथ फरार चल रहे थे और ओडिशा व पश्चिम बंगाल में अलग-अलग स्थानों पर छिप रहे थे।

दोनों के कोलकाता में छिपे होने का संदेह था, इसलिए ओडिशा सतर्कता विभाग की एक टीम संदिग्ध ठिकानों पर छापेमारी कर रही थी। खतरे को भांपते हुए दोनों बुधवार रात कोलकाता से निकल गए और भद्रक के चारम्पा स्थित एक होटल में छिप गए थे, जहां से उन्हें गुरुवार तड़के गिरफ्तार कर लिया गया। फिलहाल दोनों से पूछताछ की जा रही है। गबन की गई धनराशि प्रदीप मोहंती, उनकी पत्नी, बेटे मातृप्रसाद मोहंती और अन्य के निजी खातों में स्थानांतरित की गई थी। आगे की जांच जारी है। गौरतलब है कि ओडिशा सतर्कता विभाग ने भद्रक स्थित जना स्मॉल फाइनेंस बैंक के शाखा प्रमुख और प्रदीप मोहंती के बेटे मातृप्रसाद मोहंती को 5,56,11,495 रुपये के गबन घोटाले में कथित भूमिका के लिए गिरफ्तार किया था।

नवंबर 2018 से सितंबर 2024 तक चले इस घोटाले में जाजपुर जिले के कोरेई स्थित ब्लॉक शिक्षा अधिकारी (बीईओ) कार्यालय के लिए आवंटित धनराशि का दुरुपयोग किया गया। बताया जाता है कि मातृप्रसाद ने अपने पिता प्रदीप कुमार मोहंती के साथ मिलकर इस घोटाले को अंजाम दिया। सतर्कता विभाग की जांच के अनुसार प्रदीप कुमार मोहंती ने मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली (एचआरएमएस) तक अवैध रूप से पहुंच बनाई और 13 सेवानिवृत्त शिक्षकों (पेंशनभोगियों) की पहचान को निशाना बनाया। रिकॉर्ड में हेरफेर करके इन सेवानिवृत्तों को फर्जी तरीके से सेवा में सक्रिय दिखाकर उसने उनके नाम पर फर्जी मासिक पेंशन बिल तैयार किए और उन्हें जारी किया।

बाढ़ राहत घोटाले मामले में

महिला तहसीलदार पर गिरफ्तारी की तलवार, कोर्ट से भी झटका

श्योपुर, 19 मार्च (एजेंसियां)।

मध्यप्रदेश के श्योपुर जिले के बहुचर्चित बाढ़ राहत घोटाले में विजयपुर तहसीलदार अमिता सिंह तोमर को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने भी उनकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी। इससे पहले ग्वालियर हाई कोर्ट भी उनकी याचिका खारिज कर चुका था। अब या तो उन्हें स्वेच्छा से सरेंडर करना होगा या बड़ौदा थाने की पुलिस कभी भी उन्हें गिरफ्तार कर सकती है।

सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बाद प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया है।

तहसीलदार अमिता सिंह तोमर

हाई कोर्ट से खारिज हुई तो सुप्रीम कोर्ट गईं

गिरफ्तारी से बचने के लिए अमिता सिंह तोमर ने पहले हाई कोर्ट ग्वालियर खंडपीठ में अग्रिम जमानत की याचिका दायर की जिसे कोर्ट ने खारिज कर दिया। इसके बाद उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी के साथ अग्रिम जमानत की अर्जी लगाई लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने भी याचिका खारिज कर दी। अब बड़ौदा थाने की पुलिस कभी भी उनकी गिरफ्तारी कर सकती है और राजस्व अमले में हलचल तेज हो गई है।

विवादों से भी रहा पुराना नाता

अमिता सिंह तोमर साल 2011 में केबीसी के पांचवें सीजन में 50 लाख रुपये जीतकर सुर्खियों में आई थीं। इसके बाद से वह लगातार किसी न किसी विवाद में रहीं। सोशल मीडिया पर विवादित पोस्ट और कमेंट डालकर प्रशासनिक कार्रवाई को गलत बताने और संविधान से जुड़ी एक पोस्ट पर आपत्तिजनक कमेंट करने पर वह निलंबित भी हो चुकी हैं। इतना ही नहीं, बार-बार तबादलों को लेकर वह पीएम मोदी को पत्र भी लिख चुकी हैं और साल 2023 में तहसील का प्रभार नहीं मिलने से खफा होकर इस्तीफे का पत्र भी लिख चुकी हैं।

2.57 करोड़ का घोटाला

साल 2021 में श्योपुर जिले में आई बाढ़ के बाद पीड़ितों के लिए राहत राशि का वितरण किया गया था। आरोप है कि बड़ौदा तहसील में उस समय पदस्थ तहसीलदार अमिता सिंह तोमर, करीब 25 पटवारियों और 100 से ज्यादा दलालों ने मिलकर 127 फर्जी खातों में लगभग 2.57 करोड़ रुपये की राशि बांट दी। जांच में आरोप लगा कि रिश्तेदारों और परिचितों को बाढ़ पीड़ित दिखाकर उनके खातों में रकम डलवाई गई। यह गड़बड़ी डिप्टी कलेक्टर की ऑडिट में पकड़ में आई जिसके बाद बड़ौदा थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई। पुलिस जांच में 100 से अधिक लोगों को आरोपी बनाया गया है।

नर्मदापुरम से लापता थी लड़की, मोबाइल में कई अश्लील वीडियो मिले

इंदौर, 19 मार्च (एजेंसियां)। इंदौर के एमआईजी इलाके में रात एक युवक को नाबालिग लड़की के साथ फ्लैट में पकड़े जाने का मामला सामने आया है। स्थानीय लोगों ने युवक को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। जांच में पता चला कि लड़की नर्मदापुरम से लापता है, जिसके बाद वहां की पुलिस को सूचना दे दी गई है और टीम इंदौर के लिए रवाना हो चुकी है।

जानकारी के मुताबिक, हिंदूवादी कार्यकर्ता मयंक तोमर को सूचना मिली थी कि एक युवक फर्जी नाम से हिंदू लड़की के साथ फ्लैट में रह रहा है।

इसके बाद मयंक अपने साथी अंकित तिवारी के साथ मौके पर पहुंचे और युवक को पकड़ लिया। पूछताछ में युवक ने पहले अपना नाम मनोज बताया, लेकिन बाद में उसने खुद को जोयब खान बताया। उसके मोबाइल की जांच करने पर 8-10 युवतियों के आपत्तिजनक फोटो और वीडियो मिलने का दावा किया गया। इसके बाद उसे एमआईजी थाने ले जाया गया।

हेड कांस्टेबल करता है गंदी हरकतें: बीजेपी नेता और अफसरों के नाम से देता है धमकी

इंदौर, 19 मार्च (एजेंसियां)। इंदौर के सदर बाजार इलाके की पुलिस लाइन में रहने वाले एक हेड कांस्टेबल से इन दिनों रहवासी परेशान हैं। बीजेपी नेता ओर अफसरों के नाम से वह आसपास के लोगों को धमकाता है। पड़ोसियों ने कई बार थाने पर शिकायत करने का मन बनाया, लेकिन पुलिस क्राइम ब्रांच में हेड कांस्टेबल के होने के चलते शिकायत नहीं सुनती। परेशान होकर रहवासियों ने पुलिसकर्मी का वीडियो बनाया। जो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। मामला जूना रिसाला पुलिस लाइन का है। यहां पिछले कुछ माह से एक पुलिसकर्मी जो क्राइम ब्रांच में हेड कांस्टेबल है। वह रहवासियों से विवाद करता है। रहवासियों ने कई बार देर रात इस मामले में एफआरवी 112 पर शिकायत की। आपसी विवाद करने की बात पर सदर बाजार थाने के पुलिसकर्मी भी वापस चले जाते हैं। पिछले एक माह से हेड कांस्टेबल ने अपने ही सरकारी क्वार्टर से अश्लील हरकत करना शुरू कर दी।

कोच्चि, 19 मार्च (एजेंसियां)।

एक्ट्रेस पर लगे फिल्मों-विज्ञापनों में अश्लीलता के आरोप

कोर्ट ने कहा-चरित्र पर कीचड़ उछालना सामाजिक हिंसा

केरल हाई कोर्ट ने महिलाओं के चरित्र पर लगाए जाने वाले आरोपों पर सख्त टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा कि बिना किसी ठोस आधार के किसी महिला के चरित्र पर कीचड़ उछालना 'सामाजिक हिंसा का घातक रूप' है। कोर्ट ने यह भी कहा कि जब कोई समाज किसी महिला की उपलब्धियों के बजाय उसकी छवि पर ज्यादा ध्यान देता है तो यह उसकी 'बौद्धिक दरिद्रता' को उजागर करता है। न्यायमूर्ति सी एस डायस ने ये टिप्पणियां मलयालम फिल्म अभिनेत्री श्वेता मेनन के खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द करते हुए कीं।

एक्ट्रेस पर आरोप था कि उन्होंने अपनी कुछ पुरानी फिल्मों और विज्ञापनों के कथित अश्लील दृश्यों का प्रकाशन या प्रसारण किया था। हाई कोर्ट ने कहा कि उसे अभिनेत्री के इस वे में दम लगता है कि यह शिकायत केवल उन्हें एसोसिएशन ऑफ मलयालम मूवी आर्टिस्ट्स के अध्यक्ष पद के चुनाव में उतरने से रोकने के उद्देश्य से दर्ज कराई गई थी, वह भी नामांकन वापसी की अंतिम तिथि से ठीक पहले।

'क्या उन्हें संत बना दिया जाए?'

अदालत ने यह भी कहा कि महिलाओं के सशक्तीकरण का मतलब यह नहीं है कि उन्हें संत बना दिया जाए। अदालत ने कहा कि इसका मतलब है उनकी व्यक्तिगत पहचान, आकांक्षाओं और उपलब्धियों को गरिमा और निष्पक्षता के साथ मान्यता देना। केरल हाई कोर्ट ने पिछले साल अगस्त में एफआईआर से संबंधित कार्यवाही पर रोक लगा दी थी और कहा था कि प्रारंभिक रूप से ऐसा प्रतीत होता है कि अभिनेत्री के तर्क में दम है कि शिकायत को जांच के लिए भेजने से पहले पुलिस से रिपोर्ट मंगाने और जांच कराने की आवश्यकताओं का पालन किया जाना चाहिए था।

'बिना ठोस सबूत के बदनामी सामाजिक हिंसा है'

अदालत ने उनकी एफआईआर रद्द करने संबंधी याचिका स्वीकार करते हुए कहा कि शिकायत दर्ज कराने का समय स्पष्ट रूप से इसके दुर्भावनापूर्ण और उत्पीड़क स्वरूप की ओर संकेत करता है। अदालत ने यह भी कहा कि शिकायत, एफआईआर, रिकॉर्ड में मौजूद कंटेंट और संबंधित कानूनों के विश्लेषण से यह स्पष्ट होता है कि ये आरोप मेनन की छवि और प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने के दुर्भावनापूर्ण उद्देश्य से लगाए गए हैं। अदालत ने 11 मार्च के अपने आदेश में कहा कि किसी महिला के चरित्र को बिना किसी आधार या ठोस प्रमाण के बदनाम करना सामाजिक हिंसा का एक घातक रूप है। क्योंकि बड़ी आसानी से कह तो कुछ भी दिया जाता है लेकिन इसका जो असर पड़ता है वह समाप्त नहीं होता।

अभिनेत्री श्वेता मेनन

अभिनेत्री के खिलाफ सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) अधिनियम की धारा 67 (इलेक्ट्रॉनिक रूप में अश्लील सामग्री प्रकाशित या प्रेषित करना) और अश्लील व्यापार (रोकथाम) अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की गई थी। जब प्राथमिकी दर्ज की गई, तब मेनन मलयालम मूवी आर्टिस्ट्स एसोसिएशन (एएमएमए) के अध्यक्ष पद के लिए चुनावी दौड़ में थीं। बाद में उन्हें (एएमएमए) की अध्यक्ष चुना गया। शिकायतकर्ता मार्टिन मेनाचरी ने आरोप लगाया था कि सालों पहले कंडोम के विज्ञापन में और पालेरी मणिक्यम, रथिनिर्वेदम और कलीमन्नु जैसी फिल्मों में वह कथित रूप से अश्लील दिखीं।

सामाजिक बहिष्कार-उत्पीड़न से तंग आकर महिला ने भीमा नदी में कूदकर दी जान, पांच आरोपियों पर केस दर्ज

बंगलूरू, 19 मार्च (एजेंसियां)। कर्नाटक के यादगीर जिले में एक 46 साल की एक महिला ने कथित तौर पर अपने ही समाज के लोगों के बहिष्कार और लगातार मिल रही प्रताड़ना से तंग आकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने इस मामले में पांच लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। मृतक महिला की पहचान कमलम्मा के रूप में हुई है, जो यादगीर के गिरिनगर इलाके की रहने वाली थी। महिला के पति यल्लप्पा सूर्यवंशी ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है।

यल्लप्पा ने बताया कि उनके बेटे पर लगे एक बिना साबित हुए आरोप की वजह से समाज के कुछ लोगों ने उनके परिवार का बहिष्कार कर दिया था। शिकायत के मुताबिक, आठ सितंबर 2025 को एक पंचायत बुलाई गई थी। इस पंचायत ने परिवार पर 10 साल का सामाजिक बहिष्कार लगा दिया और उन्हें गांव छोड़ने का हुक्म दिया। इस कड़े फैसले के बाद परिवार यादगीर शहर में एक किराए के मकान में रहने लगा था।

सांप के जहर मामले में यूट्यूबर एल्विश यादव को राहत

सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की यूपी पुलिस की एफआईआर

नई दिल्ली, 19 मार्च (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट ने यूट्यूबर एल्विश यादव को बड़ी राहत देते हुए 2023 के चर्चित स्नेक वेनम मामले में उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा दर्ज एफआईआर को रद्द कर दिया है। दरअसल, नवंबर 2023 में उत्तर प्रदेश के नोएडा में कथित रेव पार्टी में सांप के जहर के इस्तेमाल के आरोपों के बाद एल्विश यादव के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। बाद में 17 मार्च 2024 को उन्हें गिरफ्तार भी किया गया। आरोप था कि पार्टियों में सांपों और उनके जहर का इस्तेमाल मनोरंजन और नशे के लिए किया जा रहा था, जो वन्यजीव संरक्षण कानून के तहत गंभीर अपराध है।

वहीं, दूसरी ओर राज्य पक्ष का कहना था कि पुलिस ने मौके से नौ सांप, जिनमें पांच कोबरा शामिल थे, बरामद किए थे और सांप के जहर के इस्तेमाल के संकेत भी मिले थे। अदालत ने राज्य सरकार से यह भी पूछा था कि आखिर सांप का जहर कैसे निकाला जाता है और कथित तौर पर पार्टियों में इसका इस्तेमाल किस तरह होता है। इन सभी दलीलों और उपलब्ध साक्ष्यों पर विचार करने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने अंततः एफआईआर को रद्द कर दिया, जिससे एल्विश यादव को बड़ी राहत मिली। हालांकि, इस पूरे मामले ने वन्यजीवों के संरक्षण, कानून के पालन और सोशल मीडिया प्रभावशाली व्यक्तियों की जिम्मेदारी जैसे अहम सवालों को केंद्र में ला दिया है।

कोर्ट ने सुनवाई के दौरान क्या की थी टिप्पणी?

पिछली सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट की बेंच न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह ने इस मुद्दे को लेकर सख्त टिप्पणी की थी। कोर्ट ने कहा था कि अगर लोकप्रिय लोग आवाजहीन जीवों जैसे सांपों का इस तरह इस्तेमाल करते हैं, तो इससे समाज में गलत संदेश जा सकता है। अदालत ने यह भी पूछा कि क्या किसी को चिड़ियाघर जाकर जानवरों के साथ खेलने की अनुमति दी जा सकती है, और क्या यह कानून का उल्लंघन नहीं होगा। एल्विश यादव की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मुक्ता गुप्ता ने दलील दी थी कि वह एक वीडियो शूट के लिए गायक फाजिलपुरिया के निमंत्रण पर पार्टी में गए थे। उन्होंने यह भी कहा कि न तो किसी रेव पार्टी के ठोस सबूत हैं और न ही किसी मादक पदार्थ के इस्तेमाल के प्रमाण। साथ ही, लैब रिपोर्ट के हवाले से दावा किया गया कि बरामद किए गए नौ सांप विषैले नहीं थे और एल्विश घटनास्थल पर मौजूद भी नहीं थे।

4 दिन नहीं होगी मांस-मीट की बिक्री, अगर खुली मिलीं दुकानें तो तुरंत रद्द होगा लाइसेंस

भोपाल, 19 मार्च (एजेंसियां)। नवरात्रि के पावन पर्व पर भोपाल नगर निगम ने बड़ा ऐलान किया है। भोपाल म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ने अपने दायरे में आने वाली मांस-मीट की सभी दुकानों को बंद रखने का आदेश दिया है। नोटिफिकेशन जारी कर घोषणा की गई है कि चैती चांद (20 मार्च), राम नवमी (27 मार्च), महावीर जयंती (31 मार्च) और बुद्ध जयंती (1 मई) को मीट-मछली की बिक्री पूर्ण रूप से बंद होगी। वहीं, नगर निगम की तरफ से चेतावनी भी दी गई है कि अगर नियमों का उल्लंघन किया गया और इन चार पर्वों पर मीट की दुकानें खोली गईं तो दुकान का लाइसेंस रद्द कर दिया जाएगा। दुकानदार पर पुलिस कार्रवाई भी हो सकती है। भोपाल नगर निगम ने जारी अधिसूचना में लिखा है, चैती चांद के अवसर पर शुक्रवार, 20 मार्च को नगर निगम भोपाल की सीमांतर्गत मांस विक्रय की सभी दुकानें पूर्णतः बंद रहेंगी।

बर्फ से ढके चारों धाम

मौसम का यू-टर्न, चारों धाम में भारी बर्फबारी

रूद्रप्रयाग, 19 मार्च (एजेंसियां)। उत्तराखंड में आज गुरुवार को मौसम का मिजाज अचानक बदल गया। बदरीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री धाम में सुबह बर्फबारी हुई, जिससे एक बार फिर कड़ाके की ठंड लौट आई। मौसम विभाग ने पहले ही राज्य में बदलाव की संभावना जताई थी। मौसम ने एक बार फिर करवट लेते हुए पहाड़ों को सफेद चादर में ढक दिया। पूरे क्षेत्र में ठंड का असर बढ़ गया। वहीं ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फ के बीच दृश्य बेहद मनमोहक नजर आए।

मैदानी और मध्यम ऊंचाई वाले जिलों में मौसम का दूसरा रूप देखने को मिल रहा है। कई इलाकों में बारिश, तेज हवाएं और गरज-चमक की स्थिति बनी हुई है। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश के अधिकांश जिलों में हल्की से मध्यम बारिश, गरज-चमक और 3000 मीटर से अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी की संभावना बनी हुई है। हरिद्वार, उधम सिंह नगर, देहरादून, टिहरी, पौड़ी, नैनीताल और चंपावत में 50-60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने और बिजली गिरने का येलो अलर्ट जारी किया गया है। वहीं उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर, अल्मोड़ा और पिथौरागढ़ में भी तेज हवाओं के साथ मौसम बिगड़ सकता है। विभाग ने लोगों से सतर्क रहने और अनावश्यक यात्रा से बचने की अपील की है।

मौसम विभाग ने सात जिलों में आंधी-तूफान और बिजली गिरने का येलो अलर्ट जारी किया है। बागेश्वर और पिथौरागढ़ में भारी बारिश की संभावना जताई गई है। विभाग के अनुसार आने वाले एक-दो दिनों में तापमान में 3 से 5 डिग्री तक गिरावट हो सकती है। खराब मौसम को देखते हुए लोगों को सतर्क रहने और सुरक्षित स्थानों पर रहने की सलाह दी गई है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

शुक्रवार, 20 मार्च, 2026 3

युविचार

स्वयं एक समस्या बनने के बजाय क्यों न हम दूसरों की समस्यायें हल करने में सहायक बन जायें

केन्द्र सरकार देश को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगी : राव

> उगादी पर भाजपा कार्यालय में हुआ पंचांग श्रवण आयोजन

हैदराबाद, 19 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी के राज्य कार्यालय में 'श्री पराभव नाम संवत्सर' के उपलक्ष्य में उगादी पर्व बड़े ही धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाया गया।

इस अवसर पर आयोजित पंचांग श्रवण कार्यक्रम में एन. रामचंदर राव, केन्द्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी, संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी चंद्रशेखर तिवारी सहित अनेक नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान राज्य अध्यक्ष रामचंदर राव ने प्रदेशवासियों एवं पार्टी कार्यकर्ताओं को उगादी की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि नया वर्ष सभी के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि लेकर आए, यही उनकी कामना है। उन्होंने कहा कि विश्व तेजी से तकनीकी युग की ओर बढ़ रहा है और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का महत्व लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में प्रत्येक व्यक्ति को बदलते समय के साथ स्वयं को ढालते हुए नई तकनीकों को अपनाना चाहिए। वैश्विक परिस्थितियों पर बोलते हुए उन्होंने बताया कि वर्तमान में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तनावपूर्ण माहौल के कारण जी-20 देशों में गैस की कीमतों में भारी वृद्धि देखी जा रही है, किंतु भारत में स्थिति नियंत्रण में है। उन्होंने इसका श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रभावी कूटनीति को दिया। उन्होंने कहा कि देश में घरेलू गैस की कोई कमी नहीं है और वाणिज्यिक गैस की हल्की कमी भी शीघ्र ही दूर हो जाएगी। हाल ही में बड़ी मात्रा में एलपीजी से भरे जहाज सुरक्षित रूप से भारत पहुंच चुके हैं, जिससे आपूर्ति व्यवस्था मजबूत हुई है। रामचंदर राव ने बताया कि संभावित आपात परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए सरकार ने रणनीतिक भंडारण केंद्रों में पर्याप्त मात्रा में कच्चा तेल सुरक्षित रखा है।

इससे देश को किसी भी संकट की स्थिति में कठिनाइयों का सामना नहीं करना पड़ेगा। अंत में उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि केन्द्र सरकार वैश्विक चुनौतियों का मजबूती से सामना करते हुए देश को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगी और आने वाला समय भारत के लिए प्रगति का प्रतीक बनेगा। इस मौक पर केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने देशवासियों को 'श्री पराभव नाम संवत्सर' की शुभकामनाएं देते हुए नए वर्ष को सफलता, समृद्धि और शुभ फल देने वाला बताया। उन्होंने कहा कि 'पराभव' शब्द भारत या भारतीयों के लिए नहीं, बल्कि देश के शत्रुओं और राष्ट्रविरोधी ताकतों के लिए है। भारत एक पवित्र और महान देश है, इसलिए यह नया वर्ष देश के लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। केंद्रीय मंत्री ने पंडितों के हवाले से कहा कि यह वर्ष देश के लिए शुभ संकेत लेकर आया है।

अच्छी वर्षा होगी, कृषि उत्पादन बढ़ेगा और लोग सुख-शांति के साथ जीवन व्यतीत करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि यदि कोई चुनौती सामने आती है तो देश उसे पार करने में सक्षम है। उगादी के पारंपरिक महत्व का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इस पर्व पर बनने वाले पचड़ी में विभिन्न स्वाद जीवन के अलग-अलग अनुभवों का प्रतीक हैं। जीवन में सुख-दुख, सफलता-विफलता सभी आते हैं, जिन्हें धैर्य और एकता के साथ स्वीकार करना ही इस पर्व का संदेश है।

जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए जल्द शुरू होगा नया 'सीआरएस' पोर्टल

फर्जीवाड़े पर लगेगी लगाम

हैदराबाद, 19 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्र सरकार के निर्देशानुसार तेलंगाना में जल्द ही जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्रों के पंजीकरण के लिए एक नया डिजिटल प्लेटफॉर्म 'नागरिक पंजीकरण प्रणाली' शुरू किया जा रहा है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य पंजीकरण प्रक्रिया को पारदर्शी बनाना और अवैध प्रमाण पत्रों के बढ़ते मामलों को रोकना है। वर्तमान में ग्रेटर हैदराबाद और सिकंदराबाद छावनी बोर्ड क्षेत्रों में अलग-अलग प्रणालियां होने के कारण फर्जीवाड़े की गुंजाइश बनी रहती थी। हाल ही में जीएचएमसी द्वारा 26,000 फर्जी प्रमाण पत्र पकड़े जाने के बाद इस नई एकीकृत प्रणाली की आवश्यकता और अधिक महसूस की गई है। नई व्यवस्था के लागू होने के बाद, आवेदक मी सेवा केंद्रों के माध्यम से मात्र 30 रुपये का शुल्क देकर 3 से 5 दिनों के भीतर अपना प्रमाण पत्र प्राप्त कर सकेंगे।

पाम ऑयल की खेती को बढ़ावा देना जरूरी : मंत्री पोन्नम प्रभाकर

हैदराबाद, 19 मार्च (स्वतंत्र वार्ता। नर्मेटा में आयोजित किसान उत्सव कार्यक्रम में मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने 'श्री पराभव नाम संवत्सर' उगादी की शुभकामनाएं देते हुए किसानों के कल्याण और आधुनिक खेती पर विशेष जोर दिया।

मंत्री ने बताया कि किसान उत्सव के तहत 150 स्टॉल स्थापित किए गए हैं, जिनके माध्यम से किसानों को फसल चक्र परिवर्तन, वैज्ञानिक पद्धतियों और आधुनिक तकनीक के उपयोग से अधिक उत्पादन प्राप्त करने के बारे में जागरूक किया जाएगा। यह जागरूकता कार्यक्रम तीन दिनों तक जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि करीमनगर, सिद्दीपेट, जनगांव, मेडक, भुवनगिरी, हनमकोंडा और वारंगल जिलों से अधिक से अधिक किसान इस कार्यक्रम में भाग लेकर नई कृषि तकनीकों की जानकारी प्राप्त करें। मंत्री ने जानकारी दी कि 22 मार्च को मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी नर्मेटा में ऑयल पाम फैक्ट्री का उद्घाटन करेंगे। इस फैक्ट्री में अत्याधुनिक मशीनें लगाई गई हैं, जो प्रति घंटे 30 टन तक क्रशिंग कर सकती हैं और उत्पादन बढ़ने पर यह क्षमता 150 टन प्रति घंटा तक पहुंच सकती है।

उन्होंने कहा कि देश को हर साल बड़े पैमाने पर खाद्य तेल का आयात करना पड़ता है, जिससे विदेशी मुद्रा का नुकसान होता है। ऐसे में ऑयल पाम की खेती को बढ़ावा देना जरूरी है। केंद्र सरकार भी इस दिशा में प्रोत्साहन दे रही है और किसान अंतरवर्ती फसलें भी उगा सकते हैं। मंत्री ने क्षेत्र के किसानों से अपील की कि वे ऑयल पाम की खेती अपनाकर अधिक लाभ प्राप्त करें। उन्होंने विशेष रूप से सिद्दीपेट और हुस्नाबाद क्षेत्र के किसानों से इस दिशा में आगे आने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कोहेडा मंडल में पहले से ही बड़े पैमाने पर ऑयल पाम की खेती हो रही है और इससे किसानों को अच्छा लाभ मिल रहा है। पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि यह कार्यक्रम उगादी के अवसर पर किसानों की समृद्धि के उद्देश्य से आयोजित किया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि ऑयल पाम खेती का राजनीति से कोई संबंध नहीं है और सभी मिलकर किसानों के हित में काम करेंगे। उन्होंने पूर्व अनुभवों का उल्लेख करते हुए कहा कि जैसे गुजरात में दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा मिला, उसी तरह तेलंगाना में ऑयल पाम उत्पादन को बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं। अंत में उन्होंने कहा कि सरकार राजनीतिक भेदभाव से ऊपर उठकर किसानों के कल्याण के लिए निरंतर कार्य करती रहेगी।

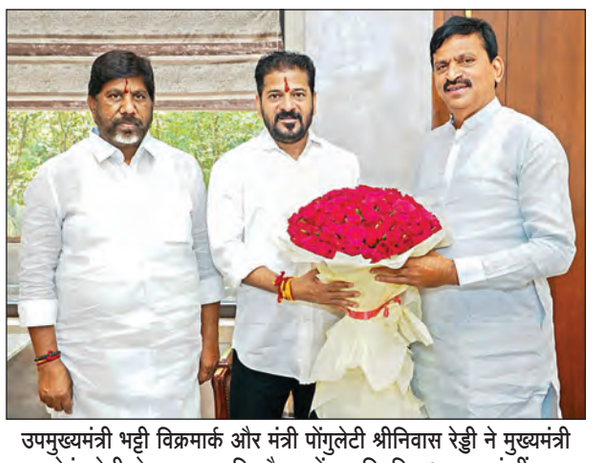

उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क और मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से मुलाकात की और उन्हें उगादि की शुभकामनाएं दीं।

बच्चों की बहादुरी से अपहरण का प्रयास नाकाम

हैदराबाद, 19 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। संगारेड्डी जिले में एक चौंकाने वाले मामले में, कुछ बच्चों ने अद्भुत साहस और समझदारी दिखाई जब उन्होंने अपहरण के प्रयास को विफल किया। सूत्रों के अनुसार, तीन अज्ञात पुरुष एक ऑटो-रिक्शा में आए और खुले मैदान में खेल रहे बच्चों का अपहरण करने का प्रयास किया। खतरा महसूस करते ही बच्चों ने तुरंत एकजुट होकर विरोध किया। उन्होंने पत्थर उठाकर अपराधियों पर फेंके, जिससे डरकर अपहरणकर्ता भाग गए। पुलिस ने संदिग्धों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए अभियान शुरू कर दिया है। अधिकारियों ने आस-पास के सीसीटीवी फुटेज की जांच शुरू कर दी है ताकि अपराधियों के बारे में सुराग मिल सके।

कविता की पार्टी रजिस्ट्रेशन पर विचार करे ईसीआई : दिल्ली हाईकोर्ट

हैदराबाद, 19 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। दिल्ली हाईकोर्ट ने गुरुवार को चुनाव आयोग से कहा कि वह पूर्व बीआरएस विधायक कविता की राजनीतिक पार्टी, तेलंगाना प्रजा जागृति के पंजीकरण के लिए दाखिल याचिका पर विचार करें। चुनाव आयोग के वकील ने कहा कि कविता की आवेदन जल्द ही निर्णय के लिए आएगा। कविता के वकील ने बताया कि 23 फरवरी को चुनाव आयोग द्वारा बताई गई कमियों को दूर कर दिया गया है। कोर्ट ने याचिका निस्तारित करते हुए चुनाव आयोग को आवेदन पर विचार करने का निर्देश दिया। याचिकाकर्ता के वकील ने चार सप्ताह के भीतर निर्णय लेने का निर्देश देने की मांग की, क्योंकि तेलंगाना में स्थानीय निकाय चुनाव अप्रैल के मध्य में होने वाले हैं। कोर्ट ने किसी समय सीमा का आदेश नहीं दिया। गौरतलब है कि कविता को सितंबर 2025 में बीआरएस से निलंबित कर दिया गया था, जब उन्होंने अपने चचेरे भाइयों और पार्टी नेताओं पर आरोप लगाया कि वे उनके पिता, पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) की छवि को खराब कर रहे हैं। इसके बाद कविता ने बीआरएस से इस्तीफा दे दिया और अपनी नई पार्टी के तहत अगली विधानसभा चुनाव लड़ने की घोषणा की। कविता अब तेलंगाना जागृति के बैनर तले सार्वजनिक मुद्दों पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं।

फिट इंडिया एंबेसडर ने जरूरतमंदों को बांटी 'रमजान किट'

खम्मम, 19 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। ईद-उल-फितर के पावन अवसर से पूर्व खम्मम शहर में सेवा और भाईचारे की मिसाल पेश की गई। फीड इंडिया फाउंडेशन की अध्यक्ष डॉ.एम.ए. फरहा ने अपने पिता एम.ए. अहमद के साथ मिलकर गुरुवार को शहर के पांडुरंगपुरम और वाईएसआर कॉलोनी में गरीब परिवारों को 'रमजान किट' वितरित किए। इस पहल के तहत लगभग 150 परिवारों को चावल, घी, सूखे मेवे, सेमिया और अन्य आवश्यक खाद्य सामग्री प्रदान की गई, ताकि वे हर्षोल्लास के साथ ईद का त्योहार मना सकें।

उल्लेखनीय है कि डॉ. फरहा बहुमुखी प्रतिभा की धनी हैं, वे 'मिसेज इंडिया फोटोजेनिक' का खिताब जीत चुकी हैं और वर्तमान में खम्मम नगर निगम की ब्रांड एंबेसडर भी हैं। उनकी उपलब्धियों की सूची में हाल ही में एक और बड़ा सम्मान जुड़ा है- उन्हें भारत सरकार के केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्रालय की पहल 'फिट इंडिया मूवमेंट' के तहत 'फिट इंडिया एंबेसडर' नियुक्त किया गया है। समाज सेवा के प्रति उनके इस जज्बे की स्थानीय लोगों ने सराहना की है।

युवजन कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जक्किड़ी शिव चरण रेड्डी गिरफ्तार

> विधायक सुधीर रेड्डी और समर्थक टेस्ट रोकने पहुंचे > एलबी नगर में ड्रग्स टेस्ट और व्हाइट चैलेंज का आयोजन

हैदराबाद, 19 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। युवजन कांग्रेस के राज्य नेतृत्व के आह्वान पर एलबी नगर में अंबेडकर प्रतिमा के पास ड्रग्स टेस्ट का आयोजन किया गया। इस दौरान काफी हंगामा हुआ। कांग्रेस और बीआरएस कार्यकर्ताओं के बीच विवाद हो गया।

पुलिस ने स्थिति को काबू करते हुए युवका कांग्रेस व बीआरएस कुछ के नेताओं को हिरासत में ले लिया। हलांकि पुलिस ने दोनों पक्षों के लोगों को समझाने की कोशिश की, लेकिन नाकाम रही।

इस दौरान युवका कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जक्किड़ी शिव चरण रेड्डी ने कहा कि मैं और मेरा परिवार ड्रग्स टेस्ट के लिए पहुंचे, लेकिन एलबी नगर के विधायक सुधीर रेड्डी अपने समर्थकों के साथ आए और टेस्ट कराने से रोके। उन्होंने आरोप लगाया कि बीआरएस नेता अपनी ईमानदारी साबित किए बिना विवाद खड़ा कर रहे हैं। जक्किड़ी शिव चरण रेड्डी ने सवाल उठाया कि कांग्रेस पार्टी के नेता शांति से टेस्ट दे रहे हैं, तो विवाद क्यों किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विधायक सुधीर रेड्डी और उनके समर्थक ड्रग्स टेस्ट कर व्हाइट चैलेंज को स्वीकार करें। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से अपील करते हुए उन्होंने कहा कि तेलंगाना को ड्रग्स मुक्त राज्य बनाने के लिए विशेष टीम बनाई जानी चाहिए। युवजन कांग्रेस हर कदम पर बीआरएस नेताओं के ड्रग्स बढ़ावा देने के प्रयासों का विरोध करेगी।

कार्यक्रम में टीपीसी सदस्य जक्किड़ी प्रभाकर रेड्डी, पूर्व कॉरपोरेटर दर्पेली राजशेखर रेड्डी, युवजन कांग्रेस राज्य प्रधान सचिव गुर्रम श्याम चरण रेड्डी, यराल राम रेड्डी, मार्केट कमिटी डायरेक्टर पन्नाल जयपाल रेड्डी, बुड्डु सत्यनारायण अशोक गौड़, डिविजन अध्यक्ष चेन्नगोनी रविंदर गौड़ और कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता, महिला सदस्य मणुलु और बड़ी संख्या में युवजन कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

आंगनवाड़ी स्मार्टफोन खरीद में 20 करोड़ के घोटाले का आरोप

बीआरएस ने की जांच की मांग

हैदराबाद, 19 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति ने गुरुवार को कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए स्मार्टफोन की खरीद में भारी वित्तीय अनियमितता का आरोप लगाया है। बीआरएस नेता मन्ने कृशांक ने दावा किया कि केंद्र की 'पोषण अभियान' योजना के तहत किए गए इस सौदे में लगभग 20 करोड़ रुपये का घोटाला हुआ है। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार ने 38,130 आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को डिजिटल डेटा संग्रह के लिए फोन उपलब्ध कराने हेतु 54 करोड़ रुपये मंजूर किए थे, जिसमें प्रति डिवाइस 11,800 रुपये का बजट तय किया गया था।

पार्टी का आरोप है कि महिला एवं बाल कल्याण विभाग ने सैमसंग ए06 मॉडल के लिए निविदा जारी की और प्रत्येक हैंडसेट की कीमत लगभग 11,600 रुपये दिखाई है, जबकि वही मॉडल खुले बाजार में मात्र 8,249 रुपये में उपलब्ध है। मन्ने कृशांक ने सवाल उठाया कि जब थोक में खरीदारी की जा रही है, तो कीमतें बाजार दर से इतनी अधिक कैसे हो सकती हैं। उन्होंने सरकार के उस तर्क को भी खारिज कर दिया जिसमें 10 करोड़ रुपये रखरखाव के लिए अलग रखने की बात कही गई थी।

मल्लाना सागर नहर में दरार से सिंचाई संकट

सिद्दिपेट, 19 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सिद्दिपेट जिले के दुब्बक कस्बे के पास चेल्लापुर में गुरुवार सुबह मल्लाना सागर नहर में अचानक दरार आ गई, जिससे स्थानीय किसानों में हड़कंप मच गया है। इस दरार के कारण दुब्बक निर्वाचन क्षेत्र के साथ-साथ पड़ोसी जिले राजन्ना-सिरसिल्ला के कई हिस्सों में सिंचाई के पानी की आपूर्ति ठप होने की संभावना है। स्थानीय किसानों का आरोप है कि पिछले कुछ वर्षों से नहरों की गाद निकालने का काम नहीं किया गयौ। जिससे नहरों में खरपतवार उग आए और पानी का प्रवाह बाधित होने के कारण यह दरार आई है। धान की फसल वर्तमान में पकने की अवस्था में है और अप्रैल में कटाई शुरू होनी है, ऐसे में पानी की कमी से किसानों को भारी आर्थिक नुकसान का डर सता रहा है।

2047 तक तेलुगु समुदाय को नंबर 1 बनाने का संकल्प लें : चंद्रबाबू

विजयवाड़ा, 19 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने उगादी के मौके पर नागरिकों से 2047 तक तेलुगु समुदाय को विश्व में अग्रणी बनाने का संकल्प लेने की अपील की। टुम्मलापल्ली कलाक्षेत्रम में आयोजित समारोह में नायडू ने लोगों से मेहनत और समर्पण के साथ इस लक्ष्य की दिशा में काम करने का आग्रह किया।

मुख्यमंत्री ने भारतीय संस्कृति और परंपराओं को विश्व के लिए उदाहरण बताया और मूल्यों को बनाए रखने पर जोर दिया। समारोह में मंत्री कंदुला दुर्गेश और अनाम रमणारायण रेड्डी सहित कई जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। अवधानी मदुगुला नागफनी शर्मा ने उगादी पंचांगम प्रस्तुत किया। नायडू ने कहा कि बड़े संयुक्त परिवार खुशी का प्रतीक हैं, लेकिन एकल परिवार की ओर रुझान सामाजिक चुनौतियों को बढ़ा रहा है। उन्होंने संयुक्त परिवार प्रणाली को फिर से बढ़ावा देने की योजना की घोषणा की। विकास के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए उन्होंने कहा कि पोलावरम परियोजना शीघ्र पूरा होगी, इसके बाद नदी इंटरलिंकिंग और अमरावती को विश्व स्तरीय राजधानी बनाने की योजनाएं लागू होंगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि हर उगादी पर नौकरी कैलेंडर जारी किया जाएगा, ताकि समय पर भर्ती सुनिश्चित हो सके। उन्होंने अब तक 30,000 से अधिक सरकारी नौकरियां और 6.28 लाख निजी क्षेत्र की नौकरियां सृजित होने की जानकारी दी। उन्होंने पूर्व सरकारों पर पोलावरम परियोजना के विस्थापितों को मुआवजा न देने की आलोचना भी की। नायडू ने कहा कि सरकार हर नागरिक के लिए आर्थिक, सामाजिक और स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए दीर्घकालिक, मध्यकालिक और अल्पकालिक योजनाओं पर काम कर रही है।

उन्होंने कहा कि विकास केवल कुछ लोगों तक सीमित नहीं होगा, बल्कि समाज के सभी वर्गों को लाभ पहुंचेगा। उन्होंने कृषि के लिए 15 मई तक सिंचाई जल छोड़ने की घोषणा की और बताया कि वर्तमान में जलाशयों का स्तर 65 प्रतिशत है। प्रौद्योगिकी के महत्व पर बोलते हुए नायडू ने कहा कि राज्य पेपरलेस शासन की ओर बढ़ रहा है, जिससे मोबाइल आधारित सिस्टम के जरिए प्रशासन संभव होगा। मुख्यमंत्री ने उगादी पुरस्कार और कला रत्न सम्मान प्राप्तकर्ताओं को बधाई दी और कहा कि तेलुगु संस्कृति स्वस्थ और प्रकृति-केंद्रित जीवन को दर्शाती है। उन्होंने उगादी पचड़ी के छह स्वादों का उदाहरण देते हुए कहा कि जीवन में सुख-दुख को धैर्य और स्थिरता के साथ सहना चाहिए।

साक्षरता और शहरीकरण के बावजूद घरेलू हिंसा की स्थिति चिंताजनक

हैदराबाद, 19 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में बढ़ते शहरीकरण और साक्षरता दर के बावजूद विवाहित महिलाओं के खिलाफ घरेलू हिंसा के आंकड़े एक भयावह वास्तविकता पेश कर रहे हैं।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस-5) के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, राज्य की लगभग 37 प्रतिशत विवाहित महिलाओं को अपने पतियों के हाथों शारीरिक या यौन हिंसा का सामना करना पड़ा है। इस हिंसा का सबसे बड़ा और प्रमुख कारण शराब का सेवन निकलकर सामने आया है। आंकड़ों के मुताबिक, जिन घरों में पति अक्सर शराब पीते हैं, वहां हिंसा की दर बढ़कर 70 प्रतिशत तक पहुंच जाती है, जबकि शराब न पीने वाले परिवारों में यह आंकड़ा मात्र 23 प्रतिशत है।

रिपोर्ट में हिंसा की प्रकृति पर भी प्रकाश डाला गया है, जिसमें थप्पड़ मारना (31 प्रतिशत) सबसे आम है, इसके बाद घूंसे मारना और बांह मरोड़ना जैसी घटनाएं शामिल हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि राज्य की 84 प्रतिशत महिलाएं घरेलू कारणों से पति द्वारा की जाने वाली पिटाई को 'जायज़' मानती हैं। सामाजिक स्वीकार्यता की इसी प्रवृत्ति के कारण 71 प्रतिशत पीड़ित महिलाएं कभी किसी से इस दुर्व्यवहार का जिक्र तक नहीं करतीं। यह स्थिति कानूनी और सामाजिक सुरक्षा प्रणालियों की प्रभावशीलता पर भी सवाल खड़े करती है, क्योंकि केवल 8 प्रतिशत पीड़ित ही पुलिस तक पहुंच पाते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि यह हिंसा एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में भी स्थानांतरित हो रही है। जिन महिलाओं ने बचपन में अपनी मां को पिता द्वारा पिटते देखा था, उनके साथ भविष्य में हिंसा होने की संभावना अधिक पाई गई है। अध्ययन में यह भी देखा गया कि कम से कम 12 साल की स्कूली शिक्षा प्राप्त 24 प्रतिशत महिलाएं भी इस कुप्रथा का शिकार हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, संस्थानों पर विश्वास की कमी और पारिवारिक लोकलाज के कारण महिलाएं पुलिस के बजाय अपने रिश्तेदारों से मदद मांगना बेहतर समझती हैं।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, P Radhika, W/o, No. 13982467, Ex-Sep, Late, Palugulla Raja Mohan Reddy, R/o, Dist: Prakasam, A P, changed my name from P Radhika to Munagala Radhika, vide Affidavit No. BU 311126 dt. 17.03.2026, before Spl Judicial Magistrate, L B Nagar.

I, Chandani Devi, W/o, No. 17018908X, NK, Yogendra Das, R/o, Dist: Gaya, Bihar, changed my name from Chandani Devi to Chandani Kumari , vide Affidavit No. BU 311132 dt. 18.03.2026, before Spl Judicial Magistrate, L B Nagar.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

साइबर अपराध के मामले अब हर थाने में दर्ज होंगे

सिद्धार्थनगर, 19 मार्च (एजेंसियां)। जिले में साइबर ठगी और डिजिटल अपराध के बढ़ते मामलों को देखते हुए पुलिस मुख्यालय ने निर्णय लिया है कि अब हर थाना स्तर पर साइबर अपराध की प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। विवेचना भी स्थानीय स्तर पर शुरू होगी। इससे पीड़ितों को मुख्य साइबर थाना तक दौड़ने की जरूरत नहीं होगी और न्याय पाने में समय कम लगेगा। पहले केवल मुख्य साइबर थाना में ही शिकायत दर्ज होती थी।

जिले में प्रतिमाह लगभग 50 से अधिक साइबर अपराध के मामले दर्ज होते हैं, जिनमें ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल, सोशल मीडिया फ्रॉड और बैंकिंग धोखाधड़ी शामिल हैं। बढ़ते मामलों ने स्थानीय पुलिस स्टाफ और थानों पर अतिरिक्त दबाव डाल रखा था। अब प्रत्येक थाने में साइबर मामलों के लिए अलग डेस्क स्थापित की गई है।

इंदौर अग्निकांड: बिहार के 6 लोगों की मौत पर सीएम नीतीश ने जताया शोक

पीड़ित परिवारों के लिए आर्थिक सहायता की घोषणा

पटना, 19 मार्च (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मध्य प्रदेश के इंदौर में इलेक्ट्रिक कार के चार्जिंग प्वाइंट में शॉर्ट सर्किट से घर में लगी आग से बिहार के किशनगंज जिले के रहने वाले छह लोगों की मौत पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने इस घटना को काफी दुखद बताया है।

मुख्यमंत्री ने गुरुवार को मृतकों के शोक संतप्त परिवार को मुख्यमंत्री राहत कोष से दो-दो लाख रुपये अनुग्रह अनुदान देने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने स्थानिक आयुक्त, नई दिल्ली को निर्देश दिया है कि मध्य प्रदेश सरकार से आवश्यक समन्वय स्थापित कर मृतकों के पार्थिव शरीर को उनके गांव तक पहुंचाने की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करें।

मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्मा की चिर शांति और उनके परिजनों को दुख की इस घड़ी में धैर्य धारण करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है।

बता दें कि मध्य प्रदेश के इंदौर में कार चार्जिंग के दौरान शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लग गई, जिसने विकराल रूप ले लिया। इस हादसे में बिहार के किशनगंज के रहने वाले छह लोगों की मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार, बुधवार को बंगाली चौराहा क्षेत्र में स्थित बृजेश्वरी कॉलोनी में कार को चार्ज किया जा रहा था, तभी चार्जिंग के दौरान आग लग गई और देखते ही देखते इस आग ने विकराल रूप ले लिया।

पूरी इमारत में आग की लपटें नजर आने लगीं। इस आग की चपेट में घर के अंदर रखे गैस सिलेंडर भी आ गए और एक-एक कर कई गैस सिलेंडर में धमाका हुआ।

इसके चलते मकान का कुछ हिस्सा भी ढह गया। बताया गया कि इंदौर के बंगाली चौराहे के पास हुई इस घटना के शिकार विजय सेठिया की बेटी रुचिका, नाती तन्य जैन, नातिन राशि जैन मंगलवार की रात ही इंदौर अपने फूफा के घर पहुंची थी।

रुचिका अपने बीमार पिता से मिलने गई थी, जबकि कार्तिक सेठिया अपने ताऊ और ताई से मिलने गए थे। रुचिका के पिता विजय सेठिया लगभग एक महीने से इंदौर में अपने बहनोई के घर पर इलाज के लिए रुके थे, तो बेटी रुचिका अपने बच्चों के साथ पिता को देखने गई थी। विजय सेठिया किशनगंज में 30 से 40 वर्षों से किराए के मकान में रहते थे।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने नव संवत्सर की दी शुभकामनाएं, गौ रक्षा का किया आह्वान

वाराणसी, 19 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में इस बार भारतीय नव वर्ष यानी विक्रम संवत 2083 का स्वागत बड़े ही श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया। इस मौके पर स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने 'सनातन पंचांग' का उद्घाटन किया और सभी देशवासियों को नव संवत्सर की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान काशी के शंकराचार्य घाट पर सुबह-सुबह वैदिक मंत्रों के साथ उगते हुए सूर्य को अर्घ्य देकर नए साल का स्वागत किया गया, जो अपने आप में एक बहुत ही आध्यात्मिक और सकारात्मक शुरुआत मानी जाती है। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि यह नया साल 'रौद्र' नाम का संवत्सर है। उन्होंने बताया कि शास्त्रों के अनुसार इस संवत्सर में शासक वर्ग, यानी राजा, कुछ कठोर या निष्ठुर हो सकते हैं। इसके साथ ही एक बहुत अच्छी बात भी है। इस साल का राजा 'गुरु' है, क्योंकि वर्ष की शुरुआत गुरुवार से हुई है। शास्त्रों में माना जाता है कि जब वर्ष का राजा गुरु होता है तो वर्षा अच्छी होती है, पशु-पक्षी, खासकर गायें, खुश रहती हैं और समाज में धार्मिक कार्य बढ़ते हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि इस साल लोगों में उत्सव का माहौल रहेगा। यानी भले ही कुछ कठिन परिस्थितियां आएं, लेकिन आम जनता संघर्ष करते हुए अंत में खुशहाल और विजयी होगी। यह एक तरह से उम्मीद और सकारात्मकता का संदेश है कि कठिनाइयों के बावजूद समाज आगे बढ़ेगा। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने एक और खास बात कही कि इस संवत्सर को उन्होंने 'गविष्ठी संवत्सर' घोषित किया है।

कंगना रनौत के बयान पर बिहार कांग्रेस का पलटवार

'अगर उनकी व्यक्तिगत लाइफ में आदमी जाएगा तो बहुत कुछ निकलकर आ जाएगा'

पटना, 19 मार्च (एजेंसियां)। बीजेपी सांसद कंगना रनौत के एक बयान से बिहार का सियासी पारा चढ़ गया है। कंगना ने कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को लेकर यह कहा है कि उनसे महिलाएं असहज महसूस करती हैं। इस पर अब बिहार कांग्रेस की ओर से पलटवार किया गया है। गुरुवार (19 मार्च, 2026) को बिहार कांग्रेस के प्रवक्ता डॉ। स्नेहाशीष वर्धन ने बयान जारी करते हुए कंगना रनौत पर निशाना साधा।

कांग्रेस नेता ने दी कंगना को नसीहत

डॉ। स्नेहाशीष वर्धन ने कहा कि कंगना रनौत ने राहुल गांधी पर अशोभनीय टिप्पणी मीडिया में हाईलाइट रहने के लिए की है और यह अक्षम्य है।

कांग्रेस नेता ने नसीहत देते हुए कहा कि महिला सांसद होकर उन्हें (कंगना रनौत) ऐसी बयानबाजी से बचना चाहिए, क्योंकि अगर उनकी व्यक्तिगत लाइफ में आदमी जाएगा तो बहुत कुछ निकलकर आ जाएगा इसलिए कम से कम ऐसी ओछी टिप्पणियों से बचिए। आगे हमला करते हुए बिहार के कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि महिलाओं के सम्मान पर कोई राहुल गांधी पर सवाल उठा रहा है तो कम से कम अपनी जिस विचारधारा के साथ वो (कंगना) खड़ी हैं उसको हाईलाइट करें। वह बताएं कि वहां महिलाओं का सम्मान क्यों नहीं है?

कंगना पर क्या बोले सांसद पप्पू यादव?

उधर सांसद पप्पू यादव ने भी पत्रकारों से बातचीत में कंगना रनौत को लेकर काफी कुछ कहा है। पप्पू यादव ने कहा कि व्यक्तिगत आलोचना की कोई जगह नहीं है। तंज कसते हुए कहा, हाथी चले बाजार कुत्ता भौंके हजार... कंगना को इग्नोर करिए... कंगना-चखना ये सब चटनी है... इन लोगों को इग्नोर करिए। सांसद पप्पू यादव ने उक्त बयान पटना एयरपोर्ट पर गुरुवार (19 मार्च, 2026) पर दिया है।

दिल्ली-प्रयागराज रेलवे रूट पर सिलेंडर ब्लास्ट टला बड़ा हादसा

कानपुर, 19 मार्च (एजेंसियां)। यूपी में कानपुर सेंट्रल स्टेशन से महज 2 किलोमीटर दूर दिल्ली-प्रयागराज रेलवे रूट पर एक छोटे 5 लीटर क्षमता वाले एलपीजी सिलेंडर के फटने से इलाके में हड़कंप मच गया। विस्फोट की तेज आवाज से आसपास के लोग दहशत में आ गए। घटना की जानकारी के बाद पुलिस, आरपीएफ और क्राइम ब्रांच की टीमों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि यह सिलेंडर किसी ट्रेन, खासकर महाबोधि एक्सप्रेस से गैस लीक होने या अन्य कारण से फेंका गया था, जिसके बाद ट्रैक पर गिरकर फट गया।

घटना के दौरान रेलवे ट्रैक के पास एक बैग पड़ा मिला, जिसमें कई सामान जैसे कपड़े, बर्तन, एक मोबाइल फोन और सबसे महत्वपूर्ण आधार कार्ड बरामद हुआ। यह आधार कार्ड प्रतापगढ़ जिले के निवासी ओम प्रकाश मिश्रा का बताया जा रहा है। पुलिस ने इस आधार पर यात्री की पहचान और तलाश शुरू कर दी है।

सिलेंडर की जांच करने पहुंची थी पुलिस

खुल गया होटल का 'गंदा राज', 5 कमरे कर दिए सील

पटना, 19 मार्च (एजेंसियां)। बिहार के पटना के मोकामा में पुलिस ने एक होटल की आड़ में चल रहे अवैध देह व्यापार के नेटवर्क का भंडाफोड़ कर दिया है। यहां स्टेशन रोड स्थित एक होटल में जब पुलिस की टीम घरेलू गैस सिलेंडरों के अवैध उपयोग की जांच करने पहुंची, तो वहां सेक्स रैकेट संचालित होने का चौंकाने वाला मामला सामने आया। बाढ़ के एसडीपीओ आनंद कुमार सिंह ने बताया कि स्थानीय लोगों ने सोशल मीडिया के माध्यम से मोकामा स्टेशन रोड के होटलों में घरेलू गैस सिलेंडरों के कमर्शियल इस्तेमाल की शिकायत की थी। इसी सूचना पर दोपहर करीब 12 बजे पुलिस की विशेष टीम ने छापेमारी शुरू की। जांच के दौरान टीम जब होटल पहुंची, तो वहां 4 घरेलू गैस सिलेंडर बरामद हुए। इसी बीच संदेह होने पर जब पुलिस ने पूरे होटल और कमरों की गहन तलाशी ली, तो अंदर का नजारा देख अधिकारी दंग रह गए। होटल के 5 अलग-अलग कमरों में युवक-युवतियां आपत्तिजनक स्थिति में पाए गए। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मौके से होटल संचालक सियाराम सिंह समेत कुल 7 लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें 3 युवक और 4 युवतियां शामिल हैं।

पुलिस ने होटल के उन सभी 5 कमरों को सील कर दिया है। साथ ही होटल का रजिस्टर और अन्य आपत्तिजनक सामग्री भी जब्त कर ली गई है। एसडीपीओ ने स्पष्ट किया कि मामले को लेकर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस अब इस बात की पड़ताल कर रही है कि यह नेटवर्क कब से सक्रिय था और इसमें कौन-कौन शामिल हैं। फिलहाल होटल का लाइसेंस रद्द करने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है।

फर्रुखाबाद में बड़ा एक्शन, लूट का आरोपित मुठभेड़ में गिरफ्तार

फर्रुखाबाद, 19 मार्च (एजेंसियां)। विगत अलीगंज मार्ग पर भाई के साथ बाइक से जा रही अमृतपुर थाना क्षेत्र की महिला मंजू के कुंडल पर्स लूटने के आरोपित बदमाश कासगंज जिले के पटियाली थाना क्षेत्र के गांव अलैयापुर निवासी कुलदीप को पुलिस ने गुरुवार तड़के ऑपरेशन लंगड़ा के तहत मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया है। यह मुठभेड़ कायमगंज अलीगंज मार्ग पर गांव विराहिमपुर से पहले हुई। लूट का एक आरोपित गांव दत्तू नगला निवासी सनी कश्यप तो घटना के समय ही ग्रामीणों द्वारा पकड़ लिया गया था। दूसरा आरोपित कुलदीप जिसके पास सोने के कुंडल थे, वह भाग गया था। बाद में पुलिस भागे हुए आरोपित कुलदीप को पकड़ कर थाने लाई। कुंडल की बरामदगी के लिए पुलिस गुरुवार की सुबह करीब 5 बजे उसे घटनास्थल पर ले गई। जहां आरोपित कुलदीप ने लिए तमंचा व कुंडल छिपा रखे थे। मौका पाकर आरोपित कुलदीप ने तमंचा उठाकर पुलिस पर फायर किया, जिससे गोली कांस्टेबल धर्मेंद्र तिवारी को छूते हुए निकल गई।

'कहीं पेड़ नहीं दिख रहे करोड़ों रुपये से सिर्फ अपनी सेहत बना रहे हो' मंत्री राकेश सचान ने डीएफओ को फटकारा

कानपुर देहात, 19 मार्च (एजेंसियां)। हमने आपको करोड़ों रुपये दिए लेकिन उन जगहों पर कहीं कोई पेड़ नहीं दिख रहे हैं। यह सब क्या है? हम पैसे तो दे ही रहे हैं, आप अपनी सेहत बना रहे हो। इसके साथ पेड़ों की भी सेहत ठीक रहे। ऐसे काम नहीं चलेगा। यह बात भाजपा सरकार के नौ वर्ष पूरे होने पर कलेक्ट्रेट परिसर माती में विभिन्न विभागों के स्टालों का अवलोकन करने के दौरान एमएसएमई मंत्री राकेश सचान ने डीएफओ (जिला वन अधिकारी) एके पांडेय से कही। उन्होंने लगाए गए पौधों के सूखने पर डीएफओ से खुद की सेहत सुधारने के साथ ही पौधों को भी ठीक रखने की नसीहत दी। उन्होंने कहा कि पेड़-पौधे सही रहेंगे तभी सब ठीक रहेगा, ऐसे काम नहीं चलेगा। डीएफओ को हिदायत देने का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर खूब प्रसारित हो रहा है,

'धार्मिक स्थल की मर्यादा हर हाल में पालन होना चाहिए'

गंगा घाट पर इफ्तार पार्टी पर भड़की राज्यमंत्री रजनी तिवारी

वाराणसी, 19 मार्च (एजेंसियां)। वाराणसी में गंगा घाट पर कथित तौर पर इफ़्तार पार्टी को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी ने इस पार्टी पर सख्त ऐतराज जताते इसे धार्मिक भावनाओं के साथ खिलवाड़ बताया और कहा कि इस तरह की घटनाओं को स्वीकार नहीं किया जा सकता है। राज्यमंत्री रजनी तिवारी हरदोई के गांधी मैदान में आयोजित एक कार्यक्रम में हिस्सा लेने पहुंची थी, जहां उन्होंने तमाम मुद्दों पर खुलकर अपनी राय रखी।

मंत्री से जब एसआई परीक्षा में 'पंडित' शब्द को लेकर हुए विवाद पर सवाल किया गया तो उन्होंने इसे सोची-समझी बताया और कहा कि सरकार की लगातार बढ़ती साख और लोकप्रियता से घबराए कुछ लोग जानबूझकर ऐसे मुद्दे खड़े कर माहौल खराब करने का प्रयास कर रहे हैं।

गंगा घाट पर इफ्तार पार्टी पर जताया एतराज़

रजनी तिवारी आश्वस्त किया कि इस मामले में जो भी दोषी पाए जाएंगे, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। वहीं वाराणसी के गंगा घाट पर इफ्तार पार्टी और कथित तौर पर हड्डियां फेंकने की घटना पर भी उन्होंने कड़ा एतराज जताया। उन्होंने इसे आस्था के साथ खिलवाड़ बताते हुए उन्होंने कहा कि धार्मिक स्थलों की मर्यादा का हर हाल में पालन होना चाहिए और इस तरह की घटनाएं किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं हैं।

सिनेमा में बढ़ती अश्लीलता पर उठाए सवाल

फिल्मों में बढ़ती अश्लीलता पर भी मंत्री ने चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की सामग्री समाज, विशेषकर युवाओं पर नकारात्मक प्रभाव डाल रही है। इस पर रोक लगाने के लिए सख्त कदम उठाने की आवश्यकता है। ताकि सामाजिक मूल्यों और संस्कृति की रक्षा की जा सके।

कार्यक्रम के दौरान उन्होंने यह भी दोहराया कि प्रदेश सरकार कानून-व्यवस्था, सांस्कृतिक मूल्यों और सामाजिक सौहार्द को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है और किसी भी प्रकार की साजिश या अव्यवस्था को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

वाल्मीकि टाइगर रिजर्व में नदी किनारे मिली डेढ़ साल की बाघिन, दो दिन से तलाश में था विन विभाग

बेतिया, 19 मार्च (एजेंसियां)। बिहार के बेतिया से एक बड़ी खबर सामने आई है, जहां वाल्मीकि टाइगर रिजर्व क्षेत्र में एक बाघिन की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से वन विभाग में हड़कंप मच गया है। यह मामला बुधवार (19 मार्च) का बताया जा रहा है। घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है और वन विभाग के अधिकारी तत्काल सक्रिय हो गए हैं। जानकारी के अनुसार, जंगल से बाहर करीब डेढ़ साल की एक बाघिन मृत अवस्था में बरामद की गई है। बताया जा रहा है कि पिछले दो दिनों से वन विभाग की टीम इस बाघिन पर लगातार नजर बनाए हुए थी।

बाघिन की गतिविधियां असामान्य लगने पर उसे सुरक्षित तरीके से रेस्क्यू करने की कोशिश भी की जा रही थी, लेकिन इसी बीच उसकी मौत हो गई। घटना मंगूरहा वनक्षेत्र स्थित पंडई नदी के किनारे की है, जहां बाघिन का शव मिलने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। जैसे ही इसकी सूचना वन विभाग को मिली, टीम तुरंत मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया।

नीले ड्रम में भर दूंगी

बुलंदशहर में धमकी से डरा पति, पत्नी को प्रेमी संग किया विदा

बुलंदशहर, 19 मार्च (एजेंसियां)। यूपी के बुलंदशहर से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां नीले ड्रम की धमकी से एक पति इतना डर गया कि उसने अपनी पत्नी को उसके प्रेमी के हवाले कर दिया। यह घटना थाना कोतवाली देहात क्षेत्र की बताई जा रही है। पीड़ित व्यक्ति राजकुमार ने बताया कि उनकी पत्नी की सोशल मीडिया पर एक युवक से दोस्ती हुई थी। यह दोस्ती धीरे-धीरे प्यार में बदल गई। दोनों चुपके-चुपके मिलते रहते थे। एक दिन राजकुमार ने पत्नी के मोबाइल में प्रेमी के साथ आपत्तिजनक तस्वीरें देख लीं। इसके बाद राजकुमार ने पत्नी से बात की और और उससे दूर रहने को कहा। लेकिन पत्नी ने साफ कह दिया कि वह अब प्रेमी के साथ रहना चाहती है।

उसने राजकुमार को बार-बार नीले ड्रम वाली धमकी दी। यानी अगर वह बीच में आया तो मेरठ की मुस्कान जैसी घटना की तरह उसे मारकर नीले ड्रम में भर देगी। यह धमकी सुनकर राजकुमार इतना डर गया कि उसने अपनी जान बचाने के लिए पत्नी को प्रेमी के साथ जाने की इजाजत दे दी। बार-बार की धमकी के बाद मामला थाने पहुंचा, जहां पत्नी ने प्रेमी के साथ रहने की जिद पकड़ ली। राजकुमार ने मजबूर होकर थाने में ही दोनों को साथ रहने का आशीर्वाद दे दिया और कहा, "अब तुम दोनों साथ रहो, मुझे कोई समस्या नहीं।

" पुलिस ने इस मामले में दोनों पक्षों की सुनवाई की और समझौता कराया। हालांकि, यह घटना परिवार और समाज में सनसनी फैला रही है। 'नीले ड्रम' का जिक्र पिछले साल मेरठ के चर्चित हत्याकांड से जुड़ा है, जिससे लोग काफी खौफजदा हैं।

क्या जिप अध्यक्ष और उपाध्यक्ष की चली जाएगी कुर्सी

बांका जिला परिषद में अविश्वास प्रस्ताव पर सियासी सरगर्मी

बांका, 19 मार्च (एजेंसियां)। जिला परिषद में अध्यक्ष राजेन्द्र यादव और उपाध्यक्ष सोनी सिंह के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव को लेकर राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। जिप अध्यक्ष राजेंद्र यादव द्वारा भेजे गए पत्र के बाद जिला प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए विशेष बैठक की तारीख तय कर दी है। डीएम नवदीप शुक्ला के निर्देश पर आगामी 28 मार्च को समाहरणालय सभागार में यह बैठक आयोजित होगी।

बैठक में अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा की जाएगी। जानकारी के अनुसार पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष सुनील सिंह सहित 18 सदस्य मंगलवार को अविश्वास प्रस्ताव पर विचार के लिए विशेष बैठक बुलाने की मांग करते हुए पत्र सौंपा था। इसके बाद अध्यक्ष राजेंद्र यादव ने बैठक की तिथि निर्धारण के लिए डीएम को पत्र लिखा। प्रशासन ने नियमानुसार इस बैठक की तिथि तय कर दी।

हस्ताक्षर करने वाले सदस्य

अविश्वास प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करने वालों में पूर्व अध्यक्ष सुनील सिंह, सुजाता वैद्य, नीलम सिंह, सिम्पल देवी, सोनी सिंह, विश्वजीत दीपांकर, मो। रफीक आलम, बलजीत सिंह बिट्टू, सौरभ कुमार सिंह, विभा देवी, दृष्टि कुमारी, कल्पना देवी, मोना देवी, अंजना देवी, अंजु कुमारी, प्रीतम कुमार साह, शारदा देवी और गायत्री देवी शामिल हैं।

अमेरिका में गाजियाबाद की सबा हैदर ने जीता स्टेट रिप्रेजेंटेटिव प्राइमरी चुनाव

अब ट्रंप की पार्टी से होगा सामना

गाजियाबाद, 19 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका में भारतीय मूल की सबा हैदर ने इलिनोइस में स्टेट रिप्रेजेंटेटिव पद के लिए हुए प्राइमरी चुनाव में शानदार जीत दर्ज की है। उन्होंने अपनी डेमोक्रेटिव पार्टी के ही प्रतिद्वंद्वी जैरेड ब्लागर को बड़े अंतर से चुनाव में पराजित किया। प्राइमरी इलेक्शन में जीत दर्ज करने के बाद सबा नवंबर में होने वाले मुख्य चुनाव में डेमोक्रेटिव पार्टी की उम्मीदवार होंगी, जिनका मुख्य मुकाबला राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रिपब्लिक पार्टी के उम्मीदवार से होगा।

सबा हैदर वर्तमान में अमेरिका में ड्यूपेज काउंटी बोर्ड की सदस्य और काउंटी कमिश्नर हैं। वर्ष 2024 में उन्होंने काउंटी कमिश्नर का चुनाव जीतकर अमेरिकी राजनीति में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई थी। अब स्टेट रिप्रेजेंटेटिव के प्राइमरी चुनाव में जीत के साथ उनकी राजनीतिक हैसियत और मजबूत हो गई है। हैदर ने बताया कि मतगणना का पल काफी उत्साहपूर्ण रहा। उन्होंने बताया कि चुनाव कैंपेन में उन्होंने सामाजिक और मानसिक स्वास्थ्य के साथ ही प्रवासी भारतीयों के हकों की रक्षा को प्रमुखता दी और ड्यूपेज काउंटी बोर्ड की सदस्य और काउंटी कमिश्नर के पद की गरिमा को समझते हुए काम करके दिखाया। यही वजह रही कि यहां के हर वर्ग व समुदाय के लोगों ने भरपूर वोट दिए।

जीत की पुष्टि होने तक गाजियाबाद में जागा परिवार

अमेरिका की ड्यूपेज काउंटी में शाम के करीब 6:30 बजे थे, जब भारतीय समयानुसार सुबह के छह बजे थे। यानी करीब 11:30 घंटे का अंतर। अमेरिका इलिनोइस में स्टेट रिप्रेजेंटेटिव के चुनाव की मतगणना चल रही थी, जो भारतीय समयानुसार रात भर चली और सुबह छह बजे परिणाम आया, जिसमें सबा हैदर ने बड़े अंतर से प्राइमरी चुनाव में जीत दर्ज की। गाजियाबाद में उनका परिवार जागता रहा और मतगणना की जानकारी लेता रहा। सबा हैदर की अम्मी महजबी हैदर, पापा हैदर अली, भाई अब्बास हैदर और जीशान हैदर मतगणना संपन्न होने तक काल करते रहे और जीत की पुष्टि होने पर मुबारकबाद दी।

अमेरिका तक कामयाब सफर

सबा हैदर गाजियाबाद के चित्रगुप्त विहार में सैयद हैदर की बेटी हैं। उन्होंने होली चाइल्ड स्कूल से 12वीं, राम चमेली चड्ढा विश्वास गर्ल्स कालेज से बीएससी और अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी से वाइल्डलाइफ साइंसेज में एमएससी किया।

वर्ष 2006 में अली काजमी से शादी के बाद वह 2007 में अमेरिका शिफ्ट हो गईं। अमेरिका में सबा ने विभिन्न सामाजिक कार्यों में हिस्सा लिया और योग प्रशिक्षण दिया। पब्लिक हेल्थ बोर्ड, इंडियन प्रेयरी एजुकेशनल फाउंडेशन, और इंडियन प्रेयरी पेरेंट्स काउंसिल जैसे संगठनों में नेतृत्व के अवसर मिले।

अनंत सिंह को मिली जमानत

पटना, 19 मार्च (एजेंसियां)। मोकामा के बाहुबली विधायक अनंत सिंह को पटना हाईकोर्ट से जमानत मिल गई है। वे दुलारचंद यादव मर्डर केस में पटना के बेऊर जेल में बंद थे। अब बेल मिलने के बाद विधायक अनंत सिंह शुक्रवार (20 मार्च, 2026) या शनिवार (21 मार्च, 2026) तक जेल से बाहर आ सकते हैं। कागजी प्रक्रिया के बाद वे अपने समर्थकों के बीच होंगे। मोकामा विधायक अनंत सिंह ने अभी हाल ही में राज्यसभा चुनाव के दौरान जेल से आकर वोट दिया था। उस वक्त उन्होंने बड़ा ऐलान किया था कि अब उनका बाल-बच्चा राजनीति करेगा।

बता दें कि दुलारचंद यादव की हत्या 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान हुई थी। इसके बाद अनंत सिंह इस मामले में आरोपी बनाए गए थे। जेल में रहते हुए उन्हें चुनाव में जीत मिली थी। उनसे पहले उनकी पत्नी नीलम देवी मोकामा से विधायक थीं।

छात्रा का क्लास रूम में फंदा लगाने से मौत

धर्मशाला, 19 मार्च (एजेंसियां)। जिला कांगड़ा के केएलबी कॉलेज पालमपुर में वीरवार को एक दुखद घटना सामने आई, जहां बीकॉम प्रथम वर्ष की एक छात्रा ने कक्षा के अंदर फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। प्राप्त जानकारी के अनुसार 19 वर्षीय छात्रा सुबह करीब 8:45 बजे कॉलेज पहुंची। वह सीधे अपनी कक्षा में गई और अंदर से दरवाजा बंद कर लिया। कुछ समय बाद एक अन्य छात्रा ने कक्षा के अंदर संदिग्ध स्थिति देखी और कॉलेज में कार्यरत एक व्यक्ति को सूचित किया। सूचना मिलने पर उक्त व्यक्ति ने दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया और छात्रा को पंखे से लटका पाया। उसे तुरंत नीचे उतारा गया, लेकिन तब तक उसकी मृत्यु हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। साथ ही फॉरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया।

दाऊद इब्राहिम की करोड़ों की जमीन 35 साल बाद नीलाम

मुंबई, 19 मार्च (एजेंसियां)। कुख्यात भगोड़े अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम से जुड़ी रत्नागिरी की पुश्तैनी जमीनों को आखिरकार खरीदार मिल गया है। केंद्र सरकार की तरफ से 5 मार्च को कराई गई नीलामी में मुंबई के एक बोलीदाता ने इन सभी चार कृषि जमीनों के लिए सबसे ऊंची बोली लगाई है। ये नीलामी स्मगलर्स एंड फॉरेन एक्सचेंज मैनिपुलेटर्स (प्रॉपर्टी जब्ती) कानून (सफेमा) के तहत की गई, जिसके जरिए लंबे समय से अटकी हुई इन संपत्तियों को बेचने की प्रक्रिया आगे बढ़ी है। ये चारों जमीनें रत्नागिरी जिले के खेड तालुका के मुंबाके गांव में हैं, जो दाऊद इब्राहिम का पैतृक गांव माना जाता है। अधिकारियों के मुताबिक, इनमें से कई जमीनें पहले उसकी मां अमीना बी के नाम पर दर्ज थीं।

दाऊद इब्राहिम की जमीन की नीलामी में सबसे ऊंची बोली लगाने वाला

शख्स मुंबई का बताया जा रहा है, हालांकि उसकी पहचान अभी सार्वजनिक नहीं की गई है। नियमों के मुताबिक, उसे अप्रैल 2026 की शुरुआत तक पूरी रकम जमा करनी होगी। इसके बाद संबंधित प्राधिकरण की अंतिम मंजूरी मिलेगी और फिर इन संपत्तियों के ट्रांसफर की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

पहले क्यों नहीं बिक रही थीं ये जमीनें?

दिलचस्प बात ये है कि इन जमीनों को बेचने की कोशिश पिछले कई सालों से चल रही थी, लेकिन हर बार नीलामी फेल हो जाती थी। नवंबर 2025 में भी रिजर्व प्राइस करीब 30% घटाने के बावजूद कोई खरीदार सामने नहीं आया।

सूत्रो के मुताबिक, दाऊद और डी-कंपनी से जुड़ा नाम होने की वजह से लोग इन प्रॉपर्टीज़ से दूरी बनाते रहे। इसके अलावा गांव में होना, सिर्फ खेती के इस्तेमाल की शर्तें, और तुरंत कोई बड़ा फायदा न दिखना भी वजह बनी।

किस जमीन पर कितनी बोली लगी?

चारों जमीनों में सबसे ज्यादा चर्चा सर्वे नंबर 442 (हिस्सा 13-बी) की रही। इसकी रिजर्व कीमत करीब 9।41 लाख रुपये थी, लेकिन नीलामी में इसके लिए 10 लाख रुपये से ज्यादा की बोली लगी। इस प्लॉट के लिए दो लोगों ने बोली लगाई थी—एक मुंबई से और दूसरा रत्नागिरी से। बाकी तीन जमीनें (सर्वे नंबर 533, 453 और 61) के लिए सिर्फ एक ही बोलीदाता सामने आया, जिसने सभी शर्तें पूरी करते हुए इन्हें खरीद लिया।

1990 के दशक से जुड़ा है मामला

ये सभी जमीनें कासकर परिवार की पुश्तैनी संपत्ति का हिस्सा थीं, जिन्हें 1990 के दशक में जब्त किया गया था। बाद में इन्हें सफेमा के तहत केंद्र सरकार ने अपने कब्जे में ले लिया था। ये कार्रवाई संगठित अपराध और खासतौर पर 1993 मुंबई ब्लास्ट से जुड़े मामलों के बाद की गई थी।

बार-बार फेल हुई नीलामी

इन संपत्तियों की नीलामी 2017, 2020, 2024 और 2025 में भी करने की कोशिश की गई, लेकिन हर बार या तो कोई बोलीदाता नहीं आया या प्रक्रिया अधूरी रह गई। दाऊद से जुड़ी संपत्तियों की नीलामी में दिल्ली के वकील अजय श्रीवास्तव का नाम भी काफी चर्चा में रहा है। उन्होंने 2001 में मुंबई के नागपाड़ा इलाके की दो यूनिट खरीदी थीं, लेकिन आज तक उन्हें उनका कब्जा नहीं मिल पाया है और मामला बॉम्बे हाईकोर्ट में लंबित है। उन्होंने 2020 में मुंबाके गांव में दाऊद का पुश्तैनी बंगला भी खरीदा था और वहां ट्रस्ट बनाने की बात कही थी।

वहीं 2024 में उन्होंने एक छोटे प्लॉट (सर्वे नंबर 617) के लिए 2।01 करोड़ रुपये की बोली लगाई थी, जबकि उसकी रिजर्व कीमत सिर्फ 15,440 रुपये थी। हालांकि बाद में पेमेंट नहीं होने की वजह से वो डील रद्द कर दी गई थी।

अवैध खनन घोटाले में अफसर गिरफ्तार

नारनौल, 19 मार्च (एजेंसियां)। नारनौल में अवैध खनन से जुड़े बड़े घोटाले में विजिलेंस टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तत्कालीन सहायक खनन अधिकारी संजय सिम्बरवाल को पंचकूला से गिरफ्तार कर लिया। यह गिरफ्तारी लंबे समय से चल रही जांच के बाद की गई है, जिसमें सरकारी राजस्व को लाखों रुपये की हानि पहुंचाने के आरोप सामने आए हैं। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो रेवाड़ी और नारनौल की संयुक्त टीम इस मामले की जांच कर रही थी।

जांच में खुलासा हुआ कि खनन विभाग के कुछ अधिकारियों और कर्मचारियों ने वाहन मालिकों के साथ मिलीभगत कर फर्जी दस्तावेज तैयार करवाए। साथ ही, राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण के आदेशों की अनदेखी करते हुए कम जुर्माना वसूल कर वाहनों को छोड़ दिया गया।

बारामती में शरद पवार की पार्टी के पीछे हटते ही सुनेत्रा पवार के खिलाफ उतरी कांग्रेस, खड़ा कर सकती है उम्मीदवार

बारामती, 19 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की बारामती और राहुरी विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव को लेकर सियासी माहौल गरमाता जा रहा है। पहले जहां इन सीटों को निर्विरोध कराने की चर्चा चल रही थी, वहीं अब कांग्रेस के रुख ने पूरी तस्वीर बदल दी है। कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार के बयान के बाद बारामती में मुकाबला दिलचस्प होता नजर आ रहा है। बारामती सीट पर उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार गुट) की तरफ से उम्मीदवार बनाए जाने की चर्चा है। वहीं सुप्रिया सुळे ने संकेत दिए थे कि शरद पवार गुट इस सीट पर उम्मीदवार नहीं उतारेगा।

इसी बात पर कांग्रेस ने आपत्ति जताई है और साफ कहा है कि गठबंधन में इस तरह का एकतरफा फैसला स्वीकार नहीं होगा। विजय वडेट्टीवार ने स्पष्ट कहा कि अगर राष्ट्रवादी (शरद पवार गुट) चुनाव नहीं लड़ती है, तो कांग्रेस अपने

उम्मीदवार उतारने पर विचार करेगी। उनका कहना है कि यह फैसला महाविकास आघाड़ी के सिद्धांतों के खिलाफ है। उन्होंने यह भी कहा कि जब पहले विलय और राजनीतिक फैसले लिए गए, तब कांग्रेस से चर्चा नहीं की गई। ऐसे में अब चुनाव के समय कांग्रेस को नजरअंदाज करना सही नहीं है।

त्रिकोणीय मुकाबले के आसार

बारामती सीट पर अब मुकाबला त्रिकोणीय होने की संभावना बढ़ गई है। एक तरफ सुनेत्रा पवार, दूसरी तरफ कांग्रेस का संभावित उम्मीदवार और तीसरी तरफ ओबीसी नेता लक्ष्मण हाके ने भी चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया है। लक्ष्मण हाके ने कहा कि सुनेत्रा पवार को विधानसभा के बजाय विधान परिषद भेजा जाना चाहिए और बारामती से किसी नए चेहरे को मौका मिलना चाहिए।

उपचुनाव का पूरा कार्यक्रम

बारामती और राहुरी उपचुनाव के लिए चुनाव आयोग ने पूरा शेड्यूल जारी कर दिया है। अधिसूचना 30 मार्च 2026 को जारी होगी। नामांकन की आखिरी तारीख 6 अप्रैल है, जबकि जांच 7 अप्रैल को होगी। उम्मीदवार 9 अप्रैल तक नाम वापस ले सकते हैं। मतदान 23 अप्रैल को होगा और नतीजे 4 मई को घोषित किए जाएंगे।

पूरी चुनाव प्रक्रिया 6 मई तक खत्म हो जाएगी। बारामती की सीट अब सिर्फ एक उपचुनाव नहीं, बल्कि गठबंधन की अंदरूनी राजनीति का बड़ा टेस्ट बनती जा रही है। कांग्रेस के रुख से साफ है कि आने वाले दिनों में महाविकास आघाड़ी के भीतर खींचतान और बढ़ सकती है।

ब्यूटी कंपनी के नाम पर ठगी, दंपती समेत पांच आरोपियों की 4.55 करोड़ की संपत्ति होगी कुर्क

मुजफ्फरनगर, 19 मार्च (एजेंसियां)। ब्यूटी उत्पाद बनाने के लिए खोली गई सेनेमी कंपनी के नाम पर ठगी करने के आरोपित दंपती समेत उनके तीन साथियों के विरुद्ध पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। कोर्ट ने आरोपित जालसाजों की 4.55 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क करने के आदेश दिए हैं। इसमें कंपनी के गोदाम से बरामद ब्यूटी के उत्पाद एवं नगदी भी शामिल हैं। एसएसपी संजय कुमार वर्मा ने बताया कि पुरकाजी के दंपती अमित कुमार व उसकी पत्नी वंदना ने सेनेमी कंसल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड कंपनी खोलकर लोगों से निवेश कराया था। कंपनी को सौंदर्य प्रसाधन के उत्पाद बनाने के लिए खोला गया।

इसमें पुरकाजी समेत आसपास के लगभग 1,000 लोगों से निवेश के नाम पर 40 करोड़ रुपये जमा कराए गए। लोगों को दंपती ने 16 माह में रकम को ढाई गुणा करने का लालच दिया। इसके लिए अपने साथियों सरफराज, शादाब, सतीश शर्मा को जोड़ा गया। रकम हड़पने के बाद आरोपित फरार हो गए।

दिल्ली हाई कोर्ट की अहम टिप्पणी

पत्नी से परिवार की देखभाल करने को कहना अपराध नहीं

नई दिल्ली, 19 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली हाई कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि पति या ससुराल वालों द्वारा पत्नी से परिवार के अन्य सदस्यों की देखभाल में मदद करने को कहना अपने आप में क्रूरता नहीं माना जा सकता। जस्टिस नीना बंसल की सिंगल बेंच ने यह टिप्पणी करते हुए एक महिला की शिकायत पर दर्ज एफआईआर और उससे जुड़ी कानूनी कार्यवाही को रद्द कर दिया। यह मामला उस शिकायत से जुड़ा था जिसमें पत्नी ने पति और ससुराल वालों के खिलाफ धारा 498 आईपीसी धारा 406 और घरेलू हिंसा अधिनियम 2005 के तहत मामला दर्ज कराया था।

दिल्ली हाई कोर्ट ने सुनवाई के दौरान पाया कि महिला द्वारा लगाए गए ज्यादातर आरोप बहुत सामान्य और अस्पष्ट थे। उनमें ऐसी कोई ठोस जानकारी नहीं थी जिससे यह साबित हो सके कि वास्तव में उसके साथ क्रूरता या अपराध हुआ है। कोर्ट ने कहा कि शिकायत में जो बातें बताई

गई हैं वे अधिकतम पति-पत्नी के बीच होने वाले सामान्य घरेलू विवाद और आपसी मतभेद को दर्शाती हैं न कि किसी आपराधिक कृत्य को।

महिला ने आरोप लगाया था कि उसकी अविवाहित ननद पति के पैसों और संपत्ति से जुड़े फैसलों को नियंत्रित करती है। इस पर कोर्ट ने कहा कि अगर कोई बहन अपने भाई के आर्थिक मामलों को संभालती है तो इसमें असामान्य या गलत कुछ भी नहीं है खासकर जब भाई अविवाहित रहा हो या परिवार में ऐसा प्रचलन हो। कोर्ट ने यह भी कहा कि शिकायत में यह नहीं बताया गया कि इस कथित नियंत्रण से महिला को वास्तव में किस तरह नुकसान हुआ।

महिला ने कहा था कि दहेज पर्याप्त नहीं लाने पर ताने दिए जाते थे लेकिन कोर्ट ने कहा कि यह आरोप भी बिना किसी खास घटना या विवरण के लगाया गया है। महिला ने यह भी कहा कि ससुराल वालों ने उसे हर साल नवंबर से मार्च तक सास को अपनी मां के घर दिल्ली में रखने के लिए मजबूर किया। इस पर अदालत ने कहा कि सास का कुछ महीनों के लिए बहू के साथ रहना अपने आप में क्रूरता नहीं है। देवर द्वारा अपने 11 साल के बेटे की स्थायी जिम्मेदारी लेने के दबाव के आरोप पर भी कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि परिवार के किसी सदस्य की देखभाल में मदद करने को कहना क्रूरता की श्रेणी में नहीं आता।

कोर्ट ने पाया कि महिला ने धारा 406 आईपीसी के तहत जो आरोप लगाए उनमें यह नहीं बताया गया कि उसका स्त्री धन किसे सौंपा गया था या उसका गलत इस्तेमाल कैसे किया गया।

बेटी क्यों नहीं फोन उठा रही

मायके वाले पहुंचे ससुराल, खाट के नीचे कपड़ों में लिपटी मिली उसकी लाश; कातिल पति अरेस्ट

कोलकाता, 19 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां घोला थाना क्षेत्र में एक पति ने अपनी गर्भवती पत्नी की हत्या कर दी। इतना ही नहीं, हत्या के बाद आरोपी ने शव को घर के भीतर खाट के नीचे छिपा दिया। पुलिस ने शव बरामद कर लिया है और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पुलिस ने आरोपी पति, सास समेत परिवार के एक अन्य सदस्य को गिरफ्तार कर लिया है। मामला घोला के लेनिनगढ़ का है। जानकारी के अनुसार, पूजा मंडल की शादी ऋषि हरिचंद से हुई थी। शादी के बाद से ही ऋषि लगातार पत्नी और उसके मायके वालों पर पैसे लाने का दबाव बना रहा था। परिवार के मुताबिक, यह विवाद लंबे समय से चल रहा था और आए दिन पैसों को लेकर झगड़ा होता था। इधर, पूजा के मायके वाले सुबह से ही उससे संपर्क करने की कोशिश कर रहे थे। बार-बार फोन करने के बावजूद जब कोई जवाब नहीं मिला, तो उन्हें अनहोनी की आशंका हुई। इसके बाद परिवार के लोग सीधे ऋषि के घर पहुंचे। वहां पहुंचकर उन्होंने दरवाजा खोला और अंदर का नजारा देखकर सन्न रह गए। खाट के नीचे कपड़े में लिपटा हुआ पूजा का शव पड़ा था।

घटना की जानकारी तुरंत घोला थाने की पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और जांच शुरू कर दी। प्राथमिक जांच के आधार पर पुलिस ने आरोपी पति ऋषि हरिचंद, उसकी मां (सास) और परिवार के एक अन्य सदस्य को गिरफ्तार कर लिया है। मृतका के परिजनों ने इस घटना पर गहरा आक्रोश जताते हुए दोषियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी सजा की मांग की है। उनका कहना है कि पूजा को लंबे समय से प्रताड़ित किया जा रहा था, लेकिन उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि मामला इस हद तक पहुंच जाएगा। पुलिस का कहना है कि पूरे मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है

सूरत के जरी कारखाने में रखे गैस सिलेंडर में भीषण ब्लास्ट, आग में जिंदा जले 2 लोग; 9 घायल

सूरत, 19 मार्च (एजेंसियां)। गुजरात में सूरत के वराछा इलाके से एक भयानक घटना सामने आई है। भरत नगर गौशाला क्षेत्र में स्थित एक जरी के कारखाने में गुरुवार सुबह भीषण आग लग गई। इस हादसे में दो लोगों की जान चली गई है, जबकि कई अन्य घायल हैं। मिली जानकारी के अनुसार, आग इमारत की तीसरी मंजिल पर स्थित जरी के कारखाने में लगी थी। आग इतनी भयानक थी कि कारखाने के अंदर रखे एलपीजी गैस सिलेंडरों में एक के बाद एक ब्लास्ट होने लगे। धमाकों की आवाज से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया।

बता दें कि कारखाने की छत पर टीन का शेड बनाकर कारीगर वहां रह रहे थे और काम कर रहे थे। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने तीसरी मंजिल पर फंसे लोगों को टीन शेड काटकर अंदर से बाहर निकालने का काम शुरू किया। कुल 11 लोगों को रेस्क्यू कर तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल में इलाज के दौरान 2 लोगों की मौत हो गई, जबकि 9 लोगों का इलाज चल रहा है।

आग वाली जगह से 8 गैस सिलेंडर बरामद

घटनास्थल की जांच के दौरान पुलिस और दमकल विभाग को कारखाने से लगभग 8 गैस सिलेंडर मिले हैं, जिन्हें पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है। रिहायशी या औद्योगिक इकाई में इतनी बड़ी संख्या में सिलेंडरों की मौजूदगी ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। फिलहाल आग लगने के कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है।

जरी के कारखाने में इतने सिलेंडर क्यों?

पश्चिम एशिया में युद्ध की स्थिति को देखते हुए प्रशासन की ओर से गैस का संकट न बढ़े इसलिए कड़े कदम भी उठाए जा रहे हैं। सूरत में अवैध गैस सिलेंडर रिफिलिंग के खिलाफ सख्त अभियान चलाते हुए शहर के अलग-अलग जगहों पर छापेमारी की। 13 दुकानदारों को अवैध रूप से रिफिलिंग करते रंगे हाथ पकड़ा गया। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जरी कारखाने में इतने सिलेंडर आए कैसे।

जांच में जुटी पुलिस और एफएसएल की टीमें

फिलहाल पुलिस की टीम जांच कर रही है कि संकट के समय में भी बड़ी मात्रा में गैस सिलेंडर की सप्लाई किसने की। गनीमत रही कि 8 सिलेंडर में से सिर्फ दो ही सिलेंडर में ब्लास्ट हुआ। पुलिस और एफएसएल की टीम मामले की गहराई से जांच कर रही है।

पहलगाम अटैक में पिता को खोने वाली बेटी अब पुणे महानगरपालिका में अधिकारी

बोली- 'आज पापा होते तो सबसे ज्यादा खुश होते'

पुणे, 19 मार्च (एजेंसियां)। पहलगाम आतंकी हमले में अपने पिता संतोष जगदाले को खोने वाली आसावरी जगदाले के संघर्ष को आखिरकार सफलता मिल गई है। राज्य सरकार ने अपना वादा पूरा करते हुए उन्हें पुणे महानगरपालिका में प्रशासन अधिकारी (क्लास-टू अधिकारी) के पद पर नियुक्ति दी है। खास बात यह है कि नियुक्ति के बाद मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने स्वयं फोन कर उन्हें बधाई दी। नियुक्ति पत्र मिलने के बाद आसावरी जगदाले ने अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए कहा, "मेरे मन में इस समय मिक्स्ड इमोशन्स हैं। मैं थोड़ी भावुक भी हूं और खुश भी हूं, क्योंकि इस नौकरी के लिए जो 11 महीने का संघर्ष था, वह आज खत्म हो गया है।" उन्होंने आगे कहा, "जब यह नियुक्ति पत्र मेरे हाथ में आया तो सबसे पहले मेरे मन में यही विचार आया कि अगर आज पापा होते और यह पत्र उनके सामने होता, तो वे दुनिया के सबसे खुश इंसान होते।

मुझे लगता है कि स्वर्ग से उनका आशीर्वाद ही है, जिसकी वजह से मैं इस परिस्थिति में खुद को संभाल पाई।" इस पूरे संघर्ष के दौरान मां का सबसे बड़ा सहारा मिला, यह बताते हुए आसावरी ने कहा, "लगातार फॉलो-अप लेना, फोन करना, लोगों से मिलना- यह सब मेरी मां ने इतनी कठिन परिस्थिति में भी किया।" सरकार का आभार व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा, "इस पूरी प्रक्रिया में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का बड़ा सहयोग रहा। 'स्पेशल केस' के तहत भेजे गए पत्र और उसके बाद हुए फॉलो-अप की वजह से ही आज मुझे यह नियुक्ति पत्र मिला है।"

पुलिस पर हमले का आरोपी 46 वर्ष बाद बरी

हाई कोर्ट ने कहा- 97 साल की उम्र में जेल भेजना ठीक नहीं

प्रयागराज, 19 मार्च (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने पुलिस पार्टी पर जानलेवा हमला मामले में अभियुक्त 97 वर्षीय गंगा सहाय को 46 साल बाद बरी कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि आइपीसी की धारा 323 के अपराध के लिए अपीलार्थी को दोषी करार दिया गया है। उसने पहले ही सजा भुगत ली है। वह जमानत पर है और 97 साल की आयु में उसे जेल भेजना उचित नहीं है। गंगा सहाय के खिलाफ जानलेवा हमले का आरोप साबित नहीं हुआ, ईंट-पत्थर चलाने का अपराध बनता है। सत्र अदालत ने जानलेवा हमले का दोषी ठहराया था, किंतु ईंट-पत्थर फेंकने के आरोप से बरी कर दिया था। न्यायमूर्ति संजीव कुमार की एकलपीठ ने एकमात्र बचे अपीलार्थी गंगा सहाय की अपील आंशिक रूप से स्वीकार करते हुए सत्र अदालत का फैसला पलट दिया है।

एक फरवरी 1983 को चतुर्थ अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, अलीगढ़ द्वारा पारित निर्णय और आदेश के विरुद्ध आपराधिक अपील क्रमशः गोपी सिंह, गंगा सहाय, किशन प्रसाद और मिहि लाल की तरफ से दायर की गई थी। तीन अन्य अभियुक्तों की मृत्यु हो चुकी है। अभियोजन कथानक के अनुसार थाना बारला के एसआइ जय प्रकाश ने 26 दिसंबर 1980 को इस घटना की एफआइआर दर्ज कराई थी। तेज सिंह के दरवाजे पर दोनों पक्षों को बुला कर समझौता करने अथवा अपनी शिकायत के निवारण के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाने की सलाह दी। इस पर गोपी सिंह, गंगा सहाय, किशन प्रसाद व मिहिलाल (गोपी सिंह का भतीजा) उत्तेजित हो गए। अपने चबूतरे पर खड़े होकर पत्थर व ईंट फेंकना शुरू कर दिया।

मिहिलाल ने देशी पिस्तौल निकाली और पुलिस पार्टी पर गोली चलाई, जिससे वे बच गए। दोनों कांस्टेबलों को पत्थर-ईंट से चोटें आईं। गांव के निवासियों करण सिंह, देव करण सिंह, पखपाल, तिरखा की मदद से पुलिस ने मिहिलाल को मौके पर पकड़ लिया। कोर्ट ने कहा कि अपराध साबित करने की जिम्मेदारी अभियोजन की है।

असम चुनाव: पिता प्रद्युत बोरदोलोई भाजपा में गए, बेटे ने लौटा दिया कांग्रेस का टिकट

गुवाहाटी, 19 मार्च (एजेंसियां)। असम में विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान हो चुका है और राजनीतिक दल अपने-अपने प्रत्याशियों के नाम फाइनल करने में जुटे हैं। इस बीच वहां अभी भी दलबदल का दौर जारी है और कांग्रेस के लिए झटके लगने कम होने का नाम भी नहीं ले रहे।

पार्टी के वरिष्ठ नेता प्रद्युत बोरदोलोई के भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) में शामिल होने के बाद उनके बेटे ने कांग्रेस को अपना टिकट वापस कर दिया है। कांग्रेस पार्टी में बोरदोलोई परिवार के सामने तब नाटकीय स्थिति पैदा हो गई जब वरिष्ठ नेता प्रद्युत बोरदोलोई ने कल दिल्ली में बीजेपी का दामन थाम लिया। पिता के पार्टी छोड़ने के बाद भी प्रदेश कांग्रेस के शीर्ष नेताओं ने प्रद्युत बोरदोलोई के बेटे प्रतीक बोरदोलोई पर भरोसा बनाए रखा था और उनका समर्थन किया। प्रतीक वर्तमान में असम प्रदेश कांग्रेस समिति (एपीसीसी) के सोशल मीडिया विभाग के सह-अध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं।

हालांकि इस घटनाक्रम के कुछ घंटे बाद ही प्रतीक बोरदोलोई ने निजी और राजनीतिक परिस्थितियों का हवाला देते हुए, मार्घेरिटा विधानसभा क्षेत्र से अपनी उम्मीदवारी से नाम वापस ले लिया। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को भेजे पत्र में प्रतीक बोरदोलोई ने कहा कि उनका यह फैसला उनके पिता, प्रद्युत के किसी दूसरी राजनीतिक पार्टी में शामिल होने के बाद आया है। उन्होंने यह भी कहा कि मौजूदा परिस्थितियों में, उनके लिए एक उम्मीदवार के तौर पर बने रहना उचित

नहीं होगा। कांग्रेस पार्टी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए, प्रतीक ने कहा कि मार्घेरिटा के लोग और पार्टी कार्यकर्ता, कांग्रेस का प्रतिनिधित्व करने वाले उम्मीदवार के बारे में पूरी स्पष्टता और विश्वास के हकदार हैं। बदले हालात के बीच चुनाव मैदान में बने रहने से उनकी स्थिति और वफादारी को लेकर भ्रम पैदा हो सकता है।

अपना नाम वापस लेने के इस फैसले को संगठन के प्रति सम्मान और पार्टी अनुशासन से प्रेरित बताते हुए, उन्होंने दोहराया कि कांग्रेस के आदर्शों में उनका विश्वास अब भी काफी मजबूत है। पार्टी नेतृत्व की ओर से उन्हें सौंपी गई किसी भी भूमिका में वे पार्टी और मार्घेरिटा के विकास के लिए काम करते रहेंगे। पत्र में उन्होंने कांग्रेस के साथ अपने लंबे जुड़ाव पर भी प्रकाश डाला। साथ ही पार्टी नेतृत्व की ओर से उन पर निरंतर विश्वास बनाए रखने और समर्थन के लिए आभार व्यक्त जताया।

सूरत में बिहार की महिला का मर्डर

सूरत, 19 मार्च (एजेंसियां)। गुजरात के सूरत में रांदेर इलाके में एक महिला की हत्या के मामले में कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। दरअसल, महिली की सरेराह हत्या कर दी गई थी, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई थी। इसमें में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महिला के पति को गिरफ्तार कर लिया था। महिला के पति ने ही हत्या की घटना को अंजाम दिया था। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने कई खुलासे किए हैं।

रांदेर इलाके के निवासी सरफराज और उनकी पत्नी पूजा के बीच कुछ समय से झगड़ा चल रहा था। विवाद इतना बढ़ गया कि पति ने पत्नी पर हमला कर दिया। आरोपी पति सरफराज ने तेज धार वाले चाकू से पत्नी पूजा की छाती पर बेरहमी से वार किया। गंभीर चोटों के कारण पूजा की मौके पर ही मौत हो गई थी। इस घटना के कारण मौके पर मौजूद लोगों में भगदड़ मच गई। पुलिस की प्रारंभिक जांच में पता चला है कि पति-पत्नी के बीच अक्सर झगड़े होते थे। आरोपी सरफराज को अपनी पत्नी पर किसी और के साथ संबंध होने का शक था। माना जा रहा है कि इसी शक और घरेलू झगड़े के चलते सरफराज ने यह कदम उठाया। महिला की बिहार की रहने वाले थी और वो सूरत मे केटरिंग का काम करती थी। इस दौरान उसकी मुलाकात सरफराज से हुई थी। इसके बाद दोनों ने लव मैरिज की थी। सरफराज भी मूल रूप से बिहार का ही रहने वाला था।

सरफराज ने जब दोनों को एक साथ देखा तो पति-पत्नी के बीच फिर से विवाद शुरू हो गया। इस दौरान गुस्से में सरफराज ने पूजा पर चाकू से हमला कर दिया, जिससे वो गंभीर रूप से घायल हो गई। मौके पर मौजूद लोग उसे अस्पताल लेकर पहुंचे जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने आरोपी पति सरफराज को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस का कहना है कि सरफराज को अपनी पत्नी का किसी और के साथ अवैध संबंध होने का शक था, जिसके चलते उसने हत्या की घटना को अंजाम दिया।

कमजोर हो चुका ईरान युद्ध लंबा क्यों खींच रहा

सरेंडर से इनकार, जंग को महंगा बनाकर दुश्मन को झुकाने की कोशिश में जुटा

तेहरान/तेल अवीव/वॉशिंगटन, 19 मार्च (एजेंसियां)। ईरान इस समय अब तक के सबसे बड़े खतरे का सामना कर रहा है। इसके बावजूद वह अमेरिका और इजराइल के साथ चल रहे संघर्ष को लंबा खींचने में लगा हुआ है। पिछले कुछ हफ्तों में ईरान को भारी नुकसान हुआ है। उसके कई बड़े नेता और सैन्य कमांड ढांचे के अहम लोग मारे गए हैं। इससे उसकी नेतृत्व व्यवस्था को गंभीर झटका लगा है।

ईरान के अंदर भी हालात अच्छे नहीं हैं। लोगों को जरूरी सामान की कमी, बुनियादी ढांचे के नुकसान और सख्त सुरक्षा माहौल झेलना पड़ रहा है। इसके बावजूद ईरान की बची हुई लीडरशिप लगातार आक्रामक बयान दे रही है। वे यह दिखाने की कोशिश कर रहे हैं कि ईरान लंबे समय तक संघर्ष झेल सकता है। उन्हें और नेताओं के मारे जाने की परवाह नहीं है और वे इस युद्ध को लंबा खींचने के लिए तैयार हैं, चाहे इसका असर पूरे क्षेत्र और दुनिया पर क्यों न पड़े।

एक्सपर्ट्स का कहना है कि ईरान का मकसद इस युद्ध में जीत हासिल करना नहीं है। उसका

असली मकसद है अपने अस्तित्व को बचाना, दुश्मनों को डराना और ऐसी स्थिति बनाना जिसमें वह युद्ध के बाद की शर्तें तय कर सके। वह संघर्ष बढ़ा रहा है ताकि बाकी देशों के लिए इसे जारी रखना बहुत महंगा हो जाए और वे समझौता करने पर मजबूर हो जाएं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने ईरान से सरेंडर करने को कहा है, लेकिन ईरान खुद को मजबूत स्थिति में दिखा रहा है। वह कह रहा है कि वह इस संघर्ष में टिके रहने में सफल रहा है और अब शांति के लिए अपनी शर्तें रख रहा है। ईरान चाहता है कि युद्ध खत्म होने के बाद क्षेत्र में नई व्यवस्था बनाई जाए। वह युद्ध के नुकसान की भरपाई (मुआवजा) भी मांग रहा है और खाड़ी देशों और अमेरिका के बीच लंबे समय से चले आ रहे रिश्तों में बदलाव चाहता है। ईरान के संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने कहा कि युद्धविराम तभी संभव है, जब यह सुनिश्चित हो जाए कि दुश्मन दोबारा हमला नहीं करेगा। उनका कहना है कि अगर युद्धविराम से दुश्मन को अपनी ताकत फिर से तैयार करने का मौका मिलता है, जैसे रडार ठीक करना या मिसाइल सिस्टम मजबूत करना तो ऐसा युद्धविराम बेकार है। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान तब तक लड़ाई जारी रखेगा, जब तक दुश्मन अपने हमले पर पछतावा न करे और दुनिया और क्षेत्र में सही राजनीतिक और सुरक्षा हालात न बन जाएं।

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि युद्ध के बाद होर्मुज स्ट्रेट के लिए नया नियम बनाया जाना चाहिए, जिसमें ईरान के हितों को ध्यान में रखा जाए। उन्होंने कहा कि जहाजों की सुरक्षित आवाजाही कुछ खास शर्तों के तहत ही होनी चाहिए।

विशेषज्ञों का मानना है कि ईरान आगे चलकर अपने विदेशों में फंसे पैसे को छुड़ाने की मांग कर सकता है या इस समुद्री रास्ते का इस्तेमाल करने वाले देशों से टैक्स भी ले सकता है। गालिबाफ ने साफ कहा कि होर्मुज की स्थिति अब पहले जैसी नहीं रहेगी।

अब 'युद्ध के बाद क्या होगा' इस सवाल पर भी दबाव बढ़ रहा है। दो दशकों तक पश्चिमी देशों और ईरान के बीच बातचीत चलती रही, लेकिन पिछले महीने अमेरिका और इजराइल ने ईरान पर हमला कर दिया। इस हमले में सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत हो गई और देश की सैन्य व प्रशासनिक व्यवस्था को भारी नुकसान पहुंचा।

इसके जवाब में ईरान ने तेज और लगातार हमले किए। उसने पूरे क्षेत्र में अमेरिका के सहयोगियों पर सैकड़ों मिसाइल और ड्रोन दागे। इससे खाड़ी देशों के साथ उसके रिश्ते और खराब हो गए और ग्लोबल एनर्जी मार्केट पर भी असर पड़ा।

ट्रंप ने कहा- इजरायल तब तक शांत, जब तक ईरान

क्या कतर में एलएनजी संयंत्र पर हमले से बदला यूएस का रुख?

वॉशिंगटन,19 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को सख्त चेतावनी दी है। उन्होंने कहा है कि इजरायल अब ईरान के कीमती साउथ पार्स गैस फील्ड पर तब तक हमला नहीं करेगा, जब तक ईरान किसी बेकसूर देश पर हमला करने का फैसला नहीं करता। ट्रंप का यह बयान तब आया है जब ईरान ने कतर के ऊर्जा ठिकानों पर हमले कर भारी नुकसान पहुंचाया है। दरअसल, इजरायल ने पहले ईरान के उस गैस फील्ड पर हमला किया था जिसे वह कतर के साथ साझा करता है। इसके जवाब में ईरान ने कतर के ठिकानों को निशाना बनाया।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने दावा किया कि इस्राइल ने मध्य पूर्व के युद्ध के गुस्से में आकर ईरान के गैस फील्ड पर हमला किया था। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस हमले के बारे में अमेरिका को पहले से कोई जानकारी नहीं थी। ट्रंप के अनुसार, इजरायल ने ईरान के एक बड़े गैस ठिकाने के केवल एक छोटे हिस्से को निशाना बनाया था। उन्होंने कहा कि कतर का इस हमले से कोई लेना-देना

नहीं था, लेकिन ईरान ने बिना सोचे-समझे कतर के एलएनजी प्लांट पर हमला कर दिया, जो पूरी तरह गलत है।

ट्रंप ने कहा, अगर ईरान ने दोबारा कतर पर हमला है तो अमेरिका चुप नहीं बैठेगा। उन्होंने धमकी दी कि ऐसी स्थिति में अमेरिका, इस्राइल की मदद या सहमति के बिना भी, ईरान के पूरे साउथ पार्स गैस फील्ड को पूरी तरह तबाह कर देगा। ट्रंप ने कहा कि वे इतनी बड़ी हिंसा और तबाही नहीं चाहते क्योंकि इसके परिणाम भविष्य में ईरान के लिए बहुत बुरे होंगे, लेकिन कतर की सुरक्षा के लिए वे कड़े कदम उठाने से पीछे नहीं हटेंगे।

कतर की सरकारी कंपनी कतर एनर्जी ने बताया कि ईरानी मिसाइल हमलों से उनके गैस ठिकानों को काफी नुकसान पहुंचा है। वहां कई जगहों पर भीषण आग लग गई है, जिसे बुझाने का काम जारी है। हालांकि, अब तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। कतर दुनिया के लिए प्राकृतिक गैस का एक बहुत बड़ा स्रोत है। इस हमले के विरोध में कतर ने कड़ा रुख अपनाते हुए ईरानी दूतावास के अधिकारियों को 24 घंटे के भीतर देश छोड़ने का आदेश दे दिया है।

ईरान ने केवल कतर ही नहीं, बल्कि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के हबशान और बाब गैस क्षेत्रों पर भी हमले किए हैं। यूएई सरकार ने इसे युद्ध को एक खतरनाक मोड़ पर ले जाने वाली हरकत बताया है। सुरक्षा कारणों से वहां गैस उत्पादन का काम फिलहाल रोक दिया गया है। बता दें कि खाड़ी देश युद्ध की शुरुआत से ही ईरानी हमलों का सामना कर रहे हैं, लेकिन उन्होंने अब तक ईरान के खिलाफ कोई सीधी सैन्य कार्रवाई नहीं की है।

दुनिया भर में बढ़ी तेल की कीमतें

इन हमलों का असर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें 5 प्रतिशत और बढ़ गई हैं। अब तेल की कीमत 108 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई है। 28 फरवरी को युद्ध शुरू होने के बाद से तेल की कीमतों में करीब 50 प्रतिशत का उछाल आ चुका है। इस युद्ध के चलते ईरान ने हॉर्मुज जलडमरूमध्य के समुद्री रास्ते को भी प्रभावित किया है, जहां से दुनिया का 20 प्रतिशत तेल गुजरता है।

वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट में इजराइल दुनिया का 8वां सबसे खुशहाल देश

पाकिस्तान की रैंकिंग भारत से ऊपर

यरूशलम, 19 मार्च (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र ने बुधवार को वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट 2026 जारी की है। इसमें लगातार 9वीं बार फिनलैंड को दुनिया का सबसे खुशहाल देश बताया गया है। 147 देशों की सूची में पाकिस्तान 104वें नंबर पर है। वहीं भारत 116वें स्थान पर है। 2025 में भारत की रैंकिंग 118वीं थी। वहीं ढाई साल से जंग में फंसा इजराइल दुनिया का 8वां सबसे खुशहाल देश बताया गया है।

लिस्ट में सबसे नीचे संघर्ष वाले देश हैं। अफगानिस्तान फिर से सबसे कम खुशहाल देश रहा, उसके ऊपर सिएरा लियोन और मलावी हैं। इस बार भी कोई भी अंग्रेजी बोलने वाला देश टॉप 10 में नहीं है। अमेरिका 23वें, कनाडा 25वें और ब्रिटेन 29वें स्थान पर हैं।

फिनलैंड जैसे देशों की खुशी का कारण अच्छी आर्थिक स्थिति, बराबरी से संसाधनों का बंटवारा, मजबूत वेलफेयर सिस्टम और बेहतर जीवन स्तर है।

रिपोर्ट के मुताबिक ज्यादा सोशल मीडिया इस्तेमाल से कई देशों में युवाओं की खुशी और मानसिक स्थिति पर बुरा असर पड़ रहा है।

वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट के टॉप 10 देश

फिनलैंड, आइसलैंड, डेनमार्क, कोस्टा रिका, स्वीडन, नॉर्वे, नीदरलैंड, इजराइल, लक्जमबर्ग, स्विट्जरलैंड।

अमेरिकी इंटेलिजेंस चीफ बोलीं-पाकिस्तानी मिसाइलों से अमेरिका को खतरा

रूस-चीन इसी कैटेगरी में, 10 साल बाद 16000 मिसाइलें अमेरिका तक हमला कर सकेंगी

वॉशिंगटन, 19 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका की खुफिया एजेंसी की प्रमुख तुलसी गबार्ड ने कहा है कि पाकिस्तान ऐसी लंबी दूरी की मिसाइलें बना रहा है जो भविष्य में अमेरिका तक हमला कर सकती हैं। उन्होंने वॉशिंगटन डीसी में एक मीटिंग के दौरान बताया कि आने वाले समय में दुनिया में खतरनाक मिसाइलों की संख्या बहुत तेजी से बढ़ सकती है। इंटेलिजेंस कम्यूनिटी (आईसी) का आंकलन है कि अभी करीब 3,000 मिसाइलें ऐसी हैं जो अमेरिका तक हमला कर सकती हैं, लेकिन 2035 तक ये बढ़कर 16,000 से ज्यादा हो सकती हैं।

गबार्ड के मुताबिक, रूस, चीन, नॉर्थ कोरिया, ईरान और पाकिस्तान जैसे देश नई-नई मिसाइल तकनीक और हथियार बना रहे हैं। उन्होंने ये भी कहा कि पाकिस्तान ऐसी इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) बना सकता है, जो बहुत दूर तक मार

कर सकती है। वहीं ईरान भी 2035 से पहले ऐसी मिसाइल बना सकता है।

गबार्ड ने चीन और रूस को सबसे बड़ा और लगातार खतरा बताया। उनके मुताबिक, ये देश ऐसी उन्नत तकनीक विकसित कर रहे हैं जो अमेरिकी मिसाइल डिफेंस सिस्टम को भेद सकती हैं।

उन्होंने उत्तर कोरिया के साइबर खतरे का भी जिक्र किया और कहा कि 2025 में उसने क्रिप्टोकरेंसी चोरी के जरिए करीब 2 बिलियन डॉलर जुटाए, जिससे उसके हथियार कार्यक्रम को फंड मिला।

सुनवाई के दौरान ईरान के साथ संभावित युद्ध और पहले दी गई खुफिया जानकारी पर गबार्ड ने सवालों का सीधा जवाब देने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि वे आंतरिक चर्चाओं का खुलासा नहीं कर सकतीं। साथ ही यह भी चिंता जताई गई कि अगर ईरान पर हमला होता है तो वह होर्मुज स्ट्रेट को बंद कर सकता है, जो वैश्विक तेल और गैस सप्लाई का अहम मार्ग है। तुलसी गबार्ड ने रिपब्लिकन राष्ट्रपति को दी गई खुफिया जानकारी के बारे में पूछे गए सवालों को बार-बार टाल दिया। इससे डेमोक्रेट नाराज हो गए। सीनेट खुफिया समिति के शीर्ष डेमोक्रेट, वर्जीनिया के सीनेटर मार्क वार्नर ने गबार्ड से पूछा कि क्या उन्होंने ट्रंप को सलाह दी थी कि अगर ईरान को अमेरिकी हमलों का निशाना बनाया गया तो वह खाड़ी देशों पर हमला करेगा और होर्मूज स्ट्रेट को बंद कर देगा। इस सवाल का भी गबार्ड ने सीधा जवाब नहीं दिया।

उन्होंने कहा- मैंने आंतरिक बातचीत का खुलासा नहीं किया है और न ही करूंगी। उन्होंने कहा, मैं यह कहना चाहूंगी कि खुफिया समुदाय में हम सभी राष्ट्रपति को उनके फैसलों में मदद करने के लिए उपलब्ध सभी बेहतरीन वस्तुनिष्ठ खुफिया जानकारी प्रदान करते रहते हैं। बुधवार को अमेरिकी सीनेट में पेश की गई अमेरिकी इंटेलिजेंस कम्यूनिटी की 'ऐनुअल थ्रेट असेसमेंट' रिपोर्ट के मुताबिक भारत और पाकिस्तान के संबंधों में परमाणु युद्ध का खतरा बना हुआ है।

पाकिस्तान और अफगानिस्तान ने एक दूसरे पर हमलों में अस्थायी रोक की घोषणा की

इस्लामाबाद, 19 मार्च (एजेंसियां)। अफगानिस्तान सरकार ने इस्लामाबाद पर काबुल के एक पुनर्वास अस्पताल पर हमले में 400 लोगों को मारने का आरोप लगाने के एक दिन बाद, पाकिस्तान और अफगानिस्तान ने बुधवार को ईद-उल-फितर के मद्देनजर और सऊदी अरब, तुर्की तथा कतर के अनुरोध पर लड़ाई में अस्थायी रोक की घोषणा की।

पाकिस्तान के सूचना मंत्री अताउल्लाह तारड़ ने 'X' पर एक पोस्ट में यह घोषणा की। यह घोषणा उनके देश द्वारा सीमावर्ती क्षेत्र में कथित तालिबान ठिकानों पर नए हमले किए जाने के कुछ घंटों बाद की गई।

उन्होंने कहा, आने वाले इस्लामी त्योहार ईद-उल-फितर के मद्देनजर, अपनी पहल पर और साथ ही सऊदी अरब, कतर और तुर्की जैसे 'भाईचारे वाले इस्लामी देशों' के अनुरोध पर, पाकिस्तान ने चल रहे 'ऑपरेशन गजब-लिल-हक' के बीच एक अस्थायी रोक की घोषणा करने का फैसला किया है।

पाकिस्तान में तेज बारिश और तूफान से 16 मौतें

इस्लामाबाद, 19 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान के कराची में बुधवार रात को हुई भारी बारिश और तूफान की वजह से 16 लोगों की मौत हो गई। मृत लोगों की पहचान करने के लिए उनके शव को सिविल हॉस्पिटल और जिन्ना हॉस्पिटल ले जाया गया है। रेस्क्यू में जुटे एक सामाजिक संस्था इधि फाउंडेशन ने बताया कि शवों की पहचान के बाद परिवार वालों को सौंपे जा रहे हैं। जिन शवों की पहचान नहीं हो पाई है उन्हें संस्था के मुर्दाघर में ले जाया जाएगा।

तेज बारिश की वजह से पूरे शहर में बाढ़ और ट्रैफिक जाम की स्थिति बन गई है। कई इलाकों में बिजली सप्लाई भी ठप हो गई, तेज हवा की वजह से कई जगह पेड़ गिर गए जिससे शहर के मुख्य सड़के बंद हो गई। फिलहाल बचाव कार्य जारी हैं ताकि प्रभावित लोगों की मदद की जा सके और बंद सड़कों को साफ किया जा सके।

इमरजेंसी स्टाफ घायलों की मदद कर रहे हैं और शवों को ले जाने का काम संभाल रहे हैं। अस्पतालों के बाहर एंबुलेंस तैनात हैं, ताकि राहत कार्य में मदद मिलती रहे।

लंदन की सड़कों पर पान थूकना भारतीय मूल के 2 लोगों को पड़ा भारी

देना होगा 1,72,000 का जुर्माना

लंदन, 19 मार्च (एजेंसियां)। ब्रिटेन की राजधानी लंदन की एक काउंसिल ने भारतीय मूल के दो लोगों पर पान थूकने के लिए भारी जुर्माना लगाया है। ब्रेंट इलाके में पान थूकने के लिए इन दोनों पर 1300 पाउंड से ज्यादा का जुर्माना लगाया गया है। जुर्माने का सामने करने वाले दो लोगों में अक्षतकुमार भाद्रे पटेल और हितेश पटेल शामिल हैं। ब्रेंट काउंसिल ने हालिया समय में सड़कों पर पान या गुटखा थूकने के खिलाफ अभियान चलाते हुए लगातार जुर्माना वसूला है।

ब्रेंट काउंसिल ने एजवेयर में रहने वाले 31 साल के अक्षतकुमार भाद्रे पटेल पर नॉर्थ वेस्ट लंदन मजिस्ट्रेट कोर्ट ने 1,391 पाउंड (1 लाख, 72 हजार रुपए) का जुर्माना लगाया है। वह अपनी सुनवाई के लिए कोर्ट में पेश नहीं हुए तो उनकी गैर-मौजूदगी में उन पर आरोप साबित हो गया।

अमेरिकी विदेश-रक्षा मंत्री के घर के ऊपर संदिग्ध ड्रोन दिखे

वॉशिंगटन, 19 मार्च (एजेंसियां)। वॉशिंगटन में अमेरिकी सेना के एक अहम बेस के ऊपर संदिग्ध ड्रोन देखे गए हैं। वॉशिंगटन पोस्ट के मुताबिक विदेश मंत्री मार्को रुबियो और रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ सैन्य बेस फोर्ट लेसली मैकनेयर के अंदर रह रहे हैं। इस मामले की जानकारी रखने वाले तीन लोगों ने बताया कि इन ड्रोन की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है और यह भी साफ नहीं है कि वे कहां से आए थे।

एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, अमेरिका और इजराइल के ईरान पर हमलों के कारण सुरक्षा अलर्ट पहले से बढ़ा हुआ है। इसी वजह से सेना संभावित खतरों पर कड़ी नजर रख रही है। पिछले 10 दिनों में एक रात के दौरान फोर्ट लेसली मैकनेयर के ऊपर कई ड्रोन देखे गए, जिसके बाद सुरक्षा बढ़ा दी गई और व्हाइट हाउस में इस मुद्दे पर इमरजेंसी बैठक भी हुई।

इसी बीच अमेरिका ने दुनियाभर में अपने दूतावासों के लिए सुरक्षा

चेतावनी जारी की है और देश के अंदर कई सैन्य ठिकानों पर भी सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। न्यू जर्सी के जॉइंट बेस मैकग्वायर-डिक्स-लेकहर्स्ट और फ्लोरिडा के मैकडिल एयर फोर्स बेस पर सुरक्षा स्तर बढ़ाकर 'चार्ली' कर दिया गया है। इसका मतलब होता है कि किसी हमले या खतरे की आशंका है। इससे ऊपर केवल 'डेल्टा' स्तर होता है, जो तब लागू होता है जब हमला हो चुका हो या होने वाला हो। फोर्ट मैकनेयर के ऊपर ड्रोन दिखने के बाद अधिकारियों ने यह भी विचार किया कि क्या रुबियो और हेगसेथ को किसी दूसरी जगह शिफ्ट किया जाए। हालांकि, अभी तक उन्हें वहां से नहीं हटाया गया है। अक्टूबर में कई मीडिया रिपोर्ट्स में रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ और विदेश मंत्री मार्को रुबियो के वहां रहने की जानकारी सार्वजनिक हो चुकी थी। आमतौर पर इतने बड़े पदों पर बैठे लोग कहां रहते हैं, यह जानकारी सार्वजनिक नहीं की जाती, क्योंकि इससे उनकी सुरक्षा को खतरा हो सकता है।

कोर्ट के आदेश पर जेल में हुआ इमरान खान की आंख का चेकअप

इस्लामाबाद, 19 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान दाईं आंख की गंभीर बीमारी सीआरवीओ (सेंट्रल रेटिनल वीन ऑक्लूजन) से जूझ रहे हैं। उनकी हालत को देखते हुए इस्लामाबाद हाई कोर्ट के आदेश पर डॉक्टरों की एक टीम ने रावलपिंडी की आदियाला जेल में जाकर उनका मेडिकल चेकअप किया।

पांच डॉक्टरों की टीम ने करीब दो घंटे तक उनकी आंख की जांच की। यह टीम सरकार द्वारा बनाए गए मेडिकल बोर्ड का हिस्सा है, जिसमें ईएनटी, कार्डियोलॉजी और आंखों के विशेषज्ञ शामिल हैं। मेडिकल बोर्ड जल्द ही अपनी रिपोर्ट अधिकारियों को सौंपेगा।

पिछले दो महीनों में इमरान खान को इलाज के लिए दो बार पाकिस्तान इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज ले जाया जा

चुका है।

सरकार के मुताबिक, इलाज के बाद उनकी आंख और नजर में कुछ सुधार हुआ है।

वहीं, पाकिस्तान के सूचना मंत्री अत्ताउल्लाह तरार ने कहा कि लंदन में रह रहे इमरान खान के बेटे बिना वीजा के पाकिस्तान आ सकते हैं, क्योंकि उनके पास एनआईसीओपी कार्ड है। यह बयान इमरान खान की पूर्व पत्नी जेमिमा गोल्डस्मिथ के उस दावे के जवाब में आया है, जिसमें उन्होंने वीजा मिलने में देरी की बात कही थी।

पूर्व मंत्री योगेंद्र साव का घर जमींदोज

हजारीबाग, 19 मार्च (एजेंसियां)। हजारीबाग जिले के केरेडारी प्रखंड के जोरदाग में गुरुवार को पूर्व मंत्री योगेंद्र साव के घर को भारी पुलिस बल की मौजूदगी में ध्वस्त कर दिया गया। यह कार्रवाई एनटीपीसी और पूर्व मंत्री के बीच लंबे समय से चल रहे जमीन एवं मुआवजा विवाद के कारण की गई।

योगेंद्र साव अपनी पत्नी और बड़कागांव की पूर्व विधायक निर्मला देवी के साथ पिछले कई दिनों से अपने आवास स्थल पर धरना दे रहे थे। उनकी मुख्य मांग भूमि के बदले मिलने वाली मुआवजा राशि में बढ़ोतरी थी।

एनटीपीसी अधिकारियों के अनुसार, संबंधित भूमि के लिए निर्धारित मुआवजा राशि पहले ही तय की जा चुकी थी। योगेंद्र साव द्वारा राशि लेने से इनकार करने के बाद इसे ट्रिब्यूनल कोर्ट में जमा कर दिया गया था। अधिकारियों ने बताया कि चट्टी बरियातू कोल खनन परियोजना के विस्तार कार्य में बाधा आ रही थी, जिसके कारण प्रशासन को यह कदम उठाना पड़ा। प्रशासन ने इस मामले में कई बार हस्तक्षेप कर समझौते का प्रयास किया था, लेकिन कोई समाधान नहीं निकल सका।

एक करोड़ रुपए का गांजा बरामद

भूसा लदा ट्रक रांची से पलामू की ओर जा रहा था, अंदर लोड था 10 टन गांजा

लातेहार, 19 मार्च (एजेंसियां)। लातेहार पुलिस ने किनामाड़ स्थित यम्मी रेस्टोरेंट के पास एक बड़ी कार्रवाई करते हुए भूसा लदे ट्रक से भारी मात्रा में गांजा बरामद किया है। बरामद गांजे की अनुमानित कीमत लगभग एक करोड़ रुपए बताई जा रही है, जिसका वजन करीब 10 टन है।

एसपी कुमार गौरव ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि एक ट्रक रांची से पलामू की ओर अवैध मादक पदार्थ की तस्करी कर रहा है। सूचना मिलते ही प्रशासन हरकत में आया और अंचल अधिकारी नंदकुमार राम तथा एसआई राहुल सिन्हा के नेतृत्व में एक टीम गठित कर छापेमारी की गई।

200 पेटियों में गांजा पैक किया गया था

यम्मी रेस्टोरेंट के पास खड़े ट्रक की तलाशी लेने पर, उसमें भूसे के अंदर बड़ी चालाकी से गांजा छुपाकर रखा गया था। प्रारंभिक जांच में पता चला कि ट्रक में लगभग 200

पेटियों में गांजा पैक किया गया था, जिसमें प्रत्येक पेटी में करीब 5 किलो गांजा था।

हालांकि, पुलिस की इस कार्रवाई के दौरान अब तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। तस्कर मौके से फरार होने में सफल रहे। पुलिस इस पहलू की जांच कर रही है कि गांजा कहां से लाया जा रहा था और इसे किस स्थान तक पहुंचाने की योजना थी, साथ ही इसके बड़े अंतरराज्यीय तस्करी गिरोह से जुड़े होने की संभावना भी तलाशी जा रही है।

40 हजार घूस लेते प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी गिरफ्तार

साहिबगंज, 19 मार्च (एजेंसियां)। साहिबगंज में गुरुवार को झारखंड एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की दुमका प्रक्षेत्र टीम ने भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। एसीबी ने बरहड़वा प्रखंड के प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी नंदन कुमार को 40 हजार रुपए घूस लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार, नंदन कुमार ने आलमगीर आलम नामक डीलर से रजिस्टर में हस्ताक्षर करने के एवज में रिश्वत की मांग की थी। पीड़ित ने इसकी शिकायत एसीबी से की थी। शिकायत के आधार पर टीम ने योजना बनाकर कार्रवाई की।

पूर्व निर्धारित प्लान के तहत एसीबी की टीम सादे लिबास में बरहड़वा प्रखंड पहुंची और पीड़ित के माध्यम से जैसे ही 40 हजार रुपए दिए गए, नंदन कुमार को रंगेहाथ पकड़ लिया गया। गिरफ्तारी के बाद टीम आरोपी को अपने साथ दुमका ले गई।

इस कार्रवाई की खबर फैलते ही प्रखंड कार्यालय में हड़कंप मच गया। एसीबी टीम ने स्थानीय थाना को भी मामले की जानकारी दी। बताया जा रहा है कि नंदन कुमार की यह पहली पोस्टिंग थी।

जहां गिरा माता सती का शीश आज वहां है शाकुम्भरी शक्तिपीठ

चैत्र नवरात्रि का पावन पर्व 19 मार्च से शुरू हो रहा है. इसमें लोग मां दुर्गा के 9 स्वरूपों की पूजा करते हैं और 52 शक्तिपीठों के दर्शन करते हैं. भगवान विष्णु ने अपने चक्र से माता सती के शरीर के टुकड़े किए, जो 52 स्थानों पर गिरे, जहां पर शक्तिपीठ स्थापित हुए. आज हम आपको उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले में स्थित है, जो 52 शक्तिपीठों में से एक शाकुम्भरी शक्तिपीठ के बारे में बताने वाले हैं।

कहां है शाकुम्भरी शक्तिपीठ ?

सहारनपुर में मां शाकुम्भरी देवी मंदिर स्थित है. यहां मां सती का शीश गिरा था, वह अन्न की देवी अन्नपूर्णा के रूप में विराजमान हैं और भक्तों का कल्याण करती हैं. यह मंदिर शिवालिक पहाड़ियों की तलहटी में बेहट तहसील के जसमौर गांव के निकट स्थित है. यहां पहुंचने के लिए सहारनपुर रेलवे स्टेशन या बेहट बस स्टैंड से बस या निजी वाहन से जा सकते हैं. हवाई यात्रा के लिए नजदीकी हवाई अड्डा देहरादून या दिल्ली है।

मान्यताओं के अनुसार, मां ने कठिन काल में सृष्टि का पालन कर जगत को जीवन दिया था, इसलिए यहां आने वाला हर भक्त पूर्ण विश्वास और गहरी श्रद्धा के साथ मां के चरणों में नमन करता है. प्राकृतिक सौंदर्य और आध्यात्मिक ऊर्जा से घिरा यह धाम मन को शांति, आस्था और नई शक्ति से भर देता है।

मान्यता है कि शाकुम्भरी देवी की उपासना करने वाले घरों में हमेशा अन्न और शाक से भंडार भरा रहता है. यह धाम अन्नपूर्णा के रूप में भी पूजा जाता है. मंदिर प्राकृतिक सौंदर्य और आध्यात्मिक ऊर्जा से भरा हुआ है. भक्तों का विश्वास है कि मां शाकुम्भरी स्वयं उनकी रक्षा करती हैं और पूर्ण श्रद्धा से दर्शन करने वाले की मनोकामनाएं पूरी करती हैं.

शाकुम्भरी देवी की कथा

धार्मिक मान्यता है कि शाकुम्भरी देवी का नाम दुर्गमासुर वध से जुड़ा है. जब दुर्गमासुर ने वेदों पर कब्जा कर अकाल फैलाया, तो देवी ने अपने नेत्रों से जल बहाया. उस जल से धाराएं निकलीं और वनस्पतियां हरी-भरी हो गईं. सौ नेत्रों से दया की दृष्टि डालने के कारण उन्हें शताक्षी कहा गया।

अकाल में उन्होंने अपने शरीर से शाक-सब्जियां उत्पन्न कर पृथ्वी का पालन किया, इसलिए नाम शाकुम्भरी पड़ा. मंदिर में मुख्य प्रतिमा के दाईं ओर भीमा और भ्रामरी तथा बाईं ओर शताक्षी या शीतला देवी विराजमान हैं।

मां ने की देवताओं की सहायता

धार्मिक कथा के अनुसार, जब दानव शुंभ-निशुंभ, महिषासुर और रक्तबीज ने देवताओं पर आक्रमण किया, तो देवता छिपते-छिपते शिवालिक पहाड़ियों पर पहुंच गए. नारद मुनि के सुझाव पर देवताओं ने मां से सहायता मांगी. इसी दौरान भूरादेव अपने पांच साथियों के साथ मां की शरण में आए और युद्ध में शामिल होने की आज्ञा मांगी।

मां काली ने रक्तबीज का सिर काटकर पिया रक्त

मां ने वरदान दिया और युद्ध शुरू हुआ. रक्तबीज नामक राक्षस का खास गुण था कि उसकी खून की एक बूंद जमीन पर गिरने से नया राक्षस पैदा हो जाता था. मां ने विकराल रूप धारण किया और चक्र से राक्षसों का संहार किया।

कालिका माता मंदिर चित्तौड़गढ़

राजस्थान के दक्षिणी भाग में स्थित चित्तौड़गढ़ किला भारत का सबसे बड़ा किला माना जाता है। यह किला केवल एक स्थापत्य चमत्कार ही नहीं है, बल्कि यह राजपूती साहस, बलिदान और मातृभूमि के लिए प्रेम का जीवंत प्रतीक भी है।

इसकी नींव 7वीं शताब्दी में मौर्य वंश ने रखी थी, और इसका नाम चित्रांगद मौर्य के नाम पर पड़ा, जैसा कि उस युग के सिक्कों से प्रमाणित होता है। बाद में, 734 ईस्वी में बप्पा रावल ने इस किले को मेवाड़ की राजधानी बनाया। कुछ ऐतिहासिक कथाओं के अनुसार, यह किला बप्पा रावल को सोलंकी वंश की राजकुमारी के दहेज के रूप में प्राप्त हुआ था।

लगभग 834 वर्षों तक यह किला मेवाड़ शासकों की शक्ति और गौरव का केंद्र बना रहा।

चित्तौड़गढ़ किले के भीतर स्थित कालिका माता मंदिर शक्ति की देवी भद्रकाली को समर्पित है। माना जाता है कि यह मंदिर 14वीं शताब्दी में निर्मित हुआ था, लेकिन इसका निर्माण 8वीं शताब्दी के एक प्राचीन सूर्य मंदिर के खंडहरों पर किया गया था, जो उस समय सूर्य उपासना का प्रमुख स्थल हुआ करता था।

मंदिर आज भी भक्तों के लिए एक आध्यात्मिक केंद्र है — विशेष रूप से उन लोगों के लिए जो देवी के उग्र स्वरूप से शक्ति और संरक्षण की कामना करते हैं।

कालिका माता मंदिर, चित्तौड़गढ़ वास्तुकला

कालिका माता मंदिर का मूल निर्माण 8वीं शताब्दी में बप्पा रावल द्वारा सूर्य देव की उपासना के लिए करवाया गया था। यह मंदिर तब गुप्त कालीन स्थापत्य शैली से प्रेरित था, जिसकी झलक आज भी इसकी शिल्पकला में देखी जा सकती है। हालाँकि, 1303 में अलाउद्दीन खिलजी द्वारा किए गए पहले आक्रमण में मंदिर को काफी नुकसान हुआ। इसके बाद 14वीं शताब्दी में राणा हम्मीर ने इसे देवी काली को समर्पित करते हुए पुनः निर्मित करवाया।

संरचना और प्रमुख विशेषताएं

मंदिर एक ऊँचे पोडियम पर स्थित है और इसकी संरचना में पाँच कक्ष शामिल हैं, जिनकी छतें अब नष्ट हो चुकी हैं। मंदिर की दीवारें साधारण हैं, लेकिन छज्जों पर कमल के फूलों की जटिल नक्काशी आकर्षित करती है।

गर्भगृह की दीवारों पर सूर्य देवता की छवियाँ बनी हुई हैं, जिन्हें अप्सराओं और उनकी सहचरी देवियों से घिरा हुआ दिखाया गया है। यही नहीं, चंद्र देवता की आकृतियाँ भी दीवारों पर अंकित हैं, जो स्थापत्य में सूर्य-चंद्र दोनों की पूजा के समन्वय को दर्शाता है।

स्तंभ, छत और द्वार की नक्काशी

मंदिर की छत समतल है, जो चतुरस्तंभीय खंभों द्वारा समर्थित है। इन स्तंभों पर की गई जटिल नक्काशी और ब्रैकेट डिजाइन स्थापत्य कला की उत्कृष्टता का प्रमाण है।

गर्भगृह का द्वार–चौखट अत्यंत भव्य है। इसमें चार नक्काशीदार पट्टियाँ हैं, जिनका मुख्य विषय सूर्य देव हैं। द्वार के दोनों ओर विस्तृत पैनल्स में अन्य देवताओं की छवियाँ उकेरी गई हैं, जिनके केंद्र में फिर से सूर्य देवता को प्रमुखता दी गई है। इस पूरी बनावट में गुप्त कालीन सौंदर्य और भक्ति का अद्भुत संतुलन देखने को मिलता है।

बहुचरा माता– मेहसाणा गुजरात का शक्तिपीठ

चढ़ावा– बहुचरा देवी को अर्पित किये जाने वाले चढ़ावे में एक रोचक चढ़ावा है, धातु का चौकोर पतरा, जिस पर सम्पूर्ण शरीर अथवा शरीर का कोई अंग उत्कीर्णित होता है। मंदिर में प्रवेश करने से पूर्व ही आप चारों ओर विक्रेताओं को देखेंगे जो इन पतरों की विक्री करते हैं। शरीर के जिस अंग में कष्ट है अथवा रोग है, भक्त वही पतरा देवी को अर्पित करता है। देवी उसके उस अंग को रोगमुक्त कर देती हैं।

मंदिर के भीतर हमने अनेक भक्तों को देखा जो ऐसे पतरे देवी को अर्पित कर रहे थे। विशेषतः आदि बहुचरा मंदिर में ऐसे भक्तों की संख्या अधिक थी। संतान प्राप्ति की कामना लिये अनेक स्त्रियाँ अथवा सम्पूर्ण परिवार भी ऐसा चढ़ावा देवी को अर्पित करता है।

बहुचरा माता का इतिहास

ऐसी मान्यता है कि बहुचरा माता एक वास्तविक स्त्री थी जिसका जीवनकाल १४ वीं सदी में माना जाता है। ठीक वैसे ही जैसे देशनोक की करणी माता को एक वास्तविक व्यक्तित्व माना जाता है। उनका मूल स्थान मरु क्षेत्र है जो वर्तमान के जैसलमेर में आता है। उनके पिता को सौराष्ट्र में एक जागीर प्रदान की गयी थी। एक समय की घटना है, सौराष्ट्र की ओर यात्रा करते हुए उन पर तथा उनकी भगिनियों पर एक डाकू ने आक्रमण किया था। आत्मरक्षा करते हुए उन्होंने अपने प्राण त्याग दिए किन्तु मृत्यु से पूर्व उन्होंने उस डाकू को किन्नर होने का श्राप दे दिया।

जब उस दस्यु को अपनी भूल का आभास हुआ, वह हृदय से क्षमाप्रार्थी हो गया। तब बहुचरा जी ने उससे उसी स्थान पर उनकी स्मृति में एक मंदिर का निर्माण करने की आज्ञा दी। उस काल में उसे चुनावल कहा जाता था किन्तु अब देवी के नाम पर उसे बेचारजी कहा जाता है। देवी ने वरदान दिया कि यदि किन्नर स्त्री की वेशभूषा धारण कर उनके दर्शन करने के लिए आयेंगे तो वे उन्हे आशीर्वाद देंगी तथा मरणोपरांत अपने चरणों में स्थान देंगी।

उस डाकू ने एक शमी वृक्ष के नीचे देवी के लिए एक मंदिर का निर्माण किया। आप आज भी यहाँ वह मंदिर देख सकते हैं।

वडोदरा के गायकवाड

१८ वीं शताब्दी में इस मंदिर में आराधना करने के पश्चात एक गायकवाड राजा को अपने रोग से मुक्ति प्राप्त हुई थी। उसके पश्चात उन्होंने यहाँ नवीन मंदिर का निर्माण करवाया था। १९ वीं शताब्दी में गायकवाड राजाओं ने दक्षिण भारत के एक पुरोहित को इस मंदिर में पूजा-अनुष्ठान करने के लिए यहाँ आमंत्रित किया था। वर्तमान में उसी दक्षिण भारतीय पुरोहित के वंशज मंदिर की पूजा-आर्चना आदि सभी

बहुचरा माँ गुजरात के मेहसाणा क्षेत्र की अधिष्ठात्री देवी हैं। वे अपने दर्शनार्थियों एवं भक्तों पर आशीषों का वर्षाव करती हैं। अनेक भक्तगण विशेष रूप से पुत्रप्राप्ति की मनोकामना लिए उनके दर्शन करने आते हैं। स्त्रियाँ अपने घरेलू समस्याओं एवं कष्टों के निवारण की आस लेकर उनके दर्शन करने आती हैं तथा उनके आशीष की कामना करती हैं।

इस मंदिर की एक विशेषता यह है कि यहाँ किन्नर समुदाय भी बहुचरा देवी के दर्शन के लिए आता है। देवी माँ के भक्तों में उनका एक महत्वपूर्ण स्थान है। आप उन्हे मंदिर में स्थित वृक्ष के नीचे बैठे देख सकते हैं।

कुलदेवी– बहुचरा देवी कई समुदायों की कुलदेवी हैं जिनमें सोलंकी राजपूत, कोली, भील, किन्नर आदि सम्मिलित हैं। सोलंकी राजपूतों ने इस क्षेत्र में दीर्घ काल तक राज किया था। बहुचरा देवी का वाहन एक कुक्कुट अथवा मुर्गा है। सोलंकी राजाओं ने अपने राजध्वज में देवी के वाहन कुक्कुट की छवि भी प्रदर्शित की थी। वे अपनी संतानों के मुंडन समारोह के लिए देवी के मंदिर आते थे। यह प्रथा वर्तमान में भी अनवरत जारी है। आप जब मंदिर में दर्शन के लिए आयेंगे, आप यहाँ मुंडन किये हुए कई शिशुओं को देखेंगे। उनके शीष पर लाल कुमकुम से स्वस्तिक भी बना होगा।

बहुचरा माता को सिंध की हिंगलज माता का स्वरूप माना जाता है। उन्हे बाला त्रिपुरसुंदरी का भी स्वरूप माना जाता है जो रंगकर्मियों की अधिष्ठात्री देवी हैं। आपको स्मरण होगा, कुचीपुड़ी में भी एक मंदिर है जो त्रिपुरसुंदरी को समर्पित है। इंटरनेट से मुझे यह जानकारी प्राप्त हुई कि इस मंदिर के गर्भगृह में स्फटिक का एक बाला यंत्र स्थापित है किन्तु मैं उसे देख नहीं पायी।

चैत्र नवरात्रि पर बना रहे हैं माता के दर्शन का प्लान

मुंबई के इन मंदिरों में लगता है हर साल मेला

मुंबई का सबसे खास माता का मंदिर जीवदानी माता का माना जाता है। माता के दर्शन के लिए यहां आपको करीब 1300 सीढ़िया चढ़नी पड़ेगी। माना जाता है कि इस मंदिर को पांडवो ने अपने वनवास के समय में बनाया था। जीवदानी माता का अर्थ है जीवन देने वाली मां। इस मंदिर से लोगों की खास श्रद्धा है। यहां रहने वाले लोगों का मानना है कि माता लोगों के और उनके परिवार के जान की रक्षा करती हैं। आप यहां केवल नवरात्री ही नहीं बल्कि किसी भी समय चले जाएं, आपको यहां हजारों श्रद्धालु दर्शन के लिए आते नजर आएंगे। यह मुंबई का सबसे फेमस मंदिर है।

यह मुंबई में स्थित माता का सबसे सुंदर और चमत्कारी मंदिर है। मंदिर भक्तों के बीच अपने चमत्कारों के लिए जाना जाता है। लोग दूर-दूर से यहां अपनी मनोकामना पूरी करने के लिए आते हैं।

महालक्ष्मी मंदिर

महालक्ष्मी मंदिर मुंबई में स्थित देवी लक्ष्मी, दुर्गा और सरस्वती को समर्पित है। इस मंदिर का निर्माण 1831 में किया गया था। नवरात्रि के समय यहां दूर-दूर से श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं। यहां का माहौल खुशियों से भरा नजर आता है। हर चेहरे पर खुशी और माता के प्रति प्रेम आपकी श्रद्धा को और भी ज्यादा मजबूर बना देगी।

समय- मंदिर सुबह 6:30 बजे से रात 10 बजे तक आम लोगों के लिए खुला रहता है।

लोकेशन- भूलाभाई देसाई रोड, महालक्ष्मी, मुंबई।

मुंबा देवी मंदिर

यह मंदिर शहर के सबसे पुराने मंदिरों में से एक है। सबसे खास बात यह है कि मुंबई का नाम इसी मंदिर के नाम से ही रखा गया है। देवी मुंबा को समर्पित यह मंदिर नवरात्रि में दर्शन के लिए सबसे खास है। इस मंदिर को कृषि समुदायों, मछुआरों और सोमवंशी क्षत्रियों का संरक्षक माना जाता है। यहां आप चैत्र नवरात्रि के पहले दिन आ सकते हैं। क्योंकि मंगलवार के दिन मंदिर में भक्त बड़ी संख्या में इकट्ठा होते हैं। क्योंकि इस दिन को मुंबादेवी का सबसे खास दिन माना जाता है। इसे भारत के चमत्कारी मंदिरों में से एक माना जाता है।

लोकेशन– मुंबा देवी मार्ग, ज़वेरी बाज़ार, मुंबई

समय- मंगलवार से रविवार सुबह 6 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक यह मंदिर आम लोगों के लिए खुला रहता है।

आपकी राय हमारे लिए महत्वपूर्ण है! हमारे इस रीडर सर्वे को भरने के लिए थोड़ा समय जरूर निकालें। इससे हमें आपकी प्राथमिकताओं को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिलेगी।

देवी दुर्गा का द्वितीय स्वरूप, कड़ी तपस्या के बाद बनी मां ब्रह्मचारिणी

माँ ब्रह्मचारिणी नाम की उत्पत्ति (शब्दार्थ)
ब्रह्म = तप, ज्ञान, ब्रह्म का स्वरूप
चारिणी = आचरण करने वाली
इस प्रकार “ब्रह्मचारिणी” का अर्थ हुआ “ब्रह्म का आचरण करने वाली” या “तपस्विनी”।

माँ ब्रह्मचारिणी आकृति और प्रतीकात्मक महत्व
रूप वर्णनः
सिर पर तेजमयी आभा
दाहिने हाथ में जपमाला
बाएँ हाथ में कमंडल
साध्वी वेशभूषा में, पदयात्रा करती हुई मुद्रा

प्रतीकात्मकताः
जपमालाः निरंतर भक्ति और मंत्रजप का प्रतीक
कमंडलः संयम और पवित्रता
सरल वेशः तप और साधना का संदेश
प्रेरणाः आत्मसंयम और आध्यात्मिक लक्ष्य की ओर अग्रसर होना

देवी दुर्गा का यह दूसरा रूप भक्तों एवं सिद्धों को अमोघ फल देने वाला है। देवी ब्रह्मचारिणी की उपासना से तप, त्याग, वैराग्य, सदाचार, संयम की वृद्धि होती है। माता ब्रह्मचारिणी की पूजा और साधना करने से कुंडलिनी शक्ति जागृत होती है। ऐसा भक्त इसलिए करते हैं ताकि मां ब्रह्मचारिणी की कृपा से उनका जीवन सफल हो सके और अपने सामने आने वाली किसी भी प्रकार की बाधा का सामना आसानी से कर सकें। आज नवरात्र का दूसरा दिन है। नवरात्र के दूसरे दिन माता के ब्रह्मचारिणी स्वरुप की पूजा की जाती है। ब्रह्म का अर्थ है तपस्या और चारिणी यानी आचरण करने वाली अर्थात तप का आचरण करने वाली मां ब्रह्मचारिणी।

ब्रह्मचारिणी देवी का स्वरूप पूर्ण ज्योतिर्मय एवं अत्यन्त भव्य है। यह देवी शांत और निमग्न होकर तप में लीन हैं। मुख पर कठोर तपस्या के कारण तेज और कांति का ऐसा अनूठा संगम है जो तीनों लोको को उजागर कर रहा है।

यह स्वरूप श्वेत वस्त्र पहने दाहिने हाथ में जप की माला एवं बायें हाथ में कमंडल लिए हुए सुशोभित है। ब्रह्मचारिणी देवी के कई अन्य नाम हैं जैसे तपश्चारिणी, अपर्णा और उमा। कहा जाता है कि देवी ब्रह्मचारिणी अपने पूर्व जन्म में राजा हिमालय के घर पार्वती स्वरूप में थीं। इन्होंने भगवान शंकर को पति रूप से प्राप्त करने के लिए घोप तपस्या की थी। वह भगवान शिव को पाने के लिए 1000 साल तक सिर्फ फल खाकर रहीं और 3000 साल तक शिव की तपस्या सिर्फ पेड़ों से गिरी पत्तियां खाकर की। कड़ी तपस्या के कारण उन्हें ब्रह्मचारिणी कहा गया।

मां जगदम्बे की भक्ति पाने के लिए मां ब्रह्मचारिणी का मंत्र कंठस्थ कर नवरात्रि में द्वितीय दिन इसका जाप करना चाहिए।

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 20 मार्च - 2026

पीएनजी ही भविष्य का रास्ता

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष ने वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को अस्थिर कर दिया है।। इसका सीधा असर भारत जैसे आयात-निर्भर देश पर पड़ रहा है। घरेलू स्तर पर एलपीजी(रसोई गैस) की बढ़ती कमी और कालाबाजारी ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। सरकार ने हालात को संभालने के लिए रिफाइनरियों को पूर्ण क्षमता पर चलाने और उत्पादन बढ़ाने के निर्देश दिए हैं, इसके बावजूद आपूर्ति में संतुलन नहीं बन पा रहा। यह स्थिति केवल एक अस्थायी संकट नहीं, बल्कि भारत की ऊर्जा संरचना में गहरे बदलाव की आवश्यकता का संकेत है। एलपीजी की कमी के साथ-साथ कालाबाजारी की समस्या भी लगातार बढ़ रही है। आवश्यक सेवा रखरखाव अधिनियम (एस्मा) लागू करने के बावजूद अवैध जमाखोरी पर लगाम नहीं लग पाया है। इसका असर घरेलू उपभोक्ताओं के साथ ही होटल, ढाबे और छोटे व्यापार पर भी पडा है। इन व्यवसायों के ठप होने से लाखों लोगों के रोजगार पर खतरा मंडरा रहा है। इससे ऊर्जा संकट केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सामाजिक चुनौती भी बन चुका है। इसी पृष्ठभूमि में सरकार का पीएनजी (पाइप्ड नेचुरल गैस) को बढ़ावा देने का प्रयास एक दूरदर्शी कदम माना जा सकता है। पीएनजी न केवल अपेक्षाकृत सस्ती और सुरक्षित है, बल्कि इसकी आपूर्ति भी अधिक स्थिर होती है। पाइपलाइन के माध्यम से सीधे घरों तक गैस पहुंचाने से सिलेंडर पर निर्भरता कम होगी और कालाबाजारी जैसी समस्याओं पर भी अंकुश लगेगा। यह बदलाव केवल तात्कालिक राहत के लिए नहीं, बल्कि दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा के लिए भी आवश्यक है। भारत में वर्तमान में लगभग 33 करोड़ एलपीजी कनेक्शन हैं, जिनके लिए करीब 60% गैस आयात करनी पड़ती है। चिंताजनक बात यह है कि इस आयात का बड़ा हिस्सा पश्चिम एशिया से आता है, जो इस समय अस्थिरता का केंद्र बना हुआ है। इसके विपरीत, प्राकृतिक गैस के मामले में भारत अपनी जरूरत का लगभग आधा उत्पादन खुद करता है और शेष आयात में भी विविधता है। इसका मतलब है कि पीएनजी की ओर बढ़ना भारत को अधिक आत्मनिर्भर और सुरक्षित बना सकता है। पीएनजी को व्यापक स्तर पर अपनाने के लिए कई चुनौतियां भी हैं। बड़े शहरों में पाइपलाइन नेटवर्क तेजी से फैल रहा है, लेकिन छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में अभी भी बुनियादी ढांचे की कमी है। इसके अलावा, उपभोक्ताओं को कनेक्शन लेने और पुराने सिस्टम से बदलाव के लिए प्रोत्साहित करना भी मुश्किल होता है। सरकार द्वारा राज्यों को अतिरिक्त कमर्शियल एलपीजी देने का प्रस्ताव सराहनीय है, लेकिन इसके साथ-साथ जागरूकता और इंफ्रास्ट्रक्चर पर भी बराबर ध्यान देना होगा। ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता केवल आर्थिक मजबूती का सवाल नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा से भी जुड़ा हुआ मुद्दा है। बार-बार आने वाले वैश्विक संकट यह साबित कर चुके हैं कि आयात पर अत्यधिक निर्भरता जोखिम भरी होती है। ऐसे में भारत को अपने ऊर्जा स्रोतों में विविधता लानी होगी और घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देना होगा। अंततः, एलपीजी से पीएनजी की ओर संक्रमण एक नीतिगत विकल्प नहीं, बल्कि समय की मांग बन चुका है। यदि इस दिशा में योजनाबद्ध और तेज़ी से कदम उठाए जाएं, तो भारत न केवल वर्तमान संकट से उबर सकता है, बल्कि भविष्य के लिए एक मजबूत और स्थिर ऊर्जा ढांचा भी तैयार कर सकता है।

बच्चों को सोशल मीडिया के दुष्प्रभाव से बचाने की जरूरत

मनोज अग्रवाल

हाल ही में बच्चों पर सोशल मीडिया के प्रभाव का उल्लेख राज्यसभा में किया गया। राज्यसभा सांसद मिलिंद देवड़ा ने आंकड़े पेश करते हुए बताया कि राष्ट्रीय अपराध अभिलेख ब्यूरो के अनुसार, 2022 में भारत में लगभग 13,000 विद्यार्थियों ने आत्महत्या की, जो 2013 की तुलना में लगभग दोगुनी संख्या है। यही नहीं आज भारत में कुल आत्महत्याओं में लगभग 10 प्रतिशत हिस्सेदारी विद्यार्थियों की है। याद रहे 4 फरवरी को गाजियाबाद में 12, 14 और 16 वर्ष की तीन बहनों ने आत्महत्या कर ली। बताया गया कि यह घटना ऑनलाइन खेलों की लत से जुड़ी थी।

आज इंटरनैट के जमाने में हर चीज मोबाइल फोन पर उपलब्ध होने के कारण सोशल मीडिया का महत्व बहुत बढ़ गया है और लोग बड़े पैमाने पर इसका इस्तेमाल कर रहे हैं। इससे जहां उपयोगी जानकारी मिलती है वहीं इस पर उपलब्ध अनुचित और अश्लील सामग्री बच्चों के लिए हानिकारक भी सिद्ध हो रही है।

स्कूल हो या घर, हर जगह बच्चे मोबाइल का इस्तेमाल करते रहते हैं। सोशल मीडिया का अत्यधिक इस्तेमाल बच्चों की मानसिक स्थिति पर बुरा असर डाल रहा है और बच्चों में नींद की कमी भी देखी गई है। यह बच्चों में डिप्रैशन, चिंता और तनाव उत्पन्न करने का कारण भी बन रहा है।

भारत में सोशल मीडिया प्लेटफार्म के उपयोगकर्ताओं में लगभग एक-तिहाई किशोर हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका में 2010 के बाद किशोरों में अवसाद और आत्महत्या के मामलों में तेज वृद्धि देखी गई, ठीक उसी समय जब एक कंपनी फेसबुक ने युवाओं को आक्रामक रूप से अपने मंच की ओर आकर्षित करना शुरू किया।

सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर अधिक समय बिताने के कारण बच्चों की दिनचर्या प्रभावित हो रही है तथा माता-पिता के साथ उनकी दूरी एवं स्वभाव में हिंसक प्रवृत्ति बढ़ने के साथ-साथ एकाग्रता में कमी आ रही है। सोशल मीडिया की लत से बच्चों को बचाने की खातिर आस्ट्रेलिया, इंगलैंड, मलेशिया, स्पेन, नार्वे, जर्मनी, इटली व चीन तथा चंद अन्य देशों ने भी बच्चों द्वारा सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लागू कर दिए हैं।

इसी सिलसिले में फ्रांस सरकार ने भी 15 वर्ष से कम आयु के बच्चों को सोशल मीडिया से दूर रखने की कवायद शुरू कर दी है। देश की नैशनल असैम्बली ने इससे संबंधित बिल को स्वीकृति दे दी है। इसे देश में 1 सितम्बर, 2026 से शुरू होने वाले आगामी शिक्षा सत्र से लागू कर दिया जाएगा।

आपको बता दें कि अक्सर बच्चों को व्यस्त रखने या उनका ध्यान भटकाने के नाम पर बहुत कम उम्र में ही उनके हाथों में टैबलेट और मोबाइल फोन दे देते हैं। आंकड़े बताते हैं कि भारत के लगभग 27 प्रतिशत किशोरों में सोशल मीडिया प्लेटफार्म की लत के लक्षण दिखते हैं। इसके साथ-साथ पढ़ाई में गिरावट, चिंता और आत्मविश्वास की कमी भी देखी जा रही है। उन्होंने सदन में कहा कि एक सर्वेक्षण के अनुसार महानगरों में लगभग 33 प्रतिशत बच्चे साइबर उत्पीड़न का सामना करते हैं। राष्ट्रीय अपराध अभिलेख ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार, किशोरों से जुड़े हिंसक अपराधों की हिस्सेदारी 2016 में 32 प्रतिशत थी, जो 2022 तक बढ़कर लगभग 50 फीसदी के करीब पहुंच गई।

आपको बता दें कि फ्रांस ने 15 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए सोशल मीडिया के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया है और विद्यालयों में मोबाइल फोन पर भी रोक लगाई है। ऑस्ट्रेलिया द्वारा 16 साल से कम उम्र के बच्चों पर सोशल मीडिया बैन लगाने के कड़े फैसला लिया गया ऑस्ट्रेलिया ने इसे 16 वर्ष से कम आयु तक सीमित किया है।

झूलेलाल और हेमू कालानी : एक धर्म के लिए मशहूर तो दूसरा देश के लिए

अशोक भाटिया

यह एक संयोग ही है कि सिंधियों के दो रत्न भगवान झुलेलाल एवं स्वतंत्रता वीर हेमू कालानी का जन्म दिन एक ही सप्ताह मार्च के तीसरे सप्ताह में पड़ रहा है। एक धर्म के लिए मशहूर हुआ दूसरा देश की आज़ादी के लिए। सबसे पहले बात करें भगवान झुलेलाल की। कहते है जब जब धरती पर अन्यायियों ने लोगों को त्रस्त किया तब तब भगवान ने मसीहा के रूप में अवतरित होकर उनके संकट को टाला है। सिंधी समाज के इष्ट देव झूलेलाल जी कि जीवनी कुछ ऐसी ही है। दरअसल जो लोग सिंध में रहते हैं अथवा विभाजन के बाद उस स्थान से पलायन कर किसी अन्य स्थान को गये हैं उन्हें सिंधी कहा जाता हैं। सिंध पाकिस्तान में हैं। 20 मार्च 2026 को झूलेलाल जी की जयंती हैं जिन्हें सिन्धी समाज चेटीचंड उत्सव के रूप में मनाते हैं।

इस दिन वे अपने आराध्य देव झूले लाल को याद करते हैं। कोई इन्हें संत कहता है तो कोई फकीर जो भी हो हिन्दू मुस्लिम दोनों इन्हें मानते हैं। यह सिन्धी समाज के ब्रह्मा, विष्णु, महेश, ईशा, अल्लाह से भी बढ़कर हैं। झूलेलाल को कई अन्य नामों से भी जाना जाता हैं। उदेरोलाल, घोड़ेवारो, जिन्दपीर, लालसाईं, पल्लेवारो, ज्योतिनवारो, अमरलाल आदि। झूलेलाल जी को जल के देवता वरुण का अवतार माना जाता हैं। चैत्र माह के शुक्ल पक्ष में चन्द्र दर्शन की तिथि को सिंधी चेटीचंड मनाते हैं। इनकी पूजा तथा स्तुति का तरीका कुछ भिन्न हैं जल के देव होने के कारण इनका मंदिर लकड़ी का बनाकर जल में रखकर इनके नाम दीपक जलाकर भक्त आराधना करते हैं। चेटीचंड के अवसर पर भक्त इस मंदिर को अपने शीश पर उठाते हैं जिन्हें बहिराना साहिब कहा जाता हैं

जिनमें परम्परागत छेज नृत्य किया जाता हैं। सिंध प्रान्त से भारत में आकर भिन्न भिन्न स्थानों पर बसे सिंधी समुदाय के लोगों द्वारा झूलेलाल जी की पूजा की जाती हैं। ये उनके इष्ट देव हैं। सागर के देवता, सत्य के रक्षक और दिव्य दृष्टि के महापुरुष के रूप में इन्हें मान्यता दी गुई हैं। ताहिरी, छोले (उबले नमकीन चने) और शरबत आदि इस दिन बनाते हैं तथा चेटीचंड की शाम को गणेश विसर्जन की तरह बहिराणा साहिब का विसर्जन किया जाता हैं। भगवान झूलेलाल जी का जन्म चैत्र शुक्ल 2 संवत 1007 को हुआ था, इनके जन्म के सम्बन्ध में कई पौराणिक कथाएं प्रचलित हैं। मगर इन सभी में बहुत सी समानताएं भी हैं यहां आपकों भगवान झूलेलाल जी की सर्वमान्य कथा बता रहे हैं जिन पर अधि कतर लोगों का विश्वास हैं। बात सिंध इलाके की हैं 11 वीं सदी में वहां मिरक शाह नाम का शासक हुआ करता था। वह प्रजा का शासक कम अपनी मनमानी करने वाला जनता को तरह तरह की शारीरिक यातनाएं देने में आनन्द खोजने वाला अप्रिय एवं अत्याचारी था। उसके लिए मानवीय मूल्य तथा व्यक्ति जीवन गरिमा व धर्म कुछ भी मायने नहीं रखते थे। दिन ब दिन बढ़ते शाह के जुल्मों से सिंध की प्रजा तंग आ चुकी थी। राजतन्त्र में वे चाहकर भी कुछ नहीं कर पाते। उनके पास पुकार का एक ही जरिया था वह था ईश्वर से मदद की गुहार। राज्य की जनता सिन्धु के तट पर एकत्रित होकर भगवान से इस मुश्किल से निकालने के लिए प्रार्थना करने लगे। वरुणदेव उदेरोलाल ने जलपति के रूप में मछली पर सवार होकर लोगों को दर्शन दिया। तथा आकाशवाणी हुई कि हे भक्तों तुम्हारे दुखों का हरण करने के लिए मैं ठाकुर रतनराय के घर माँ देवकी के घर जन्म लूंगा तथा आपके जुल्मों को खत्म करूंगा। चैत्र शुक्ल 2 संवत 1007 के दिन नसरपुर में मां देवकी पिता रतनराय के घर चमत्कारी बालक ने जन्म लिया जिसका नाम उदयचंद रखा गया। जब शासक मीरक शाह को यह खबर मिली तो उसने अपने सेनापति को इस बालक का वध करने के लिए भेजा। सेनापति अपनी पूरी सेना के साथ नसरपुर के रतनराय जी के यहां पहुचकर बालक उदयचंद तक पहुचने का प्रयास किया तो झूलेलाल जी ने अपनी दैवीय शक्ति से शाह के राजमहल में आग लगा दी तथा उसकी फौज को पंगु बना दिया।

जब शाह की किसी ईश्वरीय शक्ति के ताकत का अंदाजा हुआ तो वह माँ देवकी के घर गया तथा झूलेलाल जी के कदमों में गिरकर अपने पापों की क्षमा मांगने लगा। इस तरह अल्पायु में ही झूले लाल जी ने आमजन में सुरक्षा का भरोसा दिलाया तथा उन्हें निडर होकर अपना कर्म करने के लिए प्रेरित किया। इस पर मुस्लिम शासक के द्वारा हाथ जोड़कर के यह कहा गया कि है पीरों के पीर आपके चरणों में मेरा बारंबार नमस्कार है और इस प्रकार से भगवान झूलेलाल के चमत्कार से हिंदू जनता को मुस्लिम शासक के अत्याचार से आजादी मिली। सिंध का शासक मीरक शाह जिन्होंने झूलेलाल जी को मारने के लिए आक्रमण किया, उसका अहंकार चूर चूर हो गया तथा वह उनका परम शिष्य बनकर उनके विचारों को जन जन तक पहुचाने के कार्य में जुट गया। शाह ने अपने आराध्य के लिए कुरु क्षेत्र में एक भव्य मंदिर का निर्माण भी करवाया। सर्वधर्म समभाव तथा अमन का पैगाम देने वाले झूलेलाल जी एक दिव्य पुरुष थे। झूलेलाल जयंती अथवा चेटीचंड चैत्र माह की शुक्ल द्वितीया तिथि को मनाया जाता हैं। इस दिन पहली बार पूर्ण चन्द्र दर्शन होता हैं। वरुण देव का अवतार माने जाने वाले झूलेलाल जी की जयंती का पर्व सिंधियों का सबसे बड़ा पर्व हैं।

वर्ष 2026 में यह 2020 मार्च के दिन मनाया जा रहा है। इस दिन भारत में गुड़ी पड़वा तथा उगदी को भी मनाते हैं, इस दिन जगह जगह पर मन्दिरों में पूजा अर्चना, सांस्कृतिक कार्यक्रम व जुलुस निकाले जाते हैं। इस अवसर पर दिन प्रसाद के तौर पर उबले काले चने व मीठा भात सबको बांटा जाता हैं। चलिओ उर्फ़ चालिहो को चालिहो साहिब भी एक सिंधी पर्व हैं जिन्हें अंग्रेजी कलैंडर के अनुसार अगस्त या जुलाई माह में सिंधी समुदाय मनाता हैं। चालीस दिन चलने वाले इस पर्व में साधक अपने आराध्य झूलेलाल का आभार प्रकट करते हैं।

एक चिड़िया, अनेक चिड़िया, अब घर नहीं आती चिड़िया

ऋतुपर्ण दवे

भला किसने गौरैया को अपने आंगन, घर, खिड़की पर चहचहाते नहीं देखा होगा? अभी इसका जवाब हाँ है, लेकिन जिस तरह के हालात बन रहे हैं उसमें आने वाली पीढ़ी के लिए इसका जवाब न भी हो सकता है। साथ ही हममें से लगभग पुराने दौर के सभी लोगों ने 1974 में निर्मित एक प्रसिद्ध एनिमेटेड लघु फिल्म जो 'एक अनेक और एकता' का हिस्सा है, जिसे विजया मुले और भीमसेन खुराना ने निर्देशित किया था देखी होगी। यह दूरदर्शन पर प्रसारित होने वाली एकता का संदेश देने वाली एक लोकप्रिय क्लासिक फिल्म रही। बाद में कई वर्षों तक लोगों ने यह गीत भी सुना "एक चिड़िया, अनेक चिड़िया, दाना चुगने आईं चिड़िया" जिसे पंडित विनय चंद्र मौद्गल्य द्वारा लिखा गया। समझें कि गौरैया हमारे लिए कितनी खास थी और आज भी। लेकिन, आज उसके जीवन पर ही संकट आन पड़ा है।

याद कीजिए आज से 15-20 साल पहले हर घर की खिड़की के कांच पर चोंच मारती या दीवारों की दरारों के बीच शोर मचाती और कुछ नहीं तो रोशनदान में तिनके-तिनके जोड़कर घोंसले बनाती गौरैया जिसे आमभाषा में हम चिड़िया कहते हैं घासफूंस इकट्ठा कर घोसले बनाती दिख जाती थी। कुछ ही हफ्तों में उन घोसलों से मधुर सी चीं-चीं की आवाज कर अबोध बच्चे झांकते थे जैसे ही चिड़िया आती और अपने चोंच में इकट्ठा दाना बांट-बांट कर उन्हें खिलाती, कितना आनन्द की सुखद अनुभूति होती थी! आज यह सब लगभग न के बराबर हैं। गांव, शहर और घरों से गौरैया नदारत सी है। थोड़ी बहुत कहीं दिख जाती है तो दूर जंगलों में या सफर के दौरान बियावानो में। आखिर गौरैया ने हमसे क्यों मुंह मोड़ा? कभी जानने, समझने की हमने ईमानदार कोशिश की? शायद नहीं।

शुरू में तो इस पर ध्यान ही नहीं दिया कि इन्हें भी हिफाजत, स्वस्थ्य अनुकूल पारिस्थितिक तंत्र की जरूरत है। इन्हें भी रोजमर्रा की बदलती जैव विविधता प्रभावित करती है। इनके भी स्वास्थय की देखभाल और परेशानियों को समझने की जरूरत है। थोड़ा पहले जाना होगा जब भारत में नया-नया मोबाइल दस्तक दे रहा था। जैसे ही गाँव-गाँव, मोहल्ले-मोहल्ले टॉवर लगने लगे तो एक सच एकाएक सामने आने लगा कि टॉवरों के आसपास गौरैया सुबह-सुबह क्यों मरी मिलती हैं? शुरू में तो लोगों को कुछ समझ नहीं आया। लेकिन बाद में पता चला कि मोबाइल से निकलने वाला रेडिएशन इनके स्वास्थ्य और मस्तिष्क की तरंगों को बुरी तरह प्रभावित करता है जिससे मौत हो जाती है। आखिर नन्हीं सी जान जिसका कुल वजन 15 ग्राम से 32-35 ग्राम ही होता है कैसे इन तरंगों को झेल पाएंगी? बस धीरे-धीरे गौरैया घटने लगीं और और हम बेफिक्र रहे। विलुप्ति की ओर पहुंचने वाली गौरैया के संरक्षण के उद्देश्य से हर साल 20 मार्च को विश्व गौरैया दिवस मनाने की शुरुआत 2010 में नेचर फॉरएवर सोसायटी संस्था यानी एनएफएस ने की। कृत्रिम घोंसलों छतों पर दाना-पानी रखने की शुरुआत को प्रोत्साहन दिया ताकि गौरैया वापस छतों पर आने लगें। लेकिन यह सच्चाई है कि 60 से 80 प्रतिशत आबादी घट ही गई। ऐसे में इस दिन को मनाकर गौरैया की चहचहाट को वापस लाने की पुरजोर कोशिश की सार्थक पहल की जा रही है। नेचर यानी एनएफएस (भारत) और इको-सिस एक्शन फाउण्डेशन (फ्रांस) के सहयोग से 20 मार्च को विश्व गौरैया दिवस मनाया जाने लगा। इसकी शुरुआत नासिक के रहने वाले मोहम्मद दिलावर ने की। तभी से हर साल नए थीम के साथ इसे मनाने की परिपाटी शुरू हुई। मो. दिलावर के इस काम की हर कहीं प्रशंसा हुई। टाइम मैगजीन ने 2008 में ही इन्हें हीरोज ऑफ इन्वायरमेण्ट के तौर पर लिखा। 20 मार्च 2011 को पर्यावरण और गौरैया संरक्षण के कार्य में मदद करने वालों को सम्मानित करने के लिए एनएफएस द्वारा गुजरात के अहमदाबाद में गौरैया पुरुस्कार की शुरुआत भी हुई। उद्देश्य ऐसे लोगों को प्रोत्साहित करना था जो गौरैया और पर्यावरण में अपना सहयोग दे रहे हैं।

यकीनन गौरैया धरती पर एक वो छोटी सी जान है जो सब जगह पाई जाती है। इनकी संख्या में कमीं आना बताता है कि हमने पर्यावरण को किस तरह से बिगाड़ा जिससे असर इस छोटे से प्राणी तक पर आन पड़ा। वास्तव में रेडिएशन और प्रदूषण को लेकर चिंता के बजाए हम तकनीक अपग्रेड पर केन्द्रित हो गए। कभी झुंड में भोजन की तलाश में उडने वाली ये छोटा सा पंछी अब बहुत कम दिखता है। पेट भरने के लिए छोटे-छोटे दाने और कीड़े-मकोड़े पर निर्भर चिड़िया अपने जीवनकाल में अधिकमत 3 बार अण्डे देकर बड़ी हिफाजत देखरेख करती है।

इनको बचाने और संरक्षण के लिए छतों पर इनकी पसंद के दाने जैसे काकून, बाजरा, मक्का, गेहूं, चावल और पानी रखना चाहिए। कृत्रिम घोंसले टांगकर आकर्षित करना चाहिए। बड़ी संख्या में पेड़-पौधे लगें तो भी आएंगी। हरे-भरे पेड़-पौधों में रेडिएशन कहते हैं कम होता है। फिल्म रोबोट 2.0 हमारी आँखें खोलती है। इनकी संख्या घटने के अन्यान्य कारणों में तेजी से बढ़ता शहरीकरण, पुराने घरों का टूटना, हरे-भरे क्षेत्रों में कंक्रीट के जंगल, सड़कों और कांच के टावरों से गौरैया के घोंसले बनाने और भोजन प्राप्त करने के अवसर कम होते जा रहे हैं। इसके अलावा भोजन स्रोतों में कमीं सीसा रहित पेट्रोल से निकले जहरीले यौगिक उन कीटों की संख्या घटा रहे हैं जो गौरैया का भोजन हुआ करता था। आधुनिक खेती में रासायनिक कीटनाशकों के कारण कीड़ों की आबादी घट गई। अनेकों शोध ने साबित किया कि मोबाइल टावर और विकिरण, वाई-फाई और टावरों से निकलने वाले रेडिएशन गौरैया के प्रजनन, स्वास्थ्य प्रभावित करती है। विद्युत चुंबकीय तरंगें भी नेविगेशन और भोजन खोजने की क्षमता प्रभावित करती है। इससे भी इनकी आबादी घटी है।

एक बात और समझ आई कि जलवायु परिवर्तन, बढ़ते प्रदूषण और असंतुलित तापमान भी इनके जीवन को कठिन कर रही है। वायु प्रदूषण से सांस में बाधा तो कानफोड़ू ध्वनि प्रदूषण से साथी खोजने में जटिलता होती है। भारत में गौरैया महज पक्षी नहीं वो हमारे साझा इतिहास और संस्कृति का प्रतीक भी हैं। हिंदी में ₹गोरैया₹ , तमिल में ₹कुरुवी₹ और उर्दू में ₹चिर्या₹ जैसे विभिन्न नामों से जाने जानी वाली गौरैया पीढ़ियों से दैनिक जीवन का हिस्सा रही। गांवों में अपने मधुर गीतों से वातावरण को ऊर्जा और खुशी भरने वाले कई पलों को इनकी चहचहाट ने यादगार बनाया है। इन चुनौतियों के बीच, गौरैयों के संरक्षण और उन्हें बढ़ाना, बचाना हमारे जीवन का हिस्सा होना चाहिए। कम से कम एक कृत्रिम घोसला, दाना-पानी का तो इंतजाम कर ही सकते हैं। इसमें सभी को तन्मयता से जुटना पड़ेगा वरना एक थी चिड़िया, अनेक थी चिड़िया, विकास के हत्थे चढ़ गई चिड़िया कहना पड़ेगा।

सब्सिडी वाला प्यार

डॉ. सुरेश कुमार

कानपुर के उस कटीले और कुतूहलपूर्ण कूचे में, जहाँ काकादेव के कयासों और किदवई नगर की किंवदंतियों का संगम होता है, फेसबुक के फरेबी फलक पर एक ऐसा 'मायावी मुसाफिर' अवतरित हुआ जिसने सॉफ्टवेयर इंजीनियर होने का साक्षात स्वांग रचा। इस 'हवाबाज़ हुनरमंद' ने पहले अपनी चिकनी-चुपड़ी बातों की चाशनी से एक भोली-भाली कन्या के हृदय में सेंध लगाई। उसने बड़ी नफासत से कहा-सुनो, मुझे ये सार्वजनिक जगहों की भीड़भाड़ और शोर-शराबा कतई पसंद नहीं, मैं तो तुम्हारे घर की गरिमापूर्ण दहलीज पर ही अपनी शराफत का सार्टिफिकेट देना चाहता हूँ। यानी शिकार ने खुद ही शिकारी के लिए अपने घर का मुख्य द्वार खोल दिया और उसे 'संस्कारी दामाद' की श्रेणी में पहले ही रख दिया। दोपहर की उस दग्ध और तपती दुपहरी में, जब कानपुर के कर्मठ नागरिक कचौड़ी-रायता चापकर खर्राटों की खेती कर रहे थे, यह 'पढ़ाई-लिखाई का ढोंगी' अपनी साख और एक संदिग्ध बोरा संभालकर रंगमंच पर हाजिर हुआ। घर में घोर सन्नाटा था और मौका एकदम मनचाहा। उसने अपनी जुबान की जादूगरी से जो मायाजाल बुना, उसमें लड़की का विवेक ऐसा उलझा कि उसे सामने खड़ा ठग कोई 'अवतारी पुरुष' लगने लगा। तभी उस धूर्त ने अपनी जेब से वह 'नशीली निलांजली' यानी एक रहस्यमयी चॉकलेट निकाली। लड़की ने पूछा-यह क्या है? उस 'सफेदपोश जालसाज' ने गंभीरता से कहा- यह बड़े शहरों का विशेष प्रसाद है, इसे चखते ही जीवन की सारी परेशानियाँ और तनाव गायब हो जाएंगे। जैसे ही उसने उस 'मीठे कुचक्र' का रसास्वादन किया, उसकी पलकें पस्त होने लगीं और वह सोफे पर इस तरह ढेर हुई जैसे भारी भरकम टैक्स लगने के बाद मिडिल क्लास की उम्मीदें धड़ाम से गिरती हैं।

अब हमारे इस 'बहरूपिये बाजीगर' ने अपनी असलियत का आईना दिखाया और सीधे अंदरूनी कमरों की ओर कूच किया। अमूमन ऐसे खूंखार अपराधी तिजोरियों के ताले तोड़ते हैं, पुश्तैनी गहनों की पोटली बांधते हैं या अलमारी में रखे नगद नारायण पर हाथ साफ करते हैं। पर इस विचित्र विलेन का विजन तो कुछ और ही था। उसने कीमती आभूषणों की चकाचौंध को ऐसे ठुकराया जैसे कोई डायटिंग करने वाला रसगुल्ले को दुत्कारता है। वह किसी गुप्त खजाने की तलाश में ऐसी जगह घुसा जहाँ अमूमन मेहमानों का प्रवेश वर्जित होता है। उसके चेहरे पर पसीना और आंखों में एक अजीब सी चमक थी, मानो वो दुनिया की सबसे बेशकीमती वस्तु को हासिल करने के करीब हो। उसने अपने झोले से कुछ औजार निकाले और किसी कुशल कारीगर की तरह बड़ी फुर्ती से अपने 'मिशन' को अंजाम देने लगा। उसके लिए उस क्षण उस घर की सबसे बड़ी 'संपत्ति' वही थी जिसे वह अपने कंधे पर लादने की तैयारी कर रहा था। वह रहस्यमयी लुटेरा जिस सरगर्मी से गलियों से ओझल हुआ, उसे देखकर यमराज भी अपनी भैंस की रफ्तार पर शर्मिंदा हो जाते। मोहल्ले वाले उसे भारी बोझ के साथ भागते देख कयास लगाते रहे कि शायद दहेज का सामान वापस जा रहा है या कोई भारी मशीन चोरी हुई है।

कांग्रेस से नेता बिछड़े सभी बारी-बारी

प्रदीप कुमार वर्मा

भारत के उत्तर-पूर्व में अपने विशाल चाय बागानों, काजीरंगा अभ्यारण्य,ब्रह्मपुत्र नदी, बिहू नृत्य और कामाख्या मंदिर के लिए देश और दुनियां में चर्चित असम में विधानसभा चुनावों की तारीख का ऐलान हो गया है। देश के इस पूर्वोत्तर प्रदेश की 126 विधानसभा सीटों पर एक चरण में 9 अप्रैल को वोटिंग होगी और 4 मई को परिणाम घोषित किए जाएंगे। विधानसभा चुनाव की तारीख नजदीक आते ही राज्य में तेज हुई सियासी हलचल के बीच कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और नगांव से दूसरी बार सांसद प्रद्युत बोरदोलोई और असम प्रदेश कमेटी के उपाध्यक्ष नवज्योति तालुकदार ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। इस्तीफे को लेकर नवज्योति तालुकदार ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को लिखे पत्र में पार्टी की कार्यप्रणाली से लंबे समय से चली आ रही असंतुष्टि और अपनी बार-बार शिकायतों के बाद भी कोई समाधान नहीं मिलने का हवाला दिया है। जबकि नवज्योति से एक कदम आगे जाते हुए नौगांव से सांसद प्रद्युत बोरदोलोई ने भाजपा का दामन थाम लिया है।

यह कोई पहला मौका नहीं है जब राहुल गांधी के कामकाज को लेकर विपक्षी दलों के साथ-साथ कांग्रेसी नेताओं ने भी सवाल उठाए हैं। इससे पहले भी कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता गांधी परिवार के पार्टी पर कथित कब्जा जमाने और उनको साइड लाइन किए जाने की बात कहते हुए पार्टी छोड़कर जा चुके हैं। जम्मू-कश्मीर के कददावर कांग्रेस नेता गुलाम नबी आजाद के कई दशकों पहले शुरू हुए कांग्रेस छोड़ने का सिलसिला आज भी जारी है। कांग्रेस में अपनी बात नहीं कह पाने तथा राहुल गांधी के कुछ चाहते नेताओं द्वारा कामकाज में दखल देने के आरोप लगाते हुए असम कांग्रेस के अध्यक्ष भूपेन बोरा हाल ही में पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए हैं। इससे पूर्व असम के ही बड़े नेता हिमंता विश्व शर्मा भी कांग्रेस छोड़कर न केवल भाजपा में शामिल हो गए थे, बल्कि आज भाजपा के लोकप्रिय मुख्यमंत्री में शुमार हैं। इसके अलावा भी पिछले सालों में कांग्रेस के कई बड़े नेता पार्टी छोड़ कर दूसरे दलों का दामन थाम चुके हैं। कांग्रेस छोड़ने वाले सभी नेताओं ने पार्टी नेतृत्व पर सवाल खडे. किए हैं। इन सवालों की जड़ में कांग्रेस के सर्वेसर्वा राहुल गांधी से लेकर उनके खास करीब एक दर्जन चाटुकार कांग्रेस नेता भी शामिल है। बीते करीब दस साल में नरेंद्र मोदी के पीएम बनने के बाद कई कांग्रेसी नेताओं ने हाथ का साथ छोड़ कर कोई भाजपा में शामिल हुआ तो किसी ने अपनी ही पार्टी बना ली है। इनमें महाराष्ट्र में कांग्रेस का एक बड़ा नाम मिलिंद देवड़ा भी शामिल है। देवड़ा परिवार बीते करीब छह दशक से कांग्रेस के साथ रहा। यही नहीं, मिलिंद देवडा मनमोहन सरकार में केंद्र के मंत्री भी रह चुके हैं। वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं पूर्व सीएम आजाद ने साल 2022 में पार्टी से इस्तीफा दिया था और जम्मू-कश्मीर में डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी बना ली थी। गुजरात के युवा नेता हार्दिक पटेल ने भी वर्ष 2022 में इस्तीफा दिया तथा फिर भाजपा में शामिल हो गए। पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी कुमार ने फरवरी 2022 में कांग्रेस से इस्तीफा दिया था। कुमार भी कांग्रेस की सरकार में कानून मंत्री रहे थे।

पंजाब कांग्रेस के चीफ रहे सुनील जाखड भी मई 2022 में भाजपा में शामिल हुए और जुलाई में उन्हें बीजेपी पंजाब इकाई के प्रमुख बन गए। कांग्रेस छोड़ने वाले नेताओं में सबसे ज्यादा चर्चा ज्योतिरादित्य सिंधिया की हुई। कांग्रेस के युवराज राहुल गांधी की युवा टीम का अहम हिस्सा माने जाने वाले सिंधिया करीब छह साल पहले वर्ष 2020 में कांग्रेस से बगावत कर भाजपा में शामिल हुए थे। सिंधिया की बगावत के बाद मध्यप्रदेश में कांग्रेस की तत्कालीन सरकार गिर गई थी। भाजपा में बतौर इनाम पाने वाले सिंधिया अब केंद्र की मोदी सरकार में मंत्री हैं। इसके साथ ही आने वाले समय में मध्यप्रदेश की राजनीति में उनकी अहम भूमिका मानी जा रही है। राहुल कैबिनेट के एक और युवा चेहरे जितिन प्रसाद भी मनमोहन सरकार में केंद्रीय मंत्री रहे। वे भी वर्ष 2021 में कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा देकर भाजपा में शामिल हो गए। गुजरात के कांग्रेस नेता अल्पेश ठाकोर ने वर्ष 2019 में कांग्रेस छोड़ी थी। कांग्रेस पार्टी में रहते हुए अल्पेश ने राज्यसभा में क्रोस वोटिंग की तथा फिर भाजपा में शामिल हुए। अभी अल्पेश गांधीनगर दक्षिण से जीत विधायक हैं।

डेढ़ सौ साल पुरानी पार्टी कांग्रेस को छोड़ने वाले नेताओं में एक चर्चित नाम पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह का भी है। पूर्व सीएम अमरिंदर सिंह ने वर्ष 2021 में कांग्रेस छोड़ी। फिर अपनी पार्टी बनाई और एक साल के भीतर भाजपा में शामिल हो गए। महाराष्ट्र की तेज तर्रार कांगेस नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने पार्टी की प्रवक्ता रहते हुए वर्ष 2019 में कांग्रेस छोड़ी। अब शिवसेना से राज्यसभा सांसद हैं। इसके साथ ही हरियाणा के काद्यावर नेता और कांग्रेस कार्य समिति के सदस्य रहे कुलदीप बिश्नोई ने साल 2022 में कांग्रेस का साथ छोड़ा और भाजपा में चले गए। इसके साथ ही महाराष्ट्र के सीएम रहे नारायण राणे सहित दर्जनों कांग्रेसी नेता बीते एक दशक में कांग्रेस पार्टी से अपना नाता तोड़ चुके हैं।

आकांक्षा अवस्थी पर लगा 11.5 करोड़ की धोखाधड़ी का आरोप, मुंबई पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

मुंबई में फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े नाम और बड़े मुनाफे का लालच देकर की गई एक बड़ी ठगी का मामला सामने आया है। भोजपुरी फिल्मों की मशहूर अभिनेत्री आकांक्षा अवस्थी, उनके पति विवेक कुमार उर्फ अभिषेक कुमार सिंह चौहान और उनके साथियों पर एक व्यवसायी ने 11.50 करोड़ रुपये ठगने का आरोप लगाया है। इस मामले में सीमा शुल्क निकासी के व्यवसाय से जुड़े हितेश कांतिलाल अजमेरा (52) ने पंतनगर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आकांक्षा अवस्थी पर लगा धोखाधड़ी का आरोप

पीड़ित का आरोप है कि आरोपियों ने खुद को फिल्म इंडस्ट्री में मजबूत पकड़ और भारी आर्थिक ताकत वाले लोग बताया। अभिनेत्री आकांक्षा अवस्थी ने अंधेरी में फिल्म स्टूडियो और कलाकारों के ट्रेनिंग सेंटर का दावा किया। स्टूडियो के मालिकाना हक, शोहरत और 200 करोड़ रुपये के ब्याज-मुक्त लोन का लालच देकर उनसे निवेश कराया गया। शिकायत के अनुसार, अभिनेत्री के पति विवेक कुमार ने बिहार के बेतिया इलाके में एक गोदाम में 300 करोड़ रुपये नकद होने की झूठी कहानी सुनाई।

पति संग एक्ट्रेस ने 11.50 करोड़ रुपये का किया घपला

उन्होंने कहा कि कानूनी अड़चनों के कारण पैसा फंसा है और उसे छुड़ाने के लिए निवेश चाहिए। बदले में चार दिन में 200 करोड़ रुपये बिना ब्याज लौटाने का वादा किया गया। इस भरोसे को पुख्ता करने के लिए अभिनेत्री ने खुद पीड़ित को आश्वासन दिया। मार्च से जुलाई 2024 के बीच पीड़ित के 11.50 करोड़ रुपये अलग-अलग बैंक खातों में ट्रांसफर कराए गए। भरोसा दिलाने के लिए पीड़ित को पटना ले जाया गया और कथित गोदाम से जुड़े दस्तावेज दिखाए गए। बेतिया ले जाने की योजना भी बनाई गई।

कानूनी पचड़े में फंसी आकांक्षा अवस्थी

5 जुलाई 2024 को बेतिया जाते समय विवेक कुमार मिठाई लेने के बहाने कार से उतरे और फिर वापस नहीं आए। बाद में उनका मोबाइल भी बंद हो गया। कुछ दिन तक आरोपी बहाने बनाकर संपर्क में रहे, लेकिन बाद में सभी गायब हो गए। पीड़ित का कहना है कि भारी आर्थिक नुकसान और मानसिक तनाव के कारण उनकी तबीयत खराब हो गई, जिस वजह से शिकायत दर्ज कराने में देरी हुई। आखिरकार 28 जनवरी, 2026 को एफआईआर दर्ज की गई। पुलिस ने धोखाधड़ी, आपराधिक साजिश और विश्वासघात की धाराओं के आधार पर मामला दर्ज किया है। बैंक लेनदेन, कथित फिल्म स्टूडियो, दिखाए गए दस्तावेजों और सभी आरोपियों की भूमिका की जांच की जा रही है।

जब पंजाबी होने पर उठा सवाल तो प्रियंका चोपड़ा को आया गुस्सा, दिया करारा जवाब

प्रियंका चोपड़ा बॉलीवुड की उन अभिनेत्रियों में से एक हैं जो ट्रोल करने वालों को करारा जवाब देने में जरा भी नहीं हिचकिचातीं। वो अपने ढंग से ट्रोल करने वालों को जवाब देती हैं। ऐसे कई मौकों पर प्रियंका ने ऐसा किया है। एक बार उनके पंजाबी होने पर भी सवाल किया गया था, जिसके जवाब में उन्होंने पूछने वाले को कहा था उसके अंदर दिमाग की कमी है।

2011 में टीवी शो आप की अदालत में दर्शकों में बैठे एक शख्स ने प्रियंका चोपड़ा से कहा कि वह खुद को पंजाबी न कहें, क्योंकि उन्होंने कभी पंजाब में रहकर जीवन नहीं बिताया। शख्स ने कहा था कि वो बरेली की हैं तो उन्हें खुद को बरेलियन कहना चाहिए। इस पर प्रियंका ने उस शख्स का सवाल समझते हुए कहा था कि शायद वो ये कहना चाह रहे हैं कि अगर वो मुंबई रहती हैं तो मुंबइयन हुईं। इसके बाद शख्स ने कहा था कि अगर प्रियंका पंजाब में नहीं रहतीं तो वो पंजाबी नहीं हैं।प्रियंका ने आगे कहा था, "मैं समझ गई इनकी दिक्कत क्या है, आपकी दिक्कत यह है कि आपकी बहुत छोटा दिमाग है। आप यह समझ नहीं पा रहे कि मैं अपने साथ कई पहचानें लेकर चलती हूं। मेरे पिता पंजाब से हैं और मुझे इस पर गर्व है।" उनके इस जवाब पर दर्शकों ने जोरदार तालियां बजाई थीं। प्रियंका ने बताया कि उनके पिता पंजाब से हैं, उन्होंने अपनी जिंदगी के आठ साल उत्तर प्रदेश के बरेली में बिताए, जबकि उनकी मां का जन्म चेन्नई में हुआ था। उनकी नानी केरल से थीं और नाना कश्मीर से थे। वहीं, प्रियंका का जन्म झारखंड के जमशेदपुर में हुआ था। ये पहली बार नहीं है कि प्रियंका ने किसी को जवाब दिया हो।

एक बार एक पत्रकार ने प्रियंका से पूछा कि हिंदी फिल्मों में जब कोई महिला किसी पुरुष को थप्पड़ मारती है तो वह क्यों चुप रहती हैं और सहज कैसे हो सकती हैं?

प्रियंका चोपड़ा ने जवाब दिया कि अगर कोई लड़की छेड़छाड़ करने वाले लड़के को थप्पड़ मारती है तो इसमें कुछ भी गलत नहीं है। उन्होंने कहा कि नारीवाद शारीरिक बनावट के बारे में नहीं है, बल्कि समान अवसर के बारे में है। उन्होंने कहा, "मैं सीईओ और मां दोनों हो सकती हूं।"

टटीरी सॉन्ग विवाद में बादशाह को हाईकोर्ट से राहतःगिरफ्तारी पर रोक

महिला आयोग चेयरपर्सन बोलीं- पेश हो जाता तो, ये नौबत न आती

पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट ने 'टटीरी सॉन्ग' विवाद में फंसे सिंगर बादशाह की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। हालांकि कोर्ट ने शर्त रखी कि बादशाह को खुद जांच में सहयोग करना होगा। हरियाणा राज्य महिला आयोग ने 13 मार्च को पानीपत में बादशाह की गिरफ्तारी के आदेश दिए थे, जिसके बाद गुरुवार को सिंगर को हाईकोर्ट से राहत मिली। हम भी यहीं चाहते थे कि बादशाह जांच में शामिल हो। नोटिस के बाद सिंगर मीटिंग में आते तो ये नौबत नहीं आती। बादशाह का टटीरी सॉन्ग 1 मार्च को रिलीज हुआ था। सॉन्ग के रिलीज होने के साथ ही इसमें बादशाह के लिरिक्स और लड़कियों के सीन को लेकर कई सामाजिक संगठनों ने आपत्ति जताई थी। इसके बाद पंचकूला पुलिस ने सॉन्ग को यूट्यूब से हटवा दिया। जींद में 2 व पंचकूला में एक एफआईआर दर्ज हुई।

फिल्म डायरेक्टर सनोज मिश्रा बोले-मोनालिसा नाबालिग : परिजन को लेकर भोपाल पहुंचे

कहा- पंक्चर बनाने वाले के खाते की जांच हो, पीएफआई कनेक्शन निकलेगा

प्रयागराज महाकुंभ की वायरल गर्ल मोनालिसा की फरमान खान के साथ हुई शादी को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। फिल्म निर्माता सनोज मिश्रा ने मोनालिसा के परिवार के साथ भोपाल पहुंचे। सनोज ने दावा किया कि उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से भी मुलाकात की है और जांच की मांग की है।

उन्होंने कहा कि मोनालिसा बालिग नहीं है। हमने प्रशासन से यह मांग की है कि मेडिकल ग्राउंड पर जांच हो। केरल की सरकार, वहां के लोग और पीएफआई के संगठन इन सबने मिलकर इस खेल को अंजाम दिया है।

सनोज मिश्राः हमारी बातचीत का सबसे बड़ा मुद्दा यही है कि वो लड़की नाबालिग है। उसे केरल में ले जाकर जो तमाशा हुआ है वो बहुत बड़ा क्राइम बनता है। हमने प्रशासन से यह मांग की है कि मेडिकल ग्राउंड पर जांच हो।

ये ट्राइबल कम्युनिटी के घुमंतु लोग हैं, इनका कोई एक ठिकाना नहीं होता। बर्थ सर्टिफिकेट और बाकी जो चीजें दिखाई जा रही हैं, ये टोटल फर्जी हैं। इस बात से अंदाजा लगा सकते हैं कि वहां केरल में एक घंटे के अंदर मैरिज सर्टिफिकेट इश्यू हो गया।

केरल की सरकार, वहां के लोग और पीएफआई के संगठन इन सबने मिलकर इसको अंजाम दिया है। मैंने शासन से यह मांग की है कि पीएफआई के एंगल से इसकी जांच की जाए। और मेडिकल ग्राउंड पर यह तय किया जाए कि लड़की नाबालिग है? क्योंकि उसके सारे पेपर फर्जी हैं। जानकारी के अनुसार वर्ष 2025 में महेश्वर निवासी मोनालिसा भोसले कुंभ मेले में माला बेचने के दौरान चर्चा में आई थी। उस समय उसके वीडियो इंटरनेट मीडिया पर काफी वायरल हुए थे। इसके बाद मुंबई के फिल्म डायरेक्टर सनोज मिश्रा ने उसे लेकर 'द डायरी ऑफ मणिपुर' फिल्म बनाने की घोषणा की थी।

'सिर्फ फर्ज निभा रहा हूं', निरहुआ को 'पत्नी से नहीं प्यार', भोजपुरी सुपरस्टार के बयान से मचा बवाल

निरहुआ के नाम से मशहूर भोजपुरी सुपरस्टार दिनेश लाल यादव अपनी फिल्मों और गानों के जरिए दर्शकों के दिलों पर राज करते हैं। निरहुआ ने सदी के महानायक अमिताभ बच्चन और जया बच्चन के साथ भी काम किया है और प्रियंका चोपड़ा के प्रोडक्शन तले बनी दो भोजपुरी फिल्मों के हीरो रह चुके हैं। निरहुआ ने स्क्रीन पर कई हीरोइनों के साथ रोमांस किया है, आम्रपाली दुबे के साथ तो उनकी जोड़ी हिट है। लेकिन, क्या आप जानते हैं निरहुआ अपनी रियल लाइफ हीरोइन यानी पत्नी से प्यार नहीं करते और ये बात खुद निरहुआ ने कही है। उन्होंने साथ ही ये भी बताया कि उनकी शादी उनके माता-पिता ने जबरन कराई थी।

पत्नी से कभी नहीं हुआ प्यार

निरहुआ ने डिजिटल कमेंट्री से बातचीत के दौरान अपनी निजी जिंदगी के बारे में खुलकर चर्चा की। निरहुआ ने अपनी मैरिड लाइफ पर बात करते हुए कहा- 'मेरे माता-पिता ने मेरी शादी जबरन कराई थी। मैं उनसे कहता रहा कि मुझे पहले कुछ करने दीजिए, कुछ बनने दीजिए उसके बाद शादी करेंगे, लेकिन वह नहीं माने। मुझे भी उसका मलाल रहा। जीवनसाथी वो हो जिसको आप प्यार करें और मेरे साथ ये कभी नहीं हो पाया। मैंने अपनी धर्मपत्नी और बच्चों को भी ये बताया कि मुझे उनसे कभी प्यार नहीं हो पाया। मैं बस फर्ज निभा रहा हूं। माता-पिता ने शादी कराई है तो फर्ज निभा रहा हूं। उस बात का गिल्ट भी होता है।'

निरहुआ देंगे बच्चों को आजादी

निरहुआ ने कहा- 'मैं कभी भी अपने बच्चों के साथ वो नहीं करूंगा, मैंने कहा कि तुमको ये नहीं करना है। मैं अपने परिवार के साथ हूं और अपने कर्तव्य पूरी शिद्दत से निभा रहा हूं। लेकिन, मैं नहीं चाहता कि मेरे बच्चों को ऐसा करना पड़े। मैं अपने बच्चों के साथ वो नहीं करूंगा जो मेरे साथ हुआ। मैं उन्हें अपना जीवनसाथी चुनने की पूरी आजादी दूंगा। मैं ये नहीं कहूंगा कि तुम्हें यही करना है या ऐसे ही करना है।'

निरहुआ की शादी

बता दें, निरहुआ की शादी को 26 साल हो चुके हैं। भोजपुरी सुपरस्टार ने साल 2000 में मंशा यादव से शादी की थी, जिनसे उनके तीन बच्चे हैं, दो बेटे और एक बेटी।

निरहुआ की पत्नी लाइमलाइट से बेहद दूर रहती हैं। सोशल मीडिया पर भी भोजपुरी सुपरस्टार अपनी पत्नी के साथ कभी तस्वीरें शेयर नहीं करते। दूसरी तरफ उनका नाम अक्सर भोजपुरी सिनेमा की क्वीन कही जाने वाली आम्रपाली दुबे के साथ जुड़ता रहता है, जिनके साथ स्क्रीन पर उनकी जोड़ी हिट है।

'धुरंधर 2' में सीबीएफसी ने लगाए हैं 21 कट्स नोटबंदी की गलत तारीख, खूंखार सीन्स पर कैंची

रणवीर सिंह की 'धुरंधर 2: द रिवेंज' का प्रीमियर शो बुधवार, 18 मार्च की शाम 5 बजे शुरू होगा। जबकि फिल्म आधिकारिक तौर पर गुरुवार 19 मार्च 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। बंपर एडवांस बुकिंग के साथ थिएटर्स में दस्तक दे रही इस फिल्म को सेंसर बोर्ड ने A यानी एडल्ट सर्टिफिकेट के साथ रिलीज की मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही भारतीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड ने फिल्म में 21 जगहों पर अपनी कैंची चलाई है। इनमें जहां कुछ हिंसक सीन्स की लंबाई छोटी की गई है, वहीं कई डायलॉग्स और गाली-गलौज वाले शब्द भी बदले गए हैं। आदित्य धर के डायरेक्शन में बनी फिल्म की लंबाई इस तरह 1.34 मिनट के सीन्स काटे गए हैं, जबकि 25 सेकेंड के सीन्स को एडिट किया गया है। फिल्म की रनटाइम अब 229.06 मिनट है।

आदित्य धर के डायरेक्शन में बनी 'धुरंधरः द रिवेंज' बीते साल दिसंबर में आई ब्लॉकबस्टर 'धुरंधर पार्ट 1' का सीक्वल है। सेंसर बोर्ड के पास मेकर्स ने जो फिल्म रिव्यू के लिए जमा की थी, उसकी लंबाई 231.24 मिनट थी। लेकिन अब यह कट-छंटकर 229.06 मिनट यानी 3 घंटे 49 मिनट 06 सेकेंड लंबी है। सेंसर बोर्ड की जिस कमिटी ने 'धुरंधर 2' को सर्टिफाई किया है, उसके एग्जामिनिंग अफसर अरविंद कुमार जैन हैं। आइए, जानते हैं कि सेंसर बोर्ड ने फिल्म के किन 21 सीन्स पर कैंची चलाई या फिर उसे बदला है।

'धुरंधर 2' में सेंसर बोर्ड ने इन 21 सीन्स को काटने या बदलने के

निर्देश दिए-

एक अलग स्लेट डाली गईः 'इस फिल्म में परेशान करने वाला कंटेंट शामिल है, और दर्शकों से सावधानी बरतने की पुरजोर सिफारिश की जाती है।'

ड्रग्स संबंधी डिस्क्लेमर के लिए अलग से स्लेट डाली गई

गालियों को म्यूट कर दिया गया है

गाली-गलौज वाले शब्दों को बदला गया है

हथौड़े से सिर फोड़ने वाले सीन्स को 2 सेकेंड छोटा किया गया है

सिर काटने और उसे लात से मारने के सीन को 24 सेकेंड छोटा किया गया है

सीमेंट के ब्लॉक से सिर पर वार करने के सीन्स को 4 सेकेंड कम किया गया है

आंख फोड़ने वाले सीन को 4 सेकेंड छोटा किया गया है

एक सीन में शब्द बदले गए हैं

एक सीन में शब्द को म्यूट किया गया है

एक सीन में नाम बदला गया है

सबटाइटल में नोटबंदी की गलत तारीखों को ठीक किया गया है

फल्मि में प्रधानमंत्री के संदर्भों और न्यूज फुटेज के इस्तेमाल के लिए सीबीएफसी को आधिकारिक अनुमति पत्र दिया गया है

नशीले पदार्थों के सेवन वाले दृश्यों के लिए एक 'ड्रग डिस्क्लेमर' (चेतावनी) जोड़ा गया

डायलॉग्स के अनुसार पूरे अंग्रेजी सबटाइटल को ठीक किया गया और गैरजरूरी टेक्स्ट को हटाया गया

जानकारी वाले टेक्स्ट में 'लाहौर' शब्द को 'दिल्ली' से बदलकर टेक्स्ट को ठीक किया गया

फिल्म के सीन्स, डायलॉग और गानों के अनुसार पूरी स्क्रिप्ट को ठीक किया गया और जरूरी बदलाव सुझाए गए

फिल्म का मेन टाइटल जोड़ा गया, जैसा कि आधिकारिक आवेदन में बताया गया था

फिल्म के दिखाए कई चैप्टर्स के लिए स्क्रीन पर हिंदी टेक्स्ट जोड़ा गया

फिल्म में जहां-जहां भी गाने आते हैं, उन सभी के लिए सबटाइटल टेक्स्ट जोड़ा गया। 'एंड क्रेडिट्स' की लंबाई 1 मिनट कम की गई। लैब लेटर जमा किया गया।

फिल्म में जानवरों के सीन्स के लिए AWBI का प्रमाणपत्र जमा किया गया

भारतीय सिनेमा की चौथी सबसे लंबी फिल्म बन गई है 'धुरंधर 2'

'धुरंधर 2' इसी के साथ भारतीय सिनेमा की चौथी सबसे लंबी फिल्म भी बन गई है। इस लिस्ट में अब तक की सबसे लंबी फिल्म का रिकॉर्ड जेपी दत्ता की 'LOC: कारगिल' है। साल 2003 में रिलीज यह फिल्म 4 घंटे 15 मिनट लंबी थी। जबकि इसके बाद 'मेरा नाम जोकर' और 'संगम' का नाम है। लिस्ट में 5वीं सबसे लंबी रनटाइम आमिर खान की 'लगान' की है, जो 3 घंटे 44 मिनट लंबी थी।

'धुरंधर 2' एडवांस बुकिंग, प्रीमियर बॉक्स ऑफिस प्रेडिक्शन

'धुरंधरः द रिवेंज' के 12422 प्रीमियर शोज के लिए बुधवार सुबह तक 990500 टिकट बिक चुके हैं। इनसे 42.71 करोड़ रुपये की ग्रॉस कमाई हुई है। जबकि ब्लॉक सीटों को मिला दें तो इसने 47.91 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन एडवांस बुकिंग से की है। करीब-करीब सभी शोज हाउसफुल हैं। ऐसे में बहुत ज्यादा ऑन साइट बुकिंग की संभावना नहीं है। अनुमान यही है रणवीर सिंह की यह फिल्म प्रीमियर शोज से देश में 35-40 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन आसानी से कर लेगी।

डोरेमॉन के डायरेक्टर त्सुतोमु शिबायामा का 84 साल की उम्र में निधन, कार्टून की दुनिया के रहे किंग

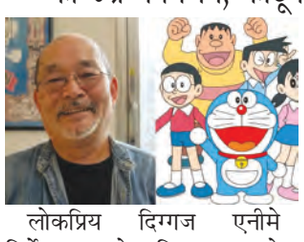

लोकप्रिय दिग्गज एनीमे निर्देशक त्सुतोमु शिबायामा हो गया है। 84 वर्ष की आयु में उनका निधन हुआ। उनके निर्देशन में बना डोरेमोन 8 से 80 वर्ष की आयु के लोगों का पसंदीदा एनीमे है। उन्होंने नोबिता और शिज़ुका के किरदारों को गढ़ा और लोकप्रिय बनाया, जिन्होंने फेफड़ों के कैंसर से लंबी लड़ाई लड़ी और अंततः जीवन की जंग हार गए। त्सुतोमु शिबायामा ने 6 मार्च को अंतिम सांस ली। बुधवार को जापानी एनीमेशन स्टूडियो एशिया डो एनीमेशन वर्क्स, जिसके त्सुतोमु शिबायामा मालिकों में से एक थे, ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर निर्देशक के निधन की आधिकारिक घोषणा की।

आधिकारिक बयान में क्या कहा गया?

आधिकारिक बयान में लिखा था, 'पूर्व सीईओ त्सुतोमु शिबायामा का 6 मार्च को निधन हो गया। शिबायामा ने 20 से अधिक वर्षों तक डोरेमोन के टीवी एनीमेशन और फिल्मों के निर्देशक के रूप में अथक परिश्रम किया। उन्होंने टीवी एनीमेशन निंतामा रानतारो के निर्देशक के रूप में भी कार्य किया। उनके जीवनकाल में किए गए योगदान के लिए हम उनके आभारी हैं।' हम उनके सम्मान में यह दुखद समाचार प्रकाशित कर रहे हैं।

त्सुतोमु शिबायामा का करियर और प्रारंभिक जीवन

संयोगवश, त्सुतोमु शिबायामा का जन्म 1914 में हुआ था। उन्हें जापानी एनीमेशन के महानतम निर्देशकों में गिना जाता है। उन्होंने डोरेमोन की 22 फीचर फिल्मों का निर्देशन किया है। साथ ही, उन्होंने पिछले 20 वर्षों में इस श्रृंखला के 1979 के टीवी एनीमे का भी निर्देशन किया है। तोमु शिबायामा ने 1963 में टोई एनिमेशन में अपना करियर शुरू किया। उनकी कुछ बेहतरीन शुरुआती कृतियों में द गस्टी फ्रॉग, टेन्साई बाकाबोन श्रृंखला आदि शामिल हैं। उन्होंने ये काम शिन ई एनिमेशन के लिए किए थे। 1978 में, उन्होंने कंपनी छोड़ दी और अपनी खुद की अजिया डो एनिमेशन वर्क्स शुरू की। 1984 से 2005 तक, वे टीवी एनीमे श्रृंखला डोरेमोन के मुख्य निर्देशक रहे। उन्होंने नोबिता एंड द कैसल अंडरसी डेविल और डोरेमोनः नोबिता इन द वन नान स्पेसटाइम ओडिसी सहित कई एनीमे फिल्मों का निर्देशन किया है।

त्सुतोमु शिबायामा के प्रोजेक्ट्स

उन्होंने चिबी मारुको, निंटामा रंतारो, माजिमे नी फुमाजिमे, कैकेसु ज़ोरोरी का भी निर्देशन किया है। 2012 में, त्सुतोमु शिबायामा को एनीमे उद्योग में उनके अपार योगदान के लिए जापानी सांस्कृतिक मामलों की एजेंसी द्वारा लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। जैसे ही त्सुतोमु शिबायामा की मौत की खबर सामने आई, डोरेमोन के प्रशंसकों में शोक की लहर फैल गई। कई लोगों ने सोशल मीडिया पर अपनी संवेदना व्यक्त की।

'सरके चुनर' गाने पर डांस को लेकर नोरा फतेही के खिलाफ जारी हुआ फतवा

अपकमिंग फिल्म 'केडी' के गाने 'सरके चुनर' गाने पर विवाद चल रहा है। इस बीच इस मामले में एक धार्मिक संस्था के शामिल होने से नोरा फतेही के लिए चीजें मुश्किल हो गई हैं। अलीगढ़ में मौजूद 'मुस्लिम पर्सनल दारुल इफ्ता' ने इस गाने में नजर आने को लेकर अभिनेत्री नोरा फतेही के खिलाफ फतवा जारी किया है।

संस्था ने क्या कहा?

दारुल इफ्ता ने घोषणा की है कि 'सरके चुनर तेरी सरके' जैसे गाने, जिन्हें अश्लील माना जाता है, इस्लामी शिक्षाओं के तहत 'हराम' माने जाते हैं। इस तरह के कंटेंट में हिस्सा लेना, चाहे व्यक्ति का धर्म या बैकग्राउंड कुछ भी हो, नैतिकता और धार्म के खिलाफ है। संस्था ने आगे बताया कि इस गाने को अलग-अलग जगहों से आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। अधिकारियों ने पहले ही इस पर कार्रवाई शुरू कर दी है।

महिला आयोग ने भेजा समन

गाने पर सिर्फ धार्मिक संस्था ने हस्तक्षेप नहीं किया है बल्कि राष्ट्रीय महिला आयोग ने भी इस मामले का स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग ने नोरा फतेही, संजय दत्त और इस प्रोजेक्ट से जुड़े अन्य लोगों को समन भेजा है।

रिलीज होने के तुरंत बाद 'सरके चुनर' गाना विवादों में आ गया। आलोचना होने पर इस गाने को सभी जगहों से हटा दिया गया।

इस विवाद के बीच, नोरा फतेही ने सोशल मीडिया पर इस बारे में बात की थी। एक्ट्रेस ने कहा कि जब उन्हें गाने के बोल के मतलब की पूरी समझ आ गए, तो उन्होंने खुद को इस प्रोजेक्ट से अलग कर लिया। पूरी बात जानने के बाद उन्होंने इस गाने का प्रमोशन नहीं किया। उन्होंने यह भी बताया कि उन्होंने तीन साल पहले कन्नड़ गाने पर परफॉर्म किया था। हिंदी गाने पर उनका वीडियो बिना उनकी मर्जी के लगाया गया।

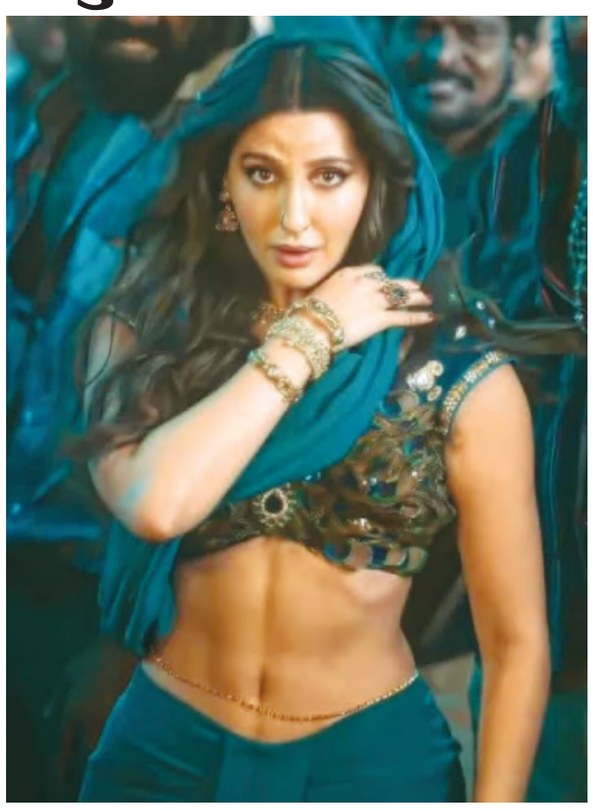

'हर सिक्के के दो पहलू होते हैं', डेजी शाह ने पलाश और स्मृति के साथ फिर आने की जताई उम्मीद; कहा- प्यारी जोड़ी

संगीतकार और निर्देशक पलाश मुछाल और क्रिकेटर स्मृति मंधाना उस समय काफी सुर्खियों में थे, जब उनकी शादी रद्द हो गई थी। हालांकि, अब दोनों अपनी-अपनी जिंदगी में आगे बढ़ चुके हैं। हाल ही में पलाश की अगली फिल्म में मुख्य भूमिका निभाने वाली डेजी शाह ने पलाश मुछाल और स्मृति को लेकर बात की। हालांकि, उन्होंने दोनों के निजी जीवन को लेकर कुछ भी आंकलन करने से परहेज किया। क्योंकि उनका मानना है कि उन्हें पर्दे के पीछे की कहानी नहीं पता है।

फिल्म के लिए पलाश ने सीधे नहीं किया डेजी से संपर्क

मिस मालिनी के साथ बातचीत में डेजी शाह ने बताया कि स्मृति मंधाना से शादी रद्द होने के बाद पलाश ने अपनी अगली निर्देशित फिल्म के लिए उनसे सीधे संपर्क करने में हिचकिचाहट दिखाई। डेजी पलाश की अगली निर्देशित फिल्म में मुख्य भूमिका निभाने वाली हैं।

डेजी ने खुलासा किया कि उन्हें दो-तीन अनजान लोगों के फोन आए, जिन्होंने दावा किया कि पलाश एक फिल्म बना रहे हैं और उन्हें उसमें लेना चाहते हैं। हालांकि, उन्हें यह तरीका अजीब लगा, क्योंकि उनकी पलाश की बहन पलक से गहरी दोस्ती है। इसलिए एक्ट्रेस ने कहा कि अगर पलाश सच में उनसे संपर्क करना चाहते, तो वे सीधे उनसे या पलक के माध्यम से संपर्क करते। इसलिए यह समझ से

परे है कि अजनबी लोग यह संदेश क्यों पहुंचा रहे हैं।

ऐसे हुई डेजी की फिल्म में एंट्री

अभिनेत्री ने आगे बताया कि इसके बाद मैंने पलाश को एक मैसेज भेजा, जिसमें मैंने इस बारे में पूछा। तब उन्होंने कहा, 'जी मैडम, यह सच है, लेकिन हाल की परिस्थितियों के कारण, मैं व्यक्तिगत रूप से किसी को फोन नहीं कर रहा हूं क्योंकि बात बिल्कुल अलग मोड़ ले सकती है।' बाद में उन्होंने कहानी सुनाई और मैंने इस प्रोजेक्ट में आगे बढ़ने में अपना इंटरेस्ट दिखाया।

मुझे नहीं पता असलियत क्या है

पलाश के निजी जीवन को लेकर एक्ट्रेस ने कहा कि मैं निजी जीवन से पेशेवर जीवन में आसानी से ध्यान दे सकती हूं। मुझे नहीं लगता कि निजी जीवन का पेशेवर जीवन पर कोई असर पड़ना चाहिए। सबसे पहले तो, मुझे नहीं पता कि असलियत क्या है। हर सिक्के के दो पहलू होते हैं।

हमें सच में नहीं पता कि क्या गड़बड़ हुई क्योंकि यह दो परिवारों के बीच का मामला है। हम यहां बैठकर मीडिया से सुनी बातों के आधार पर राय बना रहे हैं। हमें नहीं पता कि असल सच्चाई क्या है, और इसका मतलब यह नहीं है कि मैं महिला पक्ष की बात को नकार रही हूं। मैं बस निष्पक्ष हूं।

साथ ही, उन्होंने मुझसे पेशेवर तौर पर संपर्क किया था। तो मैं भला किसी को उसके बाहरी रूप से आंकने वाली कौन होती हूं? मैं उम्मीद करती हूं कि दोनों पक्षों में सब कुछ ठीक हो जाए। वे एक साथ आ जाएं क्योंकि वे वास्तव में एक प्यारी जोड़ी हैं।

23 नवंबर को होनी थी पलाश-स्मृति की शादी

पलाश और स्मृति की शादी पिछले साल 23 नवंबर को होने वाली थी, लेकिन स्मृति के पिता की मेडिकल इमरजेंसी के कारण समारोह अचानक स्थगित कर दिए गए। चिंता तब और बढ़ गई जब पलाश को भी मुंबई के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया।

इसके बाद अफवाहें फैलने लगीं, कुछ लोगों ने तो यहां तक आरोप लगाया कि पलाश ने स्मृति को धोखा दिया है। बाद में पलाश और स्मृति ने बयान जारी करके अपनी शादी खत्म होने की जानकारी दी। साथ ही लोगों से अफवाहें न फैलाने और प्राइवेसी का ध्यान रखने की अपील की।

शादी के 10 साल बाद दिव्यांका त्रिपाठी ने प्रेग्नेंसी कन्फर्म की

एक्ट्रेस दिव्यांका त्रिपाठी ने गुरुवार को अपनी प्रेग्नेंसी कंफर्म कर दी है। दिव्यांका ने बेबी बंप फ्लॉन्ट करते हुए पति विवेक दहिया के साथ तस्वीरें शेयर कीं। कपल शादी के करीब 10 साल बाद माता-पिता बनेगा। प्रेग्नेंसी को लेकर एक इंस्टाग्राम पोस्ट में दिव्यांका और विवेक ने लिखा, '10 साल बाद कहानी में नया मोड़। कुछ सफर जल्दी पूरा करने के लिए नहीं होते वे साथ मिलकर तैयार होने के लिए होते हैं और जब लगता है कि कहानी पूरी हो गई है तभी जिंदगी इसमें सबसे खूबसूरत अध्याय जोड़ देती है।'पोस्ट में आगे लिखा गया, 'अब भी इस एहसास को महसूस कर रहे हैं बिना वजह मुस्कुरा रहे हैं दिल कृतज्ञता से भरा है। हम माता-पिता बनने वाले हैं।'

बेबी जून में होगा: दिव्यांका

अपनी प्रेग्नेंसी को लेकर दिव्यांका और विवेक ने कहा कि उनका बेबी जून में होगा। एक्ट्रेस ने कहा कि वह लगभग हर महीने प्रेग्नेंसी टेस्ट करती थीं और पॉजिटिव रिजल्ट की उम्मीद करती थीं। जब रिपोर्ट पॉजिटिव आई, तो उन्हें इस बात को स्वीकार करने में थोड़ा समय लगा। विवेक ने खबर सुनकर खुशी जताई, लेकिन तुरंत जश्न नहीं मनाया। दिव्यांका ने यह भी कहा कि मेरे मन और शरीर में बदलाव आया। मैं अपने खान-पान, व्यायाम और चलने-फिरने के तरीके को लेकर काफी सतर्क हो गई। मैं अचानक ज्यादा जागरूक और सावधान हो गई।

बता दें कि दिव्यांका और विवेक की पहली मुलाकात टीवी सीरियल 'ये हैं मोहब्बतें' के सेट (2015) पर हुई थी। शुरुआत में दोनों के बीच सिर्फ प्रोफेशनल रिश्ता था। सेट पर दोनों घंटों साथ रहते थे, लेकिन बातचीत बहुत कम होती थी। दिव्यांका और विवेक की लव स्टोरी में एक्टर पंकज भाटिया ने अहम भूमिका निभाई, जिन्होंने दोनों को एक-दूसरे के लिए परफेक्ट लाइफ पार्टनर बताया था। इसके बाद कुछ समय तक डेटिंग करने के बाद दोनों ने 8 जुलाई 2016 को भोपाल में शादी की थी।

क्या मोहित सूरी की अगली फिल्म में होंगे रणबीर कपूर? अब खुद निर्देशक ने दिया जवाब; बोले- 'वो एक महान स्टार हैं'

पिछले काफी दिनों से ऐसी खबरें चल रही हैं कि रणबीर कपूर 'सैयारा' फेम निर्देशक मोहित सूरी की अगली फिल्म में नजर आएंगे। अब खुद मोहित सूरी ने इन खबरों पर प्रतिक्रिया दी है। साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि रणबीर उनकी अगली फिल्म का हिस्सा होंगे या नहीं।

रणबीर के साथ काम करना चाहते हैं मोहित सूरी

वैरायटी इंडिया के साथ बातचीत के दौरान मोहित सूरी ने रणबीर कपूर की तारीफ करते हुए उन्हें एक महान स्टार बताया। इसी दौरान मोहित ने ये भी स्पष्ट किया रणबीर कपूर उनकी अगली फिल्म का हिस्सा नहीं हैं। उन्होंने कहा कि रणबीर कपूर मेरी अगली फिल्म में नहीं हैं।

मैं सचमुच उनके साथ काम करना चाहता हूं और मुझे उम्मीद है कि वह भी मेरे बारे में ऐसा ही सोचते हैं। मैं उनसे मिलने गया था और साथ में काम करने का इरादा

रखता हूं। इस बीच खबरें आ रही हैं कि हम पहले से ही एक फिल्म साथ में कर रहे हैं। रणबीर और मैं एक दूसरे को जानते हैं क्योंकि वह मेरे करियर की शुरुआत से ही मुझे फॉलो कर रहे हैं।

काश मेरी फिल्म के हीरो होते रणबीर

निर्देशक ने आगे रणबीर की तारीफ करते हुए कहा कि वह उन गिने-चुने अभिनेताओं में से एक हैं और इतने बड़े स्टार हैं, जो 'आवारापन' जैसी फिल्म की सराहना करते हैं। भले ही वह रिलीज के समय फ्लॉप हो गई थी। वह मुझे अक्सर कहते हैं कि यह मेरी बेहतरीन फिल्मों में से एक है। आमतौर पर अभिनेता आपसे आपकी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म के बारे में बात करते हैं और कहते हैं कि वही आपकी सबसे अच्छी फिल्म है।

जबकि रणबीर मेरी एक फ्लॉप फिल्म के बारे में बात कर रहे हैं। रणबीर में वो सब खूबियां हैं जो मैं अपनी फिल्म के हीरो में चाहता हूं। उनमें वो गहराई और बारीकियां हैं जो मेरी तरह की फिल्मों के लिए जरूरी हैं। फिलहाल मेरी फिल्म में रणबीर कपूर नहीं हैं। काश होते।

रणबीर की पाइपलाइन में हैं दो बड़ी फिल्में

रणबीर कपूर की आगामी फिल्मों की बात करें तो उनकी पाइपलाइन में 'रामायण' और 'लव एंड वॉर' जैसी दो बड़े बजट की फिल्में हैं। नितेश तिवारी द्वारा निर्देशित 'रामायण' इस साल दिवाली के मौके पर रिलीज होगी। इस फिल्म में रणबीर भगवान राम के किरदार में नजर आएंगे। जबकि साई पल्लवी सीता, सनी देओल हनुमान और रवि दुबे लक्ष्मण के किरदार में दिखाई देंगे। इसके अलावा रणबीर संजय लीला भंसाली की 'लव एंड वॉर' में भी दिखाई देंगे। इसमें उनके साथ पत्नी आलिया भट्ट और विक्की कौशल भी दिखाई देंगे। हालांकि, अभी तक इसकी रिलीज डेट सामने नहीं आई है।

पहले पार्ट जितनी ही यादगार है 'धुरंधर 2' या रह गई कोई कमी

मूवी रिविव्यू धुरंधर: द रिवेंज

कलाकार
रणवीर सिंह , अर्जुन रामपाल , संजय दत्त , सारा अर्जुन , आर माधवन और राकेश बेदी
लेखक
आदित्य धर
निर्देशक
आदित्य धर
निर्माता
आदित्य धर , ज्योति देशपांडे और लोकेश धर
रिलीज डेट
19 मार्च 2026

फिल्म 'धुरंधर 2' को लेकर शुरुआत से ही जबरदस्त हाइप बना हुआ था। मेकर्स यह बात अच्छे से जानते थे कि दर्शक इस फिल्म के दूसरे पार्ट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। उन्हें इस बात का यकीन भी था कि इसके दूसरे पार्ट को भी पहले जितना ही प्यार मिलेगा। ठीक वैसे ही जैसे दर्शकों को यकीन था कि उन्हें दूसरे पार्ट में पहले से भी ज्यादा दमदार कहानी देखने को मिलेगी।

अब दर्शकों ने तो अपनी वफादारी दिखाते हुए 'धुरंधर द रिवेंज' की जमकर एडवांस बुकिंग कर डाली पर मेकर्स इसके लिए तैयारी नहीं कर पाए। नतीजतन, देशभर के कई शहरों में जब प्रीव्यू शोज कैंसल हुए तो दर्शक बेहद निराश हुए। खैर जिन्हें मौका मिला उन्होंने फिल्म देखी। अब सवाल यह है कि क्या जिन्होंने फिल्म देखी वो भी निराश हुए?

कैसी है फिल्म?

'धुरंधर 2' को देखते वक्त आप निराश नहीं होंगे पर लगभग चार घंटे की इस फिल्म में बीच-बीच में बोर जरूर होंगे। हमजा अली मजारी हो या जसकीरत सिंह रांगी, दोनों को देखकर आपको मजा तो आएगा पर आप कहीं न कही रहमान डकैत के ऑरा को मिस जरूर करेंगे।

संजय दत्त हो या अर्जुन रामपाल, अगर आप यह उम्मीद लगाए बैठे हैं कि ये किरदार कुछ बड़ा धमाका करेंगे तो आप निराश होंगे। सारा अर्जुन तो आधी फिल्म निकल जाने के बाद पलभर के लिए नजर आएंगी। तो कुल मिलाकर पूरे चार घंटे आप रणवीर सिंह को ही स्क्रीन

पर देखते हैं।

हां, माधवन और राकेश बेदी जरूर बीच-बीच में जान फूंकते नजर आएंगे। फिल्म की शुरुआत और क्लाइमैक्स दोनों दमदार हैं पर एक बड़ी कमी है, जो पूरी फिल्म पर हावी है। क्या है वो?

कहानी

फिल्म की कहानी छह चैप्टर में बांटी गई है। शुरुआत फ्लैशबैक से होती है, जहां जसकीरत सिंह रांगी (रणवीर सिंह) और उसके परिवार को दिखाया है। जसकीरत के पिता भी फौजी थे और वो खुद भी फौज में भर्ती होने की तैयारी कर रहा था पर तभी कुछ ऐसा होता है कि उसे अपने परिवार की रक्षा के लिए बंदूक उठानी पड़ती है।

जसकीरत अपने परिवार के साथ हुए अन्याय का बदला लेने के लिए एक एमएलए के घर में घुसकर खून-खराबा करता है। मामले में उसे उम्र कैद की सजा सुनाई जाती है। आगे जाकर आईबी डायरेक्टर अजय सान्याल (आर माधवन) उसे देश के लिए कुछ करने का मौका देते हैं।

इसके बाद जसकीरत पाकिस्तान में इंडिया का एजेंट बनकर एंट्री लेता है जहां उसका नाम होता है हमजा अली मजारी। इसके आगे की कहानी फिल्म के पहले पार्ट में दिखाई गई थी और अब कहानी सीधा पहुंचती है रहमान डकैत (अक्षय खन्ना) की मौत से आगे।

रहमान की मौत के बाद हमजा उसके छोटे भाई उजैर (दानिश पंडोर) को ल्यारी की गद्दी पर बैठाकर, अपने मकसद में आगे बढ़ता है। आगे जाकर मेजर इकबाल (अर्जुन रामपाल) हमजा की मुलाकात अपने बड़े साहब से करवाते हैं। अब कौन हैं ये बड़े साहब? क्या हमजा का असली मकसद इन्हीं बड़े साहब को मारना है? क्या वो इस मकसद में कामयाब हो पाएगा? जानने के लिए आपको फिल्म देखनी होगी।

अभिनय

पूरी फिल्म में रणवीर सिंह स्क्रीन पर छाए हुए हैं। मैंने पहले भी कहा है और फिर से कहूंगा कि रणवीर भले ही ऑफस्क्रीन कैसी भी हरकतें करते हों पर कैमरा ऑन होती है वो इतना सीरियस हो जाते हैं कि हर किरदार में परफेक्ट लगते हैं।

अर्जुन रामपाल को इस पार्ट में ज्यादा स्क्रीन स्पेस मिला है पर उनका किरदार वैसा भयानक नहीं गढ़ा गया जैसा पहले पार्ट में दिखाया गया था। एक-दो सीन छोड़कर उनके पास यहां एक्टिंग करने के लिए कुछ था नहीं।

संजय दत्त उतने ही दिखे हैं जितना पहले पार्ट में थे। माधवन जब जब स्क्रीन पर आते हैं बिगड़ती हुई फिल्म संभल जाती है। उनका किरदार इस पार्ट में थोड़ा ज्यादा भी दिखाया है। उनके बदले वाला सीन आपको भी अंदर से खुशी देकर जाता है। सारा अर्जुन का फिल्म में सिर्फ एक ही बड़ा सीन है। बाकी फिल्म से पूरी तरह गायब ही हैं।

राकेश बेदी पहले पार्ट की तरह इस पार्ट में भी सरप्राइज पैकेज ही हैं। यकीन मानिए फिल्म के क्लाइमैक्स में आप उनके फैन बन जाएंगे। बाकी मानव गोहिल, गौरव गेरा, दानिश पंडोर और राज जुत्सी ने अपने किरदार के साथ न्याय किया है।

निर्देशन

इस पूरी फिल्म के लिए आदित्य धर ने जो कमाल की रिसर्च और डिटेल्ड वर्क किया है वो काबिल-ए-तारीफ है। यही 'धुरंधर' के हिट होने की एक बड़ी वजह भी थी। पार्ट 2 में उन्होंने नोटबंदी, अतीक अहमद और दाऊद इब्राहिम का जो कनेक्शन जोड़ा है वह देखकर मजा भी आता है।

हालांकि, जिस तरह से उन्होंने पहले पार्ट में स्टोरी टाइट रखी थी और समय-समय पर सरप्राइज दिया था, इस पार्ट में वैसा नहीं है। ऐसा लगता है जैसे आदित्य ने इस दूसरे पार्ट पर ज्यादा काम नहीं किया।

शुरुआत और क्लाइमैक्स छोड़ दें तो पूरी फिल्म में इक्का-दुक्का ही यादगार सीन होंगे। एक्शन सीन अच्छे हैं पर कुछ जबरन लंबे भी हैं। बाकी पूरी फिल्म तो इस तरह चलती है कि जैसे कोई कहानी शुरू की थी और अब बस उसे पूरा करना है।

कई सीन और उनके आगे की कहानी का अंदाजा पहले ही लग जाता है। आदित्य यहां कुछ सरप्राइज एलीमेंट रखते तो मजा दोगुना हो जाता। हां, क्लाइमैक्स में जरूर उन्होंने थोड़ी जान फूंकी है पर तब तक काफी देर हो गई।

संगीत

पिछले पार्ट के मुकाबले कमजोर है। एक-दो गाने छोड़कर कोई गाना यादगार नहीं है। एक रोमांटिक सॉन्ग है जो जबरन ठूंसा लगता है।

देखें या नहीं

पहला पार्ट देखा था तो जरूर देखिए। हाइप और सेलेब्स के रिव्यू देखकर न जाएं। ठीक-ठाक फिल्म है एंजॉय करके वापस लौट आएं। फिल्म से बहुत ज्यादा या पहले पार्ट जैसी सीन, सरप्राइज या एंटरटेनमेंट की उम्मीदें ना रखें।

150 करोड़ के बजट में बनीं 'उस्ताद भगत सिंह'? पवन कल्याण ने चार्ज की 25 करोड फीस, जानें श्रीलीला-राशि के बारे में

पवन कल्याण की फिल्म 'उस्ताद भगत सिंह' आज 19 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। 150 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म के कलाकारों की फीस को लेकर भी काफी चर्चा हो रही है। हरीश शंकर द्वारा निर्देशित पवन कल्याण की इस फिल्म में श्रीलीला और राशि खन्ना मुख्य अभिनेत्रियां हैं। जानिए पूरी टीम ने इस फिल्म के लिए कितनी फीस ली है।

कलाकारों की कथित फीस

पवन कल्याण - फिल्म के मुख्य हीरो पवन ने सिर्फ नाममात्र का एडवांस लिया और कोई ज्यादा फीस नहीं मांगी। निर्माताओं के साथ अच्छे रिश्ते की वजह से उन्होंने लगभग 25 करोड़ रुपये लिए हैं।

श्रीलीला- फिल्म की मुख्य अभिनेत्री श्रीलीला ने इस फिल्म के लिए लगभग 2 से 3 करोड़ रुपये के बीच फीस ली है।

राशि खन्ना- अभिनेत्री राशि खन्ना ने इस पिल्म के लिए 1.5 से 2 करोड़ रुपये के आसपास फीस ली है।

देवी श्री प्रसाद- संगीतकार देवी श्री प्रसाद ने गानों के लिए कथित तौर पर 12 करोड़ रुपये लिए।

थमन एस बैकग्राउंड स्कोर का काम थमन एस ने संभाला है। इस फिल्म के लिए उन्हें 1 से 1.5 करोड़ रुपये मिले हैं।

हरीश शंकर- इस फिल्म के निर्देशक हरीश शंकर ने इस फिल्म के लिए लगभग 15 करोड़ रुपये लिए हैं।

आर. पार्थिबन- इस फिल्म में विलेन की भूमिका निभाने के लिए आर. पार्थिबन की फीस के बारे में कोई साफ जानकारी नहीं है।

पवन कल्याण और हरीश शंकर का साथ

'उस्ताद भगत सिंह' फिल्म पवन कल्याण और निर्देशक हरीश शंकर की 14 साल बाद वापसी है। दोनों ने पहले 'गब्बर सिंह' जैसी हिट फिल्म दी थी। यहां पवन कल्याण एक बहादुर पुलिस वाले की भूमिका में हैं, जो बड़े-बड़े दुश्मनों से टकराते हैं।

फिल्म की कहानी

फिल्म में एक भ्रष्ट और सत्ता का नेता (आर. पार्थिबन) मुख्यमंत्री को हटाने की साजिश रचता है। उसका बेटा जंगल में गायब हो जाता है। तब पवन कल्याण द्वारा निभाया गया उस्ताद भगत सिंह, एक निडर पुलिस अधिकारी की एंट्री होती है। वह भ्रष्टाचार से लड़ता है, अपने सिद्धांतों पर अडिग रहता है और कई मुश्किलों का सामना करता है।

फिल्म मातृभूमि का गाना चांद देख लेना रिलीज

गाने में सलमान खान और चित्रांगदा सिंह के बीच इमोशनल लव स्टोरी दिखी

सलमान खान और चित्रांगदा सिंह पर फिल्माया गया फिल्म 'मातृभूमि' का गाना 'चांद देख लेना' बुधवार को रिलीज किया गया है। गाने का म्यूजिक हिमेश रेशमिया ने दिया है और इसे सिंगर निहाल टौरो और अंकोना मुखर्जी ने गाया है। यह गाना पुराने दौर के सच्चे प्यार की याद दिलाता है। यह एक सैनिक की ड्यूटी और उसके रिश्तों के बीच की इमोशनल जर्नी को दिखाता है।

यह गाना चांद के इमोशनल महत्व को बहुत खूबसूरती से दिखाता है, जो ईद और करवा चौथ दोनों का अहम हिस्सा है। जहां ईद पर चांद का दिखना जश्न और मिलन का प्रतीक है, वहीं करवा चौथ पर यह प्यार, इंतजार और भरोसे को दर्शाता है। गाना इन दोनों परंपराओं को भावनाओं और उम्मीद के जरिए एक साथ पिरोता है।

गौरतलब है कि इससे पहले फिल्म के टाइटल ट्रैक 'मातृभूमि' को लोगों ने खूब पसंद किया और इसे यूट्यूब पर 50 मिलियन से ज्यादा व्यूज मिले। इसके बाद वेलेंटाइन डे पर गाना ₹मैं हूं₹ रिलीज हुआ था।बता दें कि पहले इस फिल्म का नाम 'बैटल ऑफ गलवान' था, जिसे अब बदलकर 'मातृभूमि: मे वॉर रेस्ट इन पीस' कर दिया गया है। यह बदलाव फिल्म की कहानी के गहरे जज्बात और जंग के बीच इंसानियत के संदेश को दर्शाने के लिए किया गया है। फिल्म को सलमान खान फिल्म्स के बैनर तले सलमा खान ने प्रोड्यूस किया है, जबकि अपूर्व लाखिया इसके डायरेक्टर हैं।

नीतीश के जदयू का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने की 3 बड़ी वजह

'मिशन' निशांत के नायक से पार्टी के 'चाणक्य' तक की रणनीति

पटना, 19 मार्च (एजेंसियां)। जनता जल यूनाइडेट (जदयू) की राजनीतिक राह को मजबूत करने के लिए यह तो तय माना ही जा रहा था कि राज्य के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एक बार फिर पार्टी की बागडोर अपने पास ही रखेंगे। जदयू के सूत्रों की मानें तो अब महज औपचारिकता ही शेष है। नीतीश कुमार ने आज जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए नामांकन दाखिल कर दिया है। उनके निर्विरोध चुने जाने का रास्ता बनाते हुए आज ही घोषणा भी कर भी दी जाएगी। वैसे भी पार्टी के भीतर पहले से ही नीतीश कुमार का दूसरी बार राष्ट्रीय अध्यक्ष बनना तय माना जा रहा था।

जदयू के अध्यक्ष के लिए नीतीश कुमार क्यों?

जदयू के भीतरखाने में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को ही राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने की बात भी चल रही थी। चर्चा यह हो रही थी कि नीतीश कुमार से पार्टी के लोगों का व्यक्तिगत लगाव भी था और उनके सम्मान के लिए यह जरूरी भी माना जा रहा था कि इन्हें ही राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया जाए। मुख्यमंत्री पद छोड़ने का वादा पहले ही कर चुके हैं। राज्यसभा जाने का भी मन बना लिया। पार्टी की सांगठनिक जिम्मेदारी निभाने के लिए भी बिहार लगातार आना पड़ेगा। ऐसे में कार्यकर्ताओं की बात, उनकी भावना और उनकी समस्या सुनने के लिए मौजूद रहेंगे। लेकिन इसके अलावा भी कई कारण हैं, जिनके कारण जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद नीतीश कुमार को विराजमान होना ही था।

राज्य के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के लिए सबसे जरूरी है निशांत कुमार को राजनीतिक रूप से ट्रेंड करना। एक बार जब राजनीति में रुचि दिखा दी है तो राजनीति में स्थिरता का पाठ, सक्रियता का पाठ और सांगठनिक क्षमता का पाठ खुद राजनीति के 'चाणक्य' कहे जाने वाले नीतीश कुमार पढ़ाएंगे। सांगठनिक कार्यों के जरिए निशांत कुमार को मजबूत किया जाएगा। ऐसा इसलिए क्योंकि निशांत कुमार अभी एक 'कोरा कागज' हैं और अभी राजनीति का ए टू जेड उन्हें सीखना जरूरी है। और यह कार्य नीतीश कुमार से बेहतर कोई नहीं कर सकता।

मुख्यमंत्री का पद छोड़ने वाले नीतीश कुमार के लिए संगठन के शीर्ष पर बना रहना बेहद ज़रूरी भी था। सत्ता के शीर्ष पद यानी मुख्यमंत्री का पद छोड़ने के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष का पद भी छोड़ देंगे तो हर पावर पॉइंट से नीतीश कुमार अलग हो जाएंगे। ऐसे में चाह कर भी नीतीश कुमार न तो सत्ता में और न ही संगठन में कुछ कर पाएंगे। इसलिए पार्टी का कमान अपने पास रखना, पार्टी की राजनीति और खुद के लिए भी जरूरी भी है। और राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर रहकर ही निशांत कुमार को राजनीति और सांगठनिक समझदारी देने में नीतीश कुमार सफल हो सकते हैं।

नीतीश कुमार को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने के पीछे एक मजबूत कारण यह भी रहा कि दूसरा कोई बनता तो पार्टी टूट जाती। आरसीपी सिंह के समय भी पार्टी दो खंड में विभक्त हो गई थी। तब आरसीपी और राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह में सीधा टकराहट दिखती रही थी। और जब राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह राष्ट्रीय अध्यक्ष बने तब आरसीपी और ललन सिंह ने तनातनी बढ़ गई। इसलिए इस खास समय में शेष बचे पार्टी पदाधिकारी एक साथ रह कर काम करेंगे तो पार्टी और बिहार की राजनीति भी मजबूत होगा।

ओडिशा अस्पताल अग्निकांड में 4 अफसर सस्पेंड

विपक्ष ने दिखावा बताया, हादसे में मरने वाले मरीजों की संख्या 12 हुई

कटक, 19 मार्च (एजेंसियां)। कटक के श्रीराम चंद्र भंज(एससीबी) मेडिकल कॉलेज अस्पताल में आग लगने की घटना के दो दिन बाद ओडिशा सरकार ने 4 अधिकारियों को निलंबित कर दिया है। इनमें अग्निशमन सेवा के 3 और विद्युत विभाग का एक अफसर शामिल है। इस बीच, विपक्षी पार्टी बीजू जनता दल (बीजेडी) ने चार जूनियर अधिकारियों के निलंबन को सिर्फ दिखावा बताया। बीजेडी के प्रवक्ता लेनिन मोहंती ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने इतने संवेदनशील मामले को लेकर बहुत ही लापरवाही भरा रवैया अपनाया है। दरअसल, एससीबी मेडिकल कॉलेज में 14-15 मार्च की दरमियानी रात करीब 3 बजे आग लगी थी।

हादसे में मरने वाले मरीजों की संख्या 12 हो गई है। इनमें से 7 ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, 5 की मौत इलाज के दौरान हुई। आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया गया था।

विधानसभा में छत्तीसगढ़ धर्म स्वतंत्रता विधेयक पेश

चर्चा के बाद होगा पास, विपक्ष ने आपत्ति जताते हुए किया कार्यवाही का बहिष्कार

रायपुर, 19 मार्च (एजेंसियां)। गृहमंत्री विजय शर्मा ने विधानसभा में आज छत्तीसगढ़ धर्म स्वतंत्रता विधेयक पेश किया। इस बिल का मकसद बल, प्रलोभन, धोखाधड़ी या गलत जानकारी देकर कराए जाने वाले धर्मांतरण पर रोक लगाना है। चर्चा के बाद इसे पास किया जाएगा। इस पर विपक्ष ने आपत्ति जताते हुए सदन की कार्यवाही का बहिष्कार कर दिया है।

वहीं, आज की कार्यवाही में शून्यकाल के दौरान विपक्ष ने एसआईआर से जुड़े मुद्दे पर स्थगन प्रस्ताव लाया। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि प्रदेश में 19 लाख नाम कटे हैं।

इस पर अजय चंद्राकर ने कहा कि ये जनहित का मुद्दा नहीं, निर्वाचन का मुद्दा है। इसे लेकर सदन में हंगामा हुआ। पक्ष-विपक्ष में तीखी बहस हुई। विपक्ष ने वॉकआउट कर दिया।

इसके साथ ही वीरता पदक प्राप्तकर्ताओं को सुविधा, अस्पताल में डॉक्टरों की कमी के मुद्दे पर भी सवाल जवाब हुए।

एमएलए सुनील सोनी ने कहा रायपुर के भाठागांव के स्वास्थ्य केन्द्र में 5 डॉक्टरों के पद स्वीकृत हैं, लेकिन केवल 1 डॉक्टर ही आता है। जवाब में अजय चंद्राकर ने कहा बाकी पांचों डॉक्टर धुरंधर पार्ट-2 देखने गए हैं, फिल्म खत्म होने के बाद आएंगे।

धर्म स्वतंत्रता बिल पेश होते ही नेता प्रतिपक्ष चरण दास महंत ने इसका विरोध किया। उन्होंने कहा कि इस तरह के कानून देश के कई राज्यों में पहले से हैं और मामला सुप्रीम कोर्ट में भी चल रहा है, इसलिए इस बिल को जल्दबाजी में पास नहीं किया जाना चाहिए।

महंत ने मांग की कि बिल को सेलेक्ट कमेटी के पास भेजा जाए, ताकि इस पर विस्तार से चर्चा हो सके। उन्होंने कहा कि इसमें सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के रिटायर्ड जजों के साथ-साथ सभी दलों के विधायकों की राय ली जानी चाहिए।

उन्होंने यह भी कहा कि ऐसा कोई फैसला नहीं होना चाहिए, जिससे समाज में विभाजन बढ़े। महंत ने संविधान और सहिष्णुता का हवाला देते हुए नेताओं और समाज सुधारकों के विचारों का जिक्र किया।

वहीं, भाजपा विधायक अजय चंद्राकर ने कांग्रेस के आरोपों को गलत बताया। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में कांग्रेस सरकार के समय भी ऐसा कानून लागू किया गया था, इसलिए इसे गलत बताना ठीक नहीं है।

उपमुख्यमंत्री और गृह मंत्री विजय शर्मा ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने ऐसा कोई आदेश नहीं दिया है, जिससे राज्य इस तरह का कानून नहीं बना सकते। उन्होंने कहा कि संविधान के तहत कानून बनाने का अधिकार राज्य सरकार को है और यह बिल पूरी तैयारी और चर्चा के बाद लाया गया है।

बदल गया 'पावर फ्रेम'! नीतीश के बेटे निशांत और सम्राट की केमिस्ट्री ने छेड़ी सियासी चर्चा

पटना, 19 मार्च (एजेंसियां)। बिहार की राजनीति में गठबंधन और सरकारें तो बदलती रही हैं, लेकिन पटना से आई एक ताजा तस्वीर भविष्य के नए समीकरणों की ओर इशारा कर रही है। राजधानी के एक होटल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार एक साथ नजर आए।

निशांत और सम्राट की पहली सार्वजनिक मुलाकात

राजनीति में कदम रखने के बाद निशांत और सम्राट की यह पहली सार्वजनिक मुलाकात है, जिसमें दोनों के बीच की 'बॉन्डिंग' और 'केमिस्ट्री' साफ झलक रही थी।

निशांत कुमार के राजनीति में सक्रिय होने के बाद यह पहला मौका है जब वे भाजपा के कद्दावर नेता सम्राट चौधरी के साथ इतनी सहजता से बातचीत करते दिखे। जानकारों का मानना है कि यह महज एक शिष्टाचार मुलाकात नहीं, बल्कि बिहार के सत्ता केंद्र में आ रहे बदलाव का संकेत है। जिस तरह नीतीश कुमार ने सम्राट पर भरोसा जताया और अब उनके बेटे की सम्राट के साथ यह नजदीकियां दिख रही हैं, उससे सवाल उठने लगा हैः क्या बिहार की राजनीति अब एक नए अध्याय की ओर बढ़ रही है?

'लव-कुश' की सरकार में कुछ और नया पक रहा है?

इससे पहले दिलचस्प बात यह है कि समृद्धि यात्रा के दौरान एक दिन पहले ही सीएम नीतीश कुमार ने सम्राट चौधरी के कंधे पर हाथ रखकर एक अलग ही गर्मजोशी दिखाई थी और रात होते-होते निशांत के साथ सम्राट की इस तस्वीर ने सियासी गलियारों में सुगबुगाहट तेज कर दी है। क्या बिहार में अब 'लव-कुश' की सरकार से आगे बढ़कर कुछ और नया पक रहा है?

बंगाल में चुनाव से पहले टीएमसी नेता की हत्या

कोलकाता, 19 मार्च (एजेंसियां)। चुनावी राज्य पश्चिम बंगाल में एक स्थानीय तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेता की हत्या से राजनीतिक माहौल गरमा गया है। पुलिस के अनुसार उत्तर 24 परगना जिले में टीएमसी नेता मसिउर गाजी (41) की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। उनका खून से लथपथ शव गुरुवार को हाड़ोआ थाना क्षेत्र के नब्बई पाट घेरी इलाके में सड़क किनारे मिला। पुलिस का कहना है कि प्राथमिक जांच में लग रहा है कि हत्या कहीं और की गई और शव को यहां लाकर फेंका गया। गाजी देगंगा क्षेत्र के चंपातला ग्राम पंचायत के बूथ नंबर 178 के अध्यक्ष थे। वह पेशे से गारमेंट कारोबारी थे और पार्टी के सक्रिय कार्यकर्ता माने जाते थे। इस घटना के बाद इलाके में राजनीतिक तनाव बढ़ गया है, जहां विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में 29 अप्रैल को मतदान होना है।

नकली सोने का बिस्किट देकर असली सोना-15 लाख की ठगी

गुजरात और प्रयागराज से पकड़े गए 4 अंतरराज्यीय ठग, 20 लाख नगदी, 10 तोला सोना जब्त

सरगुजा, 19 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर के निगमकर्मी को सोने का नकली बिस्किट थमाकर ठगों ने 200 ग्राम सोना और 15 लाख रुपए नगदी की ठगी कर ली। ठगों ने घर में शादी होने का झांसा दिया था। जब कर्मचारी ने बिस्किट की जांच कराई, तो वह नकली निकला।

मामले में सरगुजा पुलिस ने चार अंतरराज्यीय ठगों को गुजरात और यूपी के प्रयागराज से गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से 100 ग्राम सोने के जेवर और 20 लाख रुपए से अधिक नगदी बरामद किया गया है।

जानकारी के अनुसार, अंबिकापुर के निगमकर्मी के घर कई सालों से मंजू नाम की महिला घी बेचने आती थी। वह खुद को राजस्थान के किशनगढ़ की रहने वाली बताती थी।

होली के त्योहार से पहले मंजू

सोने का बिस्किट लेकर निगमकर्मी के घर आई और बोली कि उसके घर शादी है, इसलिए बिस्किट को गहना बनवा दीजिए। कई सालों से घर आने के कारण निगमकर्मी का उसपर भरोसा बढ़ गया था।

निगमकर्मी ने मंजू से कहा था कि वे होली के बाद गहना बनाने के लिए देंगे। मंजू 7 मार्च को अपने दो अन्य साथियों के साथ निगमकर्मी के घर पहुंची। उसे जानकारी थी कि निगमकर्मी ने अपनी बेटी की शादी के लिए पहले ही गहने बनवा लिए हैं।

मंजू ने साथ लाए सोने के बिस्किट को निगमकर्मी को देकर कहा कि आपके घर में शादी में देर है। मेरे यहां तत्काल शादी है। आप अपनी बेटी के लिए बनवाए गए गहने और 15 लाख रुपए दे दीजिए। सोने के बिस्किट का वजन 500 ग्राम था।

निगमकर्मी ने सोने का बिस्किट रख लिया और अपनी बेटी की शादी के लिए बनवाए गए कान का टॉप्स, कंगन, हार, अंगूठी कुल वजन लगभग 200 ग्राम और अपने पास बेटी की शादी के लिए रखा 15 लाख रुपए नगद दे दिया। मंजू और उसके साथी जेवर के साथ नगदी लेकर चले गए।

निगमकर्मी ने महिला और उसके साथियों के जाने के कुछ देर बाद शक होने पर पास की सोनार दुकान में सोने के बिस्किट की जांच कराई। जांच में पता चला कि महिला ने जो सोने के बिस्किट दिए थे, वह नकली थे। इसके बाद उन्होंने कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई।

कांग्रेस के मुकेश मल्होत्रा विजयपुर विधायक बने रहेंगे

दिल्ली/भोपाल, 19 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की विजयपुर विधानसभा सीट को लेकर चल रहे कानूनी विवाद में गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने मुकेश मल्होत्रा की विधायकी को बरकरार रखते हुए एमपी हाईकोर्ट की ग्वालियर बेंच के उस आदेश को खारिज कर दिया है, जिसमें रामनिवास रावत को विधायक घोषित किया गया था।

सुप्रीम कोर्ट में मुकेश मल्होत्रा का पक्ष रखते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता विवेक तन्खा ने दलीलें पेश कीं, जिसके बाद अदालत ने मल्होत्रा को राहत दी। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस केवी विश्वनाथन की डबल बेंच ने मुकेश मल्होत्रा को विधायक के रूप में जारी रखने की अनुमति तो दी है, लेकिन अंतिम फैसला आने तक ये पाबंदियां भी लगाई हैं

वोटिंग राइट नहींः मुकेश मल्होत्रा फिलहाल राज्यसभा के लिए मतदान नहीं कर सकेंगे। ऐसे में अब मुकेश जून में होने वाले राज्यसभा चुनाव के लिए वोट नहीं डाल पाएंगे। वेतन पर रोकः जब तक कोर्ट इस मामले में अपना अंतिम निर्णय नहीं सुना देता, तब तक उन्हें विधायक के रूप में मिलने वाला वेतन और भत्ते नहीं दिए जाएंगे।

नीतीश के कार्यक्रम में आलू-प्याज की लूट

कर्मचारी नींबू लेकर भागे, मुंगेर में सब्जियों से 'समृद्धि यात्रा' लिखा था, सीएम के जाते ही टूट पड़े लोग

मुंगेर, 19 मार्च (एजेंसियां)। नीतीश कुमार समृद्धि यात्रा के चौथे चरण में आज यानी गुरुवार को मुंगेर और लखीसराय पहुंचे। मुंगेर में उनकी यात्रा खत्म होते ही आलू, प्याज, नींबू, बैंगन समेत अन्य सब्जियों की लूट शुरू हो गई।

नीतीश के स्वागत में सब्जियों से समृद्धि यात्रा लिखा गया था। जैसे ही नीतीश कुमार सभा खत्म करके निकले, लोग सब्जियों पर टूट पड़े। बकायदा झोले में वो सब्जियां भरकर ले गए।

अधिकारी लोगों को समझाते रहे, लेकिन किसी ने नहीं सुनी। कोई नींबू तो कोई प्याज और आलू झोले में भरता दिखा। सब्जियों से सजावट कृषि विभाग की तरफ से की गई थी।

सभा को संबोधित करते हुए नीतीश कुमार ने बिना नाम लिए लालू यादव पर निशाना साधा। सीएम ने कहा, 2005 से पहली वाली सरकार ने कुछ काम नहीं किया। शाम के बाद लोग निकलते नहीं थे। लेकिन हम लोगों ने सबकुछ बदला। अब बिहार में कानून का राज है।

पहले शिक्षा, सड़क, स्वास्थ्य व्यवस्था का बुरा हाल था। वो लोग किसी के लिए कुछ नहीं करते थे। हम लोगों के आने के बाद तेजी से विकास हुआ। संबोधन के दौरान बीच में उठकर जा रही महिलाओं से सीएम ने कहा- ऐ इधर-उधर मत जाओ, बैठो चुपचाप सुनो। जानोगी तभी ना सभी को बता पाओगी।

अपना संबोधन खत्म करने के बाद नीतीश मंच पर मौजूद नेताओं के पास पहुंचे। उन्होंने सम्राट चौधरी के कंधे पर हाथ रखा। इसके बाद वे दोबार माइक के पास आए और भाषण देने लगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार आगे बढ़ रहा है। आने वाले समय में और आगे बढ़ेगा, इसलिए इन लोगों को धन्यवाद कीजिए।

सालेहपुर मोड़ के पास कार गड्ढे में पलटी

इंजीनियरिंग के 2 छात्रों की मौत, 3 की हालत नाजुक

नालंदा, 19 मार्च (एजेंसियां)। बिहार के नालंदा जिले में तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला है। इसके चलते हुए दर्दनाक सड़क हादसे में दो इंजीनियरिंग छात्रों की मौत हो गई। जबकि उनके तीन दोस्तों गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। उनकी हालत नाजुक बताई जा रही है। तीनों का इलाज अस्पताल में चल रहा है। घटना जिले के चंडी थाना क्षेत्र के सालेहपुर मोड़ और गौढ़ापर के बीच आज शुक्रवार की दोपहर हुई है। हादसे के बाद चीख-पुकार मच गई।

नालंदा में कार गड्ढे में पलटी, दो इंजीनियरिंग छात्रों की मौत

मिली जानकारी के मुताबिक, तेज रफ्तार के कहर ने दो होनहार इंजीनियरिंग छात्रों की जान ले ली, जबकि उनके तीन साथी गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा इतना भयावह था कि सड़क किनारे गड्ढे में गिरते ही कार के परखच्चे उड़ गए। देखते ही देखते 'खुशियों का सफर' मातम में बदल गया।

चंडी की ओर से आ रही थी तेज रफ्तार कार, सवार थे पांच छात्र

कार में सवार सभी पांचों युवक नालंदा इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्र थे। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि चंडी की ओर से आ रही कार की गति इतनी अधिक थी कि गौढ़ापर के पास पहुंचते ही ड्राइवर ने कार पर से अपना नियंत्रण खो दिया। अनियंत्रित कार सड़क के किनारे बने एक गहरे गड्ढे में जा पलटी। टक्कर की आवाज इतनी जोरदार थी कि आसपास के लोग तुरंत मदद के लिए दौड़ पड़े।

हादसे के बाद कार में फंस गए थे सभी छात्र

स्थानीय लोगों और पुलिस की कड़ी मशक्कत के बाद कार में फंसे छात्रों को बाहर निकाला गया। एंबुलेंस की मदद से सभी को चंडी रेफरल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने आशीष कुमार और राहुल कुमार को मृत घोषित कर दिया। वहीं, धीरज कश्यप, उत्सव सिंह और शशिकांत की हालत बेहद नाजुक बनी हुई है, जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है।

तेज प्रताप की पार्टी जॉइन करने वाली 'ब्यूटी क्वीन' मोनिका मनी कौन?

मिसेज इंडिया रनर अप रहीं, अब पॉलिटिक्स में एंट्री

पटना, 19 मार्च (एजेंसियां)। बिहार की राजनीति में लालू यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव किसी न किसी तरह से मीडिया की चर्चा में आ ही जाते हैं। बिहार विधानसभा चुनाव में अपनी पार्टी बनाकर तेज प्रताप यादव चुनाव लड़े, लेकिन उन्हें एक भी सीट पर कामयाबी नहीं मिली। इसके बावजूद तेज प्रताप यादव और उनकी पार्टी का 'चार्म' लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। इसका जीता जागता उदाहरण हाल ही में पार्टी में शामिल हुईं 'ब्यूटी क्वीन' मिसेज इंडिया रनर अप रहीं मोनिका मनी हैं। मोनिका मनी ने बीते दिनों तेज प्रताप यादव की पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। तेज प्रताप ने उन्हें पार्टी में

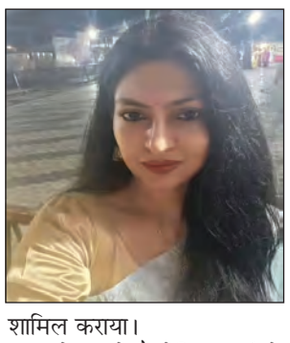

शामिल कराया।

पहले जानते हैं मोनिका मनी ने तेज प्रताप की पार्टी कब जॉइन की। लालू प्रसाद के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव की पार्टी जनशक्ति जनता दल में मिसेज इंडिया 2017 की सेकंड रनर अप रहीं मोनिका मनी आधिकारिक रूप से शामिल हो गई हैं। सोमवार को तेज प्रताप यादव की मौजूदगी में उन्होंने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। मोनिका की एंट्री को पश्चिम बंगाल में होने वाले विधानसभा चुनाव से जोड़कर देखा जा रहा है।

मोनिका मनी मूल रूप से मुजफ्फरपुर की रहने वाली हैं। उन्होंने मिसेज बिहार का खिताब जीतने के बाद 2017 में मिसेज इंडिया प्रतियोगिता में सेकंड रनर अप बनकर मुजफ्फरपुर जिले और बिहार का नाम रोशन किया था। दिल्ली यूनिवर्सिटी से पढ़ाई करने वालीं मोनिका मनी तीन बच्चों की मां हैं। पिछले कुछ वर्षों से वह शिक्षा, रोजगार और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में सामाजिक रूप से सक्रिय हैं।

दिल्ली में भाजपा-आप कार्यकर्ताओं के बीच झड़प

पालम अग्निकांड की शोकसभा में पहुंचे केजरीवाल बोले- भाजपा पीड़ितों से नहीं मिलने दे रही

नई दिल्ली, 19 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली के पालम इलाके में हुए अग्निकांड में एक ही परिवार के 9 लोगों की मौत के बाद गुरुवार को शोकसभा हुई। इसमें आम आदमी पार्टी (आप) और बीजेपी कार्यकर्ताओं के बीच विवाद हो गया।

दिल्ली के आप प्रेसिडेंट सौरभ भारद्वाज के पहुंचने के बाद कहासुनी धीरे-धीरे धक्का-मुक्की और हाथापाई तक पहुंच गई। दरअसल, अग्निकांड के बाद अलग-अलग राजनीतिक दलों के नेता लगातार पीड़ित परिवार से मिलने पहुंच रहे हैं।

इसी क्रम में आप संयोजक अरविंद केजरीवाल भी आने वाले थे। उनके आने से पहले सौरभ भारद्वाज और बीजेपी विधायक कुलदीप सोलंकी भी शोकसभा में अपने-अपने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ पहुंचे थे।

इस दौरान सौरभ भारद्वाज ने अपने मोबाइल फोन में एक वीडियो दिखाया, जिसमें बचाव कार्य के दौरान हाइड्रोलिक मशीन के फेल होने का दावा किया गया। इस पर उन्होंने प्रशासन और सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। वीडियो को लेकर दोनों पक्षों के बीच तीखी बहस शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद गाली-गलौज और धक्का-मुक्की में बदल गया। मौके पर मौजूद कार्यकर्ताओं के बीच भी हंगामा हुआ, जिससे शोकसभा का माहौल प्रभावित हो गया।

पुलिस का हाथ पकड़कर बोली युवती- थाने ले चलो

नशे में कहा- ज्यादा से ज्यादा फांसी होगी वाहन चेकिंग के दौरान हाईवोल्टेज ड्रामा

बिलासपुर, 19 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में बीच सड़क एक युवती ने शराब के नशे में जमकर हंगामा किया। 17 मार्च की रात राजीव गांधी चौक पर वाहन चेकिंग हो रही थी। तभी स्कूटी से आ रही युवती पुलिस को देख भागने लगी और गाड़ी सहित गिर गई। पुलिस के रोकने पर वह विवाद करने लगी।

इस दौरान उसने पुलिस का हाथ पकड़ते हुए थाने ले चलने की बात कही। युवती ने ये भी कहा कि ज्यादा से ज्यादा फांसी होगा न और क्या होगा।

युवती के हाईवोल्टेज ड्रामे का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र का है।

दरअसल, मंगलवार (17 मार्च) रात सिविल लाइन थाना पुलिस की टीम राजीव गांधी चौक पर वाहन चेकिंग कर रही थी। इस दौरान चालकों की ब्रेथ एनालाइजर से जांच हो रही थी। शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्रवाई भी की जा रही थी।

रात करीब 10:30 बजे महाराणा प्रताप चौक की ओर से आ रही स्कूटी सवार युवती पुलिस को देखकर भागने की कोशिश करने लगी, लेकिन अचानक स्कूटी सहित गिर गई। इसके बाद युवती पुलिस जवानों पर ही भड़क गई। वह सड़क पर भीड़ को लेकर हंगामा करने लगी।

घटना के दौरान जब लोग वीडियो बनाने लगे तो युवती ने गुस्से में गाली-गलौज किया। उसने कहा कि इतना क्या वीडियो बना रहे हो, बना ले वीडियो, रील्स बनाकर वायरल कर देना, कोलेप्स कर देना और क्या होगा।

पुलिसकर्मी उसे संभालने पहुंचे तो वह उनके साथ बदसलूकी करने लगी।

पुलिस ने युवती को ब्रेथ एनालाइजर में फूंक मारने को कहा। वह बीच सड़क पर हंगामा करती रही और जांच से बचने की कोशिश करती रही।

काफी मशक्कत के बाद उसने जांच कराई, जिसमें शराब पीने की पुष्टि हुई। पुलिस ने मोटर व्हीकल एक्ट 185 के तहत कार्रवाई करते हुए स्कूटी को जब्त कर लिया है।

अमेरिका में ब्याज दरें जस की तस

पश्चिम एशिया में तनाव के बीच फेड ने नहीं किया कोई बदलाव

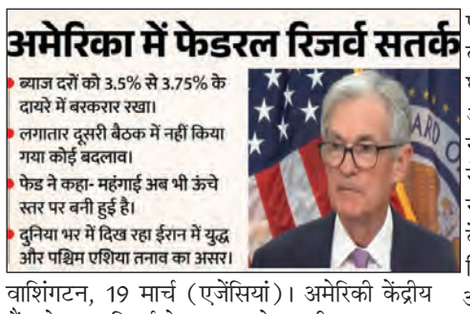

वाशिंगटन, 19 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व ने बुधवार को अपनी प्रमुख ब्याज दर को 3.5% से 3.75% के दायरे में यथावत रखने का फैसला किया। फेड ने कहा कि उपलब्ध संकेतक बताते हैं कि आर्थिक गतिविधियां मजबूत गति से बढ़ रही हैं, हालांकि महंगाई अब भी ऊंचे स्तर पर बनी हुई है।जारी आधिकारिक बयान के मुताबिक, रोजगार में वृद्धि सीमित रही है और बेरोजगारी दर में हाल के महीनों में बहुत अधिक बदलाव नहीं देखा गया है। फेड ने अपने दोहरे लक्ष्य अधिकतम रोजगार और दीर्घकाल में 2% महंगाई को दोहराते हुए कहा कि आर्थिक परिदृश्य को लेकर अनिश्चितता अभी भी ऊंचे स्तर पर बनी हुई है। फेड ने पश्चिम एशिया में चल रहे घटनाक्रम का जिक्र करते हुए कहा कि इनका अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर क्या प्रभाव पड़ेगा, यह अभी स्पष्ट नहीं है। समिति ने कहा कि वह अपने दोनों लक्ष्यों रोजगार और महंगाई से जुड़े जोखिमों पर बारीकी से नजर बनाए हुए है।

केंद्रीय बैंक ने संकेत दिया कि भविष्य में ब्याज दरों में किसी भी बदलाव का फैसला आने वाले आर्थिक आंकड़ों, बदलते वैश्विक परिदृश्य और जोखिमों के संतुलन को ध्यान में रखते हुए किया जाएगा। फेड ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि उसके लक्ष्यों में बाधा डालने वाले जोखिम सामने आते हैं, तो वह मौद्रिक नीति के रुख में उचित बदलाव करने के लिए तैयार है। फेडरल ओपन मार्केट कमेटी के अधिकांश सदस्यों ने इस फैसले का समर्थन किया, जिसमें चेयरमैन जेरोम एच पॉवेल और वाइस चेयर जॉन सी. विलियम्स शामिल रहे। वहीं, सदस्य स्टीफन आई. मिरान ने इस फैसले का विरोध करते हुए 0.25 प्रतिशत की दर कटौती का समर्थन किया।

एचडीएफसी बैंक के चेयरमैन ने नैतिकता और मूल्यों का हवाला देकर छोड़ा पद, शेयर में आई बड़ी गिरावट

नई दिल्ली,19 मार्च(एजेंसियां)। भारत के सबसे बड़े निजी बैंक एचडीएफसी बैंक से जुड़ी एक बड़ी और चौंकाने वाली खबर सामने आई है।

बैंक के चेयरमैन अतनु चक्रवर्ती ने बुधवार देर रात अपने पद से तत्काल प्रभाव से इस्तीफा दे दिया है। उनके इस्तीफे की वजह ने बैंकिंग जगत में हलचल मचा दी है, क्योंकि उन्होंने बैंक के कामकाज के तरीकों और अपनी व्यक्तिगत नैतिकता के बीच टकराव की बात कही है। उनके इस्तीफे के बाद गुरुवार को एचडीएफसी बैंक के शेयर में बड़ी गिरावट आई। स्टॉक एक्सचेंज को दी गई जानकारी में चक्रवर्ती ने अपने इस्तीफे पत्र में लिखा, 'पिछले दो वर्षों में मैंने बैंक के भीतर कुछ ऐसी घटनाओं और प्रथाओं को देखा है, जो मेरे व्यक्तिगत मूल्यों और नैतिकता के अनुरूप नहीं हैं। यही मेरे इस निर्णय का मुख्य आधार है।' उन्होंने स्पष्ट किया कि इस इस्तीफे के पीछे बताए गए कारणों के अलावा और कोई अन्य ठोस वजह नहीं है।

कौन संभालेंगे जिम्मेदारी ?

केंद्रीय बैंक भारतीय रिजर्व बैंक ने एचडीएफसी के पूर्व वाइस चेयरमैन केकी मिस्त्री को तीन महीने के लिए अंतरिम अंशकालिक चेयरमैन नियुक्त करने की मंजूरी दे दी है। बैंक के एक पूर्व कर्मचारी के अनुसार, पिछले कुछ समय से बैंक के चेयरमैन और सीनियर मैनेजमेंट के बीच कई मुद्दों पर असहमति की खबरें थीं, लेकिन उन्हें कभी सार्वजनिक रूप से चर्चा में नहीं लाया गया था। हालांकि, चक्रवर्ती ने अपने पत्र में जूनियर और मिड-लेवल के कर्मचारियों की ऊर्जा की सराहना की और उन्हें बैंक का भविष्य बताया।

बैंक ने दिया स्पष्टीकरण

अतनु चक्रवर्ती के इस्तीफे के बाद एचडीएफसी बैंक ने गुरुवार को स्पष्टीकरण दिया। बैंक ने कहा कि अतनु चक्रवर्ती के इस्तीफे के पीछे कोई अन्य कारण नहीं है, सिवाय उन वजहों के जो उन्होंने अपने इस्तीफा पत्र में बताई हैं।

बैंक ने रेगुलेटरी फाइलिंग में कहा कि चक्रवर्ती ने 18 मार्च 2026 से तत्काल प्रभाव से पद छोड़ा और स्पष्ट रूप से पुष्टि की कि उनके इस्तीफे के पीछे पत्र में बताई गई वजहों के अलावा कोई अन्य कारण नहीं है।

शेयर में आई बड़ी गिरावट

गुरुवार को एचडीएफसी बैंक के शेयर में बड़ी गिरावट आई। बुधवार को यह 842.95 रुपये पर बंद हुआ था। आज गुरुवार को यह शेयर करीब 8 फीसदी की गिरावट के साथ 776 रुपये पर खुला। बाजार खुलने के आधा घंटे के अंदर यह 8 फीसदी से ज्यादा की गिरावट के साथ 772 रुपये पर आ गया था। सुबह करीब 10 बजे यह शेयर करीब 5 फीसदी की गिरावट के साथ 801.50 रुपये पर कारोबार कर रहा था।

बड़ी गिरावट के साथ लहूलुहान शेयर बाजार

सेंसेक्स 2500 अंक टूटा, निफ्टी 23100 के नीचे

नई दिल्ली, 19 मार्च (एजेंसियां)। हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन यानी गुरुवार को शेयर बाजार बड़ी गिरावट के साथ बंद हुआ। बेंचमार्क सूचकांक और निफ्टी में तीन प्रतिशत की ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 2,496.89 अंक या 3.26 प्रतिशत गिरकर 74,207.24 पर बंद हुआ। जून 2024 के बाद यह इसकी सबसे बड़ी एक दिवसीय गिरावट है। दिन के दौरान, यह 2,753.18 अंक या 3.58 प्रतिशत गिरकर 73,950.95 पर पहुंचा था। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 775.65 अंक या 3.26 प्रतिशत गिरकर 23,002.15 पर बंद हुआ।

निवेशकों को 11 लाख करोड़ का हुआ नुकसान

बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, गुरुवार को आई बड़ी बिकवाली के बीच बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण करीब 11.5 लाख करोड़ रुपये घटकर करीब 427 लाख करोड़ रुपये रह गया। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से, इटरनल, बजाज फाइनेंस, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एचडीएफसी बैंक, लार्सन एंड टुब्रो और बजाज फिनसर्व प्रमुख पिछड़ने वाली कंपनियों में शामिल थीं। एचडीएफसी बैंक के चेयरमैन अतनु चक्रवर्ती द्वारा नैतिक चिंताओं का हवाला देते हुए इस्तीफा देने के बाद बैंक के शेयरों में 5.13 प्रतिशत की गिरावट आई। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट देखने को मिली। चांदी की कीमत 14230 रुपये गिरकर 2.33 लाख रुपये प्रति किलो पर पहुंच गई। वहीं सोने का भाव 5330 रुपये गिरकर 1.48 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया।

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच ऊर्जा ढांचे पर हमलों ने वैश्विक बाजारों में चिंता बढ़ा दी है। ईरान के प्रमुख गैस उत्पादन क्षेत्र पर हमले और कतर स्थित दुनिया की सबसे बड़ी एलएनजी उत्पादन सुविधा को निशाना बनाए जाने से ऊर्जा आपूर्ति पर असर की आशंका गहरा गई है। बैंकिंग और मार्केट विशेषज्ञ अजय बग्गा ने एएनआई से बातचीत में कहा कि इन घटनाओं ने खाड़ी क्षेत्र के तनाव को बेहद खतरनाक मोड़ पर पहुंचा दिया है। उनके अनुसार, इससे वैश्विक ऊर्जा सप्लाई में बाधा की आशंका बढ़ी है, जिसका असर महंगाई और बाजारों पर साफ दिख सकता है। इस बीच, अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरों को स्थिर रखा है। फेड चेयर जेरोम पॉवेल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में "अनिश्चितता" शब्द का कई बार उल्लेख करते हुए संकेत दिया कि टैरिफ और ऊर्जा संकट से महंगाई का दबाव बढ़ सकता है।

अनिल अंबानी के सीबीआई ऑफिस पहुंचते ही शेयर धड़ाम हो गए, एसबीआई फ्रॉड केस मामले में हुए पेश

नई दिल्ली,19 मार्च(एजेंसियां)। केंद्रीय जांच एजेंसी ने एसबीआई फ्रॉड मामले में उद्योगपति अनिल अंबानी से गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी स्थित अपने मुख्यालय में पूछताछ की। सीबीआई की पूछताछ रिलायंस कम्युनिकेशन लिमिटेड (आरकॉम) से जुड़ी हुई है, जिसे लेकर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने एफआईआर दर्ज कराई थी। मामला एसबीआई के 2929 करोड़ रुपये के लोन फ्रॉड से जुड़ा है। गुरुवार को अनिल अंबानी की दो प्रमुख कंपनियों के शेयर गिर गए। अधिकारियों ने बताया कि एजेंसी ने बैंक द्वारा कंपनी को दिए गए लोन के दुरुपयोग और अन्य अनियमितताओं के आरोप लगाए हैं। अनिल अंबानी के प्रवक्ता ने बयान में कहा, 'अनिल अंबानी 19 और 20 मार्च 2026 को दिल्ली में सीबीआई के समक्ष पेश होंगे, जहां एसबीआई द्वारा आरकॉम के संबंध में की गई शिकायत के आधार पर दर्ज एफआईआर के सिलसिले में उनसे पूछताछ की जाएगी।'

पिछले साल दर्ज हुआ था मामला

अधिकारियों ने बताया कि सीबीआई ने एसबीआई के साथ कथित रूप से 2929.05 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के आरोप में अंबानी के खिलाफ पिछले साल अगस्त में मामला दर्ज किया था। एसबीआई की शिकायत अब एफआईआर का हिस्सा है। शिकायत के अनुसार कंपनी पर विभिन्न ऋणदाताओं का 40,000 करोड़ रुपये से अधिक बकाया है जिससे एसबीआई को 2,929.05 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। यह आंकड़े साल 2018 के हैं। सीबीआई ने अंबानी और आरकॉम के खिलाफ आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी और आपराधिक विश्वासघात के आरोप में मामला दर्ज किया है।

पिछले हफ्ते बेटे से हुई थी पूछताछ

पिछले हफ्ते अनिल अंबानी के बेटे जय अनमोल अंबानी से सीबीआई ने रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड (आरएचएफएल) से जुड़े 228 करोड़ रुपए के धोखाधड़ी मामले में पूछताछ की थी। प्रमुख जांच एजेंसी ने उनसे दो दिनों तक पूछताछ की। एजेंसी ने उनसे एक कथित बैंक धोखाधड़ी मामले के संबंध में पूछताछ की, जिसमें उनके साथ रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड के पूर्व सीईओ और पूर्व पूर्णकालिक निदेशक रविंद्र सुधालकर और अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

बेटे पर दिसंबर 2025 में दर्ज हुआ था केस

सीबीआई ने 6 दिसंबर 2025 को रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड (आरएचएफएल), जय अनमोल अनिल अंबानी, रविंद्र सुधालकर, अज्ञात व्यक्तियों और अज्ञात सरकारी कर्मचारियों से जुड़े कथित बैंक धोखाधड़ी मामले में केस दर्ज किया था। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की शिकायत के आधार पर रिलायंस अनिल धीरूभाई अंबानी ग्रुप की कंपनी आरएचएफएल, उसके प्रमोटरों या निदेशकों और अज्ञात बैंक अधिकारियों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया गया था। शिकायत में आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी और आपराधिक कदाचार का आरोप लगाया गया था, जिससे यूनियन बैंक ऑफ इंडिया (पूर्व-आंध्र बैंक) को 228.06 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था।

ईडी कर चुकी है संपत्ति जब्त

इससे पहले ईडी ने अनिल अंबानी ग्रुप की कंपनियों रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड (आरएचएफएल) और रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड (आरसीएफएल) की 581 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति को जब्त कर लिया था।

शेयर हुए धड़ाम

गुरुवार को अनिल अंबानी की दो प्रमुख कंपनी रिलायंस पावर और रिलायंस इंफ्रा के शेयर में बड़ी गिरावट आई। दोपहर 2:30 बजे रिलायंस पावर के शेयर 3.17% की गिरावट के साथ 22.02 रुपये पर कारोबार कर रहे थे। रिलायंस इंफ्रा के शेयर में भी 3 फीसदी से ज्यादा लुढ़के। यह शेयर 3.70% की गिरावट के साथ 76.50 रुपये पर कारोबार कर रहा था।

दैनिक पंचांग

गृह स्थिति		
सूर्य	मीन	मे
चंद्र	मीन	मे
मंगल	कुंभ	मे
बुध	कुंभ	मे
गुरु	मिथुन	मे
शुक्र	मीन	मे
शनि	मीन	मे
राहु	कुंभ	मे
केतु	सिंह	मे

लग्नारंभ समय	
मीन....	06-07 बजे
मेष.....	07-44 बजे
वृष.....	09-28 बजे
मिथुन..	11-29 बजे
कर्क....	13-41 बजे
सिंह....	15-53 बजे
कन्या...	18-00 बजे
तुला....	20-05 बजे
वृश्चिक..	22-15 बजे
धनु.....	00-28 बजे
मकर....	02-35 बजे
कुंभ....	04-25 बजे

श्री रौद्र नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2083**
शक संवत् **-1948,** सूर्य उत्तरायणे /दक्षिण **,** ऋतु- बसंत
महावीर निर्वाण संवत् **-2551 ,** राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - **432000** सूर्योदय 06-24 सूर्यास्त. 18 -23
भोग्य कलि वर्ष. - **426873**
कलियुग संवत् - **5127** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - **1972949126**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - **1955885126**
दिशाशूल - पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
मास - चैत्र कृष्ण पक्ष शुक्रवार **20 March 2026**
तिथि - द्वितीया **04-30** रात्री तक उपरान्त तृतीया
नक्षत्र - रेवती **02-26** रात्री तक उप अश्विनी
योग - ब्रह्म **22-13** तक रात्री उप ऐन्द्र
करण - बालव **15-43** तक उप कौलव

नवरात्रि

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 10-53 से 12-24 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा **9247132654 9167555710**

दिन का चौघडिया		रात का चौघडिया	
चंचल	06-24 - 07-52 शुभ	रोग	18-23 - 19-55 अशुभ
लाभ	07-52 - 09-23 शुभ	काल	19-55 - 21-25 अशुभ
अमृत	09-23 - 10-53 शुभ	लाभ	21-25 - 22-54 शुभ
काल	19-53 - 12-24 अशुभ	उत्पात	22-54 - 00-23 अशुभ
शुभ	12-24 - 13-54 शुभ	शुभ	00-23 - 01-53 शुभ
रोग	13-54 - 15-25 अशुभ	अमृत	01-53 - 03-22 शुभ
उत्पात	15-25 - 16-55 अशुभ	चंचल	03-22 - 04-51 शुभ
चंचल	16-55 - 18-23 शुभ	रोग	05-51 - 06-23 अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)

आपकी तार्किक सोच, बुध त्रिकोण शनि द्वारा समर्थित, आपके करियर में प्रगति लाती है। सिंह राशि में सूर्य आपके आत्मविश्वास को बढ़ाता है, जबकि मकर राशि में चंद्रमा आपको केंद्रित और जमीन पर बने रहने में मदद करता है। प्लूटो के साथ बुध का विरोध आपकी प्रेरक क्षमताओं को बढ़ाता है।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

आत्मविश्वास आपकी रचनात्मकता को बढ़ावा देता है और आपको अपने काम में विचारों को साहसपूर्वक व्यक्त करने में सक्षम बनाता है। अंतर्ज्ञान आपको जटिल कार्यों को सफलतापूर्वक पूरा करने में मदद करता है, हालाँकि ऊर्जा में कमी या आत्म-संदेह उत्पन्न हो सकता है। अपने स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें और खुद को ज़रूरत से ज़्यादा काम करने से बचें।

मिथुन (का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,)

आप लंबे समय से एक ही परियोजना पर काम कर रहे है , इसलिए आपका दिन आज आपको नीरस लग सकता है। ये आपकी प्रगति के लिए हानिकारक है , इसलिए जितनी जल्दी हो सके बदलाव लाने के लिए आप कोशिश करे । हालांकि तब तक अपने सहकर्मियों के साथ सौहार्दपूर्ण रिश्ते का आनंद लें क्योंकि उनमें से एक बहुत सुरक्षित रूप से आपको संगठन से बाहर का रास्ता खोजने में मदद कर सकता है!

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,)

आपका आकर्षण और सटीकता सकारात्मक ध्यान आकर्षित करती है। विकास और सीखने के अवसर मिलने की संभावना है। उन लोगों के साथ सहयोग करें जो आपको प्रेरित करते हैं, लेकिन ध्यान भटकाने या अतिभोग से बचें। कुशल योजना आपको अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करेगी। अनुशासित रहें।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

आप अपने कार्यस्थल पर दृढ़ संकल्प और भावनात्मक अंतर्दृष्टि लाते हैं, अपने गंभीर और जमीनी दृष्टिकोण के लिए सम्मान अर्जित करते हैं। भविष्य की सफलता के लिए मजबूत नींव रखने का यह एक अच्छा समय है। हालाँकि आपकी संवेदनशीलता को गलत समझा जा सकता है।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

हालाँकि , आप ईमानदार और मेहनती हैं पर आज सफलता आपकी पहुंच से दूर रह सकती है । कुछ मामूली गलतियाँ आपको परेशान कर सकती है । आप अपने कार्यस्थल पर किसी भी विवाद से बचे । आज का दिन निवेश के लिए उपयुक्त नहीं है। हालांकि, ये दिन अपने दोस्तों के साथ आराम करने के लिए काफी ठीक रहेगा ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

आज आपका भाग्य सट्टा उद्यम एवं उससे जुडी चीज़ो में आपका साथ देगा । अगर आप किसी दुविधा में हैं तो आज का दिन आपकी तर्कशक्ति प्रदान करेगा जिससे आप उचित निर्णय ले पाओगे । ये निर्णय आपकी वित्तीय जरुरतो पर भी आगे जाकर अछा प्रभाव डालेगा । आज का दिन भूमि निवेश के लिए भी फायदेमंद रहेगा ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)

आपका आत्मविश्वास और नेतृत्व कौशल प्रबल रूप से चमकते हैं, जो आपको अपने काम में साहसिक कदम उठाने के लिए सशक्त बनाते हैं। नवीन सोच नए समाधानों को जन्म देती है, और आपकी परियोजनाओं को उत्साह के साथ आगे बढ़ाती है। जल्दी-जल्दी बहस करने या दोष निकालने की प्रवृत्ति से सावधान रहें।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)

आज के दिन आपका दृढ़ संकल्प और आपकी कठोर मेहनत रंग लाएगी । ये मेहनत आपके उच्च अधिकारीयों को दिखेगी जो की आपके आगे बढ़ने के लिए एक माध्यम बनेगी । इस चीज़ में आपका भाग्य का कम जबकि आपकी मेहनत और लग्न का ज्यादा हाथ होगा । ये समय आपके करियर की उड़ान का समय है और आपको ये सुनिश्चित करना है।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)

आपका नेतृत्व अलग दिखता है, शांत, सहयोगी भावना के साथ मिलकर टीमवर्क को बढ़ावा देता है। अप्रत्याशित बातचीत चुनौती और विकास दोनों ला सकती है। अध्ययन और काम में जमीन पर बने रहने के लिए तथ्यों पर ध्यान केंद्रित करें। अपनी रचनात्मक चिंगारी को व्यावहारिक प्रयासों में लगाएं और पेशेवर वातावरण में सहयोग करने और चमकने के अवसर को अपनाएं।

कुंभ (गु, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)

आपका कार्य जीवन रचनात्मकता और नेतृत्व से भरा हुआ है। आपकी कल्पना आपकी परियोजनाओं का समर्थन करती है, जिससे आप सफलता को स्पष्ट रूप से देख पाते हैं। मानसिक तनाव से होने वाले नर्वस तनाव से सावधान रहें। आपका स्वाभाविक अंतर्ज्ञान आपको काम या पढ़ाई में आगे रहने में मदद करता है।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

आज आप व्ययसायी की तरह सोचेंगे और धन पर नियंत्रण रखेंगे । इसका परिणाम यह होगा की धन तो संचित होगा पर आपके परिवार के खर्चे बढ़ेंगे जिसका उत्तर आपको ढूढ़ना होगा । असुरक्षा की भावना की वजह से आप जरुरत के खर्चो पर भी लगाम लगाने की कोशिश कर सकते है ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

क्रिप्टो निवेशकों का बड़ा नुकसान,12 लाख करोड़ रुपये डूबे

बिटकॉइन 70 लाख के नीचे फिसला

नई दिल्ली,19 मार्च(एजेंसियां)। गुरुवार का दिन क्रिप्टोकरेंसी बाजार के लिए काफी बुरा रहा। कॉइनमार्केटकैप के अनुसार गुरुवार दोपहर 1 बजे क्रिप्टो का ग्लोबल मार्केट कैप 2.40 ट्रिलियन डॉलर था। पिछले 24 घंटे में इसमें 5% से ज्यादा गिरावट आई है। इस गिरावट के कारण इस मार्केट कैप 0.13 ट्रिलियन डॉलर (करीब 12 लाख करोड़ रुपये) कम हो गया है। वहीं दूसरी ओर बिटकॉइन समेत कई क्रिप्टोकरेंसी भी बुरी तरह लुढ़क गई हैं।

बिटकॉइन में कितनी गिरावट ?

दुनिया की सबसे लोकप्रिय क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन में 24 घंटे में बड़ी गिरावट आई है। कल के मुकाबले यह 5 फीसदी से ज्यादा लुढ़ककर 70 हजार डॉलर (65.32 लाख रुपये) से नीचे आ गया है। दोपहर 1 बजे एक बिटकॉइन 5.21% की गिरावट के साथ 69,960 डॉलर पर कारोबार कर रहा था। कुछ दिनों पहले इसकी कीमत में तेजी आई थी और यह 75 हजार डॉलर के पार निकल गई थी।

बाकी क्रिप्टो की क्या स्थिति ?

दुनिया की दूसरी सबसे महंगी क्रिप्टो इथेरियम 24 घंटे में 6 फीसदी से ज्यादा गिर गई है। इस गिरावट के साथ यह 2162 पर कारोबार कर रही है। रिपल में भी 24 घंटे में करीब 4 फीसदी की गिरावट आई है। यह क्रिप्टो दोपहर 1 बजे करीब 1.46 डॉलर पर कारोबार कर रही थी। बाइनेंस क्रिप्टो 4 फीसदी से ज्यादा लुढ़क चुकी है। यह करीब 644 डॉलर पर कारोबार कर रही थी। सोलाना भी करीब 5 फीसदी फिसल गई है। इस गिरावट के साथ यह क्रिप्टो 90 डॉलर से नीचे आ गई है। इनके अलावा डॉगकॉइन, कार्डानो, एवलांच और शिबा इनु क्रिप्टो में भी 5 फीसदी से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई है।

पाई नेटवर्क ने मारी छलांग

इस गिरते बाजार में पाई नेटवर्क कॉइन ने छलांग मारी है। पिछले 24 घंटे में एक तरफ जहां बड़ी-बड़ी क्रिप्टो धाराशाई हो गईं, तो वहीं पाई नेटवर्क में तेजी आई। यह क्रिप्टो 2 फीसदी से ज्यादा उछल गई है। इस तेजी के साथ यह 0.1766 डॉलर पर कारोबार कर रही थी। इसके अलावा क्वांट क्रिप्टो में भी 6 फीसदी से ज्यादा की तेजी आई।

कच्चा तेल 115 डॉलर प्रति बैरल के पार

भारत पर पड़ेगी सबसे ज्यादा मार, शेयर बाजार में हाहाकार

नई दिल्ली,19 मार्च(एजेंसियां)। कच्चे तेल की कीमत में आज करीब 8 फीसदी उछाल आई है जो एक हफ्ते में इसका उच्चतम स्तर है। ईरान के साउथ पार्स गैस फील्ड पर इजरायल के हमले के बाद ईरान ने भी मिडिल ईस्ट में कई एनर्जी फैसिलिटीज को निशाना बनाया है। इससे कच्चे तेल की कीमत में तेजी आई है। ब्रेंट क्रूड अभी आठ डॉलर से अधिक तेजी के साथ 115.5 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेड कर रहा है जो 9 मार्च के बाद इसका उच्चतम स्तर है। साउथ पार्स दुनिया का सबसे बड़ा नेचुरल गैस भंडार है। इसे ईरान और अमेरिका का सहयोगी देश कतर साझा करता है।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि इस हमले को इजरायल ने अंजाम दिया। अमेरिका और कतर इसमें शामिल नहीं थे। उन्होंने साथ ही कहा कि इजरायल अब साउथ पार्श में ईरानी फैसिलिटीज पर हमले नहीं करेगा। साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि अगर ईरान ने कतर पर हमला किया तो अमेरिका इसका माकूल जवाब देगा। पश्चिम एशिया में स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। अमेरिका वहां हजारों सैनिकों को तैनात करने पर विचार कर रहा है। इससे होर्मुज की खाड़ी से लंबे समय तक तेल की सप्लाई बाधित रह सकती है। दुनिया की कुल सप्लाई का करीब 20 फीसदी हिस्सा इसी क्षेत्र से गुजरता है। अगर ऐसा होता है तो यह भारत के लिए चिंता की बात है क्योंकि भारत का करीब आधा तेल इसी रास्ते से आता है। साथ ही बड़ी मात्रा भी गैस इसी रास्ते से भारत आती है। भारत अपनी जरूरत का करीब 90 फीसदी तेल आयात करता है। तेल की कीमत में उछाल से आज घरेलू शेयर बाजार में भारी गिरावट आई। सेंसेक्स में कारोबार के दौरान करीब 2,400 अंक की गिरावट आई।

चांदी 20 हजार गिरकर 2.30 लाख पर आई

5 दिन में ये 38 हजार गिरी, सोने की कीमत आज 8 हजार घटकर 1 .48 लाख हुई

नई दिल्ली, 19 मार्च (एजेंसियां)। सोने-चांदी की कीमतों में आज यानी 19 मार्च को गिरावट रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, एक किलो चांदी की कीमत 20 हजार रुपए घटकर 2.30 लाख रुपए पर आ गई है। इससे पहले इसकी कीमत 2.50 लाख रुपए किलो थी। वहीं, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 8 हजार रुपए गिरकर 1.48 लाख रुपए पर आ गया है। इससे पहले 18 मार्च को सोना 1.56 लाख रुपए प्रति 10g था। अमेरिका-ईरान जंग के कारण सोना 5 कारोबारी दिन में 13 हजार और चांदी 38 हजार सस्ती हुई है। सोने में इस साल की शुरुआत में तेजी दिखी थी, लेकिन पिछले कुछ हफ्तों में मुनाफावसूली और वैश्विक कारणों से इसमें गिरावट आई है।

अपने उच्चतम स्तर से सोना अब तक 28 हजार सस्ता हो चुका है। चांदी की कीमतों में भारी क्रैशः 3.86 लाख से 2.30 लाख तक चांदी में सोने के मुकाबले कहीं ज्यादा उतार-चढ़ाव देखने को मिला है।

यह अपने ऑल टाइम हाई से बहुत तेजी से नीचे आई है। गिरावट का आंकड़ाः पिछले 49 दिन में चांदी 1.56 लाख सस्ती हो गई है।

वेदांता के निवेशकों के लिए खुशखबरी ! फिर मिलेगा डिविडेंड, जान लें रिकॉर्ड डेट

नई दिल्ली, 19 मार्च (एजेंसियां)। अगर आप भी दिग्गज उद्योगपति अनिल अग्रवाल के मालिकाना हक वाली कंपनी वेदांता लिमिटेड के शेयरों में निवेश करते हैं, तो आपके लिए एक बड़ी और काम की खबर है. कंपनी एक बार फिर अपने निवेशकों की झोली भरने की तैयारी कर रही है.

वित्त वर्ष 2025-26 के लिए इक्विटी शेयरों पर तीसरे अंतरिम डिविडेंड पर मुहर लगाने के लिए वेदांता के बोर्ड की एक अहम बैठक होने जा रही है. वेदांता के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की यह महत्वपूर्ण बैठक सोमवार, 23 मार्च 2026 को निर्धारित की गई है. इसी दिन तय होगा कि निवेशकों को प्रति शेयर कितना डिविडेंड दिया जाएगा. बाजार नियामक के नियमों के अनुसार, यदि बोर्ड इस डिविडेंड प्रस्ताव को हरी झंडी दिखा देता है, तो इसके लिए पात्र शेयरधारकों की पहचान की जाएगी. कंपनी ने आधिकारिक तौर पर शनिवार, 28 मार्च 2026 को 'रिकॉर्ड डेट' के रूप में तय किया है. इसका सीधा मतलब यह है कि 28 मार्च तक जिन निवेशकों के डीमैट खाते में वेदांता के शेयर मौजूद होंगे, केवल उन्हें ही इस डिविडेंड का सीधा लाभ मिलेगा. इसके अलावा, कॉर्पोरेट गवर्नेंस और इनसाइडर ट्रेडिंग के नियमों का सख्ती से पालन करते हुए, कंपनी ने अपने निर्धारित अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए 19 मार्च से 25 मार्च 2026 तक ट्रेडिंग विंडो पूरी तरह बंद कर दी है.कोई भी कंपनी अपने निवेशकों को डिविडेंड तभी बांट सकती है, जब उसका मुख्य कारोबार अच्छा चल रहा हो और वह लगातार मुनाफे में हो.

वेदांता लिमिटेड के हालिया दिसंबर तिमाही के नतीजे इस बात की गवाही देते हैं. तीसरी तिमाही में कंपनी के शुद्ध मुनाफे में 60.1 प्रतिशत की शानदार बढ़ोतरी दर्ज की गई है.पिछले साल इसी अवधि में जहां कंपनी ने 3,547 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया था, वहीं इस बार यह आंकड़ा उछलकर 5,710 करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है. केवल मुनाफा ही नहीं, बल्कि कंपनी की आय में भी जबरदस्त मजबूती देखने को मिली है. सालाना आधार पर राजस्व 19 प्रतिशत बढ़कर 38,526 करोड़ रुपये से सीधे 45,899 करोड़ रुपये हो गया है. इन मजबूत वित्तीय आंकड़ों से स्पष्ट है कि कंपनी के पास नकदी का मजबूत प्रवाह है, जिसे वह अब अपने शेयरधारकों के साथ साझा करने जा रही है.

शेयर बाजार के निवेशकों के लिए डिविडेंड के साथ-साथ शेयर की चाल भी काफी मायने रखती है.

19 मार्च को दोपहर करीब 1 बजे नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर वेदांता लिमिटेड का शेयर भारी बिकवाली के चलते 1.29 प्रतिशत की गिरावट के साथ 670 रुपये के स्तर पर ट्रेड कर रहा है. वहीं बीते दिन 18 मार्च को शेयर 2.91 प्रतिशत की गिरावट के साथ 679 रुपये के स्तर पर बंद हुआ था.

राजस्थान दिवस पर सीएम भजनलाल ने दी बड़ी सौगात, रोडवेज को मिली 207 नई बस

जयपुर, 19 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान दिवस पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेशवासियों को बड़ी सौगात दी। राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम (रोडवेज) के बेड़े में 207 नई बसें शामिल हो गई है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को अजमेर रोड स्थित हीरापुरा बस टर्मिनल से नई बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

राज्य सरकार की बजट घोषणा के तहत आमजन को सस्ती, सुरक्षित और बेहतर यातायात सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इन बसों को शामिल किया गया है। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, जयपुर सांसद मंजू शर्मा और मंत्री जोगाराम पटेल भी मौजूद रहे।

बसों के अंदर देखी सुविधाएं

इससे पहले सीएम भजनलाल शर्मा ने रोडवेज की अनुबंधित बसों के अंदर सुविधाएं देखी। इसके बाद मुख्यमंत्री ने विधिवत पूजा-अर्चना की और फिर हीरापुरा बस टर्मिनल से नई बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

207 नई बसों में 100 ब्लू लाइन

रोडवेज को मिली इन 207 नई बसों में 100 ब्लू लाइन, 79 नॉन एसी और 28 एसी बसें शामिल हैं। इस बसों के संचालन से ग्रामीण और शहरी कनेक्टिविटी मजबूत होगी। साथ ही बंद रूटों पर फिर से रोडवेज की नई बसें दौड़ती नजर आएंगे। ऐसे में यात्रियों का सफर आसान होगा।

ग्रामीण-शहरी कनेक्टिविटी होगी बेहतर

रोडवेज के बेड़े में 207 नई बसें शामिल होने के बाद अब राज्य की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को मजबूती मिलेगी। यात्रियों को अधिक सुविधाजनक, सुरक्षित व बेहतर सफर का अनुभव मिलेगा। नई बसों के संचालन से खासतौर पर ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में कनेक्टिविटी बेहतर होगी, जिससे आमजन को सीधा लाभ मिलने की उम्मीद है।

नई बसों में यात्रियों के लिए सीटिंग और सेफ्टी फीचर्स को ध्यान में रखा गया है। इन बसों का संचालन प्रदेशभर में अलग-अलग रूट्स पर किया जाएगा। रोडवेज अधिकारियों के मुताबिक इन बसों से लंबी दूरी के साथ-साथ इंटरसिटी रूट्स पर भी सुविधा बेहतर होगी।

700 महिलाओं को हेलमेट भी बांटे

कार्यक्रम के दौरान सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए एक विशेष पहल भी की गई। सीएम भजनलाल शर्मा ने 700 महिला सड़क सुरक्षा अग्रदूतों को आइएसआइ मार्का हेलमेट वितरित किए। इस पहल का मकसद आमजन को हेलमेट के उपयोग के लिए प्रेरित करना है। सरकार का मानना है कि ऐसे प्रयासों से सड़क दुर्घटनाओं में कमी आएगी और सुरक्षित यातायात की दिशा में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेगा।

एशिया की बड़ी मंडी के लिए केंद्र सरकार ने दी खुशखबरी

अब 50000 करोड़ रुपए का होगा कारोबार

कोटा, 19 मार्च (एजेंसियां)। एशिया की बड़ी कृषि उपज मंडियों में शामिल कोटा की भामाशाह कृषि उपज मंडी के विस्तार को केन्द्र सरकार की हरी झंडी मिल गई है। वर्षों से लंबित मंडी के विस्तार को राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड (एनबीडब्ल्यूएल) की 89वीं स्थायी समिति की बैठक में महत्वपूर्ण मंजूरी मिलने के बाद पूरे क्षेत्र में हर्ष की लहर है। अब मंडी का 96 हैक्टेयर भूमि में विस्तार होगा।

वर्तमान में मंडी 350 बीघा में फैली हुई है। विस्तार के बाद कोटा कृषि विपणन (एग्रो बिजनेस) का बड़ा सेन्टर बनेगा। इससे न केवल राजस्थान बल्कि मध्यप्रदेश के किसान भी लाभान्वित होंगे। मध्यप्रदेश के भी करीब एक दर्जन जिलों के किसान यहां कृषि जिंस विपणन के लिए आते हैं। इसकी मुख्य वजह है कि इस मंडी में बड़े खरीदार आने से किसानों को अपेक्षाकृत अधिक दाम मिलता है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के निरन्तर प्रयासों से मिली सफलता से हाड़ौती क्षेत्र के किसानों, व्यापारियों और कृषि अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिलेगी। भामाशाह मंडी के विस्तार से भंडारण, विपणन और परिवहन सुविधाएं बेहतर होंगी। इससे किसानों को अपनी उपज का बेहतर मूल्य मिलेगा और व्यापारियों को आधुनिक ढांचा उपलब्ध होगा।

केन्द्र सरकार ने भामाशाहमंडी के विस्तार की जो सौगात दी है, वह कोटा के विकास के लिए मील का पत्थर साबित होगी। मंडी विस्तार के लिए एक दशक से लगातार प्रयास किए जा रहे थे, लम्बी प्रक्रिया के बाद विस्तार को मंजूरी मिली है। आने वाले समय में भामाशाहमंडी सबसे बड़ा एग्रो बिजनेस हब बनेगा। मंडी का 96 हैक्टेयर में विस्तार होगा, जो वर्तमान मंडी से दोगुने से भी अधिक क्षेत्रफल हो जाएगा। वर्तमान में मंडी का सालाना टर्नओवर 8000 करोड़ का है, जो मंडी विस्तार के बाद 50 हजार करोड़ तक पहुंच सकता है।

मौजूदा मंडी के परिसर को केवल कार्यालय उपयोग के लिए काम में लिया जाना प्रस्तावित है। मंडी के भीतर रेलवे ट्रैक होगा और रेलवे यार्ड बनेगा।

ॅइससे माल परिवहन आसान होगा और शहर को भी भारी वाहनों की समस्या से निजात मिलेगा। मंडी में एग्रो प्रोसेसिंग

और ग्रेडिंग इकाइयां लगाया जाना प्रस्तावित है। साथ ही, ऑन व्हील्स ऑक्शन सिस्टम लागू किया जाएगा, जिसमें किसानों को अपने माल को मंडी में खाली करने की जरूरत नहीं होगी। गाड़ी में ही माल की तुलाई हो जाएगी। इस तरह के इलेक्ट्रॉनिक कांटे लगाए जाएंगे। स्मार्ट मंडी टर्मिनल होगा। जहां किसानों के लिए ट्रेनिंग सेन्टर भी होंगे, सभी सुविधाएं हाईटैक उपलब्ध रहेंगी।

एक-एक लाख की क्षमता के छायादार यार्ड बनाए जाएंगे। अनाज से भरे वाहनों को शहर में आने की जरूरत ही नहीं पड़ेगी। भामाशाह मंडी राष्ट्रीय राजमार्ग और एक्सप्रेस-वे से जुड़ गई है, जल्द ही मंडी तक रेल कनेक्टिविटी होगी और हवाई सेवा से जुड़ी जाएगी। इस तरह के नेटवर्क वाली देश की पहली मंडी होगी। मंडी विस्तार कोटा की अर्थव्यवस्था के लिए बूस्टर डोज का काम करेगा। राजस्थान के अलावा आधे मध्यप्रदेश के किसान यहां माल लेकर आने लगेंगे।

जाम और लम्बे इंतजार से मिलेगी मुक्ति

भामाशाह मंडी में हाड़ौती के साथ मध्यप्रदेश से जुड़े किसान भी उपज बेचने के लिए आते हैं। सीजन के दौरान मंडी में प्रवेश के लिए वाहनों की लम्बी कतार लगने से किसानों को इंतजार के साथ परेशानी झेलनी पड़ती है। साथ ही, आवक के मुकाबले मंडी में पर्याप्त शेड नहीं होने से बारिश में उपज खराब होने का खतरा रहता है। विस्तार के साथ ही मंडी में कारोबार में कई गुना की वृद्धि होगी, राष्ट्रीय राजमार्ग 27 से भी मंडी सीधी जुड़ जाएगी, इससे जाम की समस्या से भी निजात मिलेगी और किसानों को उपज बेचने के लिए इंतजार नहीं करना पड़ेगा।

अर्से से अटका था मामला

मंडी से जुडी वन भूमि के कारण विस्तार का मामला सालों से लम्बित था। विस्तार की स्वीकृति मिली तो फिर वन क्षेत्र से गुजर रहे राजमार्ग के किनारे एक किमी तक पौधारोपण से जुड़े नियमों के कारण विस्तार फिर से से अटक गया। दिल्ली में स्पीकर बिरला और केन्द्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव के बीच हुई बैठकों के बाद नियम में शिथिलता के लिए सेंट्रल एम्पावर्ड कमेटी (सीईसी) में आवेदन किया गया था। इसके बाद कमेटी ने कोटा बायपास निर्माण के दौरान निर्धारित ग्रीन बेल्ट से जुड़ी शर्तों में संशोधन कर स्वीकृति दे दी, जिससे लगभग 96 हैक्टेयर क्षेत्र के लिए लैंड डायवर्जन का मार्ग प्रशस्त हो गया है।

सपना साकार हुआ

वाइल्ड लाइफ के निर्णय की सूचना मिलने के बाद कोटा सीड्स एंड ग्रेन मर्चेंट्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने लड्डू बांटकर और आतिशबाजी कर जश्न मनाया। एसोसिएशन अध्यक्ष अविनाश राठी ने कहा कि जो सपना देखा था, वो साकार हुआ। हम सभी लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का आभार व्यक्त करते हैं। भामाशाह मंडी का विस्तार हाड़ौती क्षेत्र के किसानों के भविष्य को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

पीएम मोदी पर विवादित बयान देकर फंसे पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष फतेह खान, केस दर्ज

बाड़मेर, 19 मार्च (एजेंसियां)। पीएम मोदी पर विवादित टिप्पणी करना कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष फतेह खान को भारी पड़ गया है. जैसलमेर से शुरू हुई कानूनी कार्रवाई अब बाड़मेर पहुंच चुकी है, जहां पुलिस ने देश की अखंडता और संप्रभुता के खिलाफ भ्रामक प्रचार करने के आरोप में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. राजस्थान की सरहदी सियासत में उस वक्त उबाल आ गया जब कांग्रेस के कद्दावर नेता और पूर्व जिला अध्यक्ष फतेह खान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा प्रहार किया. 13 मार्च को बाड़मेर जिला मुख्यालय पर गैस की बढ़ती कीमतों के खिलाफ कांग्रेस पार्टी का हल्ला बोल चल रहा था, लेकिन इसी प्रदर्शन के दौरान फतेह खान ने कुछ ऐसे 'विवादित' बोल बोले जिसने अब उनके लिए जेल की राह आसान कर दी है. आरोप है कि उन्होंने मंच से देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता के खिलाफ न केवल बयानबाजी की, बल्कि सरेआम भ्रामक सूचनाएं भी फैलाईं.

इस पूरे मामले ने तब तूल पकड़ा जब जैसलमेर के अधिवक्ता लालूसिंह सोढ़ा ने फतेह खान के खिलाफ जैसलमेर कोतवाली में मोर्चा खोल दिया.

चूंकि यह पूरी घटना बाड़मेर कोतवाली थाना क्षेत्र की थी, इसलिए जैसलमेर पुलिस ने तुरंत हरकत में आते हुए 'जीरो नंबर केस' दर्ज की और इसे जांच के लिए बाड़मेर ट्रांसफर कर दिया. बाड़मेर पुलिस ने अब औपचारिक रूप से मामला दर्ज कर लिया है और फतेह खान के खिलाफ कानूनी शिकंजा कसना शुरू कर दिया है.

बाड़मेर कार्यवाहक पुलिस अधीक्षक नितेश आर्य ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि 13 मार्च को हुए प्रदर्शन के दौरान फतेह खान ने देश की संप्रभुता के खिलाफ हानिकारक आरोप लगाए हैं. पुलिस ने फतेह खान के खिलाफ बीएनएस की धारा 197(1)(डी) के तहत केस दर्ज किया है, जो राष्ट्रीय एकता और अखंडता के खिलाफ हेट स्पीच से संबंधित है. पुलिस अब उस दिन के वीडियो फुटेज और भाषण के हर एक शब्द की बारीकी से जांच कर रही है.

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में फतेह सिंह कहते नजर आ रहे हैं- 'अभी कुछ दिनों पहले एक राष्ट्र के राष्ट्रपति को डोनाल्ड ट्रंप ने उठवा लिया था. कहीं ऐसा ना हो जाए कि भारत के प्रधानमंत्री को भी अमेरिका के राष्ट्रपति उठाकर ले जाएं और भारत पर कब्जा हो जाए. ये छोटी बात नहीं है. ये बहुत गंभीर बात है. भारत में कुछ भी काम करना हो तो पीएम मोदी अमेरिका की तरफ मुंह करके बात करते हैं. भारत कहां से ऑयल खरीदेगा, यह भी अमेरिकी सरकार के नुमाइंदे तय करके बताते हैं. वे लोग ट्वीट करके बताते हैं कि भारत को रूस से तेल खरीदने के लिए 30 दिन की मोहलत दी गई है. ये बहुत शर्म की बात है. दुनिया में जितने भी भारत के मित्र और पड़ोसी देश हैं, आज वे सब नाराज हैं.

बीजेपी नेता की संदिग्ध हालातों में मौत

पीहर पक्ष ने रखी हैरान करने वाली बात

झुंझुनूं, 19 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान के झुंझुनूं जिले से सनसनीखेज घटना सामने आई है। यहां जिले के खेतड़ी कस्बे में पूर्व वाइस चेयरपर्सन और भाजपा नेत्री सुनीता देवी (35) की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। घटना वार्ड-2 स्थित उनके घर की है। सुनीता देवी ने कथित रूप से फंदा लगाकर जान दे दी। उनके पति गजेंद्र कुमावत उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। इधर, घटना की सूचना मिलते ही खेतड़ी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

पीहर पक्ष ने लगाए पति पर आरोप

एएसआई कैलाश चंद ने बताया कि मामले में पीहर पक्ष की रिपोर्ट के आधार पर जांच की जा रही है। पुलिस ने घर और अस्पताल दोनों जगह से साक्ष्य जुटाए हैं। मृतका के भाई अर्पित ने ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि सुनीता को शादी के बाद से ही दहेज के लिए प्रताड़ित किया जा रहा था। ससुराल वालों की ओर से स्कॉर्पियो और 11 लाख रुपये की मांग की जा रही थी। आरोप है कि पति गजेंद्र के किसी अन्य महिला से संबंध थे और वह अक्सर उससे वीडियो कॉल पर बात करता था। संबंधित महिला द्वारा सुनीता को धमकियां दिए जाने का भी दावा किया गया है।

परिवार का कहना- शरीर पर चोट के निशान

परिजनों के अनुसार, सुनीता के शरीर पर चोट के निशान भी पाए गए हैं, जिससे मामला और संदिग्ध हो गया है। अर्पित ने बताया कि 13 नवंबर 2013 को सुनीता की शादी गजेंद्र से हुई थी, जिसमें परिवार ने करीब 40 लाख रुपये खर्च किए थे। इसके बावजूद ससुराल पक्ष लगातार पैसों की मांग करता रहा।

13 फरवरी को हुआ था विवाद

बताया गया कि वर्ष 2021 में जब सुनीता ने पार्षद चुनाव लड़ा, तब भी ससुराल पक्ष ने उस पर दबाव बनाकर पीहर से 3 लाख रुपये मंगवाए। इसके बाद भी प्रताड़ना जारी रही। हाल ही में 13 फरवरी को एक पारिवारिक शादी में भी पति-पत्नी के बीच विवाद हुआ था।

परिजनों का कहना है कि तीन दिन पहले ही सुनीता ने अपने पिता को फोन कर ससुराल से ले जाने की बात कही थी और मना करने पर जान देने की चेतावनी दी थी। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

अशोक गहलोत का बड़ा बयान

एसएमएस अस्पताल में निजी ब्लड बैंकों से ब्लड नहीं लाने का नियम, जीवनरक्षक उपचार में ऐसी अव्यवस्था अस्वीकार्य

जयपुर, 19 मार्च (एजेंसियां)। अशोक गहलोत ने बड़ा बयान देते हुए कहा कि एसएमएस अस्पताल में निजी ब्लड बैंकों से ब्लड नहीं लाने का नियम है. जिसके कारण मरीजों को समय पर खून नहीं मिल पाता है. ऐसे में दलालों की सक्रियता जैसी खबरें बेहद चिंताजनक है. जबकि खुद विधानसभा में सरकार ने जवाब दिया था निजी ब्लड बैंकों से जुड़े ब्लड के रख-रखाव में अनियमितताओं या अवैध बिक्री की कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुईं. अब यदि शिकायतें नहीं हैं, तो फिर रोक क्यों लगाई गई है ? जीवनरक्षक उपचार में ऐसी अव्यवस्था अस्वीकार्य है. सरकार को तुरंत हस्तक्षेप कर एसएमएस में रक्त उपलब्धता की व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए. बाहरी लाइसेंसी स्रोतों से आपातकालीन रक्त उपलब्ध कराने की स्पष्ट प्रणाली भी बनानी चाहिए.

9,500 से ज्यादा मकानों पर गिरेगी गाज, चलेगा बुलडोजर-कटेंगे कनेक्शन

हाईकोर्ट की सख्ती के बाद बड़े एक्शन की तैयारी

जोधपुर, 19 मार्च (एजेंसियां)। शहर की लाइफ लाइन मानी जाने वाली वनभूमि के अलग-अलग सात वनखंडों में 9,526 से अधिक अतिक्रमण हटाने को लेकर राजस्थान उच्च न्यायालय में लंबित जनहित याचिका के तहत दिए गए सख्त निर्देशों के बाद प्रशासनिक तंत्र में हलचल तेज हो गई है। न्यायालय की पालना सुनिश्चित करने के लिए वन विभाग और जिला प्रशासन ने अब कार्रवाई को तेज करने की तैयारी शुरू कर दी है। न्यायालय ने राज्य सरकार को निर्देश दिया था कि सभी संबंधित विभाग समन्वय के साथ ठोस और प्रभावी कदम उठाएं तथा अदालत के आदेशों की पूर्ण पालना सुनिश्चित करें। मामले की अगली सुनवाई 24 मार्च को निर्धारित की गई है, जिसमें राज्य सरकार को अपनी कार्रवाई का विस्तृत ब्यौरा प्रस्तुत करना होगा। अदालत की इस सख्ती के बीच आगामी दिनों में जोधपुर में वनभूमि पर बड़े स्तर पर कार्रवाई तय मानी जा रही है।

प्रगति रिपोर्ट मांगी

इसी बीच राजस्थान सरकार के एडवोकेट जनरल कार्यालय, राजस्थान ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जोधपुर के उपवन संरक्षक (डीएफओ) को जयपुर तलब किया। बैठक में महाधिवक्ता ने अब तक हुई कार्रवाई की विस्तृत अनुपालना रिपोर्ट मांगी, जिसे 24 मार्च को न्यायालय में प्रस्तुत किया जाएगा। वन विभाग की ओर से पहले ही अतिक्रमणकारियों को नोटिस जारी किए जा चुके हैं। अब अंतिम चेतावनी देते हुए स्पष्ट किया गया है कि स्वयं अतिक्रमण हटाएं, अन्यथा प्रशासन पुलिस बल के साथ कार्रवाई करेगा।

कनेक्शन कटे बिना कार्रवाई अधूरी

समीक्षा बैठक के दौरान महाधिवक्ता ने विशेष रूप से यह पूछा कि वनभूमि पर अवैध निर्माणों के कितने बिजली और पानी के कनेक्शन अब तक काटे गए हैं।

इस पर डीएफओ ने बताया कि जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड और जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग को खसरावार सूची उपलब्ध करवा दी गई है, ताकि अवैध कनेक्शन विच्छेद की कार्रवाई जल्द पूरी की जा सके। डीएफओ ने बताया कि जब तक अवैध मकानों के बिजली-पानी के कनेक्शन नहीं काटे जाएंगे, तब तक अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई प्रभावी नहीं हो पाएगी।

100 से ज्यादा स्टाफ रहेगा तैनात

अतिक्रमण हटाने के दौरान वन विभाग की बड़ी टीम मैदान में उतरेगी। इसमें सहायक वन संरक्षक, क्षेत्रीय वन अधिकारी, वनपाल, सहायक वनपाल और वन रक्षक सहित 100 से अधिक वनकर्मियों की तैनाती की जाएगी।

10 दिन में दूसरी बार बिगड़ी राज्यपाल की तबीयत

जयपुर, 19 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागडे की तबीयत गुरुवार दोपहर अचानक बिगड़ गई, जिससे प्रशासनिक और चिकित्सा महकमे में हड़कंप मच गया है। बता दें कि राज्यपाल जोधपुर में एमबीएम इंजीनियरिंग यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में शामिल होने गए थे। कार्यक्रम से सर्किट हाउस लौटने के तुरंत बाद उन्होंने अस्वस्थता की शिकायत की, जिसके बाद आनन-फानन में डॉक्टरों की इमरजेंसी टीम को बुलाया गया। मिली जानकारी के अनुसार, दीक्षांत समारोह से लौटने के बाद राज्यपाल को अचानक उल्टी और घबराहट महसूस हुई। सर्किट हाउस में मौजूद अधिकारियों ने तुरंत चिकित्सा विभाग को सूचित किया।

वर्तमान में डॉक्टरों की एक विशेष टीम सर्किट हाउस के कमरे में ही उनके स्वास्थ्य की गहन जांच कर रही है। साथ ही उन्हें प्राथमिक उपचार दिया जा रहा है।

राज्यपाल की स्थिति को देखते हुए जोधपुर का स्वास्थ्य प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। शहर के मथुरादास माथुर अस्पताल को अलर्ट मोड पर रखा गया है। अस्पताल में डॉक्टरों की एक विशेष टीम को तैयार रहने के निर्देश दिए गए हैं। ताकि यदि राज्यपाल को अस्पताल शिफ्ट करने की आवश्यकता पड़े तो बिना समय गंवाए उपचार शुरू किया जा सके। फिलहाल, उनकी स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

गौरतलब है कि गुरुवार सुबह ही राज्यपाल से विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने शिष्टाचार मुलाकात की थी। इस दौरान राज्यपाल काफी प्रसन्न और स्वस्थ नजर आ रहे थे। उन्होंने देवनानी के कार्यकाल पर आधारित पुस्तक का विमोचन किया और उन्हें बधाई भी दी। दोपहर तक सब कुछ सामान्य था, लेकिन कार्यक्रम के बाद अचानक तबीयत बिगड़ना चिंता का विषय बना हुआ है। राज्यपाल बागड़े की सेहत पिछले कुछ दिनों से अस्थिर चल रही है।

रसद विभाग की बड़ी कार्रवाई : खेत में बने गोदाम व घर से 512 गैस सिलेंडर जब्त, मचा हड़कंप

अजमेर, 19 मार्च (एजेंसियां)। घरेलू सिलेंडरों की अवैध जमाखोरी के खिलाफ जिले भर में चलाए जा रहे अभियान के तहत रात जिला रसद विभाग की टीम ने अजमेर शहर और पुष्कर में बड़ी कार्रवाई की है।

रसद जिला अधिकारी नीरज जैन ने बताया कि बुधवार की रात करीब 8 बजे पुष्कर के बागोलाई गांव के खेत में बने गोदाम पर छापा मारा गया। यहां पर रोहित कुमावत ने बड़ा सा गोदाम बनाकर भारी संख्या में गैस सिलेण्डरों का स्टॉक कर रखा था। रोहित कुमावत ने निजी गैस कम्पनियों की एजेंसी लेकर अवैध रूप से 600 सिलेंडर रखने का बहुत बड़ा गोदाम बना रखा था। घरेलू गैस स्टोरेज के लिए सरकारी स्तर पर मापदंड भी नहीं पाए गए तथा विस्फोटक लाइसेंस भी नहीं मिला। मौके से कुल 448 गैस सिलेंडर पाए गए। इनमें 68 भरे हुए थे। उसके घर से भी 64 खाली सिलेंडर जब्त किए गए हैं। सभी सिलेंडर जब्त कर अन्य अधिकृत ऐजेंसी को सुपुर्द कर दिए।

अजमेर शहर में रसद विभाग ने सख्त कार्रवाई करते हुए 61 सिलेंडर जब्त किए हैं। जिला रसद अधिकारी मोनिका जाखड़ के नेतृत्व में शहर के मेयो लिंक रोड व धोला भाटा क्षेत्र में निरीक्षण अभियान चलाया। इस दौरान 58 घरेलू गैस सिलेंडर सड़क पर रखे पाए गए। जिसमें 550.6 किलोग्राम गैस भरी हुई थी। रसद विभाग ने मौके पर ही इन्हें जब्त कर आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत कार्रवाई की। इसके अलावा रसद विभाग की टीम ने दाल-बाटी रेस्टोरेंट से एक, चामुंडा रेस्टोरेंट से दो घरेलू गैस सिलेंडर का व्यावसायिक उपयोग करते पकड़ा। जिन्हें जब्त कर कानूनी कार्रवाई शुरू की गई।

जिला रसद अधिकारी मोनिका जाखड़ ने बताया कि जिले में एलपीजी सिलेंडर की आपूर्ति पूरी तरह सुचारु है। गैस बुकिंग के 3-4 दिनों के भीतर होम डिलीवरी हो रही है, जबकि कुछेक गैस एजेंसियां एक दिन में भी डिलीवरी दे रही हैं। आमजन से मिलने वाली शिकायतों का त्वरित समाधान किया जा रहा है। अभियान में अरांई क्षेत्र में गैस एजेंसी और विभिन्न प्रतिष्ठानों का भी निरीक्षण किया गया।

बारिश के दौरान बड़ा हादसा, टूटकर सड़क पर गिरी हाईटेंशन लाइन, 2 भाइयों की दर्दनाक मौत

जैसलमेर, 19 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान में मौसम ने अचानक करवट ले ली है। वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के असर से प्रदेश के कई जिलों में लगातार बारिश और तेज आंधी का दौर जारी है। इस बदले मौसम ने जहां लोगों को ठंडक दी है, वहीं कई जगहों पर यह मुसीबत भी बन गया है। जैसलमेर में एक दर्दनाक हादसे में करंट लगने से दो चचेरे भाइयों की मौत हो गई। वहीं, किसानों की फसलें भी खराब हो गई हैं।

जैसलमेर जिले के सागड़ थाना क्षेत्र में बारिश के दौरान 11 केवी हाईटेंशन लाइन टूटकर सड़क पर

गिर गई। विक्रम सिंह (25) और राजू सिंह (20) बाइक से खेत जा रहे थे। अंधेरे में उन्हें सड़क पर गिरा तार दिखाई नहीं दिया और वे करंट की चपेट में आ गए। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई।

गुरुवार सुबह राहगीरों को घटना का पता चला, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में ले लिया है। ग्रामीणों ने बिजली विभाग की लापरवाही पर सवाल उठाए हैं। ग्रामिणों का कहना है कि पहले भी हम बिजली विभाग में इस लाइन को लेकर शिकायत कर चुके है।

किसानों पर दोहरी मार, फसलें खराब

बारिश और तेज हवाओं का असर खेतों में भी दिखा है। खासकर जैसलमेर और बाड़मेर में जीरा और ईसबगोल की फसल को भारी नुकसान हुआ है। कृषि विभाग अब नुकसान का आकलन कर रहा है। अचानक बदले मौसम ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। बारिश के चलते प्रदेश में दिन के तापमान में करीब 9 डिग्री तक गिरावट दर्ज की गई है। इससे मौसम ठंडा हो गया है और लोगों को गर्मी से राहत मिली है। हालांकि यह बदलाव अस्थायी माना जा रहा है।

मौसम विभाग के अनुसार, यह सिस्टम 20 मार्च तक एक्टीव रहेगा। कई जिलों में तेज बारिश और ओले गिरने की चेतावनी जारी की गई है। जयपुर सहित लगभग पूरे प्रदेश में अलर्ट जारी किया गया है। ऐसे में लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

चारे वाली ज्वार के दाम गिरने से किसानों में रोष, विधानसभा में उठा मुद्दा

हैदराबाद, 19 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के बल्कोंडा, आर्मूर और निजामाबाद ग्रामीण क्षेत्रों के किसान अपनी उपज का उचित मूल्य न मिलने के कारण कांग्रेस सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। बुधवार को विधानसभा में शून्यकाल के दौरान विधायक वेमुला प्रशांत रेड्डी ने किसानों की व्यथा सदन के सामने रखी। उन्होंने बताया कि इस क्षेत्र में चारे के लिए उगाई जाने वाली विशेष ज्वार की उत्तर भारत सहित विदेशों में भारी मांग है, लेकिन व्यापारियों के कथित 'सिंडिकेट' (गिरोह) के कारण किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। पिछले साल 3,800 प्रति क्विंटल के भाव पर बिकी फसल इस बार 3,850 से गिरकर 3,000 प्रति क्विंटल पर आ गई है, जिससे किसानों को प्रति एकड़ लगभग 10,000 का घाटा हो रहा है।

विधायक प्रशांत रेड्डी ने आरोप लगाया कि व्यापारियों ने जानबूझकर कीमतें गिराई हैं और सरकार को इस गिरोह को तोड़ने के लिए तुरंत हस्तक्षेप करना चाहिए। उन्होंने याद दिलाया कि पिछले वर्षों में जिला प्रशासन की सख्ती के कारण व्यापारियों ने अपनी मनमानी बंद कर दी थी, लेकिन इस साल कलेक्टर को सूचना देने के बावजूद स्थिति जस की तस बनी हुई है। वहीं, आर्मूर के विधायक पी. राकेश रेड्डी ने भी सदन में बिचौलियों द्वारा किए जा रहे शोषण का मुद्दा उठाया और मांग की कि सरकार संकटग्रस्त किसानों को प्रति क्विंटल 500 का बोनस दे। विधायकों ने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि ज्वार की खेती में धान की तुलना में कम पानी और समय लगता है, इसलिए इसे बढ़ावा दिया जाना चाहिए। उन्होंने पूर्ववर्ती सरकारों के समय हुए उग्र किसान आंदोलनों का हवाला देते हुए कहा कि यदि कांग्रेस सरकार वर्तमान स्थिति को संभालने में विफल रही और बोनस या सरकारी खरीद शुरू नहीं की, तो हालात बिगड़ सकते हैं। किसानों की मांग है कि सरकार जल्द से जल्द हस्तक्षेप कर उन्हें व्यापारियों के चंगुल से मुक्त कराए और लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करे।

श्रीहर्षवर्धन का राष्ट्रीय मास्टर्स बैडमिंटन के लिए चयन

मंचरियाल, 19 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मंचरियाल कस्बे के उभरते बैडमिंटन खिलाड़ी बोनागिरी श्रीहर्षवर्धन ने अपनी प्रतिभा के दम पर राष्ट्रीय स्तर की मास्टर्स बैडमिंटन प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई कर लिया है। यह प्रतियोगिता 21 से 25 मार्च तक गोवा में आयोजित की जाएगी। इस उपलब्धि पर गुरुवार को जिला बैडमिंटन संघ के पदाधिकारियों ने श्रीहर्षवर्धन को विशेष रूप से सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

'एक सीसीटीवी कैमरा 100 पुलिसकर्मियों के बराबर'

एसपी ने ग्रामीणों को दिया सुरक्षा का मंत्र

हैदराबाद, 19 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। आदिलाबाद के पुलिस अधीक्षक (एसपी) गौश आलम ने अपराध नियंत्रण और कानून व्यवस्था बनाए रखने में आधुनिक तकनीक के महत्व पर जोर दिया है। गुरुवार को थलमद्दुगु मंडल के कज्जरला गांव में 21 नए सीसीटीवी कैमरों का उद्घाटन करते हुए उन्होंने कहा कि तकनीकी निगरानी आज के समय की अनिवार्य आवश्यकता है। ग्रामीणों को संबोधित करते हुए एसपी ने एक महत्वपूर्ण संदेश दिया कि 'एक सीसीटीवी कैमरा 100 पुलिसकर्मियों की शक्ति के बराबर होता है।'

जो न केवल अपराधों को रोकने में बल्कि अपराधियों को पकड़ने में भी निर्णायक भूमिका निभाता है। एसपी ने ग्रामीणों से अपील की कि वे अपनी सुरक्षा के लिए आगे आएं और गांव के प्रमुख स्थानों पर कैमरे लगवाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि सीसीटीवी निगरानी से सड़क दुर्घटनाओं, नशीले पदार्थों के सेवन, प्रतिबंधित गांजा की तस्करी और मानव तस्करी जैसी गंभीर समस्याओं पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकता है। इसके साथ ही उन्होंने महिलाओं की सुरदक्षिण मध्य रेलवे हमें ट्विट्टर @SCRailwayindia पर फालो करें। दक्षिण मध्य रेलवे -दमरे की निविदा सूचनाओं का विवरण हमारे वेबसाइट: www.scr.indianrail-ways.gov.in भी देखें।

किसानों ने पूर्व सीएम केसीआर के पोस्टर पर किया 'पुष्पाभिषेकम'

सुशासन की वापसी की मांग

आदिलाबाद, 19 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। आदिलाबाद जिले के इचोडा मंडल स्थित मुखरा (के) गांव में गुरुवार को उगादी पर्व के अवसर पर एक अनोखा दृश्य देखने को मिला। यहां स्थानीय किसानों ने पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) के प्रति अपना सम्मान प्रकट करते हुए उनके आदमकद पोस्टर पर 'पुष्पाभिषेकम' किया। इस दौरान किसानों ने केसीआर के शासनकाल को याद करते हुए उनके फिर से मुख्यमंत्री बनने की कामना की। किसानों का कहना है कि वर्तमान में ग्रामीण अर्थव्यवस्था और कृषि क्षेत्र कई चुनौतियों से जूझ रहा है, जिससे उनका जीवन प्रभावित हुआ है।

ग्रामीणों और पूर्व जनप्रतिनिधियों ने आरोप लगाया कि पिछली सरकार की तुलना में अब जन कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में बाधा आ रही है। किसानों ने विशेष रूप से 'रायथु भरोसा' योजना में हो रही देरी, बुजुर्गों व दिव्यांगों की मासिक पेंशन में अनियमितता और गर्भवती महिलाओं को मिलने वाली पोषण किट की कमी पर गहरी चिंता व्यक्त की। इस कार्यक्रम में पूर्व एमपीटीसी सदस्य जी. सुभाष और पूर्व सरपंच मीनाक्षी सहित बड़ी संख्या में स्थानीय किसान शामिल हुए। किसानों ने एकजुट होकर मांग की कि सरकार पुरानी योजनाओं को सुचारू रूप से चलाए ताकि समाज के हर वर्ग को पहले की तरह लाभ मिल सके।

शिक्षक भर्ती में फर्जीवाड़े का खुलासा

बाहरी उम्मीदवारों ने हड़पीं आदिवासियों की नौकरियां

आदिलाबाद, 19 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। एकीकृत जनजातीय विकास एजेंसी -उटनूर के अंतर्गत अधिसूचित आदिवासी क्षेत्रों में शिक्षक भर्ती में एक बड़े घोटाले का मामला सामने आया है। आरोप है कि लगभग नौ साल पहले हुई भर्ती परीक्षा में 50 से अधिक उम्मीदवारों ने फर्जी मूल निवास और जन्म प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर सरकारी नौकरियां हासिल कर लीं। राष्ट्रपति के आदेशों के अनुसार, इन क्षेत्रों में शिक्षकों के पद पूरी तरह से स्थानीय आदिवासी उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं, जिनके पूर्वज 26 जनवरी, 1950 से पहले से वहां निवास कर रहे हों।

जांच में सामने आया कि 2017 में 380 पदों के लिए हुई भर्ती के दौरान पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र और मैदानी इलाकों के उम्मीदवारों ने गलत दस्तावेजों का सहारा लिया। तत्कालीन कलेक्टर की अध्यक्षता वाली समिति ने इन अनियमितताओं की पुष्टि भी की थी, लेकिन आरोप है कि 2022-23 में कुछ रसूखदार जनप्रतिनिधियों के दबाव में इन अपात्र उम्मीदवारों को नियुक्तियां दे दी गईं। इस कारण स्थानीय योग्य उम्मीदवार रोजगार के अवसर से वंचित रह गए, जिसके विरोध में अब स्थानीय युवाओं ने मोर्चा खोल दिया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पीड़ितों ने राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग का दरवाजा खटखटाया है। आयोग ने आदिलाबाद कलेक्टर और आईटीडीए-उटनूर के परियोजना अधिकारी को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा है। आईटीडीए के परियोजना अधिकारी युवराज सम्राट ने बताया कि आयोग को जवाब भेज दिया गया है, जिसमें स्वीकार किया गया है कि जिला स्तरीय समिति ने अपात्रों की पहचान की थी, लेकिन उच्च अधिकारियों के हस्तक्षेप के कारण नियुक्तियां की गईं। स्थानीय उम्मीदवार अब इन अवैध नियुक्तियों को रद्द करने और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

शनिवार तक जारी रहेगा बारिश का सिलसिला

आईएमडी ने जारी किया 'येलो अलर्ट'

हैदराबाद, 19 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में पिछले कुछ दिनों से हो रही बेमौसम बारिश और तेज हवाओं का दौर शनिवार तक जारी रहने की संभावना है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) हैदराबाद ने गुरुवार को अपने ताजा पूर्वानुमान में बताया कि राज्य के कई हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश और गरज के साथ बौछारें पड़ सकती हैं।

इस मौसमी बदलाव के कारण अधिकतम तापमान में भी उतार-चढ़ाव देखा जा रहा है। अनुमान है कि अगले तीन दिनों तक तापमान सामान्य से 2 से 4 डिग्री सेल्सियस कम रहेगा, जिसके बाद इसमें फिर से बढ़ोतरी दर्ज की जा सकती है। मौसम विभाग ने विशेष रूप से शुक्रवार के लिए आदिलाबाद, निज़ामाबाद, वारंगल और हनुमाकोंडा सहित उत्तर और पूर्वी तेलंगाना के 13 जिलों के लिए बिजली गिरने और तेज़ हवाओं के साथ तूफान की चेतावनी जारी की है। वहीं, शनिवार के लिए भी खम्मम, नलगोंडा और सूर्यापेट जैसे जिलों में इसी तरह के मौसम का संकेत दिया गया है। किसानों को सलाह दी गई है कि वे अपनी तैयार फसलों को सुरक्षित स्थानों पर रखें और बिजली चमकने के दौरान खुले स्थानों या पेड़ों के नीचे शरण न लें।

तेज हवाओं के कारण शहरी क्षेत्रों में जलभराव और यातायात प्रभावित होने की भी आशंका जताई गई है, जिसे लेकर प्रशासन सतर्क है।

कोरेमुला स्थित श्री आई माता मंदिर (बडेर) में चैत्र नवरात्रि के प्रथम दिन आयोजित हवन व पूजा कार्यक्रम में उपस्थित अध्यक्ष कालुराम काग, सुरेश लचेटा, पंडित बाबूलाल शर्मा, संपत शर्मा, पुजारी पोकरराम काग, नगाराम काग, महिला मंडल कंचन देवी काग, कविता देवी लचेटा, सुनिता काग व अन्य।

भूदान भूमि के नाम पर लाखों की ठगी

38 विस्थापितों ने पुलिस से की शिकायत

खम्मम, 19 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। खम्मम शहर में भूदान भूमि पर घर दिलाने का झांसा देकर दर्जनों लोगों से लाखों रुपये ठगने का एक बड़ा मामला सामने आया है। गुरुवार को लगभग 38 वेलुगुमाटला विस्थापितों ने एसीपी (टाउन) एस.वी. रामनमूर्ति से मुलाकात कर धोखेबाजों के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई। पीड़ितों का आरोप है कि उन्हें सरकारी और भूदान जमीन पर मालिकाना हक दिलाने का वादा कर बड़ी रकम वसूली गई।

एसीपी रामनमूर्ति ने बताया कि इस मामले में मुख्य आरोपी पोलाबोयिना मुथैया ने प्रत्येक व्यक्ति से 50,000 रुपये से लेकर 5 लाख रुपये तक की अवैध वसूली की है। कुल मिलाकर 38 लोगों से लगभग 54.13 लाख रुपये की ठगी की गई है। पीड़ितों ने पुलिस को मुथैया द्वारा जारी की गई रसीदों की प्रतियां भी सौंपी हैं, जो जांच में फर्जी पाई गईं। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी मुथैया को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। खानपुरम हवेली पुलिस स्टेशन सहित कई थानों में इस संबंध में मामले दर्ज किए गए हैं। पुलिस अब आरोपी की कस्टडी मांग रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि इस घोटाले में और कौन-कौन शामिल है।

एएसएमएस और किसान एग्री मॉल के बीच रणनीतिक साझेदारी

ग्रामीण भारत में बदलेगी खेती की सूरत

हैदराबाद, 19 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तकनीकी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी एवियो स्मार्ट मार्केट स्टैक लिमिटेड (एएसएमएस), जिसे पहले बार्ट्रोनिक्स इंडिया लिमिटेड के नाम से जाना जाता था, ने देश के कृषि और खुदरा क्षेत्र में क्रांति लाने के लिए 'किसान एग्री मॉल प्राइवेट लिमिटेड' के साथ एक महत्वपूर्ण समझौता किया है। 'प्रोजेक्ट एवियो एग्रीटेक' के तहत की गई इस साझेदारी का मुख्य उद्देश्य आधुनिक तकनीक और डिजिटल बुनियादी ढांचे के माध्यम से एक सशक्त कृषि-आपूर्ति श्रृंखला तैयार करना है। यह गठबंधन एएसएमएस के विशाल ग्रामीण नेटवर्क और वित्तीय क्षमताओं को किसान एग्री मॉल की जमीनी विशेषज्ञता के साथ जोड़ेगा।

इस साझेदारी के माध्यम से दोनों कंपनियाँ एक 'फिजीटल' प्लेटफॉर्म विकसित कर रही हैं। यह प्लेटफॉर्म किसानों को एक ही छत के नीचे उच्च गुणवत्ता वाले कृषि इनपुट (बीज, खाद आदि), विशेषज्ञ परामर्श सेवाएं और फसल कटाई के बाद बाजार से सीधा संपर्क प्रदान करेगा। एएसएमएस पहले से ही भारत के 5,000 गांवों में अपनी उपस्थिति दर्ज करा चुका है और अब इस नई पहल के जरिए वह सतत विकास और ग्रामीण वाणिज्य के क्षेत्रों में अपनी पकड़ और मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। एएसएमएस के प्रबंध निदेशक एन. विद्या सागर रेड्डी ने इस सहयोग पर खुशी जताते हुए कहा कि यह साझेदारी कृषि क्षेत्र में व्यापक और प्रभावशाली समाधान प्रदान करने की हमारी क्षमता को और अधिक बल देगी।

शमशाबाद स्थित श्री आई माता मंदिर (बडेर) में चैत्र नवरात्रि के प्रथम दिन आयोजित हवन व पूजा कार्यक्रम में उपस्थित अध्यक्ष आशाराम गेहलोत, सचिव भोलाराम पंवार, कोषाध्यक्ष राजुराम परिहार, भुराराम परिहार, मोहनलाल बर्फा, पंडित निलेश महाराज, महिला मंडल तीजादेवी गेहलोत, संतोष देवी परिहार, लक्ष्मी बर्फा व अन्य।

इंजीनियरिंग छात्रा ने की आत्महत्या

हैदराबाद, 19 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मेडिपल्ली थाना क्षेत्र के एक निजी हॉस्टल में बुधवार रात इंजीनियरिंग की एक छात्रा ने संदिग्ध परिस्थितियों में आत्महत्या कर ली। मृतका की पहचान 21 वर्षीय जी. नंदिनी के रूप में हुई है, जो मूल रूप से सिरसिला जिले की रहने वाली थी। नंदिनी मेडिपल्ली के ही एक निजी इंजीनियरिंग कॉलेज में बीटेक तृतीय वर्ष की छात्रा थी और कॉलेज के पास स्थित एक हॉस्टल में रहकर पढ़ाई कर रही थी। घटना का खुलासा गुरुवार सुबह हुआ जब हॉस्टल की अन्य छात्राओं ने नंदिनी को उसके कमरे में छत के पंखे से लटका हुआ पाया। सूचना मिलते ही मेडिपल्ली पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल के मुर्दाघर भेज दिया। पुलिस को मौके से फिलहाल कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और छात्रा के इस आत्मघाती कदम के पीछे के कारणों का पता लगाने के लिए उसके मोबाइल फोन के रिकॉर्ड खंगाले जा रहे हैं तथा सहपाठियों व परिजनों से पूछताछ की जा रही है।

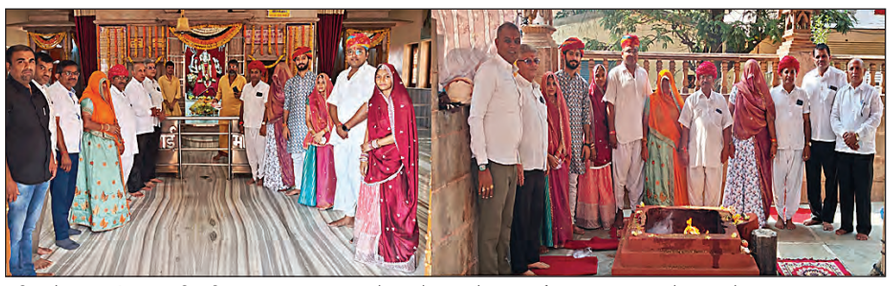

जीडिमेट्ला स्थित सीरवी समाज मंदिर (बडेर) में आयोजित चैत्र नवरात्रि महोत्सव के तहत हवन का आयोजन किया गया। अवसर पर उपस्थित बडेर उपाध्यक्ष सोहनलाल परिहार, सचिव प्रेम पंवार, अर्जुनलाल बर्फा, देवाराम बर्फा, मोहनलाल काग, सुरेश मुलेवा, सुनिल बर्फा, महिला मंडल की गंगा बाई बर्फा, शांति देवी काग,सुनीता बर्फा, ममता मुलेवा व अन्य।

झांकियों के साथ 27 मार्च को निकलेगी शोभायात्रा

हैदराबाद, 19 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भाग्यनगर श्री रामनवमी उत्सव समिति के अध्यक्ष डॉ. भगवंत राव ने सभी को उगादि नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी शोभायात्रा 27 मार्च को सीताराम बाग मंदिर में श्रीरामजी एवं सीताजी के कल्याणोत्सव के पश्चात दोपहर में 12.30 बजे विभिन्न झांकियों के साथ निकाली जाएगी। यह शोभायात्रा सीतारामबाग मंदिर से आरंभ होकर भोईगुड़ा कमान, मंगलहाट, जाली हनुमान मंदिर पुराना पुल गांधी पुतला, जुमेरात बाजार, बेगम बाजार छतरी, बर्तन बाजार, सिद्दिअम्बर बाजार, शंकर शेर होटल, गौलीगुडा राम मंदिर से होते हुए कोठी आंध्रा बैंक के पास संपन्न होगी। अवसर पर मुख्य अतिथि उज्जैन से आचार्य स्वामी सभा को संबोधित करेंगे। इस संदर्भ में 23 मार्च को सरकारी विभाग के साथ मीटिंग होगी और शोभायात्रा व मार्ग पर विस्तार से चर्चा कर समस्याओं को दूर करेंगे।

इस अवसर पर समिति के महामंत्री गोविन्द नारायण राठी ने सभी को उगादि की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भाग्यनगर श्रीराम नवमी उत्सव समिति का कार्यालय का उद्घाटन किया गया है। समिति द्वारा जुलूस 2010 से भव्यता से निकाला जाता है। सभी 27 मार्च सीताराम बाग मंदिर में कल्याणोत्सव होगा सभी उसमें पधारे उसके बाद विशाल शोभायात्रा में शामिल हों। अवसर पर भाजपा के वेंकट रेड्डी, भाजपा नेता उमा महेन्द्र, अरुणा ज्योति, पूर्व पार्षद लाल सिंह, वैकुंठम सहित अन्यों ने विचार रखे और सभी को अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने का आग्रह किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्रीराम व्यास ने किया तथा आभार वैंकटय्या ने व्यक्त किया। इस अवसर पर महेंद्र व्यास बाबू गुरु करोड़ीमल नरसिंगपुरिया उमा महेंद्र लालसिंह अरुणज्योति वाई.कृष्ण शांति अक्का नटराज नारायण सारदा नरसिम्हा जुगल सोनी संतोष विपिन रामावत मनोज जायसवाल मीनाक्षी सिखवाल संदीप शर्मा आश्विन रमेश यादव बालास्वामी पवन कुमार विनोद सिंह दुर्गा मोहन गौड़ा अन्य उपस्थित रहे।

विरासत संरक्षणवादी वेदकुमार मणिकोंडा लगातार चौथी बार 'इंटेक' की शासी परिषद में निर्वाचित

हैदराबाद, 19 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के प्रसिद्ध शहरी योजनाकार और विरासत संरक्षणवादी वेदकुमार मणिकोंडा ने एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान दर्ज कराई है। उन्हें नई दिल्ली स्थित भारतीय राष्ट्रीय कला और सांस्कृतिक विरासत ट्रस्ट की शासी परिषद के सदस्य के रूप में लगातार चौथी बार तीन साल के कार्यकाल के लिए चुना गया है। विशेष बात यह है कि उन्होंने 'इंटेक' के इतिहास में अब तक के सबसे अधिक वोट हासिल किए हैं, जो विरासत संरक्षण के क्षेत्र में उनकी विश्वसनीयता और दशकों की समर्पित सेवा को दर्शाता है। चार दशकों से अधिक का अनुभव रखने वाले वेदकुमार मणिकोंडा ऐतिहासिक स्मारकों, सांस्कृतिक और प्राकृतिक परिदृश्यों के संरक्षण के प्रबल पैरोकार रहे हैं।

उन्होंने दुनिया के कई देशों की यात्रा कर यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों का गहन अध्ययन किया है और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत का प्रतिनिधित्व किया है। तेलंगाना की ऐतिहासिक विरासत को वैश्विक मानचित्र पर लाने में भी उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने राज्य के विरासत विभाग के साथ मिलकर 'मुदुमल मेगालिथिक मेनहिर' (प्रागैतिहासिक स्थल) को यूनेस्को की विश्व धरोहर की अस्थायी सूची में शामिल कराने में मुख्य भूमिका निभाई थी। उनकी इस जीत को तेलंगाना और दक्षिण भारत के विरासत संरक्षण प्रयासों के लिए एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

सऊदी में ऑयल ...

वहीं, एक और अमेरिकी सूत्र ने भी कहा कि अमेरिका को इस हमले की जानकारी थी।

साउथ पार्स गैस फील्ड पर हमले को युद्ध में बड़ा उकसावा (एस्केलेशन) माना जा रहा है। इससे पहले इज़राइल, ईरान के कुछ एनर्जी डिपो पर हमले कर चुका था, लेकिन बुधवार तक उसने तेल और नैचुरल गैस से जुड़े ठिकानों को निशाना नहीं बनाया था। पार्स गैस फील्ड पर हमले से नाराज ईरान ने खाड़ी क्षेत्र के पड़ोसी देशों के बड़े ऊर्जा ठिकानों पर हमला किया। कतर ने कहा कि उसके मुख्य ऊर्जा केंद्र रास लाफान में भारी नुकसान हुआ है। इन जवाबी हमलों के कारण ऊर्जा की कीमतें तेजी से बढ़ गई हैं। विश्लेषकों ने चेतावनी दी है कि रास लाफान को हुआ नुकसान लंबे समय तक वैश्विक गैस की कमी पैदा कर सकता है।

यह कायरता नहीं ...

उनके अनुसार, ऐसी घटनाएं वैश्विक व्यवस्था और अंतर्राष्ट्रीय कानून के लिए गंभीर चुनौती हैं और भारत जैसे देश को इस पर स्पष्ट रुख अपनाना चाहिए।

सरकार की आलोचना पर क्या बोले थरूर :

थरूर ने सोनिया गांधी और अन्य आलोचकों के विचारों से आंशिक सहमति जताते हुए यह जरूर कहा कि युद्ध उचित नहीं है, लेकिन उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सरकार की आलोचना करना सही नहीं है, क्योंकि विदेश नीति में फैसले व्यावहारिक परिस्थितियों और दीर्घकालिक हितों को ध्यान में रखकर लिए जाते हैं। उन्होंने जवाहरलाल नेहरू की गुटनिरपेक्ष नीति का हवाला देते हुए कहा कि भारत हमेशा से सिद्धांत और व्यवहारिकता के बीच संतुलन बनाता आया है और आज के दौर में मल्टी-अलाइनमेंट इसी सोच का विस्तार है। थरूर ने निष्कर्ष में कहा कि भारत की चुप्पी युद्ध का समर्थन नहीं, बल्कि यह समझ है कि राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए संयम जरूरी है, और यही जिम्मेदार कूटनीति की पहचान है।

मोदी की 24 ...

पीएम ने बताया कि उन्होंने ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक को ईद की बधाई दी और क्षेत्रीय हालात पर चर्चा की। उन्होंने ओमान की संप्रभुता के उल्लंघन की निंदा की और वहां से भारतीयों सहित लोगों की सुरक्षित वापसी में उसकी भूमिका की सराहना की। दोनों देशों ने होर्मुज स्ट्रेट में सुरक्षित जहाजों की आवाजाही पर भी जोर दिया।

पीएम मोदी ने कुवैत पर हुए हमलों की निंदा की :

इससे पहले विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि पीएम मोदी ने कुवैत के क्राउन प्रिंस शेख सबाह से बुधवार रात बात की थी। दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया के मौजूदा हालात पर बात की और हाल की घटनाओं पर चिंता जताई। प्रधानमंत्री ने कुवैत पर हुए हमलों की कड़ी निंदा भी की।

रणधीर जायसवाल के मुताबिक, पीएम मोदी ने क्राउन प्रिंस से कहा कि होर्मुज स्ट्रेट में सुरक्षित और बिना रुकावट के जहाजों का निकलना भारत के लिए बहुत जरूरी है। प्रधानमंत्री ने कुवैत में रहने वाले भारतीयों की सुरक्षा के लिए क्राउन प्रिंस का धन्यवाद भी किया, क्योंकि वहां बड़ी संख्या में भारतीय समुदाय रहता है।

सरकार बोली-सिलेंडर...

सुजाता शर्मा ने बताया कि भारत में करीब 70 प्रतिशत कच्चा तेल अब होर्मुज स्ट्रेट के बाहर के क्षेत्रों से आ रहा है। फिलहाल अंतर्राष्ट्रीय परिस्थितियों के कारण दबाव जरूर है, लेकिन अभी तक कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है।

सरकार ने कहा- एक दिन में 57 हजार रीफिल बुकिंग हुईं

पेट्रोलियम मंत्रालय ने बताया कि एलपीजी सिलेंडर की सप्लाई सामान्य है। 18 मार्च को करीब 57,000 रीफिल बुकिंग हुईं। सरकार ने कॉमर्शियल एलपीजी उपभोक्ताओं से सीएनजी पर शिफ्ट करने की अपील की और बताया कि कई कंपनियों ने इसके लिए इंसेंटिव भी घोषित किए हैं। सुजाता शर्मा ने कहा कि मिडिल ईस्ट में हालात का सीधा असर भारत की एनर्जी सप्लाई पर पड़ता है, इसलिए सरकार अन्य जगहों से भी सप्लाई लेने की कोशिश कर रही है।

ईरान के तेल ...

इसी बीच ओमान ने इस जंग को लेकर अमेरिका पर तीखा हमला बोला है। ओमान के विदेश मंत्री बद्र अलबुसैदी ने ईरान के साथ जंग को ट्रम्प सरकार की 'सबसे बड़ी गलती' बताया है। उन्होंने कहा कि यह जंग वैश्विक अर्थव्यवस्था और क्षेत्रीय सुरक्षा को नुकसान पहुंचा रही है।

अलबुसैदी ने यह भी कहा कि अमेरिका की विदेश नीति पटरी से उतरती दिख रही है और इस संघर्ष से किसी पक्ष को फायदा नहीं होगा। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से अपील की कि जल्द से जल्द इस जंग को खत्म कराने के लिए कदम उठाए जाएं।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में बीसीसीआई का बड़ा बदलाव?

जसप्रीत बुमराह हैं असली वजह

मुंबई, 19 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने हाल ही में अपने नए सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट का ऐलान किया था, जिसमें कुल 30 खिलाड़ियों को जगह मिली थी. सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में बीसीसीआई ने बड़ा बदलाव करते हुए ए+ कैटेगरी को हटा दिया था. पिछली बार ए+ कैटेगरी में रोहित शर्मा, विराट कोहली, रवींद्र जडेजा और जसप्रीत बुमराह शामिल थे.

बोर्ड की ओर से इन खिलाड़ियों को सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट के जरिए 7 करोड़ मिलते थे. हालांकि अब जसप्रीत बुमराह को लेकर बीसीसीआई को बड़ा बदलाव करना पड़ सकता है.

बीसीसीआई कर सकती है बड़ा बदलाव

बीसीसीआई तीनों फॉर्मेट खेलने वाले खिलाड़ियों को ए+ कैटेगरी में रखती थी. ऐसे में अब रोहित शर्मा, विराट कोहली ने टेस्ट और टी-20 से संन्यास ले लिया है, जबकि रवींद्र जडेजा भी टी-20आई से संन्यास का ऐलान कर चुके हैं. हालांकि जसप्रीत बुमराह ही तीनों फॉर्मेट खेलने वाले खिलाड़ी बचे हैं.

ऐसे में उन्हें नए सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में ए कैटेगरी में रखा गया है, जबकि पिछली बार वह ए+ में थे. ए+ में रहने वाले खिलाड़ियो को सलाना 7 करोड़, जबकि ए कैटेगरी में रहने वाले खिलाड़ियों को 5 करोड़ मिलते हैं. इस लिहाज से बुमराह को हर साल 2 करोड़ का नुकसान होगा.

ऐसे में टाइम्स ऑफ इंडिया के मुताबिक बीसीसीआई जसप्रीत बुमराह की वजह से अपने कॉन्ट्रैक्ट में बड़ा बदलाव कर सकती है और बोर्ड बुमराह को 2 करोड़ की भरपाई कर सकती है. हालांकि जसप्रीत बुमराह के अलावा अक्षर पटेल भी तीनों ही प्रारूपों में भारत की ओर से इन दिनों खेल रहे हैं. लेकिन उन्हें नए सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में ग्रेड c में रखा गया है.

बीसीसीआई ने नए कॉन्ट्रैक्ट में साफ नहीं किया था कि हर कैटेगरी में शामिल होने वाले खिलाड़ियों को कितने पैसे मिलेंगे.बीसीसीआई ने इस बार ग्रेड ए में शुभमन गिल, जसप्रीत बुमराह और रवींद्र जडेजा को जगह दी थी.

बीसीसीआई सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट

ग्रेड ए : शुभमन गिल, जसप्रीत बुमराह, रवींद्र जडेजा.

ग्रेड बी : वाशिंगटन सुंदर, रोहित शर्मा, विराट कोहली, केएल राहुल, मोहम्मद सिराज, हार्दिक पांड्या, ऋषभ पंत, कुलदीप यादव, यशस्वी जायसवाल, सूर्यकुमार यादव, श्रेयस अय्यर.

ग्रेड सी : अक्षर पटेल, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, शिवम दुबे, संजू सैमसन, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, ध्रुव जुरेल, हर्षित राणा, वरुण चक्रवर्ती, नितीश कुमार रेड्डी, अभिषेक शर्मा, साई सुदर्शन, रवि बिश्नोई, ऋतुराज गायकवाड़.

अगरकर ने वर्ल्डकप तक कॉन्ट्रैक्ट बढ़ाने की मांग की

2023 में पद संभाला था; पहले भी मिल चुका है एक्सटेंशन

मुंबई, 19 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम के चीफ सिलेक्टर अजीत अगरकर ने अपने कॉन्ट्रैक्ट को 2027 वनडे वर्ल्ड कप तक बढ़ाने की इच्छा जताई है। उन्होंने इसके लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड से एक्सटेंशन मांगा है।

अगरकर का मौजूदा कार्यकाल पहले ही बढ़ाया जा चुका है। 2025 आईपीएल से पहले बीसीसीआई ने उनका कॉन्ट्रैक्ट एक साल के लिए बढ़ाकर जून 2026 तक कर दिया था। पूर्व तेज गेंदबाज अगरकर को जुलाई 2023 में टीम इंडिया की सिलेक्शन कमेटी का चेयरमैन बनाया गया था।

अगरकर के कार्यकाल में भारत ने तीन खिताब जीते

अगरकर के कार्यकाल में टीम इंडिया 2024 में टी-20 वर्ल्ड कप और पिछले साल की शुरुआत में चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी। इसके अलावा, टीम इंडिया 2023 के वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल में भी पहुंची थी। जहां उसे ऑस्ट्रेलिया के हाथों हार मिली थी। इसके अलावा टीम ने हाल ही में टी-20 वर्ल्ड कप खिताब भी डिफेंड किया।

बीसीसीआई के मंजूरी का इंतजार

रिपोर्ट के मुताबिक, इस मुद्दे पर पहले ही चर्चा हो चुकी है। अब देखना यह है कि क्या बीसीसीआई अगरकर के रिक्वेस्ट को मंजूरी देता है या नहीं। हालांकि फिलहाल, बोर्ड के पास इस पद के लिए कोई मजबूत विकल्प नहीं है। भारतीय टीम के लिए अगली चुनौती वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप और वनडे वर्ल्ड कप है।

आईपीएल 2025 से पहले कॉन्ट्रैक्ट रिन्यू किया गया था

पिछले साल एक रिपोर्ट आई थी उसके मुताबिक, अगरकर का कॉन्ट्रैक्ट इंडियन प्रीमियर लीग 2025 से पहले रिन्यू किया गया था। एक बीसीसीआई अधिकारी ने बताया, उनके कार्यकाल में भारतीय टीम ने खिताब जीते और बदलाव (टेस्ट और टी-20 में) भी देखा। बीसीसीआई ने उनका कॉन्ट्रैक्ट जून 2026 तक बढ़ा दिया था और उन्होंने कुछ महीने पहले इस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया था।

349 इंटरनेशनल विकेट ले चुके हैं

अगरकर करियर में 349 इंटरनेशनल विकेट ले चुके हैं। उन्होंने टेस्ट में 58, वनडे में 288 और टी-20 इंटरनेशनल में 3 विकेट लिए हैं।

टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे : अजित अगरकर 2007 में टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम इंडिया का हिस्सा रहे। उन्होंने टूर्नामेंट के 2 मैचों में 15 रन बनाने के साथ एक विकेट भी लिया था। साउथ अफ्रीका में हुए टूर्नामेंट के फाइनल में भारत ने पाकिस्तान को हराकर खिताब जीता था।

वनडे में सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले भारतीय : अजित अगरकर वनडे में सबसे तेज हाफ सेंचुरी जमाने वाले भारतीय बैटर हैं। उन्होंने साल 2000 में जिम्बाब्वे के खिलाफ 21 बॉल पर अर्धशतक जमाया था।

सबसे बड़ा आईपीएल, इस बार 84 मुकाबले

बेंगलुरु, 18 मार्च (एजेंसियां)। ठीक 10 दिन बाद, यानी 28 मार्च की शाम जब बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में टॉस के लिए सिक्का उछलेगा, तो भारत में सिर्फ एक टूर्नामेंट नहीं, बल्कि एक 'त्योहार' की शुरुआत होगी। आईपीएल का 19वां सीजन अपने अब तक के सबसे भव्य और लंबे अवतार में हमारे सामने आ रहा है। यह सीजन पिछले 18 सालों के इतिहास से अलग है।

इस बार 10 टीमों के बीच कुल 84 मुकाबले खेले जाएंगे, जो इसे अब तक का सबसे बड़ा सीजन बनाएंगे। पहले अधिकतम 74 मैच होते थे। 10 टीमों के बीच देशभर के 13 अलग-अलग वेन्यू पर 64 दिन चौके-छक्के का रोमांच नजर आएगा। नए सीजन के लिए सभी 10 टीमों ने तैयारियां तेज कर दी हैं और प्री-सीजन ट्रेनिंग कैंप के जरिए खिलाड़ी मैच मोड में आने की कोशिश कर रहे हैं। वर्ल्ड कप खत्म होने के ठीक 20 दिन बाद आईपीएल शुरू हो रहा है। ऐसे में बीसीसीआई और आईपीएल फ्रेंचाइजी मिलकर कई प्रमुख खिलाड़ियों के वर्कलोड पर नजर भी रख रही हैं।

चेन्नई के कप्तान ऋतुराज, धोनी समेत कई खिलाड़ी 1 मार्च से नवेलूर स्थित हाई परफॉर्मेंस सेंटर में अभ्यास शुरू कर चुके हैं। वहीं, आरसीबी ने 10 फरवरी से कैंप शुरू किया, जिसमें जितेश, वेंकटेश और सुयश शर्मा जैसे खिलाड़ी शामिल रहे। गुजरात के 16 फरवरी से नाथद्वारा में आयोजित कैंप में कप्तान शुभमन और साई सुदर्शन शामिल थे। टीम जनवरी में भी कैंप कर चुकी है। पंजाब किंग्स ने 8-14 फरवरी तक अबु धाबी में कैंप किया। टीम का दूसरा कैंप भी शुरू हो चुका है। लखनऊ ने अपने तेज गेंदबाजों को डरबन भेजा था। अब मुख्य कैंप लखनऊ में शुरू हो चुका है। सनराइजर्स हैदराबाद, मुंबई, राजस्थान, केकेआर, दिल्ली का भी कैंप शुरू हो चुका है।

आईपीएल के 19 साल के सफर में तीन चेहरे ऐसे हैं, जिन्होंने इस लीग को 'कल्ट' बनाया। ये हैं एमएस धोनी, रोहित शर्मा और विराट कोहली। यह आखिरी सीजन हो सकता है, जब तीनों एक साथ खेलते नजर आएं।

चेन्नई के 'थाला' ने एमए चिदंबरम स्टेडियम में कुछ हफ्ते पहले अभ्यास शुरू कर दिया है। चर्चा है कि 44 साल की उम्र में यह धोनी का विदाई सीजन हो सकता है। लेकिन, उनकी फिटनेस और लंबे छक्कों को देखकर लगता है कि वे अब भी किसी युवा खिलाड़ी को मात दे सकते हैं।

पश्चिम एशिया तनाव के बीच कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में शामिल होंगी कोनेरू हंपी?

सुरक्षा पर जता चुकीं हैं चिंता

नई दिल्ली, 19 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय ग्रैंडमास्टर कोनेरू हंपी इस महीने साइप्रस में होने वाले प्रतिष्ठित कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में हिस्सा लेने को लेकर अब भी असमंजस की स्थिति में हैं। उन्होंने पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के बीच मेजबान देश में सुरक्षा की स्थिति को लेकर अपनी चिंताओं को फिर से दोहराया है।

28 मार्च से साइप्रस में शुरू होगा टूर्नामेंट, हंपी ने जताई चिंता

विश्व चैंपियनशिप के खिताबों के लिए चुनौती पेश करने वाले खिलाड़ियों का फैसला करने वाला कैंडिडेट्स टूर्नामेंट 28 मार्च से शुरू होना है। पुरुष वर्ग का खिताब भारत के डी गुकेश जबकि महिला वर्ग का खिताब चीन की जू वेनजुन के पास है। हंपी ने 'एक्स' पर लिखा, 'मुझे पता है कि मैं अकेले शायद कुछ भी नहीं बदल सकती। लेकिन चाहे मैं कैंडिडेट्स में खेलूं या नहीं खेलूं, मुझे लगता कि जो मैं महसूस करती हूं उसे जाहिर करना जरूरी है।' उन्होंने कहा, 'मैं उन सभी की शुक्रगुजार हूं जिन्होंने अपना समर्थन दिया है। जो लोग इस स्थिति की संवेदनशीलता को नहीं समझ सकते मैं उनके लिए बात यहीं छोड़ देती हूं।'

इस सप्ताह की शुरुआत में दो बार की महिला विश्व रैपिड चैंपियन और महिला विश्व खिताब की पूर्व चैलेंजर हंपी ने कहा था कि वह यात्रा करने में हिचकिचा रही हैं और टूर्नामेंट से नाम वापस लेने पर विचार कर रही हैं। इस महीने की शुरुआत में साइप्रस में एक ब्रिटिश हवाई अड्डे पर ड्रोन हमला हुआ था जिससे यह डर पैदा हो गया कि अमेरिका और इजरायल के ईरान पर हमलों से शुरू हुआ संघर्ष इस द्वीप पर भी सुरक्षा को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकता है।

फिडे के सीईओ ने क्या बोला?

शतरंज की वैश्विक संचालन संस्था फिडे के सीईओ एमिल सुतोवस्की ने इन चिंताओं को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि दूर-दूर तक भी ऐसा कुछ भी खतरनाक नहीं है जिसके लिए स्थल बदलने की जरूरत पड़े। खाड़ी देश इस समय संघर्ष की चपेट में हैं और इस क्षेत्र के ऊपर का हवाई क्षेत्र काफी हद तक बंद कर दिया गया है।

सुतोवस्की ने कहा, 'हमारी योजनाएं नहीं बदली हैं। हम कैंडिडेट्स टूर्नामेंट की तैयारियों के अंतिम चरण में हैं। बेशक, हम स्थिति पर नजर रख रहे हैं। साइप्रस युद्ध क्षेत्र या संघर्ष क्षेत्र से बहुत दूर नहीं है लेकिन साथ ही यह किसी भी तरह से सीधे तौर पर शामिल नहीं है और युद्ध की स्थिति में नहीं है।' साइप्रस भूमध्य सागर का तीसरा सबसे बड़ा द्वीप है और तुर्किये के दक्षिण में स्थित है। यह यूरोपीय संघ का सदस्य है। हंपी के अलावा भारत की आर वैशाली ने भी महिला कैंडिडेट्स के लिए क्वालिफाई किया है जबकि आर प्रज्ञानंदा ओपन वर्ग में एकमात्र भारतीय खिलाड़ी हैं।

हर मैच में 250 रन बनाने का दम, फिर भी सबसे कमजोर टीम

कैसे दूर होगी ये बड़ी मुसीबत?

नई दिल्ली, 19 मार्च (एजेंसियां)। आईपीएल के पिछले सीजन में कई रिकॉर्डतोड़ स्कोर देखने को मिले थे. पूरा सीजन बल्लेबाजों के नाम रहा था. खासकर सनराइजर्स हैदराबाद की टीम ने तूफानी खेल दिखाया था. सनराइजर्स हैदराबाद ने आईपीएल 2026 के लिए भी एक धमाकेदार बल्लेबाजी क्रम तैयार किया है, जो किसी भी विरोधी टीम के लिए चुनौती साबित हो सकता है. लेकिन टीम में एक ऐसी कमजोरी भी है जो बड़ा स्कोर बनाने के बाद भी मैच हरा सकती है.

250 रन बनाने का दम

सनराइजर्स हैदराबाद में ट्रेविस हेड, अभिषेक शर्मा, ईशान किशन और हेनरिख क्लासेन जैसे विस्फोटक बल्लेबाज मौजूद हैं, जिनके साथ अब लियाम लिविंगस्टन भी जुड़ गए हैं. यह बैटिंग लाइन-अप इतना मजबूत है कि टीम 20 ओवर में 250 रन आसानी से पार कर सकती है, जैसा कि पिछले सीजनों में देखा गया है. लेकिन मैच जीतना सिर्फ बड़े स्कोर पर निर्भर नहीं करता. एसआरएच के लिए असली चुनौती उनकी लिंग यूनिटमें है. कप्तान पैट कमिंस टीम के सबसे बड़े हथियार हैं. लेकिन बैक इंजरी के कारण वह शुरुआती कुछ मैचों में उपलब्ध नहीं होंगे. एसआरएच ने इसकी पुष्टि की है और कमिंस की वापसी का कोई समय तय नहीं है. उनकी गैरमौजूदगी में टीम की गेंदबाजी काफी कमजोर पड़ गई है, क्योंकि कोई भी ऐसा गेंदबाज नहीं है जो उनकी जगह पूरी तरह भर सके.

IPL में सबसे बड़ा स्कोर

स्कोर	टीम	खिलाफ	कहां
287/3	SRH	RCB	2024
277/3	SRH	MI	2024
272/7	KKR	DC	2024
266/7	SRH	DC	2024
263/5	RCB	PWI	2013

पैट कमिंस के बिना फंसी टीम

पैट कमिंस के बिना टीम को ईशान मलिंगा, हर्षल पटेल और जयदेव उनादकट जैसे गेंदबाजों पर निर्भर रहना होगा. इनमें अनुभव तो है, लेकिन लगातार अच्छा प्रदर्शन करने की कमी रही है. साथ ही, ये खिलाड़ी इंटरनेशनल क्रिकेट में भी ज्यादा सक्रिय नहीं रहे हैं. स्पिन विभाग में भी कोई बड़ा नाम नहीं है, जो पिछले सीजनों की तरह टीम की कमजोरी बनी हुई है. आंकड़ों से भी यही बात साफ होती है कि 2022 से अब तक SRH ने 19 बार 200 से ज्यादा रन खर्च किए हैं, जो उनकी गेंदबाजी की कमजोरी साफ दिखाता है. कमिंस के बिना यह समस्या और गंभीर हो गई है. शुरुआती मैचों में ईशान किशन को कप्तानी सौंपी गई है. ऐसे में टीम को उम्मीद करनी होगी कि बल्लेबाजी की ताकत से वह शुरुआती हार से बच सकें और कमिंस की वापसी तक मजबूत बने रहें.

एसआरएच की टीम : पैट कमिंस, ट्रेविस हेड, अभिषेक शर्मा, हेनरिख क्लासन, ईशान किशन, नीतीश कुमार रेड्डी, रविचंद्रन स्मरण, कामिंदु मेंडिस, हर्ष दुबे, ब्रायडन कार्स, ईशान मलिंगा, हर्षल पटेल, जयदेव उनादकट, जीशान अंसारी, शिवांग कुमार, सलिल अरोड़ा, प्रफुल्ल हिंजे, क्रेंस फुलेतरा, अमित कुमार, ओंकार तरमाले, साकिब हुसैन, शिवम मावी, जैक एडवर्ड्स, लियम लिविंगस्टन और अनिकेत वर्मा.

मेसी ने 900 गोल का आंकड़ा छुआ

रोनाल्डो के क्लब में शामिल, 1142 मैच में हासिल की उपलब्धि; इंटर मियामी कॉन्काकैफ कप से बाहर

ब्यूनस आयर्स, 19 मार्च (एजेंसियां)। अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉलर और इंटर मियामी के कप्तान लियोनेल मेसी आधिकारिक मैचों में 900 गोल करने वाले दुनिया के दूसरे पुरुष फुटबॉलर बन गए हैं। उन्होंने यह मुकाम नैशविले एससी के खिलाफ कॉन्काकैफ चैंपियंस कप के दूसरे लेग में हासिल किया।

हालांकि, मेसी के इस गोल के बावजूद इंटर मियामी का सफर टूर्नामेंट में आगे नहीं बढ़ सका। मुकाबला 1-1 से ड्रॉ रहा, जिसमें नैशविले के लिए क्रिस्टियन एस्पिनोजा ने गोल किया।

पहला लेग नैशविले के घरेलू मैदान पर खेला गया था, जो 0-0 से ड्रॉ रहा। इसके बाद दूसरा लेग इंटर मियामी के होम ग्राउंड पर खेला गया, जहां दोनों टीमों ने एक-एक गोल किया और मैच 1-1 से बराबरी पर समाप्त हुआ।

दोनों लेग के बाद कुल स्कोर बराबर रहने पर 'अवे गोल' नियम लागू किया गया। इस नियम के तहत जो टीम विपक्षी मैदान पर अधिक गोल करती है, उसे बढ़त मिलती है। इसी आधार पर नैशविले एससी अगले दौर में पहुंच गया, जबकि इंटर मियामी टूर्नामेंट से बाहर हो गई।

कोच बोले- जिम्मेदारी मेरी

मैच के बाद इंटर मियामी के कोच जेवियर मस्केरानो ने हार की जिम्मेदारी खुद ली। उन्होंने कहा, 'यह निराशाजनक रात है। हमने बढ़त बनाई थी और पहले हाफ में कई मौके भी बनाए, लेकिन हम उन्हें गोल में नहीं बदल सके।'

उन्होंने कहा कि टीम ने पूरी कोशिश की, लेकिन अंत में नतीजा उनके पक्ष में नहीं गया।

वहीं, नशविल के कोच बीजे कैलाघन ने मेसी की तारीफ करते हुए कहा, '900 गोल, उन्हें बधाई। वह सबसे बेहतरीन हैं।'

रोनाल्डो के नाम 965 गोल

मेसी अब क्रिस्टियानो रोनाल्डो के साथ 900 गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गए हैं। रोनाल्डो ने यह उपलब्धि सितंबर 2024 में हासिल की थी और उनके नाम फिलहाल 965 गोल हैं। मेसी ने 1142 मैच में 900 गोल पूरे किए, जबकि रोनाल्डो ने 1236 मैच खेले थे।

ब्राजील के दिग्गज पेले 765 गोल के साथ तीसरे स्थान पर हैं, जबकि मौजूदा खिलाड़ियों में रॉबर्ट लेवांडोव्स्की 690 गोल के साथ पीछे हैं।

मेसी ने 16 अक्टूबर 2004 को बार्सिलोना के लिए अपना प्रोफेशनल डेब्यू किया था और क्लब के लिए 672 गोल किए। इसके बाद उन्होंने पेरिस सेंट जर्मेन के लिए 32 और इंटर मियामी के लिए 81 गोल किए हैं।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उन्होंने अर्जेंटीना के लिए 115 गोल किए हैं।

मेसी के करियर का सबसे शानदार साल 2012 रहा था। उस एक कैलेंडर ईयर में उन्होंने क्लब और देश के लिए कुल 91 गोल दागे थे, जो आज भी एक वर्ल्ड रिकॉर्ड है। हाल के प्रदर्शन की बात करें तो मेसी ने 2025 एमएलएस सीजन में 29 गोल कर गोल्डन बूट जीता और लगातार दूसरी बार एमवीपी अवॉर्ड भी हासिल किया।

लिवरपूल 2022 के बाद चैंपियंस लीग के क्वार्टर फाइनल में

खेल डेस्क, 19 मार्च (एजेंसियां)। लिवरपूल ने 2022 के बाद पहली बार चैंपियंस लीग क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। एनफील्ड के मैदान पर खेले गए प्री क्वार्टर फाइनल में तुर्की क्लब गैलेटसाराय को 4-0 से हराया। इससे कुल मिलाकर 4-1 से लिवरपूल आगे बढ़ गया। पहले लेग में गैलेटसाराय ने 1-0 से जीता था। मैच के हीरो एक बार फिर मोहम्मद सलाह रहे। उन्होंने शुरुआत में एक पेनल्टी मिस कर दी थी, लेकिन बाद में शानदार वापसी करते हुए एक गोल किया और एक असिस्ट भी दिया। इस प्रदर्शन के साथ वह चैंपियंस लीग में 50 गोल करने वाले पहले अफ्रीकी खिलाड़ी बन गए। इसके अलावा, वह एंफील्ड में लिवरपूल के लिए 201 गोल में योगदान देने वाले खिलाड़ी भी बन गए हैं। एंफील्ड लिवरपूल का घरेलू मैदान है। यहां सलाह ने 211 मैच खेले हैं, जिनमें उन्होंने 140 गोल किए और 61 असिस्ट दिए हैं। हाफ-टाइम तक चर्चा सलाह की उस पेनल्टी को लेकर थी,जिसे वे गोल में नहीं बदल सके। सलाह जैसे खिलाड़ी के लिए यह एक कमजोर प्रयास था। हालांकि, मैनेजर अर्ने स्लॉट ने उनकी मानसिक मजबूती की तारीफ करते हुए कहा,'पेनल्टी चूकना एक कठिन पल था, लेकिन दूसरे हाफ में उन्होंने जिस तरह से वापसी की, एक शानदार असिस्ट दिया और फिर अपना ट्रेडमार्क गोल किया, वह उनकी मेंटल स्ट्रेंथ को दर्शाता है।'

केरल हाई कोर्ट से बीसीसीआई को मिली बड़ी राहत

आईपीएल 2026 से पहले खत्म हुआ विवाद

तिरुवनंतपुरम, 19 मार्च (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 की शुरुआत 28 मार्च से होने जा रही है. सीजन का पहला मुकाबला रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच खेला जाएगा. इस बार आईपीएल का 19वां सीजन खेला जाएगा. टूर्नामेंट से पहले भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड को बड़ी राहत मिली है. केरल हाईकोर्ट ने आईपीएल नाम को लेकर विवाद खत्म कर दिया है. आइए जानते हैं पूरा मामला.

केरल हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की गई थी, जिसमें कह गया था कि बीसीसीआई क्या अपनी लीग के लिए आईपीएल नाम का इस्तेमाल कर सकती है? याचिकाकर्ता आशिक करौथ का तर्क था कि बीसीसीआई द्वारा IPL नाम का इस्तेमान करना अवैध है. अब मुख्य न्यायाधीश सौमेन सेन और न्यायमूर्ति श्याम कुमार वीएम की बेंच ने इस याचिका को खारिज कर दिया है. इसके अलावा कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता को इतने सालों बाद अचानक याद आया कि आईपीएल देश का कोई 'आधिकारिक' टूर्नामेंट नहीं है. अदालत ने साफ कर दिया है कि इस दलील में कोई दम नहीं है.

साल 2008 में हुई थी शुरुआत

आईपीएल का पहला संस्करण साल 2008 में खेला गया था. अब तक आईपीएल के 18 सीजन खेले जा चुके हैं. वहीं अब 19वें सीजन की शुरुआत 28 मार्च से होने जा रही है.

आईपीएल में दुनिया भर के स्टार खिलाड़ी हिस्सा लेते हैं. भारतीय खिलाड़ियों के अलावा विदेशी खिलाड़ियों पर पैसों की बारिश भी होती है. साल 2021 तक आईपीएल में 8 टीमें हिस्सा लेते थीं, लेकिन साल 2022 में टीमों की संख्या को बढ़ाकर 10 कर दिया गया था. लगभग 2 महीने तक ये टूर्नामेंट चलता है और भारत में ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में इस लीग को पसंद किया जाता है.

ये दुनिया की सबसे अमीर क्रिकेट लीग है. बीसीसीआई ने आईपीएल 2026 के शेड्यूल का ऐलान शुरुआती 20 मैचों के लिए किया है. भारत में कई राज्य में चुनाव होने हैं. इसलिए ये फैसला लिया गया है.

आईपीएल 2026 से पहले पिता बने दिनेश कार्तिक

चेन्नई, 19 मार्च (एजेंसियां)। दिनेश कार्तिक ने भारत के लिए 26 टेस्ट, 94 वनडे और 60 टी-20 मैच खेले हैं, जबकि दीपिका पल्लीकल ने स्क्वैश में कई पदक जीते हैं और पद्म श्री से सम्मानित हैं. पूर्व भारतीय क्रिकेटर दिनेश कार्तिक और स्क्वैश स्टार दीपिका पल्लीकल तीसरी बार पैरेंटेस बने हैं. 19 मार्च को दिनेश कार्तिक ने सोशल मीडिया अकाउंट से इस बात की जानकारी दी. क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद दिनेश कार्तिक कमेंट्री करते हैं. इससे पहले साल 2021 में दिनेश कार्तिक जुड़वां बच्चे के पिता बने थे. कार्तिक तीसरी बार पिता बनने के बाद खुश हैं. उन्होंने खुशी भी जाहिर की है. दिनेश कार्तिक और दीपिका पल्लीकल ने साल 2015 में हिंदू और ईसाई रीति रिवाजों से शादी रचाई थी. साल 2021 में दोनों जुड़वा बच्चे के पैरेंट्स बने थे. उन्होंने अपनी बेटी का नाम राहा पल्लिकल कार्तिक रखा है. सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा करते हुए उन्होंने लिखा "दिल में ढेर सारी खुशियां और असीम कृतज्ञता के साथ, हम अपनी अनमोल बेटी का इस दुनिया में स्वागत करते हैं. कबीर और जियान अपनी छोटी बहन राहा पल्लीकल कार्तिक को दुनिया से मिलवाकर बेहद खुश हैं. ढेर सारा प्यार, दीपिका और दिनेश."

तेलंगाना गद्दर फिल्म अवार्ड्स 2025 समारोह आयोजित

हैदराबाद, 19 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना गद्दर फिल्म अवार्ड्स-2025 समारोह हैदराबाद हाईटेक्स में आयोजित किया गया। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने मुख्य अतिथि के रूप में इसमें शिरकत की। इस अवसर पर उपस्थित लोगों में उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, मंत्रीगण, सांसद, सलाहकार, विधायक, एमएलसी, तेलंगाना फिल्म विकास निगम के अध्यक्ष दिल राजू, जाने-माने फिल्म अभिनेता चिरंजीवी, कमल हासन और नागार्जुन तथा फिल्म जगत की अन्य गणमान्य हस्तियाँ शामिल थीं।

खेती को लाभकारी बनाना लक्ष्य : रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, 19 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। 'श्री पराभव नाम उगादी' उत्सव के अवसर पर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने किसानों के कल्याण को सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए नए वर्ष को 'किसान नाम वर्ष' घोषित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य तेलंगाना में कृषि को लाभकारी बनाकर किसानों को समृद्ध करना है। उन्होंने बताया कि सरकार किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य देने के साथ-साथ बोनस भी प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा कि देश में सबसे कम कृषि ऋण भार वाले राज्यों में तेलंगाना का स्थान होना गर्व की बात है। राज्य की लगभग 70 प्रतिशत आबादी कृषि पर निर्भर है, इसलिए सरकार ने किसानों के हित में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकार ने 2 लाख रुपये तक की ऋण माफी कर किसानों को कर्ज से राहत दी है। इसके अलावा 'रैतू भरोसा' योजना के तहत 18 हजार करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं और 22 मार्च को एक बार फिर इस योजना की राशि जारी की जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों के कल्याण और कृषि विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है। भूमि संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए नई व्यवस्थाएं लागू की जा रही हैं, जिससे किसानों को राहत मिल रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य तेलंगाना को देश का अग्रणी राज्य बनाना है। साथ ही, प्राकृतिक आपदाओं के प्रति सरकार पूरी तरह सतर्क है और किसानों के हितों की रक्षा के लिए हर संभव कदम उठाए जा रहे हैं।

विकास और कल्याण योजनाएं हर पात्र तक पहुंचें : महेश कुमार गौड़

हैदराबाद, 19 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। गांधी भवन में आयोजित पंचांग श्रवण कार्यक्रम के दौरान तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने राज्य के लोगों, कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं को 'पराभव उगादी नाम संवत्सर' की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कामना की कि नए वर्ष में तेलंगाना के लोगों को सभी क्षेत्रों में प्रगति मिले और सभी नागरिक सुख-शांति के साथ जीवन यापन करें। महेश कुमार गौड़ ने कहा कि दो वर्ष पूर्व जनता के समर्थन से कांग्रेस पार्टी राज्य में सत्ता में आई। उन्होंने बताया कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी और राहुल गांधी के नेतृत्व और प्रयासों से गठित कांग्रेस सरकार प्रदेश में प्रभावी शासन दे रही है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क तथा मंत्रिमंडल के सभी सदस्य मिलकर राज्य में उत्कृष्ट प्रशासन देने के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस सरकार अपने सभी वादों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है और इस दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। नए वर्ष के संदर्भ में उन्होंने अपील की कि 'पराभव' किसी का न हो, बल्कि सभी लोग मिलजुलकर शांति और सद्भाव के साथ जीवन व्यतीत करें। अंत में उन्होंने कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि सरकार की विकास और कल्याणकारी योजनाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए सक्रिय रूप से कार्य करें।

खाद्य मिलावट के खिलाफ सख्ती, एच-एफएएसटी टीम का गठन

जनता के लिए टोल-फ्री नंबर जारी

हैदराबाद, 19 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में खाद्य सुरक्षा को सुदृढ़ करने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल के तहत हैदराबाद फूड एडल्टरेशन सर्विलांस टीम (एच-एफएएसटी) का गठन किया गया है। यह टीम पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार के नेतृत्व में तथा फूड सेफ्टी अधिकारियों के समन्वय से कार्य करेगी।

इस विशेष इकाई का उद्घाटन गायकवाड़ वैभव रघुनाथ द्वारा किया गया। इसके साथ ही खाद्य मिलावट के खिलाफ एक समर्पित और इंटेलिजेंस आधारित तंत्र की शुरूआत हुई है। एच-एफएएसटी टीम में कुल 28 सदस्य शामिल हैं, जिनमें इंस्पेक्टर, सब-इंस्पेक्टर और अन्य स्टाफ शामिल हैं। यह टीम असुरक्षित खाद्य पदार्थों से संबंधित मामलों की निगरानी, जांच और दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेगी। टीम फूड सेफ्टी अधिकारियों के साथ मिलकर छापेमारी भी करेगी। कार्यक्रम में इंस्पेक्टर एन. रंजीत कुमार गौड़, अंजैया तथा सब-इंस्पेक्टर रम्या, अभिलाष, अखिल और कृष्णा सहित पूरी टीम उपस्थित रही। जनता की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए एक टोल-फ्री नंबर 8712661212 जारी किया गया है, जिस पर लोग खाद्य मिलावट या असुरक्षित खाद्य से संबंधित शिकायतें दर्ज करा सकते हैं। इसके अलावा एच-एफएएसटी के आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से भी जानकारी साझा की जा सकती है। अधिकारियों ने बताया कि खाद्य मिलावट एक गंभीर अपराध है, जो जनस्वास्थ्य के लिए खतरा है। इस पर जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई जाएगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। नागरिकों से सतर्क रहने और संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी देने की अपील की गई है।

गरीबों के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है सरकार : मंत्री

*** करीमनगर में उगादी उत्सव मनाया गया**

हैदराबाद, 19 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। 'श्री पराभव नाम संवत्सर' उगादी पर्व के अवसर पर करीमनगर स्थित कैंप कार्यालय में आयोजित समारोह में मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने भाग लेकर पूजा-अर्चना की और प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर सुडा चेयरमैन कोमटिरेड्डी नरेंद्र रेड्डी, लाइब्रेरी चेयरमैन सत्तु मल्लेश, शहर कांग्रेस अध्यक्ष अंजन कुमार, पूर्व विधायक सत्यनारायण गौड़ सहित कई जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि उगादी के इस पावन अवसर पर वे प्रार्थना करते हैं कि राज्य में अच्छी वर्षा हो, फसलें लहलहाएं और सभी लोग स्वस्थ एवं सुखी जीवन व्यतीत करें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे कल्याण और विकास कार्यक्रम बिना किसी बाधा के जनता तक पहुंचें, यही उनकी कामना है। उन्होंने कहा कि जनता के आशीर्वाद से बनी यह सरकार गरीबों के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है और सभी वर्गों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। राष्ट्रीय मुद्दों पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि राष्ट्रगान का सम्मान सभी को करना चाहिए और किसी को कोई शिकायत हो तो उसे विधिवत रूप से विधानसभा अध्यक्ष के संज्ञान में लाना चाहिए। राजनीतिक टिप्पणी करते हुए उन्होंने महात्मा मोहनदास करमचंद गांधी और नाथूराम गोडसे का उल्लेख करते हुए विपक्ष पर निशाना साधा और कहा कि देश को बांटने वाली विचारधारा को बढ़ावा देना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि देश के विकास में जवाहरलाल नेहरू से लेकर मनमोहन सिंह तक के योगदान महत्वपूर्ण रहे हैं। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को तेलंगाना के विकास पर अधिक ध्यान देना चाहिए। मंत्री ने कहा कि तेलंगाना के गठन में सोनिया गांधी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है और राज्य के विकास के लिए सभी को मिलकर कार्य करना चाहिए। उन्होंने मूसी नदी विकास परियोजना का उल्लेख करते हुए कहा कि विस्थापितों के साथ न्याय करने के बाद ही आगे बढ़ा जाएगा और किसी के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। अंत में उन्होंने कहा कि राज्य के समग्र विकास के लिए सभी राजनीतिक दलों को सहयोग करना चाहिए, जिससे तेलंगाना प्रगति के पथ पर आगे बढ़ सके।

इंजीनियरिंग शिक्षा के बदलते स्वरूप पर अहमदाबाद विश्वविद्यालय का 'ओपन हाउस' आयोजित

हैदराबाद, 19 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। इंजीनियरिंग शिक्षा को भविष्य की जरूरतों के अनुरूप ढालने और इसमें व्यापक सुधार लाने के उद्देश्य से अहमदाबाद विश्वविद्यालय ने हैदराबाद में एक 'ओपन हाउस' चर्चा का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में अभिभावकों, छात्रों और शिक्षा विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया, जहां विशेषज्ञों ने पारंपरिक इंजीनियरिंग पढ़ाई और उद्योग की वास्तविक अपेक्षाओं के बीच बढ़ते अंतर पर चिंता जताई। पैनल में स्टैनफोर्ड और आईआईटी जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों से जुड़े डॉ. सुनील काले और डॉ. श्रीधर दलाई जैसे दिग्गजों ने अपने विचार रखे। चर्चा के दौरान विशेषज्ञों ने इस बात पर जोर दिया कि आज के दौर में केवल तकनीकी ज्ञान पर्याप्त नहीं है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), जलवायु परिवर्तन और शहरी बुनियादी ढांचे जैसी चुनौतियाँ अब एक-दूसरे से गहराई से जुड़ी हुई हैं, जिन्हें समझने के लिए बहु-विषयक सोच की आवश्यकता है। इसी समस्या के समाधान के रूप में अहमदाबाद विश्वविद्यालय ने अपने 'लिबरल टेक मॉडल' को प्रस्तुत किया। यह मॉडल स्नातक इंजीनियरिंग शिक्षा का एक ऐसा आधुनिक दृष्टिकोण है, जो तकनीकी कौशल को कला, विज्ञान और मानविकी जैसे उदार विषयों के साथ एकीकृत करता है। पारंपरिक बीटेक कार्यक्रमों से इतर, इस मॉडल के तहत छात्रों को उनके मुख्य इंजीनियरिंग विषयों के साथ-साथ सामाजिक और मानवीय पहलुओं को समझने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है। पैनल ने स्पष्ट किया कि भविष्य के इंजीनियरों को केवल मशीनें या कोड बनाना ही नहीं, बल्कि वैश्विक समस्याओं के लिए मानवीय दृष्टिकोण से समाधान खोजना भी आना चाहिए।

सीएम 22 को ऑयल पाम फैक्ट्री का उद्घाटन करेंगे

हैदराबाद, 19 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में नर्मेटा ऑयल पाम फैक्ट्री के पास आज से किसान उत्सव शुरू हो गए हैं। यह उत्सव 22 मार्च तक आयोजित रहेगा और किसानों को लाभकारी कृषि पद्धतियों से अवगत कराने के लिए विभिन्न कार्यक्रम और स्टॉल लगाए गए हैं। कार्यक्रम में गड्डम प्रसाद, गुत्ता सुखेंदर रेड्डी, मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव, वाकिटी श्रीहरी, पोनम प्रभाकर और विवेक वेंकटस्वामी उपस्थित हैं। कृषि, पशुपालन और संबद्ध विभागों के 150 स्टॉल इस अवसर पर लगाए गए हैं। आज मंत्री गणों ने गार्ड ऑफ ऑनर के साथ इन स्टॉल का उद्घाटन किया।

सुप्रीम कोर्ट में 'तलाक-ए-हसन' और एकतरफा तलाक की प्रथाओं पर अहम सुनवाई

हैदराबाद, 19 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सुप्रीम कोर्ट मुस्लिम समुदाय में प्रचलित एकतरफा तलाक की प्रथाओं, जैसे 'तलाक-ए-हसन' और 'तलाक-ए-अहसान' की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करेगा।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम. पंचोली की पीठ इस मामले पर विचार करेगी कि क्या किसी मुस्लिम पुरुष द्वारा पत्नी की सहमति के बिना विवाह खत्म करने की यह शक्ति महिलाओं के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है। याचिकाकर्ताओं का तर्क है कि ये प्रथाएं संविधान के अनुच्छेद 14, 15 और 21 के तहत मिलने वाले समानता और गरिमा के अधिकार के खिलाफ हैं। पिछली कार्यवाहियों के दौरान, अदालत ने स्पष्ट किया था कि उसका प्राथमिक सिद्धांत धार्मिक मामलों में कम से कम हस्तक्षेप करना है, लेकिन यदि किसी प्रथा से सीधे तौर पर मानवाधिकारों या संवैधानिक अधिकारों का हनन होता है, तो न्यायालय को दखल देना होगा। एक विशेष मामले में, पीठ ने एक पति द्वारा दिए गए कथित 'तलाक-ए-हसन' पर रोक लगाते हुए निर्देश दिया था कि पति-पत्नी को तब तक कानूनी रूप से विवाहित माना जाए, जब तक कि पति वैध तलाक साबित न कर दे। कोर्ट ने व्यक्तिगत मामलों के तथ्यों के आधार पर अंतरिम आदेश तो दिए हैं, लेकिन इन प्रथाओं की समग्र वैधता पर अंतिम फैसला आना अभी बाकी है। मामले की गंभीरता को देखते हुए, शीर्ष अदालत ने पत्रकार बेनजीर हीना द्वारा दायर मुख्य याचिका में आपसी समाधान तलाशने के लिए पूर्व न्यायाधीश जस्टिस कुरियन जोसेफ को मध्यस्थ भी नियुक्त किया था।

याचिकाओं में यह चिंता भी जताई गई है कि आधुनिक दौर में ईमेल और मैसेजिंग ऐप्स जैसे इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से दिए जाने वाले तलाक महिलाओं की स्थिति को और असुरक्षित बना रहे हैं। अदालत अब यह तय करेगी कि क्या इन न्यायेतर प्रथाओं को विनियमित करने के लिए नए दिशा-निर्देशों की आवश्यकता है ताकि प्रभावित महिलाओं के अधिकारों की रक्षा की जा सके।

सदाशिवपेट बाईपास पर जली हुई अवस्था में मिली महिला

संगारेड्डी, 19 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सदाशिवपेट मंडल के येनकेपल्ली गांव के पास गुरुवार को एक 45 वर्षीय महिला संदिग्ध परिस्थितियों में गंभीर रूप से झुलसी हुई पाई गई। महिला की पहचान सदाशिवपेट कस्बे के राम मंदिर इलाके के निवासी रमेश की पत्नी वी. विजया (45) के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों ने महिला को सदाशिवपेट बाईपास रोड के किनारे बेहोशी की हालत में देखा, जिसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पीड़िता को तुरंत सदाशिवपेट के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। सदाशिवपेट पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हालांकि, अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि यह आत्महत्या का प्रयास था या किसी ने महिला को जिंदा जलाने की कोशिश की है।

हैदराबाद एयरपोर्ट को मिला 'सर्वश्रेष्ठ सेवा' का सम्मान

> दक्षिण एशिया में लहराया परचम

हैदराबाद, 19 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जीएमआर हैदराबाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी सेवा का लोहा मनवाया है। प्रतिष्ठित वैश्विक रेटिंग एजेंसी 'स्काईट्रैक्स' द्वारा हैदराबाद एयरपोर्ट को 'भारत और दक्षिण एशिया 2026 में सर्वश्रेष्ठ हवाई अड्डा कर्मचारी' के पुरस्कार से नवाजा गया है। यह पांचवीं बार है जब हैदराबाद हवाई अड्डे ने यह गौरवशाली उपलब्धि हासिल की है। लंदन में आयोजित 'पैसेंजर टर्मिनल एक्सपो 2026' के दौरान इस सम्मान की घोषणा की गई, जो यात्रियों को सुगम और सुखद यात्रा अनुभव देने की हवाई अड्डे की प्रतिबद्धता को प्रमाणित करता है।

स्काईट्रैक्स का यह पुरस्कार यात्रियों के वैश्विक सर्वेक्षण और व्यापक मूल्यांकन के आधार पर दिया जाता है। इसमें चेक-इन, सुरक्षा जांच, आव्रजन (इमिग्रेशन), बोर्डिंग क्षेत्र और आगमन जैसे प्रमुख बिंदुओं पर हवाई अड्डा कर्मचारियों की मित्रता, कार्यक्षमता और पेशेवर व्यवहार को मापा जाता है। यात्रियों ने हैदराबाद एयरपोर्ट के स्टाफ की दक्षता और उनकी सहायता करने की प्रवृत्ति को दक्षिण एशिया में सबसे बेहतर माना है। इस बड़ी उपलब्धि के अलावा, हैदराबाद हवाई अड्डे ने अन्य श्रेणियों में भी शानदार प्रदर्शन किया है। इसे भारत और दक्षिण एशिया का 'दूसरा सर्वश्रेष्ठ क्षेत्रीय हवाई अड्डा' और कुल मिलाकर 'तीसरा सवश्रेष्ठ हवाई अड्डा' घोषित किया गया है। वैश्विक स्तर पर 20-30 एमपीपीए (मिलियन पैसेंजर प्रति वर्ष) की श्रेणी में हैदराबाद एयरपोर्ट को 8वां स्थान प्राप्त हुआ है। यह सम्मान दर्शाते हैं कि हैदराबाद एयरपोर्ट न केवल बुनियादी ढांचे में, बल्कि अपनी सेवाओं और कर्मचारी प्रबंधन में भी दुनिया के शीर्ष हवाई अड्डों को टक्कर दे रहा है।

हैदराबाद में ईद-उल-फितर की तैयारियां तेज

हैदराबाद, 19 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। शहर और आसपास के इलाकों में शनिवार को ईद मनाए जाने की संभावना के बीच ऐतिहासिक ईदगाहों में नमाज की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। इस वर्ष सबसे बड़ा मजमा मीर आलम ईदगाह में जुटने की उम्मीद है, जहां लगभग 2 लाख लोग एक साथ नमाज अदा करेंगे।

18वीं शताब्दी में निर्मित यह ईदगाह आसफजाही काल से ही शाही परिवार और आम जनता की पसंद रहा है। इसके साथ ही, 16वीं शताब्दी के कुतुब शाही काल में निर्मित मदनपेट के 'क़दीम ईदगाह' में भी करीब 50,000 लोगों के पहुंचने का अनुमान है। तेलंगाना वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष अजमतुल्लाह हुसैनी ने अन्य विभागों के साथ मिलकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

32 लाख करोड़ से अधिक का बजट आज पेश करेगी रेवंत सरकार

हैदराबाद, 19 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना की कांग्रेस सरकार शुक्रवार को राज्य विधानसभा में वित्त वर्ष 2026-27 के लिए अपना तीसरा बजट पेश करने जा रही है। उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री मल्लु भट्टी विक्रमार्क 32 लाख करोड़ रुपये से अधिक का बजट पेश करेंगे, जिसे विशेषज्ञों द्वारा अत्यधिक महत्वाकांक्षी माना जा रहा है। एक तरफ जहां सरकार अपनी 'छह गारंटियों' को पूरी तरह लागू न कर पाने के दबाव में है, वहीं दूसरी ओर वित्तीय संकट और राजस्व की कमी के बावजूद नई योजनाओं की घोषणाओं के साथ स्थिति को संभालने की कोशिश की जा रही है। बजट में शिक्षा और कौशल विकास पर विशेष जोर रहने की संभावना है। सूत्रों के अनुसार,

छात्रों के लिए 'यंग इंडिया किट', छात्राओं के लिए इलेक्ट्रिक स्कूटर, दुग्ध किसानों के लिए रियायती पशुधन और नए एकीकृत आवासीय विद्यालयों जैसी योजनाओं को प्रमुखता दी जाएगी। साथ ही, बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक का प्रस्ताव रखा जा सकता है, जिसमें क्षेत्रीय रिंग रोड, मूसी नदी तट सौंदर्यीकरण और मेट्रो फेज-II जैसी मेगा परियोजनाएं शामिल हैं। सिंचाई के क्षेत्र में पालमुरु-रंगारेड्डी और कोडंगल लिफ्ट योजनाओं के लिए भी भारी आवंटन की उम्मीद है, हालांकि यह पिछले वर्ष की तुलना में कम रह सकता है।

सबसे बड़ी चुनौती बजट के लिए धन जुटाना है। राज्य का कर्ज पहले ही 3 लाख करोड़ रुपये के करीब पहुंच चुका है, और सरकार अब उधारी तथा केंद्रीय निधियों पर भारी निर्भरता दिखा रही है। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने संकेत दिए हैं कि सरकार 2 लाख करोड़ रुपये के पुराने ऋणों के पुनर्गठन के लिए केंद्र से बातचीत कर रही है। राजस्व वृद्धि धीमी होने के कारण सरकार बाजार से ऋण लेने और संपत्तियों के मुद्रीकरण जैसे विकल्पों पर विचार कर रही है। शुक्रवार को कैबिनेट की मंजूरी के बाद पेश होने वाला यह बजट तय करेगा कि सरकार अपने विकास कार्यों और कल्याणकारी वादों के बीच वित्तीय संतुलन कैसे बनाए रखती है।

मंत्री नारा लोकेश ने अपने बेटे देवांश के साथ उगादी का त्योहार मनाया

अमरावती, 19 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के शिक्षा और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री नारा लोकेश ने अपने बेटे देवांश के साथ उगादी का त्योहार मनाया। राजनीति में व्यस्त होने के बावजूद, उन्होंने त्योहार के दौरान अपने परिवार के साथ बिताए पलों को सोशल मीडिया पर साझा किया।

अपने बेटे देवांश को 'मेरा चैंपियन' कहते हुए, उन्होंने उगादी के दिन उनके साथ ली गई तस्वीरें साझा कीं। उगादी मीठे और कड़वे का मिश्रण है। उन्होंने कामना की कि इस नए साल में सभी के जीवन में अधिक मीठे पल (खुशी) हों और कम कड़वे अनुभव (दुख) हों। सभी जानते हैं कि लोकेश अपनी फिटनेस के लिए बहुत सख्त डाइट फॉलो करते हैं। हालांकि, उन्होंने मजाक में कहा कि उगादी के पकवानों का लुत्फ उठाने के लिए उन्होंने एक दिन के लिए डाइट से ब्रेक लिया। इस मौके पर उन्होंने पोस्ट के जरिए सभी तेलुगु लोगों को 'हैप्पी उगादी' की शुभकामनाएं दीं। लोकेश आमतौर पर अपनी डाइट और वर्कआउट को लेकर काफी गंभीर रहते हैं। लेकिन त्योहार के दौरान वे घर के बने पकवान जैसे बोब्बट्टु और उगादी की चटनी को नहीं छोड़ पाए और अपनी डाइट को नजरअंदाज नहीं कर सके, जो उनके सरल स्वभाव को दर्शाता है। नेटिज़न्स भी मजाक में कमेंट कर रहे हैं, 'सर, डाइट से ब्रेक लेना अच्छा है, त्योहार का आनंद लीजिए।'

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.